इतिहास, कला एवं संस्कृति & भूगोल

खार्गः ईरान का सबसे बड़ा युद्धपोत

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में ईरानी नौसेना के सबसे बड़े युद्धपोत खार्ग में आग लग गई और बाद में वह अस्पष्ट परिस्थितियों में ओमान की खाड़ी में डूब गया।

ओमान की खाड़ी के बारे में जानकारी

- ओमान की खाड़ी अथवा ओमान सागर एक खाड़ी है जो होरमुज़ जलसंधि से अरब सागर को जोड़ती है, फिर वह फारस की खाड़ी ओर जाती है।
- इसकी पूर्वी सीमाएं ईरान और पाकिस्तान से, दक्षिण में ओमान से और पश्चिम में संयुक्त अरब अमीरात से लगती हैं।
- ओमान की खाड़ी अरब सागर, हिंद महासागर और फारस की खाड़ी से एकमात्र प्रवेश उपलब्ध कराती है
- विश्व के प्रमुख तेल निर्यातकों का इसकी सुरक्षा में संयुक्त हित है।

हिंद महासागर द्विध्रुव मानसून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है**?**

- हाल में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि मानसून के 88 सेमी. के दीर्घावधि औसत (LPA) के 101% होने की संभावना है।

इस LPA के कारण

- इसका कारण अन्य मौसम कारकों के साथ मानसून के दौरान हिंद महासागर के ऊपर नकारात्मक **IOD (हिंद महासागर द्विध्रुव)** स्थितियों का होना है। अभी तक, इसके चल रहे मानसून के ऊपर महत्वपूर्ण असर के होने की संभावना नहीं है।
- 2020 में यह LPA का 109% और 2019 में 110% था।

खबरों में और भी है

- भविष्यवाणी 101% LPA जो इन वर्षों में प्राप्त वर्षा से कम है और फिर भी यह IMD द्वारा सामान्य मानी जाने वाली वर्षा की सीमा के अंदर ही है, यह एक सकारात्मक खबर है क्योंकि वर्तमान भविष्यवाणी केंद्रीय कृषीय क्षेत्र में सामान्य से ऊपर वर्षा है।

हिंद महासागर को प्रभावित करने वाली परिघटनाएं

महत्वपूर्ण परिघटना जो हिंद महासागर को प्रभावित करती हैं

a. अल नीनो और दक्षिणी दोलन (जो लोकप्रिय तौर पर ENSO कहते हैं) और ला नीना
b. हिंद महासागर द्विध्रुव

अल नीनो एक बार फिर से दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है

a. पारंपरिक अल नीनो जिसकी विशेषता पूर्वी विषुवतीय प्रशांत में शक्तिशाली असंगत गर्माना है
b. अल नीनो मोडोकी जो मध्य उष्णकटिबंधीय प्रशांत में शक्तिशाली असंगत गर्माने और पूर्वी और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय प्रशांत में शीतलन से संबंधित है।

हिंद महासागर द्विध्रुव के बारे में जानकारी

- यह हिंद महासागर में वायुमंडल-महासागर युग्मित परिघटना है, जिसकी विशेषता समुद्र-सतह तापमानों में अंतर से ज्ञात होती है।
- यह पूर्वी (बंगाल की खाड़ी) और पश्चिमी हिंद महासागर (अरब सागर) के तापमान के बीच में अंतर है।

विशेषताएं

तापमान में अंतर

- यह तापमान में अंतर की वजह से होता है।
- इस तापमान अंतर के परिणामस्वरूप दबाव अंतर होता है जिसके फलस्वरूप हिंद महासागर के पूर्वी और पश्चिमी भागों के बीच में पवनों का प्रवाह होता है।

विकास

- यह अप्रैल से मई तक हिंद महासागर के विषुवतीय क्षेत्र में विकसित होता है, और अक्टूबर में सर्वोच्च स्तर पर पहुँचता है।

चरण

IOD के तीन चरण होते हैं जैसे कि निष्क्रिय, धनात्मक और ऋणात्मक IOD।

1. **IOD का निष्क्रिय चरण**
   - इस चरण के दौरान इंडोनेशिया के द्वीपों के बीच में प्रशांत से जल प्रवाहित होता है, जिससे ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिम में समुद्र गर्म रहता है।
   - इस क्षेत्र में वायु ऊपर उठती है और हिंद महासागर नदी घाटी के पश्चिमी अर्ध में गिरती है, जिससे विषुवत के साथ पश्चिमी हवाएं चलती हैं।
2. **IOD का धनात्मक चरण**

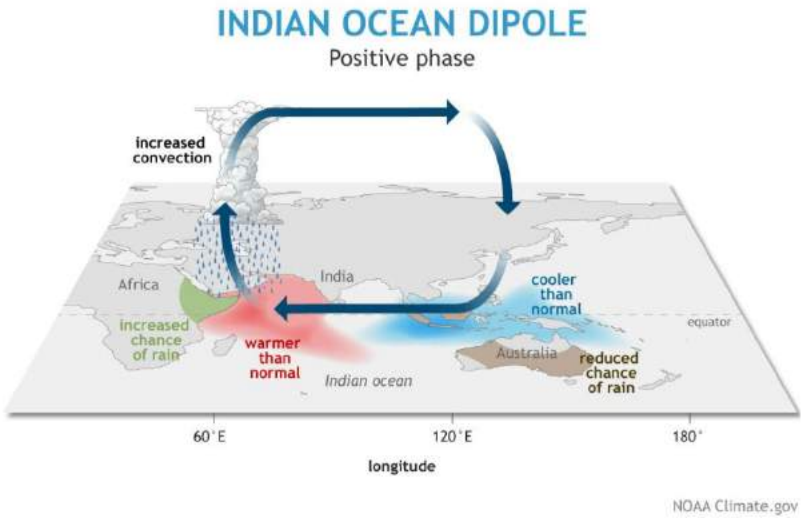

- इस चरण के दौरान पश्चिमी हवाएं विषुवत के साथ कमजोर हो जाती हैं, जिससे गर्म जल को अफ्रीका तक जाने की अनुमति मिल जाती है। पवनों में परिवर्तन से पूर्व में गहरे महासागर से ठंडे जल को उठने की अनुमति मिलती है।
- इससे उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर के आरपार तापमान अंतर पैदा हो जाता है जिसमें पूर्व में सामान्य जल से ठंडा जल और पश्चिम में सामान्य जल से गर्म जल होता है।
- यह घटना मानसून के लिए लाभकारी पाई गई है।

3. **IOD का ऋणात्मक चरण**

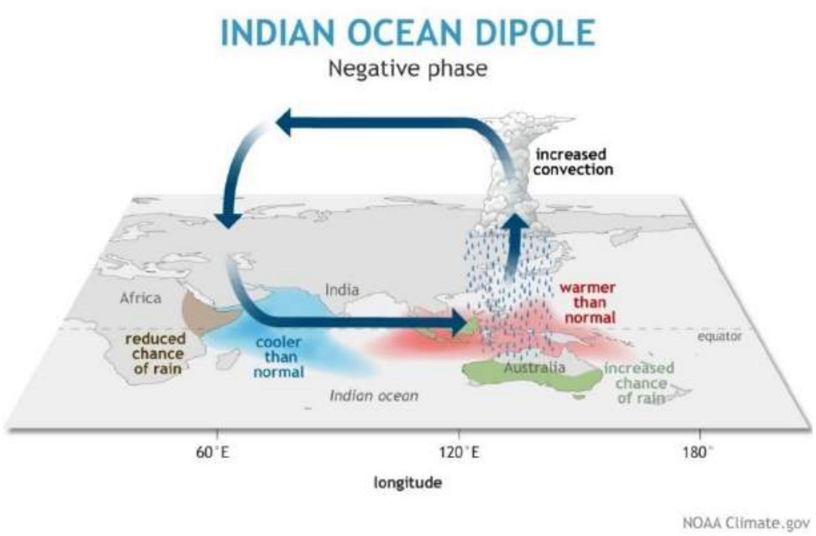

- इस चरण के दौरान पश्चिमी हवाएं विषुवत रेखा के साथ तेज हो जाती हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया के पास गर्म जलों का जमाव हो जाता है।

- इससे उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर के आरपार तापमान अंतर पैदा हो जाता है जिसमें पूर्व में सामान्य जल से ठंडा जल और पश्चिम में सामान्य जल से गर्म जल होता है।
- यह घटना भारत के ऊपर मानसून की प्रगति को बाधित करती है।

IOD का दक्षिण-पश्चिम मानसून पर प्रभाव

धनात्मक IOD की वजह से अधिक वर्षा

- भारतीय ग्रीष्म मानसून वर्षा और IOD के बीच में कोई स्थापित सहसंबंध नहीं है।
- लेकिन, अध्ययन दर्शाते हैं कि एक धनात्मक IOD वर्ष में मध्य भारत के ऊपर सामान्य वर्षा से ज्यादा वर्षा होती है।
- यह प्रदर्शित किया गया था कि एक धनात्मक IOD सूचकांक ने अक्सर अल नीनो दक्षिणी दोलन के प्रभाव को निरर्थक कर दिया, जिसके फलस्वरूप कई ENSO वर्षों में मानसून वर्षा में वृद्धि हुई।

ऋणात्मक IOD की वजह से सूखा

- एक ऋणात्मक IOD, दूसरी तरफ, अल नीनो का संपूरक होता है जिससे गंभीर सूखा पड़ता है।

चक्रवात

- इसी के साथ, धनात्मक IOD के फलस्वरूप अरब सागर में सामान्य से ज्यादा चक्रवात आते हैं।
- ऋणात्मक IOD के फलस्वरूप बंगाल की खाड़ी में सामान्य से शक्तिशाली चक्रवातों की उत्पत्ति (उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का निर्माण) होती है।

इसलिए, एक IOD भारतीय मानसून पर अल नीनो के प्रभाव को बढ़ा या कमजोर कर सकता है।

- यदि एक धनात्मक IOD होता है, यह अल नीनो वर्ष के बावजूद भारत में बेहतर वर्षा लाता है।
- उदाहरण के लिए, धनात्मक IOD ने 1983, 1994 और 1997 में उन वर्षों के दौरान अल नीनो के बावजूद भारत के ऊपर सामान्य या ज्यादा वर्षा को सुगम बनाया।
- इस तरह से, 1992 जैसे वर्ष के दौरान, एक ऋणात्मक IOD और अल नीनो ने मिलकर कम वर्षा की थी।

संबंधित सूचना

दीर्घावधि औसत (LPA) के बारे में जानकारी

- यह औसत वर्षा है जिसे जून से सितंबर के महीनों में रिकॉर्ड किया जाता है, इसकी 50 वर्ष की अवधि के दौरान गणना की जाती है, और इसे बेंचमार्क के रूप में रखा जाता है जब प्रत्येक वर्ष मानसून मौसम के लिए मात्रात्मक वर्षा की भविष्यवाणी की जाती है।
- IMD देश के प्रत्येक समांगी क्षेत्र के लिए एक स्वतंत्र LPA रखता है, जो 71.6 सेमी. से 143.83 सेमी. के बीच में होता है।

IMD अखिल भारतीय स्तर पर पांच वर्षा वितरण श्रेणियां रखता है।

ये हैं:

a. **सामान्य अथवा लगभग सामान्य**: जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत प्रस्थान LPA का +/-10% होता है अर्थात LPA के 96-104**%** के बीच में।
b. **सामान्य से नीचे:** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 10% से कम होता है अर्थात LPA का 90-96%।
c. **सामान्य से ज्यादा:** जब वास्तविक वर्षा LPA के 104-110% के बीच में होती है।
d. **कम:** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 90% से कम होता है।
e. **ज्यादा:** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 110% से ज्यादा होता है।

छोटे द्वीप वाले विकासशील देश

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मालदीव के विदेश मंत्री का संयुक्त राष्ट्र आमसभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में चुनाव इस द्वीपीय राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है।
- मालदीव इसे 52 सदस्यीय छोटे द्वीप वाले विकासशील देशों (SIDS) की विजय के रूप में देख रहा है जो मौसम परिवर्तन संकटों और अन्य वैकासिक चुनौतियों से लड़ रहे हैं।

संबंधित सूचना

छोटे द्वीप वाले विकासशील देश

- छोटे द्वीप वाले विकासशील देश (SIDS) कैरिबियाई सागर और अटलांटिक, हिंद और प्रशांत महासागरों में द्वीप समूह हैं।
- SIDS को जून 1992 में विकासशील देशों के अलग समूह के रूप में मान्यता दी गई थी, यह कार्य संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन में हुआ था।
- SIDS की अनूठी और विशेष कमजोरियों को "द फ्यूचर वी वांट" में उजागर किया गया था जिसे सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (इसे Rio+20 भी कहते हैं) में अपनाया गया था जो जून 2012 में रियो डि जेनेरो, ब्राजील में सम्पन्न हुई थी।

सरदार सरोवर बांध

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सरदार सरोवर बांध एक टर्मिनल बांध है जिसे गुजरात के नर्मदा जिले में केवाड़िया में नर्मदा नदी पर निर्मित किया गया है, जहां गर्मियों के दौरान सिंचाई के लिए सामान्यतया पानी नहीं होता है।
- लेकिन, इस बांध के इतिहास में पहली बार इस वर्ष गर्मियों के दौरान बांध ने अपने 21.29 लाख हेक्टेयर कमांड क्षेत्रफल में 1 अप्रैल और 31 मई के बीच में सिंचाई के लिए लगभग 1.3 मिलियन एकड़ फीट (MAF) जल छोड़ा।

सरदार सरोवर बांध के बारे में जानकारी

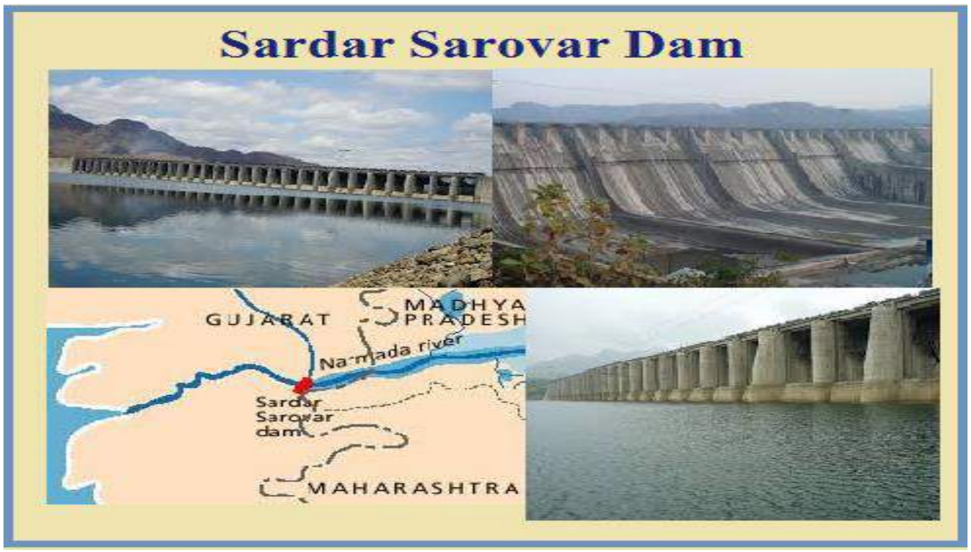

- **यह गुजरात की जीवनरेखा कहलाती है जिसका निर्माण नर्मदा नदी पर किया गया है।**
- नर्मदा नदी **एकीकृत नदी बेसिन योजना, विकास, और प्रबंधन** का एक शास्त्रीय उदाहरण है।
- मुख्य नदी और उसकी सहायक नदियों पर सभी बड़े, मध्यम और छोटे बांध में उपलब्ध जल भंडारण चार राज्यों द्वारा साझा किया जाता है- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र द्वारा- **नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण** के 1979 के अधिनिर्णय के द्वारा इसका अनुपात निर्धारित किया जाता है।

तुलु भाषा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में विभिन्न संगठनों ने एक ट्विटर अभियान शुरू करके कर्नाटक और केरल में तुलु के लिए आधिकारिक भाषा दर्जे की मांग की। इस भारी समर्थन हासिल हुआ।

तुलु के बारे में जानकारी

- तुलु भाषाई भेदभाव का पाठ्यपुस्तक उदाहरण है।
- तुलु एक द्रविड़ भाषा है जिसके बोलने वाले कर्नाटक के दो तटीय जिलों और केरल के कासारागोड़ जिले में स्थित हैं।
- तुलु भाषाई बहुमत क्षेत्र वर्तमान समय में तुलु नाडु के क्षेत्र तक सीमित हैं जिसमें कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के जिले और पायसवानी अथवा चंद्रगिरि नदी तक केरल के कासारागोड़ जिले के उत्तरी हिस्से शामिल हैं।
- मंगलुरु, उडुपी और कासारागोड़ तुलु संस्कृति के मुख्य केंद्र हैं।
- तुलु बोलने वालों की संख्या मणिपुरी और संस्कृत बोलने वालों की संख्या से ज्यादा है, जिन्हें आठवीं अनुसूची का दर्जा मिला हुआ है।

जनगणना

- **2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुल 18,46,427 तुलु भाषा बोलने वाले हैं।**

शिक्षा में तुलु

- कुछ वर्षों पूर्व कर्नाटक सरकार ने विद्यालयों में भाषा के रूप में तुलु को लागू किया था। राज्य शिक्षा विभाग के अनुसार, वर्ष 2020 में, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले के कुल 956 बच्चों ने **SSLC (कक्षा 10) परीक्षा में तुलु को तीसरी वैकल्पिक भाषा के रूप में लिखा।**
- 2014-15 में, जब इसे लागू किया गया तो कुल 18 छात्रों ने इसे तीसरे विकल्प के रूप में चुना।
- पिछले वर्ष, 'जय तुलुनाड' ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) में तुलु को को शामिल करने के लिए एक ऑनलाइन अभियान का आयोजन किया।

आठवीं अनुसूची में भाषाओं को शामिल करने के लिए मांग

- वर्तमान में, संविधान की आठवीं अनुसूची में 38 और भाषाओं को शामिल करने की मांग है।
- ये हैं:- (1) अंगिका, (2) बंजारा, (3) बाजिका, (4) भोजपुरी, (5) भोटी, (6) भोटिया, (7) बुंदेलखंडी (8) छत्तीसगढ़ी, (9) धातकी, (10) अंग्रेजी, (11) गढ़वाली (पहाड़ी), (12) गोंडी, (13) गुज्जर/गुज्जरी (14) हो, (15) कचाछी, (16) कामतापुरी, (17) कार्बी, (18) खासी, (19) कोडावा (कुर्ग), (20) कोक बराक, (21) कुमांऊनी (पहाड़ी), (22) कुरक, (23) कुरमाली, (24) लेप्चा, (25) लिंबू, (26) मिज़ो (लुशाई), (27) मघही, (28) मुंदरी, (29) नागपुरी, (30) निकोबारी, (31) पहाड़ी (हिमाचली), (32) पाली, (33) राजस्थानी, (34) संबलपुरी/कोसली, (35) शौरसेनी (प्राकृत), (36) सिरैकी, (37) तेनयिदी और (38) तुलु।

संविधान की आठवीं अनुसूची के बारे में जानकारी

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 344(1) और 351 के अनुसार, भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 अनुसूचित भाषाओं की सूची है।
- ये हैं असमी, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगू, उर्दू, सिंधी (1967 के 21वें संविधान संशोधन के द्वारा जोड़ी गई), कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली (1992 के 71वें संशोधन के द्वारा जोड़ी गई), बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली (2003 के 92वें संशोधन के द्वारा जोड़ी गई)।
- इस सूची में प्रारंभ में मात्र 14 भाषाएं ही थीं लेकिन बाद में, संशोधनों के द्वारा 8 नई भाषाओं को जोड़ा गया।
- संविधान का अनुच्छेद 29 कहता है कि नागरिकों का एक वर्ग जिसकी अलग भाषा, लिपि अथवा संस्कृति है, को उसे संरक्षित करने का अधिकार है।

नोट:

- **रॉबर्ट काल्डवेल (1814-1891) ने अपनी पुस्तक, एक कैम्परेटिव ग्रामर ऑफ द द्राविडियन आर साउथ-इंडियन फैमिली ऑफ लैंग्वेज,** में तुलु को द्रविड़ परिवार की सबसे विकसित भाषाओं में से एक माना था।

नेशनल ज्योग्राफिक ने दक्षिणी महासागर को ग्लोब के पांचवें महासागर के रूप में मान्यता दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- डाउन टू अर्थ)

खबरों में क्यों है?

- पृथ्वी ने अंततः अपने पांचवें महासागर के लिए लोकप्रिय मान्यता प्राप्त ली है। यह निर्णय नेशनल ज्योग्राफिक सोसाइटी ने लिया है जिससे अंटार्कटिका के चारों ओर के दक्षिणी महासागर को अभी तक मान्यता प्राप्त चार महासागरों की सूची में जोड़ दिया गया है: अटलांटिक, प्रशांत, हिंद और आर्कटिक महासागर।
- अंतरराष्ट्रीय हाइड्रोग्राफी संगठन ने भी 1953 में इसे समाप्त करने के पहले 1937 में इस शब्द को मान्यता दे दी थी।

दक्षिणी महासागर के बारे में जानकारी

- दक्षिणी महासागर, जिसे अंटार्कटिक महासागर भी कहा जाता है विश्व महासागर के सबसे धुर दक्षिणी जलों से मिलकर बना है।
- दक्षिणी महासागर को लंबे समय से वैज्ञानिकों ने मान्यता दे रखी थी, **लेकिन अंतरराष्ट्रीय तौर पर अथवा आधिकारिक तौर पर मान्यता पर सहमति नहीं थी।**
- मैगज़ीन कहती है दक्षिणी महासागर ही एकमात्र महासागर है जो तीन अन्य महासागरों को छूता है और एक महाद्वीप को पूरी तरह से घेरे में लेता है न कि उनके द्वारा घिरा हुआ है।
- इसकी उत्तरी सीमा **60 डिग्री दक्षिण** अक्षांश है।
- दक्षिणी महासागर को उसको घेरने वाले महाद्वीपों से परिभाषित नहीं किया जाता है, बल्कि यह **अंटार्कटिक परिध्रुवीय धारा (ACC) द्वारा परिभाषित होता है जो पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है।**
- वैज्ञानिकों का मानना है कि ACC का सृजन 34 मिलियन वर्ष पूर्व हुआ था जब अंटार्कटिका महाद्वीप दक्षिण अमेरिका से अलग हुआ था, जिससे जल को विश्व के तली के चारों ओर अबाधित ढंग से होने की अनुमति मिल गई।

वृहद् समुद्री जीवन का घर

- दक्षिणी महासागर व्हेलों, पेंगुइन और सील की बड़ी जनसंख्याओं का घर है।
- लेकिन क्रिल और पैटागोनियन टूथ मछली जैसे प्रजातियों का औद्योगिक शिकार दशकों से चिंता का कारण रहा है, मैगज़ीन का कहना है।
- यह इन मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने की आशा करती है, इसके अतिरिक्त यह वैश्विक उष्णता की वजह से दक्षिणी महासागर के तेजी से गर्माने पर ध्यान आकर्षित करने के लिए जल निकाय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल रही है।

अंतरराष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक संगठन के बारे में जानकारी

- अंतरराष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक संगठन एक अंतरसरकारी संगठन है जो इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करता है कि विश्व के सभी समुद्र, महासागर और नौवहनीय जल का सर्वेक्षण हो और उनके चित्र तैयार किए जाएं।
- इसकी स्थापना 1921 में की गई थी।
- यह राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक कार्यालयों की गतिविधियों का समन्वय करता है और समुद्री मानचित्रों और दस्तावेजों में समानता को प्रोत्साहित करता है।
- यह सर्वेक्षण की श्रेष्ठ प्रथाओं को जारी करता है, हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण आंकड़े के प्रयोग को अधिकतम करने के लिए दिशा-निर्देश उपलब्ध कराता है और सदस्य देशों में हाइड्रोग्राफिक क्षमताओं को विकसित करता है।

डगमारा पनबिजली परियोजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, NHPC ने बिहार में डगमारा पनबिजली परियोजना के क्रियान्वयन के लिए बिहार राज्य पनबिजली ऊर्जा निगम (BSHPCL) के साथ एक समझौता विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए हैं।

डगमारा पनबिजली परियोजना के बारे में जानकारी

- यह परियोजना बिहार में सुपौल जिले में कोसी नदी पर है।
- समझौते के अनुसार यह 130.1 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगी।
- बिहार सरकार परियोजना से उत्पन्न पूरी बिजली को खरीदेगी। यह पूरे जीवनकाल के लिए होगा और इसकी दर CERC शुल्क विनियमन द्वारा निर्धारित की जाएगी जो परियोजना के वास्तविक व्यावसायिक प्रचालन तिथि (COD) के समय लागू होगी।

कोसी नदी के बारे में जानकारी

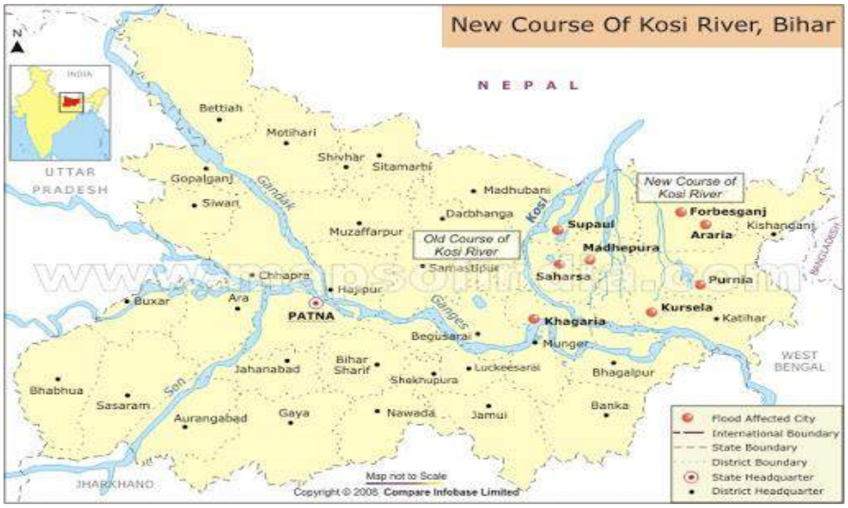

- कोसी एक अंतर-सीमा नदी है जो तिब्बत, नेपाल और भारत में बहती है।
- यह तिब्बत में हिमालय के उत्तरी ढलानों में बहती है जबकि नेपाल में दक्षिणी ढलानों में बहती है।
- चतरा तंग घाटी के आगे के उत्तर में सहायक नदियों के प्रमुख संगम से, कोसी।
- **अपनी सात ऊपरी सहायक नदियों के लिए नदी को सप्तकोशी भी कहा जाता है।**
- सप्तकोशी उत्तरी बिहार, भारत से गुजरती है जहां वह कटिहार जिले में कुरसेला के निकटा गंगा में मिलने के पूर्व और शाखाओं में बंट जाती है।

जूनटींथः नई संघीय छुट्टी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- विश्व इतिहास, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के एक कानून पर हस्ताक्षर करने की संभावना है जिसके द्वारा जून 19 अथवा जूनटींथ, एक राष्ट्रीय छुट्टी के रूप में संघीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कर लेगा। यह दिन अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-65) के बाद गुलामी के अंत की याद में मनाया जाता है।

खबरों में और भी है

- जूनटींथ लगभग चार दशकों में पहली बार सृजित किए जाने वाला पहली नई संघीय छुट्टी होगी, और इसे वर्तमान की 10 वार्षिक छुट्टियों की तरह से ही दर्जा हासिल होगा, जिसमें मेमोरियल दिवस, वेटेरन्स दिवस और थैंक्सगिविंग दिवस शामिल हैं।

- **अंतिम ऐसी छुट्टी- मार्टिन लूथर किंग जू. दिवस की घोषणा 1983 में की गई थी, जो नागरिक अधिकार नायक के सम्मान में थी।**

जूनटींथ के बारे में जानकारी

- जूनटींथ- जून की प्रतिकृति और नाइनटींथ- US में गुलामी प्रथा की समाप्ति का सबसे पुराना राष्ट्रीय समारोह है, यह प्रत्येक वर्ष जून 19 को मनाया जाता है।
- वर्तमान में, इसे 47 US राज्यों और कोलम्बिया जिले में छुट्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसे मुक्ति दिवस अथवा जीनटींथ स्वतंत्रता दिवस भी कहा जाता है।

पृष्ठभूमि

- 1 जनवरी, 1863 को, तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने एक **मुक्ति घोषणा** को जारी किया, जिसने घोषित किया कि जितने भी लोग विद्रोह वाले राज्यों में गुलामों के रूप में बंधक हैं, अबसे मुक्त होंगे।
- इतना होने के बावजूद लिंकन की घोषणा के दो वर्षों के बाद भी, कई गुलामों के स्वामियों ने अपने गुलामों को बंधक बनाये रखा और इसके लिए उनसे यह सूचना छिपाकर रखी और एक फसल मौसम के लिए उन्हें अपने पास रखा। यह कांग्रेसनल अनुसंधान सेवा (CRS) के अनुसार है।

जूनटींथ का महत्व

- 19 जून, 1865 को, मेजर जनरल गॉर्डन ग्रेन्गर गैल्वेस्टन में पहुंचे और गृहयुद्ध और गुलामी दोनों के अंत की घोषणा की।
- तब से, जूनटींथ एक बड़ी सांकेतिक तिथि बन गई है जो अफ्रीकी अमेरिकियों के लिए स्वतंत्रता का प्रतिनिधित्व करती है।

लेबनान में अर्थव्यवस्था को लेकर दंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, त्रिपोली के उत्तरी शहर में तैनात लेबनानी सेनाओं ने जीवन की खराब होती परिस्थितियों के खिलाफ हुए एक रात के विरोध प्रदर्शनों और दंगों के बाद प्रमुख राज्य संस्थानों के चारों ओर तैनाती ले ली।

खबरों में और भी है

- देश की 20 महीने पुराने आर्थिक संकट के और बढ़ने के बाद शनिवार को पूरे लेबनान में छिटपुट विरोध प्रदर्शन की सूचना मिली।
- विश्व बैंक ने इस संकट को पिछले 150 वर्षों में पूरी दुनिया द्वारा देखे गए संकटों में सबसे खराब में से एक बताया।
- लेबनान में ईंधन, औषधियों और चिकित्सा उत्पादों सहित महत्वपूर्ण उत्पादों की गंभीर कमियां देखी जा रही हैं, जिससे लोग गुस्सा हैं।
- लेबनान की मुद्रा ने निचले स्तर का रिकॉर्ड बनाया है। यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाउंड 18,000 है।
- संकट के शुरू होने के बाद से पाउंड ने अपने 90% मूल्य को खो दिया है।

लेबनान के बारे में

- लेबनान जिसे आधिकारिक तौर पर लेबनानी गणराज्य कहा जाता है, पश्चिमी एशिया में एक देश है।
- इसके उत्तर और पूर्व में सीरिया और इज़रायल दक्षिण में, जबकि भूमध्यसागर के पार इसके पश्चिम में साइप्रस पड़ता है।
- भूमध्यसागर की घाटी और अरबी आंतरिक भूमि के मिलन पर लेबनान की स्थिति ने इसके समृद्ध इतिहास में अपना योगदान दिया है और धार्मिक विविधता की इसकी सांस्कृतिक पहचान का निर्माण किया है।

बैहेटन बांध

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, **बैहेटन बांध** जो विश्व का दूसरा सबसे बड़ा पनबिजली बांध है, की पहली दो उत्पादन इकाईयों को आधिकारिक तौर पर दक्षिणपश्चिम चीन में शुरू कर दिया है।

बैहेटन बांध के बारे में जानकारी

- बैहेटन बांध जिंशा नदी पर स्थित एक बड़ा पनबिजली बांध है, जो चीन के दक्षिणपश्चिम में सिचुआन और यून्नान प्रांतों में यांग्त्जे नदी के ऊपरी इलाके में स्थित है।
- यह बांध 277 मी. ऊंचा द्वि वक्रता वाला चाप बांध है जिसके शिखर की ऊंचाई 827 मी. और आधार की मोटाई 72 मी. और शिखर की मोटाई 13 मी. है।
- यह उन चीनी प्रयासों का हिस्सा है जिसके तहत वह ऐसे समय ज्यादा पनबिजली क्षमता का निर्माण करके बढ़ती जीवाश्म ईंधन मांग को कम कर रहा है जब पर्यावरणीय शिकायतों की वजह से अन्य देशों में बांधों का विरोध हो रहा है।

भारत में बांध

- भारत में 4,407 बड़े बांध हैं। वह इस मामले में चीन (23,841) और संयुक्त राज्य अमेरिका (9,263) के बाद तीसरे स्थान पर है।

सबसे ऊंचा बांध

- उत्तराखंड का टेहरी बांध भारत का सबसे ऊंचा बांध है जिसे भगीरथी नदी पर निर्मित किया गया है।

सबसे लंबा बांध

- ओडिशा का हीराकुड बांध जिसे महानदी नदी पर निर्मित किया गया है, भारत में सबसे लंबा बांध है।

संबंधित सूचना

बांधों पर विश्व आयोग (WCD) के बारे में जानकारी

- यह एक वैश्विक बहुहितधारक निकाय है जिसकी स्थापना 1998 में पूरे विश्व में बड़े बांधों के प्रभावीपन और प्रदर्शन की जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) और विश्व बैंक द्वारा की गई।

पर्यावरण को हानि

- WCD ने बड़े बांधों की बड़ी वित्तीय, पर्यावरणीय और मानव कीमतों और खराब प्रदर्शन पर नवंबर 2000 में अपनी ऐतिहासिक रिपोर्ट जारी की।
- इसने पाया कि जहां बड़े बांधों के निर्माण ने कुछ आर्थिक लाभ दिए हैं, उन्होंने केवल 20वीं शताब्दी में लगभग 40-80 मिलियन लोगों को जबर्दस्ती विस्थापित किया है।
- इन लोगों ने बांधों की वजह से अपनी भूमियों और घरों को खोया है और अक्सर बिना क्षतिपूर्ति के।

2021 के लिए फुकुओका पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जाने-माने पत्रकार पी. साईनाथ को 2021 के फुकुओका पुरस्कार के तीन प्राप्तकर्ताओं में से एक के रूप में चुना गया।

फुकुओका पुरस्कार के बारे में जानकारी

GRAND PRIZE
FUKUOKA
Ruby
AWARD

- इस पुरस्कार की स्थापना 1990 में की गई थी, जिसके लिए सिटी सरकार शैक्षणिक संस्थानों और निजी व्यावसायियों ने गठबंधन किया। इसका उद्देश्य शांति में योगदान देना, साथ ही एशियाई क्षेत्र की असाधारण संस्कृतियों को और समझना है।
- यह प्रत्येक वर्ष जाने-माने लोगों को दिया जाता है जिससे एशियाई संस्कृतियों की जागरूकता में वृद्धि हो।
- पुरस्कार प्रमाणपत्र का आवरण हकाटा कपड़े का बना है।

हकाटा वस्त्र के बारे में जानकारी

- हकाटा वस्त्र फुकुओका में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व वाला स्थानीय कला शिल्प है।
- इसे पारंपरिक शिल्प के रूप में आर्थिक, व्यापार और उद्योग मंत्रालय द्वारा मान्यता मिली थी।

राजनीतिशास्त्र, शासन, सामाजिक मुद्दे & अंतरराष्ट्रीय संबंध

US द्वारा डेनिस एजेंसियों के प्रयोग से हाल के जासूसी मामले के प्रकाश में US और EU संबंध

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- डेनिस और यूरोपीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, US ने यूरोप के बड़े राजनीतिज्ञों की जासूसी की है, जिसमें जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल भी शामिल हैं। यह कार्य 2012 से 2014 के बीच में डेनिस खुफिया की मदद से हुआ है।

खबरों में और भी है

- डेनिस पब्लिक ब्रॉडकास्टर डेनमार्क्स रेडियो (DR) ने कहा US राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (NSA) ने जर्मनी, स्वीडन, नॉर्वे और फ्रांस में उच्चपदस्थ अधिकारियों और उच्च राजनीतिज्ञों की जासूसी करने के लिए डेनिस इंटरनेट केबल्स की गुप्त बातों को सुना।
- NSA ने ऐसा करने के लिए डेनमार्क की सैन्य खुफिया इकाई FE के साथ निगरानी गठबंधन का लाभ उठाया।

खुफिया नजरों के अंतर्गत नेता

- जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, तत्कालीन विदेश मंत्री फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीर और तत्कालीन विपक्षी नेता पीर स्टीनब्रक उन लोगों में शामिल थे जिनकी जासूसी NSA ने की।
- NSA, SMS टेक्स्ट संदेशों, टेलीफोन कॉल और इंटरनेट परियात जिसमें खोज, बातचीत और संदेशवाहक सेवाएं भी शामिल हैं, तक पहुँच बनाने में कामयाब हो गया।

स्नोडेन मामला

- US द्वारा जासूसी यदि इसकी पुष्टि होती है तो 2013 के स्नोडेन मामले से और बाद से जारी है। यह मामला उस समय खुला था जब पूर्व NSA कांट्रेक्टर एडवर्ड स्नोडेन ने हजारों गुप्त दस्तावेजों को सार्वजनिक कर दिया था जिसमें 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद चल रहे वृहद् US निगरानी का खुलासा हुआ था।
- अन्य चीजों के अतिरिक्त, दस्तावेजों से जाहिर हुआ था कि US सरकार अपने नागरिकों की ही जासूसी करवा रही थी और पूरी दुनिया में फोन की टेपिंग चल रही थी, जिसमें चांसलर एंजेला मर्केल का मोबाइल फोन भी शामिल था।

- **नवंबर 2020 में,** डेनमार्क्स रेडियो ने रिपोर्ट दी कि US ने 2012 से 2015 तक डेनिस और यूरोपीय रक्षा उद्योगों की जासूसी करने के लिए डेनिस केबल्स का प्रयोग किया।

न्यायमूर्ति मिश्रा के NHRC का मुखिया बनने की संभावना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के नए अध्यक्ष बनने की संभावना है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के बारे में जानकारी

- यह एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना 1993 में संसद द्वारा बनाए गए एक विधान के अंतर्गत की गई थी। यह मानवाधिकार संरक्षण कानून, 1993 के प्रावधान के अंतर्गत था जिसे 2006 में संशोधित किया गया।
- यह आयोग देश में मानवाधिकारों की निगरानी करने वाली संस्था है, जिसका अर्थ है, व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकार जिसकी संविधान में गारंटी दी गई है अथवा वे अंतरराष्ट्रीय समझौतों में शामिल हैं और भारत में न्यायालय के द्वारा प्रवर्तनीय हैं।
- इसे पेरिस सिद्धांतों के अनुसार स्थापित किया गया, जिसे पेरिस में (अक्टूबर 1991) मानवाधिकारों के प्रोत्साहन और संरक्षण के लिए अपनाया गया और 20 दिसंबर, 1993 को संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा द्वारा इसकी पुष्टि की गई।

नियुक्ति

इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा छह सदस्यीय समिति की अनुशंसाओं पर की जाती है जिसमें निम्न शामिल होते हैं

a. इसके मुखिया के रूप में प्रधानमंत्री,
b. लोकसभा के अध्यक्ष,
c. राज्यसभा के उपाध्यक्ष,
d. संसद के दोनों सदनों के विपक्ष के नेता
e. केंद्रीय गृह मंत्री।

आगे, सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश अथवा उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की भी नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ सलाह के बाद की जा सकती है।

कार्यकाल

- अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों के लिए अथवा जबतक वे 70 वर्ष के नहीं हो जाते हैं, तक रहता है, जो भी इसमें पहले हो।
- उनकी पुनर्नियुक्ति हो सकती है।
- अपने कार्यकाल के बाद, अध्यक्ष औऱ सदस्य केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार के अंतर्गत कोई अन्य पद नहीं ले सकते हैं।
- राष्ट्रपति अध्यक्ष अथवा किसी अन्य सदस्य को पद से निम्नलिखित परिस्थितियों में हटा सकता है:
    - यदि वह दिवालिया घोषित हो जाता है; अथवा
    - यदि वह अपने कार्यकाल के दौरान अपने कार्यालय के कर्तव्यों के अतिरिक्त कोई अन्य वेतनभोगी रोजगार ग्रहण करता है; अथवा
    - यदि दिमाग अथवा शरीर की अशक्तता की वजह से वह पद पर बने रहने के अयोग्य है; अथवा
    - यदि मानसिक रूप से अस्वस्थ है और किसी न्यायालय द्वारा इस बारे में घोषित किया जाता है; अथवा
    - यदि उसे किसी अपराध के लिए दोषी करार दिया गया है और कारावास का दंड दिया गया है।

नोट:

- प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है, जो मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की वर्षगांठ है।

SC पूरे देश में टीकों के लिए एक मूल्य के पक्ष में

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सरकार ने दावा किया कि वह पूरी योग्य जनसंख्या का 2021 के अंत तक टीकाकरण कर देगी, जिसपर इसकी नीति के सामर्थ्य पर सर्वोच्च न्यायालय ने प्रश्नों की झड़ी लगा दी, जो केंद्र को केवल 50% टीके ही प्राप्त करने की अनुमति देती है जबकि राज्यों को अपने आप खरीददारी करनी होगी।
- न्यायालय ने असमान टीका मूल्य नीति को भी चुनौती दी, और कहा पूरे देश में टीकों के लिए एक मूल्य की जरूरत है।

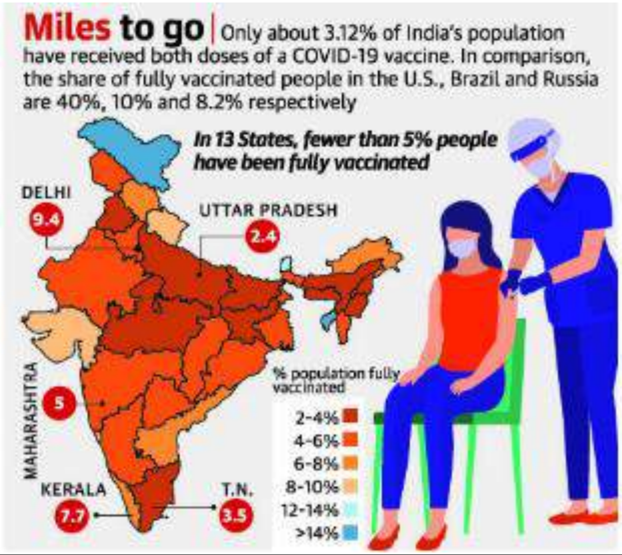

सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां

- न्यायालय ने केंद्र और राज्यों के बीच में टीके के मूल्यों के अंतर को उजागर किया।
- जब केंद्र थोक में प्रति खुराक की खरीददारी रु. 150 में कर सकता है, जबकि राज्यों को इसके लिए रु. 300 से रु. 600 देने पड़ रहे हैं।

सरकार कैसे औषधियों के मूल्यों का विनियमन करती है?

- औषधियों तक पहुँच को सुनिश्चित करने के लिए, जरूरी औषधियों का मूल्य आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के द्वारा केंद्रीयकृत तरीके से विनियमित होता है।
- अधिनियम के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत, सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश को बनाया है।
- DPCO अपनी सारिणी में जरूरी के रूप में 800 औषधियों को अधिसूचित करती है, और उनके मूल्यों की सीमा तय कर रखी है।
- मूल्यों की सीमा को एक सूत्र के आधार पर तय किया जाता है जो प्रत्येक मामले में राष्ट्रीय **फार्मास्युटिकल मूल्यन प्राधिकरण (NPPA)** द्वारा तय किया जाता है।

चीन की तीन बच्चों की नीति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चीन ने पहली बार दंपतियों को तीसरे बच्चे की इजाजत देगा। यह परिवार नियोजन कानून में और भी छूट है। इसके पूर्व पांच वर्ष पूर्व दो बच्चों की नीति लागू की गई थी जिससे जन्म दरों में वृद्धि करने में सफलता नहीं मिली।

- यह प्रमुख नीति उपाय है जिसका उद्देश्य 14वीं पंचवर्षीय योजना काल (2021-2025) के दौरान वृद्ध होती जनसंख्या की समस्या से सक्रिय रूप से निपटना है।

पृष्ठभूमि

- चीन की एक बच्चे की नीति, जिसे तत्कालीन नेता डेंग जिआओपिंग द्वारा 1980 में लागू किया गया था, 2016 तक जारी रही, जब तेजी से वृद्ध होती जनसंख्या के डर ने जिससे आर्थिक वृद्धि के कम होने की आशंका थी, प्रति विवाहित दंपति दो बच्चों की नीति को शासक कम्युनिस्ट पार्टी ने अनुमति दे दी।
- यद्यपि छूट से देश में युवा लोगों के अनुपात में कुछ सुधार हुआ, लेकिन इस नीति परिवर्तन को आसन्न जनसांख्यिकीय संकट को रोकने में अपर्याप्त माना गया।

चीन की जनगणना

- राष्ट्रीय सांख्यिकीय ब्यूरो के अनुसार पिछले वर्ष 12 मिलियन बच्चों का जन्म हुआ था, यह 1961 के बाद सबसे कम संख्या है।
- जनगणना के अनुसार 2020 में चीन की जनसंख्या 1.41 अरब थी, जो 2010 में पिछली जनगणना से 72 मिलियन की वृद्धि है, यह इस काल के दौरान 5.38% की वृद्धि को परिलक्षित करती है। साथ ही 0.53% की वार्षिक वृद्धि दर्शाती है।
- भविष्यवाणियां बतलाती हैं अगले कुछ सालों में जनसंख्या अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुँच सकती है और यह 2025 तक शायद हो जाए, जब भारत दुनिया का सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश हो जाएगा।

घटती चीनी श्रमशक्ति

- 15-59 आयु वर्ग में चीन की कार्यशक्ति 2011 में 925 मिलियन के सर्वोच्च स्तर पर पहुँची, यह मानव संसाधन और सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार है।
- इस जनगणना में संख्या 894 मिलियन तक गिर गई और 2050 तक यह 700 मिलियन तक गिर जाएगी।
- जनगणना ने 60 और उसके ऊपर आयु वर्ग में 264 मिलियन रिकॉर्ड किया, जो 2010 से 5.44% अधिक है और यह जनसंख्या का 18.70% है।
- 15-59 आयु वर्ग में लोगों की संख्या 894 मिलियन थी, जो 2010 से 6.79% नीचे है और यह जनसंख्या का 63.35% है।

<u>भारत और दो बच्चों की नीति</u>

संवैधानिक प्रावधान

- 7वीं अनुसूची की सूची III (समवर्ती सूची) में एंट्री 20-A जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन से संबंधित है जिसे 42वें संविधान संशोधन 1976 के द्वारा जोड़ा गया था।
- संविधान की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने वाले राष्ट्रीय आयोग जिसकी अध्यक्षता एम. एन. वेंकटचैलय्या ने किया था, ने भी 2002 में अनुशंसा की थी कि जनसंख्या विस्फोट नियंत्रण के लिए संविधान में अनुच्छेद 47A शामिल किया जाना चाहिए।

वर्तमान स्थिति

- वर्तमान में छह राज्य जिसमें हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं, ने सभी पंचायत सदस्यों के लिए दो बच्चों की नीति आवश्यक कर दी है।
- 2018 में, राजस्थान में 412 पंचायत सदस्यों को इसलिए उनके पदों से हटा दिया गया क्योंकि वे दो बच्चों की नीति का अनुपालन करने में नाकामयाब रहे थे।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कई राज्यों में दो से ज्यादा बच्चे वाले सदस्यों को पंचायत पदों पर रहने और लड़ने से रोकने संबंधी प्रावधान को सही ठहराया है।

अन्य राज्यों का परिदृश्य

असम

- असम कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं वे 2021 से सरकारी नौकरी के लिए पात्र नहीं होंगे।

राजस्थान

- सरकारी नौकरियों के लिए, वे अभ्यर्थी जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं वे नियुक्ति के लिए योग्य नहीं हैं।
- राजस्थान पंचायती राज कानून 1994 कहता है कि एक व्यक्ति के दो से ज्यादा बच्चे हैं, वह पंच अथवा सदस्य के रूप में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाएगा।
- लेकिन, पूर्व की सरकार ने अपंग बच्चे के मामले में दो बच्चों की नीति में छूट दे दी थी।

मध्य प्रदेश

- राज्य 2001 से दो बच्चों की नीति का पालन कर रहा है।
- मध्य प्रदेश लोक सेवा (सेवाओं की सामान्य शर्तें) नियम के अंतर्गत, यदि तीसरा बच्चा जनवरी 26, 2001 को अथवा बाद में पैदा हुआ है, तो व्यक्ति सरकारी सेवा के लिए अयोग्य हो जाएगा।
- यह नियम उच्च न्यायिक सेवाओं के लिए लागू होता है।

दो बच्चे की नीति के नियम की जरूरत

- भारत की जनसंख्या 125 करोड़ के पार जा चुकी है और अगले कुछ ही दशकों में भारत के सबसे बड़े जनसंख्या वाले देश चीन से आगे जाने की संभावना है।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नियंत्रण नीति (2000) के होने के बावजूद, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है।
- इसलिए, भारत के प्राकृतिक संसाधनों पर भारी बोझ है और वे अतिदोहन का शिकार हैं।

दो बच्चों की नीति की आलोचना

- सीमित बच्चे की नीति से शिक्षित युवा लोगों की कमी हो जाएगी जिनकी भारत की तकनीकी क्रांति को आगे ले जाने की जरूरत है।
- लैंगिक असंतुलन, गैर दर्ज किये गए बच्चे इत्यादि की समस्या जिसका सामना चीन कर रहा है (एक बच्चे की नीति की वजह से) का अनुभव भारत भी कर सकता है।
- भारत की जन्म दर सतत स्तर पर कम हो रही है।
- 2000 में, प्रजनन दर सापेक्षिक रूप से उच्च प्रति महिला 3.2 बच्चे के स्तर पर थी।
- 2016 तक, यह संख्या 2.3 बच्चे तक गिर चुकी है।

राजद्रोह कानून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा "यह समय है कि राजद्रोह की सीमाओं को परिभाषित किया जाए"। जबकि इसने दो तेलुगू चैनलों को राज्य में कोविड-19 महामारी की रिपोर्टिंग के लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा किसी जबर्दस्ती वाली कार्रवाई से संरक्षित किया है।

SC की टिप्पणियां

- एक तीन न्यायाधीशों वाली खंडपीठ ने आलोचकों, पत्रकारों, सोशल मीडिया प्रयोगकर्ताओं और नागरिकों के खिलाफ राजद्रोह कानून के मनमाने प्रयोग से सरकार को रोका। ये लोग सरकार के कोविड-19 प्रबंधन के खिलाफ शिकायतें कर रहे हैं, अथवा चिकित्सा पहुँच, उपकरण, औषधियां और ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त करने के लिए मदद मांग रहे हैं।
- भारतीय दंड संहिता 1860 के **अनुच्छेद 124A (राजद्रोह), 153A और 505 के प्रावधानों** के मानदंड और दायरे व्याख्या की मांग करते हैं विशेष रूप से खबरों, सूचना और अधिकारों का संचार करने वाले इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया के अधिकार के संदर्भ में। इसमें देश के किसी हिस्से में चल रहे शासन की आलोचना करने वाले के लिए भी शामिल हैं।

राजद्रोह कानून के बारे में जानकारी

- यह भारतीय दंड संहिता (IPC) के अनुच्छेद 124A के तहत अपराध है।
- यह राजद्रोह को ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित करता है जो उस समय किया जाता है "जब कोई व्यक्ति शब्दों से, चाहे वे बोले गए हों अथवा लिखे गए हों, अथवा संकेतों से अथवा दृश्य निरुपण से, अथवा किसी अन्य तरीके से, घृणा अथवा अवमानना पैदा करते हैं अथवा कोशिश करते हैं, अथवा भारत में विधि द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ अंसतोष पैदा करते हैं अथवा कोशिश करते हैं"।
- अंसतोष में शामिल हैं विश्वासघात और शत्रुता की सभी भावनाएं। लेकिन, इस अनुच्छेद के अंतर्गत घृणा अथवा अवमानना अथवा अंसतोष को न पैदा करने वाली टिप्पणियां अपराध के अंतर्गत नहीं आती हैं।

राजद्रोह के अपराध के लिए दंड

- राजद्रोह गैर-जमानती अपराध है। अनुच्छेद 124A के अंतर्गत दंड नजरबंदी से लेकर तीन वर्षों तक का कारावास हो सकता है, जिसमें अर्थदंड भी शामिल किया जा सकता है।
- इस कानून से दंडित व्यक्ति सरकारी नौकरी के योग्य नहीं रह जाता है।
- उन्हें अपने पासपोर्ट के बगैर रहना होता है और जब भी जरूरत हो अपने को न्यायालय के सामने उपस्थित करना होता है।

मामले में सर्वोच्च न्यायालय का नियम (केदारनाथ मामला)

- इस मामले में न्यायालय ने जांच की क्या अनुच्छेद 124A की संवैधानिकता को संरक्षित किया जा सकता है जो स्वतंत्र भाषण पर उचित सीमाओं के रूप में हों जिसमें राज्य और सार्वजनिक व्यवस्था की सुरक्षा का विशेष संदर्भ हो।
- केदारनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि कोई भी कार्य अथवा सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करना जो हिंसक तरीके से सरकार को नष्ट करने की कोशिश करे, वह राजद्रोह की परिभाषा के अंतर्गत आएगा।
- न्यायालय ने निर्णय दिया कि कानूनी तरीकों से बदलाव अथवा सुधार की दृष्टि से सरकार के उपायों की अस्वीकृति राजद्रोह नहीं है।
- उसने कहा कि टिप्पणियां चाहे जितनी ही कठोर शब्दों की क्यों न हों, सरकार के कार्यों पर अस्वीकृति को व्यक्त करना बिना उन भावनाओं को भड़काये हुए जो हिंसक कार्यों से सार्वजनिक अव्यवस्था को पैदा करने की ओर ले जाती है, दंडात्मक अपराध की श्रेणी में नहीं आती हैं।

नोट:

- **तिलक** को छह वर्ष की जेल हुई थी जब उन्हें प्रिवी परिषद ने **"द मिसफॉर्च्यून ऑफ द कंट्री"** शीर्षक के अंतर्गत अपने अखबार केसरी में एक लेख लिखने के लिए राजद्रोह का दोषी ठहराया था।

टीकाकरण में लैंगिक अंतराल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कोविड-19 टीकों की कमी की राज्यों की रिपोर्ट के अनुसार और टीकाकरण करवाने के लिए समय निर्धारित करवाने के लिए लोगों द्वारा भाग-दौड़ के बीच में सभी राज्यों में टीकाकरण अभियान में लैंगिक विभाजन स्पष्ट नजर आ रहा है।

खबरों में और भी है

- केवल चार राज्य केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश ने ही अभी तक पुरुषों से महिलाओं का टीकाकरण किया है।
- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर टीकाकरण में लैंगिक अंतराल 4 प्रतिशत है लेकिन ऊंचे कोविड बोझ वाले राज्यों जैसे दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पुरुष-महिला टीकाकरण अनुपात में अंतर 10 प्रतिशत से ज्यादा का है।

26 मई, 2021 तक लिंग के अनुसार भारत में टीकाकरण

पुरुष	83,071,923
महिला	73,073,573
अन्य	23,499

वे राज्य जहां पुरुषों से ज्यादा महिलाओं का टीकाकरण हुआ

- दो ऊंचे भार वाले राज्य केरल और कर्नाटक में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं का टीकाकरण हुआ।
- हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी इसी सूची में हैं।

सबसे ज्यादा अंतर

- सबसे ज्यादा लैंगिक विभाजन के मामले में 14.3 प्रतिशत के साथ नागालैंड सबसे ऊपर है जिसके बाद जम्मू और कश्मीर का 13.76 प्रतिशत के साथ स्थान है।
- **उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में 10-13 प्रतिशत के बीच का टीका अंतर है।**

- चंडीगढ़ के लिए यह 11 प्रतिशत के आसपास है।

इस लैंगिक अंतराल के पीछे कारण

डिजिटल निरक्षरता

- डिजिटल निरक्षरता की वजह से, कई मामलों में महिलाएं इस बारे में नहीं जानती हैं कि CoWIN प्लेटफॉर्म पर टीकाकरण के लिए कैसे पंजीकरण करवाएं।
- वे इस बारे में तकनीक की ज्यादा जानकारी रखने वाले पुरुषों पर निर्भर रहती हैं।
- पुरुष सत्तात्मक पारितंत्र प्रणाली जो ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही है इस अंतराल को और भी बढ़ा देती है।

टीके को लेकर हिचक

- महिलाओं के मध्य टीके को लेकर हिचक और बढ़ जाती है जिसका कारण मासिक धर्म और प्रजनन पर इसके प्रभाव से संबंधित मिथकीय बातें और अफवाहें हैं।
- गर्भवती और दूध पिलाने वाली मांएं टीकाकरण को करवाने में सूचना और प्रभावी संचार पैरवी के अभाव में हिचकती हैं।

निम्न गतिशीलता

- महिलाओं के मध्य निम्न गतिशीलता और निर्णय लेने की क्षमता उनके द्वारा टीके को स्वीकार करने में बाधा पैदा कर सकते हैं।
- सामाजिक सांस्कृतिक कारक जो ग्रामीण परिदृश्य में गहरे पैठे हुए हैं, स्थिति को और खराब करेंगे।

आगे का मार्ग

- लिंग आधारित बाधाओं पर टीके की योजना और लगाने में पर्याप्त ध्यान देना चाहिए।
- हमें अपने सहायक चिकित्सा स्टाफ़ जैसे ASHA और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, दाईयों, नर्सों के सही संचालन की जरूरत है जो खुशी का विषय है कि अधिकांशतः महिलाएं हैं।
- इन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को ज्यादा प्रोत्साहन राशि देने की जरूरत है जिससे वे जमीनी स्तर पर महिलाओं को प्रेरणा दे सकें।
- पंचायत स्तर पर महिलाओं का ज्यादा प्रतिनिधित्व भी उन्हें प्रभावी मतसाधक नेता बनाता है जो स्वास्थ्य संवाद रणनीतियों में भागीदारी के लिए महिलाओं को गतिशील कर सकती हैं।
- टीकाकरण मेलों का आयोजन करके अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दौरान कुछ राज्यों में आयोजित की गई नवाचार वाली प्रथाएं जिससे महिलाओं के विशेष महसूस करवाया जा सके, समय की जरूरत है।

- गतिशील टीकाकरण केंद्रों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

वृद्धों के लिए केरल की "बेल ऑफ फेथ योजना"

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ||- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- केरल की 'बेल ऑफ फेथ' योजना जल्दी ही गांवों तक विस्तारित कर दी जाएगी जिससे वह अकेले रहने वाले वृद्ध नागरिकों तक पहुँच सके।
- पूर्व में, यह योजना केरल में बड़ी संख्या में शहरी परिवारों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई।

बेल ऑफ फेथ योजना के बारे में जानकारी:

- इसे 2018 में केरल पुलिस ने लागू किया था।

लक्ष्य

- इसका लक्ष्य केरल की सामुदायिक पुलिसिंग योजना के हिस्से के रूप में अकेले रहने वाले वृद्ध नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करना है।
- इस योजना के तहत, पुलिस ने वृद्ध नागरिकों के घरों में एक घंटी लगाई है।
- आपातकाल के दौरान जब वृद्ध नागरिक घंटी बजाएंगे तो पड़ोसी अलार्म के साथ सतर्क हो जाएंगे।
- पड़ोसी तुरंत या तो घर पहुँच सकते हैं अथवा पुलिस अथवा अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं।

भारत की मतदान से अनुपस्थित पर फिलीस्तीन द्वारा कटु आलोचना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत मानवाधिकार परिषद में आए प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहा जो इज़रायल और गाज़ा पट्टी के बीच में संघर्ष के हाल के घटनाक्रम के परिदृश्य के खिलाफ आया था।

UNHRC प्रस्ताव के बारे में जानकारी

- इस प्रस्ताव को पाकिस्तान और फिलीस्तीन ने रखा था।

- इस प्रस्ताव के पारित हो जाने से इज़रायल द्वारा अंतरराष्ट्रीय नियम के उल्लंघन की जांच के लिए एक स्वतंत्र जांच आयोग की स्थापना की गई।
- इस प्रस्ताव के पक्ष में 24 मत और विपक्ष में 9 मत पड़े।

महत्व

- यह पहली बार है कि एक जांच आयोग ने शासनादेश प्राप्त किया है जो समयबद्ध नहीं है अर्थात "लगातार शासनादेश"।
- अभी तक, UNHRC द्वारा गठित जांच आयोग जो सीरिया और श्रीलंका जैसे देशों में मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच करते थे, की वैधता एक वर्ष के लिए थी।
- इसे समय-समय पर नवीनीकृत करना होगा।

भारत का मत

- भारत 13 अन्य देशों के साथ प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहा जिसमें फ्रांस, जापान, ब्राज़ील और दक्षिण कोरिया भी शामिल हैं।
- भारत का इस बारे में मत है कि समान संप्रभु अधिकारों के साथ दो-देशों का हल ही वह आगे का रास्ता है जो शताब्दी पुराने संकट को सुलझा सकता है।
- लेकिन, भारत प्रस्ताव पर मतदान से अनुपस्थित रहा, जिसका लक्ष्य इज़रायल से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का अनुपालन करवाना है।

UNGA मुखिया: भारत मालदीव के लिए मतदान करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र सामान्य सभा के अध्यक्ष के चुनाव में मालदीव के विदेश मंत्री के समर्थन में भारत मतदान करेगा। यह एक निर्णय है जो अन्य करीबी पड़ोसी अफगानिस्तान को निराश करेगा जिसके पूर्व विदेश मंत्री चुनाव में खड़े हैं।

संयुक्त राष्ट्र सामान्य सभा के अध्यक्ष के बारे में जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र सामान्य सभा के अध्यक्ष का पद के लिए वार्षिक आधार पर संयुक्त राष्ट्र सामान्य सभा (UNGA) में प्रतिनिधियों द्वारा मतदान किया जाता है।

- अध्यक्ष सामान्य सभा का मुखिया और पीठाधीन अधिकारी होता है।

चुनाव

- सभा का सत्र प्रत्येक वर्ष सितंबर की शुरुआत में निर्धारित होता है- किसी भी विशेष अथवा आपातकालीन विशेष, सभाओं की अगले वर्ष तक अध्यक्षता UNGA के अध्यक्ष द्वारा की जाएगी।
- इसकी अध्यक्षता पांच भौगोलिक समूहों के बीच में वार्षिक तौर पर घूमती है:
    a. अफ्रीकी
    b. एशिया-प्रशांत
    c. पूर्वी यूरोपीय
    d. लातीन अमेरिकी और कैरेबियाई
    e. पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देश।
- वैश्विक तौर पर अपने शक्तिशाली कद की वजह से, कुछ बड़े, सबसे ज्यादा शक्तिशाली देशों ने कभी भी अध्यक्षता नहीं ग्रहण की है, जैसे की पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, फ्रांस, जापान, रूस, यूनाईटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- विशेष रूप से, यह परंपरा है कोई भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य UNGA के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं करता है।

नोट:

- उन देशों में जिनके नागरिक दो बार UNGA के अध्यक्ष के रूप में चुने गए हैं अर्जेन्टीना, चिली, इक्वाडोर और नाइजीरिया शामिल हैं।
- अन्य सभी सदस्य देशों को केवल एक बार प्रतिनिधित्व का मौका मिला है जब उनके नागरिकों ने इस पद को प्राप्त किया है। इसमें UNGA के विशेष और आपातकालीन विशेष सत्र शामिल नहीं हैं।

NREGS वेतनमान के लिए जाति श्रेणियां

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने हाल में राज्यों को इस वित्त वर्ष से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) योजना के अंतर्गत वेतन भुगतानों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और अन्य की दो अलग श्रेणियों में विभाजित करने को कहा है।

खबरों में और भी है

- भारत सरकार ने वेतन भुगतान के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से MGNREGS के अंतर्गत SC और ST श्रेणियों के लिए अलग बजट शीर्ष उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।
- मंत्रालय शायद यह सोच रहा हो कि यह आवंटन पूरी तौर पर सामान्य श्रेणी के लोगों द्वारा लिया जा रहा है, इसलिए वे जिले की जनसंख्या के आधार पर अलगाव करना चाहते हैं।

भुगतान की वर्तमान प्रणाली

- इस योजना के अंतर्गत वेतन की वर्तमान प्रणाली केवल एक प्रकार के लिए है अर्थात वेतन भुगतान के लिए श्रेणीवार प्रावधान नहीं है।

चिंता

- श्रमिकों के अधिकारों की वकालत करने वाले कहते हैं कि यह भुगतान प्रणाली को जटिल बना देगा और डर व्यक्त किया है कि इससे योजना के वित्त पोषण में कमी आ सकती है।

महत्व

- इससे राज्यों को SC और ST लाभकर्ताओं के जॉब कार्ड के सत्यापन में मदद मिलेगी कि उन्हें क्षेत्र स्तर पर उपयुक्त तरह से आवंटित किया गया है।
- यह SC/ST जनसंख्या को आवंटित कार्य की पारदर्शिता की प्रक्रिया में मदद देगा।

के. पी. कृष्णन विशेषज्ञ समिति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चर पूंजी कंपनी पर डॉ. के. पी. कृष्णन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) के अध्यक्ष को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में चर पूंजी कंपनियों की व्यवहार्यता पर अपनी रिपोर्ट सौंपी।

के. पी. कृष्णन विशेषज्ञ समिति के बारे में जानकारी

- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण ने भारत में चर पूंजी कंपनी (VCC) की व्यवहार्यता की जांच के लिए एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया। इसका उद्देश्य भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में कोष प्रबंधन के लिए वाहन के रूप में चर पूंजी कंपनी की उपयुक्तता की जांच करना है।
- VCC संरचना कंपनियों और LLPs की कुछ प्रमुख सीमाओं को बांटती है और न्यासों पर अनुप्रयुक्त होने वाले उच्च विनियामक मानकों को प्रदान करता है।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- समिति ने VCC अथवा उसके समतुल्य की विशेषताओं का आकलन किया, अन्य अधिकार क्षेत्रों में जैसे यूनाईटेड किंगडम, आयरलैंड और लक्ज़मबर्ग।
- समिति ने IFSCs में कोष प्रबंधन गतिविधि को करने के उद्देश्य से एक VCC जैसे कानूनी संरचना को अपनाने की अनुशंसा की है।
- समिति ने पहचाना कि कोष प्रबंधन को करने वाली कानूनी ढांचा शासन संस्थाएं निवेशकों को निश्चितता और स्पष्टता उपलब्ध कराएं।

संबंधित सूचना

चर पूंजी कंपनियों (VCC) के बारे में जानकारी

- चर पूंजी कंपनी (VCC) निवेश कोषों के लिए एक नई कार्पोरेट संरचना है जिसे चर पूंजी कंपनी कानून के तरत गठित किया गया है जो 14 जनवरी 2020 को प्रभाव में आई।
- VCC सिंगापुर में उपलब्ध निवेश कोष संरचनाओं के वर्तमान स्यूट की संपूरक होंगी।
- सभी VCCs को **अनुज्ञेय कोष प्रबंधक 1** के द्वारा प्रबंधित किया जाना चाहिए।
- मनी लांड्रिंग निरोध और आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटने के लिए VCCs के दायित्व सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकण (MAS) के दायरे के अंतर्गत आएंगे।

प्रशासन के अंतर्गत

- VCC कानून और संबद्ध विधान का प्रशासन लेखांकन और **कार्पोरेट विनियामक प्राधिकरण** द्वारा किया जाता है।
- **लेखांकन और कार्पोरेट विनियामक प्राधिकरण एक वैधानिक बोर्ड है जो सिंगापुर सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत है।**

VCC की कुछ प्रमुख विशेषताएं

- VCC की चर पूंजी संरचना होती है जो इसके शेयरों के जारी करने और विमोचन में लोचनीयता उपलब्ध कराता है।
- यह पूंजी से लाभांश भी दे सकता है, जो कोष प्रबंधकों को लाभांश भुगतान दायित्व को पूरा करने में लोचनीयता प्रदान करता है।
- VCC को एक एकल स्वसंपूर्ण कोष अथवा एक छतरी कोष के रूप में गठित किया जा सकता है जिसमें दो या ज्यादा उप-कोष हो सकते हैं, जिसमें से प्रत्येक अलग परिसंपत्तियों और दायित्वों के पोर्टफोलियो को धारण कर सकता है।
- उन कोष प्रबंधकों के लिए जो अपने कोषों को छतरी VCCs के रूप में संरचित करते हैं, पूरे छतरी और उसके उप-कोषों में सामान्य सेवा प्रदाताओं का प्रयोग करने से कीमतों में किफायत हो सकती है।
- VCC का प्रयोग खुले और बंद कोष रणनीतियों के रूप में किया जा सकता है।

कैबिनेट ने राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों में प्रसार के लिए आदर्श किरायेदारी कानून को स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में आदर्श किरायेदारी कानून को स्वीकृति दी है जिसे राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में भेजा जाना है जिससे किरायेदारी की संपत्तियों पर विधान बन सके या कानून में संशोधन हो सके।

आदर्श किराएदारी कानून, 2019 के बारे में जानकारी

- यह भारत में किराएदारी कानून है, जिसे किरायेदारी बाजार के पुनर्निर्माण के लिए डिजाइन किया गया था।
- इस कानून की घोषणा वित्त मंत्री द्वारा 2019 के बजट भाषण में की गई थी।

- इसका उद्देश्य भारत के पुराने पड़ चुके किरायेदारी कानूनों को विस्थापित करना है और कम आवास की उपलब्धता को सुलझाना है।

उद्देश्य

- यह कानून "2022 तक सभी के लिए आवास" के लक्ष्य को पूरा करेगा।

कानून के प्रावधान

- आदर्श कानून के प्रावधानों के अनुसार आवासीय संपत्तियों के लिए किराएदार द्वारा भुगतान की जाने वाली सुरक्षा जमाराशि पर दो महीने के किराए की सीमा होगी और गैर आवासीय स्थानों के लिए छह महीने के किराए की सीमा होगी। साथ ही प्रत्येक जिले में विवाद सुलझाने के लिए एक किराया प्राधिकरण की नियुक्ति का प्रावधान भी है।
- यह कानून यह भी आवश्यक करता है कि संपत्ति के स्वामी और किराएदार के बीच में एक लिखित समझौता होना चाहिए।

महत्व

- यह पूरे देश में किराएदारी आवास के संदर्भ के साथ कानूनी ढांचे में परिवर्तन में मदद करेगा, जिससे इसकी संपूर्ण वृद्धि को पंख लगेंगे।
- यह सभी आय समूहों के लिए पर्याप्त किरायेदारी आवासीय स्टॉक के सृजन को सक्षम बनाएगा जिससे घरविहीन होने के मामले सुलझेंगे।
- आदर्श किराएदारी कानून औपचारिक बाजार की ओर धीरे-धीरे हस्तांतरित होकर किराएदारी आवासों के संस्थ ागतकरण को सक्षम बनाएगा।
- आदर्श किराएदारी कानून किराया आवासीय उद्देश्यों के लिए खाली मकानों को खोलने में मदद देगा।
- इसके व्यवसाय मॉडल के रूप में किराया आवास में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की संभावना है।

NITI का 2020 **SDG** सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- NITI आयोग ने हाल में 2020-2021 के लिए सतत विकास सूचकांक के तीसरे संस्करण को जारी किया है जिसमें सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय मानदंडों के सापेक्ष राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की प्रगति का मूल्यांकन किया गया है।

NITI आयोग सतत विकास सूचकांक के बारे में जानकारी

- इसे पहली बार दिसंबर 2018 में शुरू किया गया था।
- यह सूचकांक देश में SDGs की प्रगति की निगरानी के लिए एक प्राथमिक उपकरण बन गया है और साथ-साथ इसने वैश्विक लक्ष्यों पर रैंकिंग देकर राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के मध्य प्रतियोगिता को बढ़ावा दिया है।
- SDG भारत सूचकांक का विकास सांख्यिकीय और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (MoSPI), संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक हरित वृद्धि संस्थान ने आपसी सहयोग में किया है।
- यह सूचकांक 2030 SDG लक्ष्यों को हासिल करने के प्रति भारत के राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों द्वारा की गई प्रगति का दस्तावेजीकरण करता है।
- इस वर्ष यह सूचकांक SDGs की असमानता पर सुधार को दर्शाता है।

विधि का पालन

- सभी 16 SDGs में उनके कुल प्रदर्शन पर आधारित प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र के लिए 0-100 की सीमा में SDG सूचकांक (2020) के लिए संयोजित स्कोर की गणना की गई।
- जितना राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र का स्कोर ऊंचा होता है, उतना ही वह 2030 राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के करीब होता है।
- राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों को SDG भारत सूचकांक स्कोर पर निम्न आधार पर वर्गीकृत किया जाता है:

  प्रार्थी: 0–49

  प्रदर्शनकर्ता: 50–64

  अग्रणी पंक्ति: 65–99

  सफल: 100

प्रमुख खास बातें

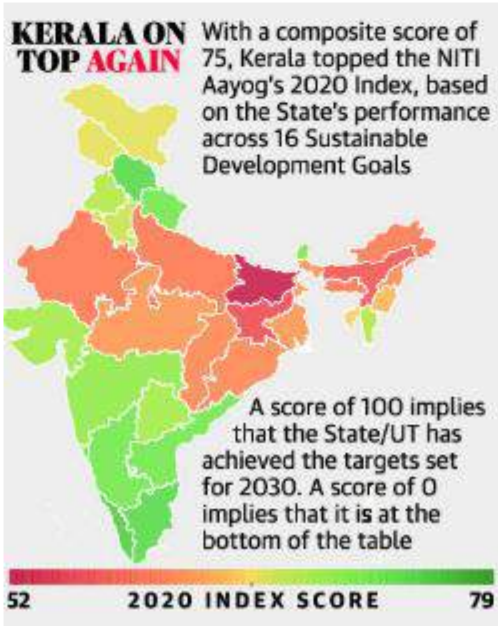

GOAL-WISE TOP STATES

Goal	Top States
No poverty	Tamil Nadu
Zero hunger	Kerala
Good health and well-being	Gujarat
Quality education	Kerala
Gender equality	Chhattisgarh
Clean water and sanitation	Goa
Decent work and economic growth	Himachal Pradesh
Industry, innovation and infrastructure	Gujarat
Reduced inequality	Meghalaya
Sustainable cities and communities	Punjab
Responsible consumption and production	Tripura
Climate action	Odisha
Life below water	Odisha
Life on land	Arunachal Pradesh
Peace, justice and strong institutions	Uttarakhand

- देश के सर्वांगीण SDG स्कोर में 6 बिंदुओं का सुधार हुआ है- 2019 के 60 से 2020-21 में 66।
- लक्ष्यों को हासिल करने की ओर सकारात्मक बढ़त मुख्य रूप से स्वच्छ जल और स्वच्छता, और वहनीय और स्वच्छ ऊर्जा में उदाहरण योग्य देशव्यापी प्रदर्शन से संचालित है।

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य

- सूचकांक के तीसरे संस्करण में केरल ने रैंकिंग में सर्वोच्च स्थान बरकरार रखा है, उसका स्कोर 75 है। इसके बाद तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश दोनों ने ही 72 स्कोर हासिल किए।

सबसे बुरा प्रदर्शन करने वाले राज्य

- बिहार, झारखंड और असम सबसे बुरा प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं।
- लेकिन, सभी राज्यों ने पिछले वर्ष की अपेक्षा कुछ सुधार दर्शाया है, जिसमें मिज़ोरम और हरियाणा ने सबसे ज्यादा प्रगति की है।

केंद्र शासित क्षेत्रों का प्रदर्शन

- चंडीगढ़ ने 79 के स्कोर के साथ केंद्र शासित क्षेत्रों (UTs) के मध्य सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जिसके बाद दिल्ली (68) का स्थान है।

सामाजिक समानता पर जोर

- 2019 में, असमानता के संसूचकों में शामिल थे ग्रामीण और शहरी जनसंख्याओं के निचले 40% के मध्य प्रतिव्यक्ति परिवार खर्च के लिए वृद्धि दरें, साथ ही **गिनी गुणांक- यह आय के वितरण का मापन है- ग्रामीण और शहरी भारत में।**
- 2018 के संसूचकों में शामिल थे पाल्मा अनुपात, जो आय असमानता के लिए अन्य मात्रक है।
- लेकिन सूचकांक के 2020 के संस्करण में, इस तरह के आर्थिक उपाय इस SDG के लिए प्रयोग किए गए संसूचकों से हटा दिए गए थे।
- इसकी बजाय, यह सामाजिक समानता संसूचकों को ज्यादा भारांश देता है, जैसे कि राज्य विधायिकाओं और पंचायती राज संस्थानों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रतिशत और SC/ST समुदायों के खिलाफ अपराध का स्तर।
- इस वर्ष एकमात्र आर्थिक संसूचक निम्नतम दो धन पंचमकों में जनसंख्या का प्रतिशत है।

अग्रणी राज्यों की श्रेणी

- 2019 में, 10 राज्यों/UTs अग्रणी राज्यों की श्रेणी में है (स्कोर 65-99 की सीमा में है, दोनों ही समावेशी), 12 और राज्य/UTs अपने को 2020-21 में इस श्रेणी में पाते हैं।
- उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, पंजाब, हरियाणा, त्रिपुरा, दिल्ली, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गए।

प्रार्थी

- कोई भी राज्य प्रार्थी की श्रेणी में नहीं था (50 से कम सूचकांक स्कोर)।

स्वास्थ्य क्षेत्र लक्ष्य

- स्वास्थ्य क्षेत्र लक्ष्यों के अंतर्गत, गुजरात और दिल्ली क्रमशः राज्यों और UTs के मध्य सबसे अच्छे प्रदर्शनकर्ता थे।

शिक्षा लक्ष्य

- गुणवत्ता वाली शिक्षा के अंतर्गत, केरल और चंडीगढ़ क्रमशः राज्यों और UTs के मध्य सबसे अच्छे प्रदर्शनकर्ता थे।

गरीबी नहीं पर लक्ष्य

- गरीबी नहीं के लक्ष्य के अंतर्गत, तमिलनाडु और दिल्ली क्रमशः राज्यों और UTs के मध्य सबसे अच्छे प्रदर्शनकर्ता थे।

असमानता घटाने का लक्ष्य

- असमानता घटाने के लक्ष्य के अंतर्गत, मेघालय और चंडीगढ़ (100 सूचकांक स्कोर के साथ सफल) राज्यों और UTs के मध्य सबसे अच्छे प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे।

सरकार ने न्यूनतम तनख्वाह, राष्ट्रीय वेतन सीमा तय करने के लिए विशेषज्ञ पैनल गठित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- श्रम और रोजगार मंत्रालय ने हाल में **अजीत मिश्रा** के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है जिसका उद्देश्य न्यूनतम वेतन और न्यूनतम वेतनों के लिए राष्ट्रीय सीमा का निर्धारण करने के लिए तकनीकी इनपुट्स और अनुशंसाएं उपलब्ध कराना है।

दूसरी विशेषज्ञ समिति

- यह पिछले दो वर्षों में सरकार द्वारा न्यूनतम वेतनों पर गठित की गई दूसरी विशेषज्ञ समिति है।
- पूर्व का पैनल जिसका नेतृत्व अनूप सत्पथी ने किया था जो वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान के फैलो थे। इस पैनल को 17 जनवरी, 2018 को मंत्रालय ने गठित किया था जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन निर्धारित करने के लिए विधि का निर्धारण करना था जिससे साक्ष्य आधारित विश्लेषण को किया जा सके।
- अनुशंसाएं जिन्हें केंद्र द्वारा स्वीकृत नहीं किया गया, में जुलाई 2018 के मूल्यों के अनुसार रु. 375 प्रतिदिन (रु. 9,750 प्रति महीने) के राष्ट्रीय वेतन सीमा को निर्धारित करना शामिल है।

न्यूनतम वेतनमान को निर्धारित करने पर विशेषज्ञ समूह के बारे में जानकारी

- **इसकी अध्यक्षता अजीत मिश्रा कर रहे हैं जो आर्थिक वृद्धि संस्थान के निदेशक हैं।**
- इस विशेषज्ञ समूह को तीन वर्षों के लिए गठित किया गया है।

विशेषज्ञ समूह का कार्य

- वेतनमान दरों पर पहुँचने के लिए, समूह वेतनमानों पर अंतरराष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रथाओं पर ध्यान देंगे और वेतनमानों को निर्धारित करने के लिए एक वैज्ञानिक मानदंड और विधि को विकसित करेंगे।

वेतनमानों पर संहिता क्या निर्दिष्ट करती है?

- वेतनमान संहिता के अंतर्गत, जिसको अभी लागू किया जाना है, एक राष्ट्रीय सीमा स्तरीय न्यूनतम वेतनमान को केंद्र द्वारा निर्धारित किया जाएगा जिसकी प्रत्येक पांच वर्षों में समीक्षा की जाएगी, जबकि राज्य अपने क्षेत्रों के लिए न्यूनतम वेतनमानों को निर्धारित करेंगे, जो कि वेतनमान सीमा से कम नहीं हो सकते हैं।

- वर्तमान वेतनमान सीमा, जिसे 2017 में निर्धारित किया गया था, एक दिन में रु. 176 है, लेकिन कुछ राज्यों में न्यूनतम वेतनमान इससे कम हैं।

इज़रायलः बेंजामिन नेतन्याहू को हटाया जाएगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, इज़रायली विपक्षी नेता येर लापिद ने देश के राष्ट्रपति को सूचना दी कि वे एक गठबंधन सरकार बना सकते हैं, यह एक कदम है जो **प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के 12 वर्षीय शासन का अंत कर देगा।**

खबरों में और भी है

- लापिद जो येश आटिड पार्टी के नेता है, को राष्ट्रपति रूवेन रिवलिन द्वारा सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह उस समय हुआ जब दो वर्षों से कम समय में इज़रायल में चौथे चुनाव के बाद नेतन्याहू अपने गठबंधन को बनाने में असफल रहे।
- यह सरकार इज़रायल के सभी नागरिकों के लिए कार्य करेगी, जिन्होंने इसके लिए मतदान किया है और जिन्होंने इसके लिए मतदान नहीं किया है। यह इज़रायली समाज की एकता के लिए सब कुछ करेगी, उन्होंने मध्यरात्रि की समयसीमा के कुछ देर पहले कहा।
- गठबंधन समझौते के अंतर्गत, बेनेट और लापिद बारी-बारी से प्रधानमंत्री की भूमिका निभाएंगे, जिसमें बेनेट पहले दो साल पद ग्रहण करेंगे और लापिद अंतिम दो वर्षों में।
- इस समझौते पर अभी भी नेसेट में मतदान होना बाकी है, जो इज़रायल की संसद है, जहां सरकार के शपथग्रहण के पूर्व बहुमत के समर्थन की जरूरत होती है।
- मतदान के 7 से 12 दिनों के बीच में होने की उम्मीद है।

चिंता

- प्रधानमंत्री का पद खोने के बाद, वह मूलभूत कानूनों में परिवर्तन करने में सक्षम नहीं होंगे जो उन्हें प्रतिरक्षा दे सकते हैं और कुछ न्याय मंत्रालय नामांकनों पर नियंत्रण भी समाप्त हो जाएगा।
- मार्च 23 के चुनावों में नेतन्याहू की लिकुद पार्टी ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं थीं लेकिन वे अपने प्राकृतिक सहयोगियों के साथ बहुमत हासिल करने में असफल रहे थे।
- यह महत्वपूर्ण है, बेनेट की धुर दक्षिणपंथी पार्टी ने नेतन्याहू के साथ गठबंधन किया था- हालांकि उन्होंने यूनाईटेड अरब लिस्ट के साथ जुड़ने से इंकार कर दिया, यह एक पार्टी है जो किंगमेकर की भूमिका में उभरी।

व्हाट्सऐप प्रयोगकर्ता विरोधी प्रथाएं कर रहा हैः सरकार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है व्हाट्सऐप जो तुरंत संदेशवाहक ऐप है, अपने अद्यतन निजता नीति के लिए प्रयोगकर्ताओं से ट्रिक सहमति हासिल करके प्रयोगकर्ता विरोधी प्रथाएं कर रहा है।

खबरों में और भी है

- इलेक्ट्रानिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय ने न्यायालय के सामने दाखिल किए गए हलफनामा में कहा कि व्हाट्सऐप दैनिक आधार पर अपने करोड़ों वर्तमान प्रयोगकर्ताओं को नोटीफिकेशन दे रहा है, जिन्होंने उसकी अद्यतन 2021 निजता नीति को अभी तक स्वीकार नहीं की है।
- मंत्रालय ने न्यायालय से आग्रह किया है कि वह व्हाट्सऐप को निर्देश दे कि वह अद्यतन 2021 निजता नीति से संबंधित वर्तमान प्रयोगकर्ताओं को नोटीफिकेशन देने की किसी कार्रवाई से बचे।
- व्हाट्सऐप ने पहले कहा था कि उसकी नई निजता नीति 15 मई से प्रभाव में आ गई, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि वह उन प्रयोगकर्ताओं के खातों को हटाना नहीं शुरू करेगा जिन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया है और वह उन्हें इसे स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- पूर्व में, मंत्रालय ने भी कहा था कि नई निजता नीति IT **(मध्यवर्ती दिशा-निर्देशों) नियम, 2011** के अनुरूप नहीं है।

नई व्हाट्सऐप नीति से संबंधित मुद्दे

व्हाट्सऐप आंकड़ों के स्वामी के रूप में

- यह सूचना कि व्हाट्सऐप स्वतः एकत्रित करता है और फेसबुक के साथ साझा करेगा जिसमें शामिल हैं मोबाइल फोन नंबर, प्रयोगकर्ता गतिविधि, और व्हाट्सऐप खाते की अन्य मूलभूत सूचना।

- व्हाट्सऐप की हाल की निजता नीति जिसमें फेसबुक के साथ व्यावसायिक प्रयोगकर्ता आंकड़े को साझा किया जाना है, यह स्थापित करता है कि वह आंकड़ों का स्वामी है ना कि एक मध्यवर्ती।
- यह नीति मूल रूप से अभी तक प्रयोगकर्ता को हासिल उस चुनाव को वापस ले रही है जिसमें वे किसी अन्य फेसबुक स्वामित्व वाले और तीसरे पक्ष ऐप्स के साथ आंकड़े साझा नहीं करते थे।

श्रीकृष्णा समिति रिपोर्ट की अनुशंसाओं के खिलाफ

- नई व्हाट्सऐप नीति श्रीकृष्णा समिति रिपोर्ट की विरोधाभासी है जो **आंकड़ा संरक्षण विधेयक 2019** के आधार को निर्मित करती है।

KSRTC बनाम KSRTC: केरल ने सार्वजनिक परिवहन के लिए ट्रेडमार्क लड़ाई जीती

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स)

खबरों में और भी है?

- हाल में, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर लंबे खिंची लड़ाई के बाद, केरल सड़क परिवहन निगम ने अपने ट्रेडमार्कों के कानूनी अधिकारों को हासिल कर लिया- संक्षिप्त KSRTC, दो हाथियों का लोगो और नाम अनावंडी- जो राज्य द्वारा संचालित परिवहन निगम से संबंधित हैं।

खबरों में और भी है

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत पेटेंट डिजाइन और ट्रेडमार्कों के महानियंत्रक ने केरल के दावे को स्वीकृति दी।
- यह पंजीकरण केरल RTC को ट्रेडमार्कों का एकमात्र स्वामी बना देगा।
- निगम की सभी बसें मार्क के साथ KSRTC का प्रदर्शन करेंगी जो पंजीकरण को इंगित करेगा (R)।

मुद्दे क्या थे?

- KSRTC के ऊपर लड़ाई उस समय शुरू हुई जब कर्नाटक RTC ने 2014 में ट्रेडमार्क पंजीकरण के लिए एक कदम उठाया।
- कर्नाटक RTC से एक कानूनी नोटिस ने केरल को जगा दिया और ट्रेडमार्क संपदाओं का स्वामित्व हासिल करने की प्रक्रियाओं को तेज कर दिया।
- केरल RTC और कर्नाटक राज्य परिवहन निगम संक्षिप्त नाम KSRTC के स्वामित्व को लेकर लड़ रहे थे।
- अभी तक, दोनों की RTCs की बसें और वेबसाइटें KSRTC का ही प्रयोग करती हैं।

- इस निर्णय से यात्रियों के मध्य असमंजस समाप्त होने की आशा है जिससे वे जान सकते हैं कि कौन वास्तविक KSRTC है।

पृष्ठभूमि

- केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (KSRTC) देश में सबसे पुरानी संचालित और प्रबंधित सार्वजनिक परिवहन सेवा है।
- त्रावणकोर राज्य परिवहन विभाग (TSTD) को 1 अप्रैल, 1965 को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम के रूप में पुनर्स्थापित किया गया था।
- कर्नाटक RTC की समान विरासत है, लेकिन इसने मैसूर सरकार सड़क परिवहन विभाग के रूप में शुरूआत करके 1973 में कर्नाटक परिवहन निगम बन गई थी।

कानूनी रोजगार के लिए ग्रीन कार्डों तक समान पहुँच (EAGLE) कानून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों हैं?

- हाल में, डेमोक्रेट रिप्रेजेंटेटिव डो लॉफग्रेन और रिपब्लिकन जॉन कर्टिस ने 2021 के लिए कानूनी रोजगार के लिए ग्रीन कार्डों तक समान पहुँच (EAGLE) कानून को लागू किया है।

EAGLE कानून के बारे में जानकारी

- यह एक द्विपक्षीय कानून है जो रोजगार आधारित प्रवासी वीज़ा पर प्रति देश 7 प्रतिशत की सीमा को हटाना चाहता है।
- यह परिवार प्रायोजित वीज़ा पर प्रति देश सीमा को 7 प्रतिशत से 15 प्रतिशत करना चाहता है। यह इस सीमा के उन्मूलन के लिए नौ वर्ष की अवधि को देना चाहता है।
- यह इस सीमा के उन्मूलन के लिए नौ वर्ष की अवधि को देना चाहता है।
- EAGLE कानून के साथ, प्रति देश सीमा हटा दी जाएगी, जिससे रोजगार आधारित ग्रीन कार्डों के लिए आवेदन करने वाले लोगों की याचिकाएं तेजी से निस्तारित हो सके।

EAGLE कानून का महत्व

- यह जन्मस्थल के अनुसार नहीं बल्कि योग्यता के आधार पर प्रवासियों को लेने पर ध्यान देने के लिए अमेरिकी नियोक्ताओं को अनुमति देगा जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा होगा।

- यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी देश आरक्षित वीज़ा के 25 प्रतिशत से ज्यादा न प्राप्त करे और कोई भी देश अनारक्षित वीज़ा के 85 प्रतिशत से ज्यादा न हासिल करे।

भारतीयों के लिए EAGLE कानून का महत्व

- ग्रीन कार्ड जिसे आधिकारिक तौर पर स्थाई निवासी कार्ड कार्ड कहा जाता है, संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी व्यक्ति को रहने और कार्य करने की इजाजत देता है।
- प्रवासी वीज़ा के आवंटन पर 7% प्रति देश की वर्तमान सीमा के साथ, संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करने वाले बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर जोकि मूल रूप से H-1B वीज़ा पर हैं, को ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए लंबी अवधि तक इंतजार करना पड़ता है।
- **EAGLE** कानून उन भारतीयों के लिए लाभकारी होगा जो नौकरी की खोज में हैं जो वर्तमान में अस्थाई वीज़ा पर निर्भर कर रहे हैं अथवा अमेरिका में कार्य करने के लिए ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं।
- थिंक टैंक काटो संस्थान ने मार्च 2020 में रिपोर्ट किया था कि रोजगार आधारित वीज़ा में से 75 प्रतिशत का बाकी भारतीयों का ही है।

NPR स्लिप दीर्घावधि वीज़ा के लिए वैधः MHA

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय गृह मंत्रालय की कार्य पुस्तिका के अनुसार, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से छह गैर मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के प्रवासी, जब दीर्घावधि वीज़ा के लिए आवेदन देंगे (LTVs), तो वे राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) नामांकन स्लिपों को भी भारत में अपने रुकने की अवधि के सबूत के रूप में दे सकते हैं।

खबरों में और भी है

- NPR संख्या 10 दस्तावेजों से ज्यादा की एक निदर्शी सूची का हिस्सा है जिसे LTV के आवेदन के लिए दिया जा सकता है, जो प्राकृतिक तरीके से अथवा नागरिकता कानून 1955 के अनुच्छेद 5 और 6 के अंतर्गत पंजीकरण के द्वारा भारतीय नागरिकता प्राप्त करने का पूर्ववर्ती है। यह तीन देशों के छह समुदायों- हिंदू, सिख, जैन, पारसी, ईसाई और बौद्ध के लिए है।

- पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदुओं और सिखों के लिए LTVs के विशेष प्रावधान को पहली बार 2011 में बनाया गया था।
- अन्य दस्तावेज जिससे साबित किया जाए कि भारत में आवेदक के प्रवेश की तिथि जिससे वह भारत में रह रहा है

  (a) ऐसे व्यक्ति को भारत में जनसंख्या गणक द्वारा जारी की गई स्लिप जो 31.12.2014 के पहले राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तैयारी के लिए सर्वेक्षण का आयोजन कर रहा था

  (b) भारत में बीमा कंपनियों द्वारा जारी की गईं बीमा पॉलिसियां

  (c) भारत में बैंक/पोस्ट ऑफिस खाते

  (d) भारत में न्यायालय/न्यायाधिकरण रिकॉर्ड/प्रक्रियाएं

  (e) भारत में सरकार द्वारा जारी लाइसेंस/प्रमाणपत्र

  (f) भारत में भूमि और किरायेदारी रिकॉर्ड

  (g) भारत में जारी किए गए स्थाई निवासी प्रमाणपत्र, यदि कोई

  (h) भारत में जारी किए गए शरणार्थी पंजीकरण प्रमाणपत्र

  (i) भारत में किसी नियोक्ता के अंतर्गत सेवा/रोजगार के लिए जारी किए गए दस्तावेज

  (j) भारत में किसी सरकारी प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए अन्य कोई दस्तावेज ग्राम पंचायत सचिव प्रमाणपत्र जिसपर क्षेत्रीय अधिकारी ने भी प्रतिहस्ताक्षर किए हैं, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, इत्यादि भारत की प्रवेश की तिथि साबित करने के लिए अथवा वह तिथि जिससे भारत में रह रहे हैं।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश

- दस्तावेजों पर गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विस्तृत दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिन्हें भारत में वर्तमान में अल्पसंख्यक समुदाय प्रवासियों द्वारा प्रवेश की तिथि को साबित करने के लिए देना है, 31 दिसंबर, 2014 के पूर्व NPR की तैयारी के लिए सर्वेक्षण के दौरान जनसंख्या गणक द्वारा जारी की गई स्लिप को दे सकते हैं।
- प्रवासी जो LTVs के लिए आवेदन कर सकते हैं, को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान की सरकारों द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज देना होगा जिसमें विद्यालय प्रमाणपत्र इत्यादि की ही तरह से आवेदक का धर्म स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए जिससे यह साबित हो सके कि आवेदक अल्पसंख्यक समुदाय का है।

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के बारे में जानकारी

- NPR को पहली बार दशकीय जनसंख्या कार्य के साथ ही 2010 में संकलित किया गया था और बाद में 2015 में अद्यतन किया गया था।
- इसमें अभी से 119 करोड़ निवासियों का डाटाबेस है।
- NPR सामान्य निवासियों का रजिस्टर है जो गांव स्तर तक स्थान विशेष की सूचनाओं के साथ जुड़ा है और इसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है जिससे जन्म, मृत्यु और प्रवसन की वजह से परिवर्तनों को शामिल किया जा सके।

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर में हाल के घटनाक्रम

- NPR के अगले चरण में माता और पिता के जन्म की तिथि और स्थान के विवादास्पद प्रश्नों को शामिल किये जाने की संभावना है, इसके अतिरिक्त इसमें निवास का अंतिम स्थान और मातृभाषा भी शामिल होंगे। इसे 2021 के मकान सूचीकरण और मकान जनगणना के साथ अद्यतन किया जाना था लेकिन कोविड-19 की महामारी की वजह से अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है।

डिजिटल विभाजन युवा भारत की कोविड-19 टीकाकरण संभावनाओं को प्रभावित करता है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक स्वतः संज्ञान वाले मामले को सुनते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से पूछा कि वह जगे और कॉफी को सूंघे। इसका आशय है भारत में कोविड-19 टीके तक डिजिटल विभाजन की वजह से असमान पहुँच पर जोर देना।
- CoWin पोर्टल, जिसे 1 मई को 18-44 आयु समूह के लोगों के लिए पंजीकरण के लिए खोला गया था, उन लोगों को अलग करने की संभावना के लिए जो डिजिटल विभाजन की दूसरी तरफ है, संदेह के घेरे में आ गया। इसके लिए पंजीकरण आवश्यक है।

डिजिटल विभाजन कितना बड़ा है?

TABLE 1

SMARTPHONE USERS IN INDIA, 2019: BY SOCIO-ECONOMIC GROUP (%)

Men	41 (55)
Women	24 (33)
Urban	49 (63)
Rural	27 (38)
Upper castes	43 (57)
OBCs	30 (42)
SCs	25 (36)
STs	23 (32)
Muslims	32 (43)
Others	38 (52)

Source: NES 2019 by Lokniti-CSDS. (Figures for 18-44 age group in brackets)

TABLE 2

SMARTPHONE USERS IN INDIA (2019) & VACCINATION STATUS: BY STATE (%)

	Smartphone users (%)		% vaccinated* (age 18-44)
	Overall	Age 18-44	
All India	33	46	18
Kerala	54	80	28
Delhi	58	71	33
Himachal	45	66	37
Manipur	47	64	18
Punjab	44	63	17
Goa	47	60	40
Nagaland	42	57	14
Uttarakhand	36	57	28
Rajasthan	43	56	27
J&K	38	55	30**
Karnataka	40	53	23
Jharkhand	39	53	14
Gujarat	37	52	27

	Smartphone users (%)		% vaccinated* (age 18-44)
	Overall	Age 18-44	
Andhra	36	52	19
Haryana	38	51	24
Telangana	36	48	18
Maharashtra	34	48	20
Tamil Nadu	36	44	12
UP	29	39	10
Odisha	27	38	21
MP	29	37	17
W Bengal	26	37	15
Chhattisgarh	26	35	26
Meghalaya	26	33	17
Bihar	22	31	12
Assam	21	30	14

** At least one dose until June 1 ** J&K 30%; Ladakh 64%*

Source: NES 2019 by Lokniti-CSDS; cowin.gov.in

- लोकनीति- **CSDS** राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन 2019 में, प्रत्येक 3 में से केवल व्यक्ति ही स्मार्टफोन प्रयोग करते हुए पाया गया था (स्मार्टफोन को प्रयोग करने वाले 90**%** लोगों के फोन में इंटरनेट है) और क्रमशः मात्र 16**%** और 10**%** परिवारों की ही पहुँच कम्प्यूटर/लैपटॉप और घर में इंटरनेट कनेक्शन तक है।
- यद्यपि 18-44 वर्ष के आयु वर्ग वालों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना है (लगभग आधे), यह अनुपात अभी भी काफी कम है, क्योंकि बहुसंख्यक लोगों के अपने ज्यादा प्रभावशाली समकक्षों की तुलना में बाद में टीका लगवाने की संभावना है।
- 2017 में, 24% भारतीयों (18-44 आयु वर्ग में 35%) के पास स्मार्टफोन थे।

हाल के आंकड़े

- 2020 के उत्तरार्ध और 2021 के पूर्वार्ध के हाल के आंकड़े, पांच राज्यों में जहां हाल के दिनों में चुनाव हुए हैं- बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल- स्मार्टफोन प्रयोगकर्ता की संख्या 2019 के 33% से बढ़कर 2020-21 में 45% हो गई जिससे 12% की वृद्धि हुई।
- 18-44 आयु वर्ग वालों में, यह अनुपात 47% से बढ़कर 56% हो गया।
- क्योंकि हम यह भी पाते हैं एक साथ इन पांच राज्यों को लेने पर 2017 और 2019 दोनों में ही स्मार्टफोन स्वामित्व के लिए ये राष्ट्रीय औसत को परिलक्षित करते हैं। हम समान वृद्धि राष्ट्रीय स्तर पर भी मान सकते हैं।

- इसका अर्थ होगा कि भारत में जनसंख्या का बहुसंख्यक वर्ग आज भी डिजिटल विभाजन के गलत तरफ है।

किसे अलग-थलग होने का जोखिम है?

- शहरी, धनाढ्य, ऊंची जातियां, शिक्षित और पुरुषों के पास इंटरनेट वाले स्मार्टफोन के होने की ज्यादा संभावना है, जबकि अन्य लोगों के टीके तक पहुँच के मामले में अलग-थलग होने की संभावना है।

लैंगिक अंतराल और डिजिटल अंतराल

- उदाहरण के लिए महिलाएं, जिनके पास स्मार्टफोन होने की संभावना कम है, जहां 18-44 आयु वर्ग के मध्य 22 प्रतिशत बिंदु का अंतराल है।
- आगे, जातियों औऱ वर्गों के द्वारा डिजिटल विभाजन बढ़ता है- धनियों के (18-44 आयु वर्ग) गरीबों की तुलना में तीन गुना ज्यादा, जबकि SC/ST की तुलना में ऊंची जातियों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना 1.5 गुना ज्यादा है।
- सर्वोच्च न्यायालय के पर्यवेक्षण का समर्थन करते हुए, आंकड़े उजागर करते है ग्रामीण भारत से एक अशिक्षित गांव वाले की दूरदर्शिता जिससे वह कोविन पोर्टल पर कोविड-19 टीके के लिए डिजिटल विभाजन से पार पाकर अपने पंजीकृत करवा सके।
- 18-44 आयु वर्ग के मध्य केवल 8% अशिक्षित ही, प्राथमिक तक पढ़ाई करने वाले 17%, और मैट्रिक तक शिक्षित 40% लोगों के पास ही स्मार्टफोन है जबकि इसकी तुलना में महाविद्यालय शिक्षित प्रत्येक 4 में से 3 के पास (74%) स्मार्टफोन है।

हाल का विकासक्रम

YounTab योजना

- लद्दाख के उपराज्यपाल ने हाल में YounTab योजना डिजिटल शिक्षण को प्रोत्साहन देने के लिए छात्रों के लिए शुरू की है।

लक्ष्य

- YounTab योजना का निर्माण डिजिटल शिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए, जुड़े हुए और गैर जुड़े हुए लोगों के बीच में डिजिटल विभाजन को समाप्त करने के लिए और कोविड महामारी बाधाओं के शमन के लिए किया गया।

- YounTab योजना के पहले चरण के रूप में 9 से 12वीं कक्षा तक के छात्रों को टेबलेट दिया गया।
- सरकारी विद्यालयों के 6वीं से 12वीं कक्षा तक के कुल 12 हजार 300 छात्र इस योजना से लाभांवित होंगे।

चीन द्वारा ASEAN विदेश मंत्रियों का आतिथ्य

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चीन जून 7 और 8 को 10 ASEAN देशों से विदेश मंत्रियों का आतिथ्य कर रहा है। इसमें बीजिंग करीबी आर्थिक सहयोग को बढ़ा रहा है और कोविड-19 प्रयासों को संरेखित कर रहा है जबकि वह क्वाड समूह के हाल की क्षेत्रीय पहुँच के खिलाफ कार्य कर रहा है।

चर्चा के क्षेत्र

COVID-19 से निपटने पर ध्यान

- चीन-ASEAN विदेश मंत्रियों की बैठक से संबंधों की 30वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी और वे कोविड-19 से निपटने, आर्थिक बहाली को प्रोत्साहित करने और रणनीतिक योजनाओं के बेहतर अंतर्ग्रथन पर केंद्रित होंगे।
- चीन और ASEAN देशों को जोड़ने वाला टीका पासपोर्ट पर भी चर्चा की जा रही है।

क्वाड की आलोचना

- चीनी अधिकारियों ने हाल के सप्ताह में क्वाड की आलोचना बढ़ा दी है- यह भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका का अनौपचारिक समूह है- विशेष रूप से वाशिंगटन का।

संबंधित सूचना

भारत और ASEAN

- 2020 में, भारत ने **वियतनाम के आमंत्रण पर 17वें ASEAN-भारत वर्चुअल शिखर सम्मेलन** में भागीदारी की थी, जिसके पास दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ की वर्तमान में अध्यक्षता है।
- इस शिखर सम्मेलन ने कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा आर्थिक उतार-चढ़ाव से वापसी के लिए उपायों पर ध्यान केंद्रित किया और वृहद् आधारित रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

भारत की पूर्व की ओर देखो नीति

- चीन के आक्रमक कदमों की पृष्ठभूमि में, जिसमें लद्दाख में गतिरोध शामिल है, भारत ने ASEAN को अपनी पूर्व की ओर देखो नीति के केंद्र में रखा है और कहा है कि क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और वृद्धि के लिए एक सुदृढ़ और संवेदनशील ASEAN जरूरी है।

चतुर्पद सुरक्षा बातचीत (Quad) के बारे में जानकारी

- यह भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच में अनौपचारिक रणनीतिक बातचीत है जिसका साझा उद्देश्य एक मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित और समर्थन देना है।
- मंत्रियों ने मिलकर आतंकवाद निरोध, सलाह, आपदा राहत में सहायता, वायुसमय सुरक्षा, सहोयग, विकास, वित्त और साइबर सुरक्षा प्रयासों पर हमारी साझी प्रतिबद्धताओं और करीबी सहयोग में सामूहिक प्रयासों पर चर्चा की।

जन्म

- इस समूह की उत्पत्ति 2004 में हुई थी जब सुनामी के बाद राहत ऑपरेशन में समन्वय के लिए चारों देश आपस में इकट्ठा हुए।
- बाद में 2007 में वे दक्षिण-पूर्व एशियाई संघ के किनारे पर पहली बार मिले।
- राष्ट्र (ASEAN) शिखर सम्मेलन।
- क्वाड का पहली बार विचार **2007 में जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे** ने रखा था।
- लेकिन, ऑस्ट्रेलिया के इससे हटने की वजह से यह विचार ज्यादा दूर नहीं जा सका, जिसका प्रत्यक्ष कारण चीनी दबाव था।
- दिसंबर 2012 में, **शिंजो अबे ने एक बार फिर से एशिया** के लोकतांत्रक सुरक्षा डायमंड की संकल्पना की बात रखी जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे जिससे हिंद महासागर से पश्चिमी प्रशांत तक समुद्री हितों को सुरक्षित रखा जा सके।
- नवंबर 2017 में, भारत, US, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने लंबे समय से लंबित क्वाड गठबंधन को आकार दिया जिससे एक नई रणनीति का विकास करके हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी प्रभाव (विशेष रूप से चीन) से मुक्त रखा जा सके।

क्वाड पर चीन के विचार

- **क्वाड की चीन द्वारा उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के एशियाई रूप के रूप में आलोचना की जाती है।**

मालदीव ने UNGA चुनाव जीता, भारत करीबी सहयोग चाहता है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद 2021-22 के लिए UN आमसभा के अध्यक्ष चुन लिए गए, उन्होंने कुल 143 मत अथवा 191 देशों जिन्होंने वार्षिक चुनाव में मतदान किया, के तीन-चौथाई मत हासिल किए।
- भारत ने अफगानिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री जलमई रसूल को नजरअंदाज करते हुए अब्दुल्ला शाहिद को मत दिया। जलमई, अब्दुल्ला के खिलाफ UN आमसभा चुनाव में खड़े हुए थे।

पृष्ठभूमि

- भारत ने अफगानिस्तान सरकार को यह स्पष्ट कर दिया था कि वह रसूल को समर्थन देने में असमर्थ है क्योंकि उसने नवंबर में ही सार्वजनिक तौर पर मालदीव के लिए समर्थन घोषित कर दिया था, जबकि इस वर्ष जनवरी में अफगानिस्तान ने अपने उम्मीदवार की घोषणा की थी।
- इस घोषणा से एशिया-प्रशांत समूह में एक अजीब संघर्ष पैदा हो गया, कि कौन आमसभा की अध्यक्षता ग्रहण करे, और विशेष रूप से भारत के लिए, जिसके दोनों ही देशों के साथ करीबी संबंध हैं।

भारत और मालदीव के बीच में करीबी सहयोग

- मालदीव भारतीय मिशन के साथ चर्चा कर रहा है जिसका कारण UN में भारत के उप स्थाई प्रतिनिधि हैं जो शाहिद की कैबिनेट में अधिकारी होंगे।

हाल के घटनाक्रम

- भारत और मालदीव ने $50 मिलियन मूल्य के रक्षा ऋण रेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- भारत, म्यांमार, मालदीव और बांग्लादेश में तटीय रडार नेटवर्क स्थापित करने की योजना बना रहा है।

आगे की पढ़ाई: कृपया 3 जून के DCA को देखें

भारत में जिमोमिक अनुक्रमण का सिंहावलोकन

(विषय- सामान्य अध्ययन II + III –शासन और विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक अध्ययन में यह पाया गया है कि भारत अपनाने में धीमा है और कम प्रयोग कर रहा है, यह जिनोमिक अनुक्रमण है जो कोविड-19 महामारी के लिए सबसे प्रभावी उपकरणों में से एक है।

खबरों में और भी है

- यद्यपि प्रक्रियात्मक कदम जैसे भारतीय SARS-CoV2 जीनोमिक कंसोर्टिया का गठन करना अथवा INSACOG जिसकी स्थापना की गई है, अनुक्रमण का काम काफी कम है यहां तक कि कुछ हजार मामलों के स्तर तक ही सीमित है।
- भारत ने डेल्टा वैरिएंट को डिकोड किया है (B.1.617.2, प्रारंभिक वंशानुक्रम B.1.617 की पहली सूचना अक्टूबर 2020 में महाराष्ट्र, भारत से मिली थी)। इसकी तुलना में एल्फा वैरिएंट को कम डिकोड किया गया है (B.1.1.7, इसे सितंबर 2020 में केंट, इंग्लैंड में पहली बार रिपोर्ट किया गया था) जिसे डेल्टा के एक महीने पहले ही रिपोर्ट किया गया था।
- अपर्याप्त जीमोमिक अनुक्रमण की चुनौती जिस गति से आंकड़ों को साझा किया जा रहा है, उससे और भी जटिल हो जाती है, विशेष रूप से जब स्ट्रेनों का जन्म महामारी की निगरानी और प्रतियुत्तर में इतना महत्वपूर्ण है।
- भारत दोनों ही टीकाकरण करने के विस्तार में और जीनोमिक अनुक्रमण पिछड़ रहा है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाईटेड किंगडम जैसे तकनीकी रूप से उन्नत देशों के सापेक्ष में है।
- दुर्भाग्यवश, जीनोमिक अनुक्रमण को बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान भी नहीं है, जिसे प्रारंभिक योजना के अनुसार पुष्टिकृत कोविड-19 मामले के 5% को कवर करना था।

डेल्टा वैरिएंट की सहकर्मी समीक्षा अभी भी होनी है

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद- जीनोमिक्स संस्थान; एकीकृत जीवविज्ञान एवं राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और वैज्ञानिक एवं नवाचारीय अनुसंधान अध्ययन अकादमी; द्वारा परिणामों को जारी करना, जो दिल्ली में SARS-CoV2 के वैरिएंटों की निगरानी कर रहे हैं; यह एक प्री-प्रिंट सर्वर पर है (जिसका अभी भी सहकर्मी समीक्षा होनी है) जो एक सराहनीय परिवर्तन है और नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

सबसे ज्यादा चक्रण वाले स्ट्रेन

- नवंबर 2020 से अप्रैल 2021 के बीच में लगभग 3,600 जीनोमिक अनुक्रमण नमूनों के विश्लेषण पर आधारित, डेल्टा वैरिएंट दिल्ली में सबसे ज्यादा चक्रण वाला वैरिएंट बन गया और यह विश्लेषित किए गए लगभग 60% से ज्यादा नमूनों मे पाया गया; यह अल्फा वैरिएंट से ज्यादा संप्रेषणीय है (जिसकी अपने पूर्वज वायरस के ऊपर 70% से ज्यादा संप्रेषणीयता है)।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य इंग्लैंड (PHE) ने रिपोर्ट किया है कि डेल्टा वैरिएंट यूनाईटेड किंगडम में सबसे ज्यादा चक्रण वाला सामान्य वैरिएंट हो गया है, इसने अल्फा को पीछे छोड़ दिया है।

जीनोमिक्स अनुक्रमण के परिणाम

- जीनोमिक अनुक्रमण से प्राप्त आंकड़ों के नीतिगत और संचालनात्मक परिणाम हैं।
- राज्य और जिला के अधिकारियों को महामारी वैज्ञानिकों के साथ व्यावहारिक और संचालनात्मक परिणामों और रणनीतियों को बताने के लिए बातचीत करनी चाहिए।

ज्यादा निवेश की जरूरत

- आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार, भारत का अनुसंधान और विकास में सकल खर्च इसके सकल घरेलू उत्पाद का 0.65 प्रतिशत है, जो सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं द्वारा खर्च किए गए सकल घरेलू उत्पाद के 1.5-3 प्रतिशत से काफी कम है।

- भारत के व्यवसाय क्षेत्र के आपातस्थिति का सामना करना चाहिए और अपने R & D पर सकल खर्च को काफी बढ़ाना चाहिए जो भारत की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति होने के दर्जे के अनुरूप हो।
- इसके लिए आवश्यकता है कि व्यवसाय क्षेत्र कुल GERD के वर्तमान के 37 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 68 प्रतिशत का योगदान दे- जो अन्य सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्थाओं का GERD में औसत व्यवसाय योगदान है।
- भारतीय व्यवसाय क्षेत्र के कुल R & D कार्मिकों और शोधकर्ताओं को योगदान को भी क्रमशः 30 प्रतिशत और 34 प्रतिशत से बढ़ाकर अन्य सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्थाओं के औसत स्तर तक लाने की जरूरत है (क्रमशः 58 प्रतिशत और 53 प्रतिशत)। यह सर्वेक्षण में दिया गया है।
- सर्वेक्षण में भारत की यात्रा की चीन से तुलना की गई है, जिसने नवाचार संचालित अर्थव्यवस्था बनने के लिए **2006 में विज्ञान एवं तकनीक के विकास के लिए 15 वर्षीय मध्यम से दीर्घावधि योजना (MLP) का निर्माण किया था।**
- भारत सरकार को टीका प्रभावीपन के लिए वैज्ञानिक और संचालनात्मक शोध पर ज्यादा निवेश और समर्थन देने की जरूरत है।
- आंकड़ों को नियमित तौर पर विश्लेषित किया जाना चाहिए और इसमें आयु, लिंग और सहरुग्णता जैसे विभिन्न विभिन्न परतों को शामिल किया जाना चाहिए।

आगे का मार्ग

- भारत को सभी राज्यों में जीनोमिक अनुक्रमण को बढ़ाने की जरूरत है।
- जीनोमिक अनुक्रमण के लिए पर्याप्त और प्रतिनिधि वाले नमूने होने चाहिए जिससे चक्रण वाले वैरिएंटों में जिलास्तरीय प्रवृत्तियों की निगरानी की जा सके।
- बड़े शहरी क्षेत्रों के लिए ज्यादा जीनोमिक अनुक्रमण की आवश्यकता है।

- संकलित जीनोमिक अनुक्रमण आंकड़ों के राष्ट्रीयस्तर के विश्लेषण को नियमित तौर पर किया जाना चाहिए और परिणामों को सार्वजनिक तौर पर साझा किया जाना चाहिए।
- भारत अब तीसरी लहर के लिए तैयारी कर रहा है, ऐसे में तीव्रता से विस्तारित जीनोमिक अनुक्रमण करने, पारदर्शी तरीके से संबंधित आंकड़ों को साझा करने और संप्रेषणीयता, गंभीरता और टीका प्रभावीपन पर नए वैरिएंटों के प्रभाव की समझ की आवश्यकता है।
- महामारी से लड़ने का एकमात्र सुनिश्चित तरीका वैज्ञानिक प्रमाणों का प्रयोग करना है जिससे नीतियों पर निर्णय लिया जा सके, रणनीतियों को संशोधित किया जा सके और सुधारात्मक कार्य किए जा सकें।
- जीनोमिक अनुक्रमण को बढ़ाने के लिए निर्णय लेना और वैज्ञानिक प्रमाणों का प्रयोग लेना न केवल एक चुनाव है बल्कि पूरी तरह से जरूरी है।

BRICS द्वारा अपवादवाद का विरोध: चीन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन ने हाल में BRICS (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के विदेश मंत्रियों से एक संयुक्त वक्तव्य निर्मित करने की कोशिश की, जो पिछले सप्ताह मिले। यह वक्तव्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम जगत की ब्लॉक राजनीति का चीन के द्वारा विरोध था जिसका बीजिंग पूरी तरह से विरोध कर रहा है।

खबरों में और भी है

- BRICS विदेश मंत्रियों ने एक वर्चुएल बैठक में जो पिछले सप्ताह सम्पन्न हुई, बहुपक्षवाद पर एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। यह मंत्रियों के सामान्य प्रेस वक्तव्य के अतिरिक्त था।

- वक्तव्य के पीछे विचार BRICS देशों के मध्य समान समझ को बनाना है जब विश्व में बहुपक्षवाद की कई विभिन्न व्याख्याएं और परिभाषाएं थीं।
- विडम्बना है, चीन के हाल के हमलों के लक्ष्यों में से एक जिसे वह चुना हुआ बहुपक्षवाद कहता है, भारत-ऑस्ट्रेलिया-जापान-US का क्वाड समूह है, जिसकी चीनी अधिकारियों ने बार-बार आलोचना की है।

बहुपक्षीय प्रणाली

- बहुपक्षवाद की अलग-अलग व्याख्याओं पर, BRICS देशों ने, जो उभरते हुए बाजारों और विकासशील देशों के प्रतिनिधि हैं, समस्या को सीधे पकड़ा है और अपना उत्तर दिया है।
- बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने और सुधार करने पर BRICS का संयुक्त वक्तव्य निम्नलिखित सिद्धांतों को देता है-
    1. इसे वैश्विक शासन को ज्यादा समावेशी, प्रतिनिधित्व वाला और भागीदारी बनना चाहिए जिससे विकासशील और अल्प विकसित देशों की ज्यादा अर्थपूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके।
    2. इसे सभी के लाभ के लिए समावेशी सलाह और सहयोग पर आधारित होना चाहिए।
    3. इसे बहुपक्षीय संगठन को ज्यादा प्रतिसंवेदी, कार्योन्मुखी और हलोन्मुखी बनाना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय कानून और आपसी सम्मान, न्याय, समानता, आपसी लाभकारी सहयोग की भावना के सिद्धांतों और नियमों पर आधारित हो।
    4. इसे नवाचार और समावेशी हलों का प्रयोग करना चाहिए, जिसमें डिजिटल और तकनीकी उपकरण शामिल हों।
    5. इसे व्यक्तिगत देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए।
    6. इसके केंद्र में जन केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रोत्साहन होना चाहिए।

- BRICS देश बहुपक्षवाद और बहुपक्षीय सहयोग के प्रति अपनी प्रवृत्ति में कुछ विकसित देशों से वास्तव में अलग थे।
- BRICS देश UN चार्टर के सिद्धांतों और उद्देश्यों और अपवादवाद और दोहरे मानदंड के विरोध के पर्यवेक्षण की जरूरत पर जोर देते हैं।

BRICS के बारे में जानकारी

- यह 5 प्रमुख उभरती हुई राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं का संघ हैः ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका।
- सभी BRICS सदस्य जी-20 के भी सदस्य हैं।
- यह समूह दुनिया की जनसंख्या के 40% का और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 22% का प्रतिनिधित्व करता है।

BRICS प्लस के बारे में जानकारी

- चीन ने जियामेन शिखर सम्मेलन में 'BRICS प्लस' को लागू किया
- इसमें विभिन्न क्षेत्रों से कुछ देशों को आमंत्रण शामिल था।
- दक्षिण अफ्रीका ने इसकी नकल की, उसने अपने मनपसंद के 5 देशों को चुना-अर्जेन्टीना, जमैका, तुर्की, इंडोनेशिया और मिस्र।

भारत 2022-24 की अवधि के लिए UN आर्थिक और सामाजिक परिषद के लिए चुना गया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत को 2022-24 की अवधि के लिए आर्थिक और सामाजिक परिषद में चुना गया, यह संयुक्त राष्ट्र के छह मुख्य अंगों में से एक है।

प्रमुख खास बातें

- भारत को एशिया-प्रशांत श्रेणी में चुनावों में अफगानिस्तान, कजाखस्तान और ओमान के साथ चुना गया।
- अफ्रीकी देशों से, कोटे डि आइवरे, इस्वातिनी, मॉरिशस, ट्यूनीशिया और संयुक्त तंजानिया गणराज्य को चुना गया था, जबकि पूर्वी यूरोपीय देशों से क्रोएशिया और चेक गणराज्य को और लातीन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों से बेलिज, चिली और पेरू को चुना गया था।
- आर्थिक और सामाजिक परिषद के उपचुनावों में, ग्रीस, न्यूजीलैंड और डेनमार्क जनवरी से दिसंबर 2022 तक की कार्यालय अवधि के लिए चुने गए थे और इजरायल को 1 जनवरी, 2022 से शुरू होकर दिसंबर 31, 2023 तक के कार्यकाल के लिए चुना गया था।

UN आर्थिक और सामाजिक परिषद के बारे में जानकारी

- UN चार्टर ने ECOSOC की स्थापना 1945 में की थी। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र के छह मुख्य अंगों में से एक के रूप में की गई थी।
- यह अंतरराष्ट्रीय तौर पर स्वीकृत किए गए विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए प्रमुख निकाय है।
- **इसके 54 सदस्य हैं, जिन्हे तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए आमसभा द्वारा चुना जाता है।**

सीट आवंटन

परिषद में सीटों का आवंटन भौगोलिक प्रतिनिधित्व के आधार पर होता है जो निम्न हैं

a. अफ्रीकी देशों को 14 का आवंटन
b. एशियाई देशों को 11
c. पूर्वी यूरोपीय देशों को 6
d. लातीन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों को 13

e. पश्चिमी यूरोप और अन्य देशों को 13

कार्यकाल

- तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए ECOSOC के सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए देशों को UN आमसभा के 2/3 बहुमत मतों की जरूरत होती है।
- परिषद का प्रत्येक सदस्य के पास एक मत होता है और सामान्यतया परिषद में मतदान सामान्य बहुमत से होता है।
- **इसके अध्यक्ष को एक वर्ष के लिए चुना जाता है।**

भारत और UN आर्थिक एवं सामाजिक परिषद

- भारत वर्तमान में 2021-22 अवधि के लिए शक्तिशाली UN सुरक्षा परिषद के गैर-स्थाई सदस्य के रूप में है और अगस्त में 15-देशों के UN अंग की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।
- 2018 में, भारत ECOSOC के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण संबद्ध निकायों के लिए चुना गया था जैसे कि

i. 2019-2023 की अवधि के लिए गैर-सरकारी संगठनों पर समिति और भारत ने सबसे ज्यादा मत हासिल किए थे जिसके बाद पाकिस्तान का स्थान था,

ii. 2018-19 की अवधि के लिए जनसंख्या और विकास पर आयोग,

iii. 2018-2022 की अवधि के लिए सामाजिक विकास पर आयोग,

iv. 2019-2021 की अवधि के लिए अपराध निरोध और आपराधिक न्याय पर आयोग,

v. 2019-2021 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP), संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA), संयुक्त राष्ट्र का परियोजना सेवा के लिए कार्यालय (UNOPS) के कार्यकारी बोर्ड की परिषद पर।

vi. 2019-2021 की अवधि के लिए लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र संस्था (UN-Women) के कार्यकारी बोर्ड पर।

- NGO पर समिति के चुनाव को महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह ECOSOC के साथ परामर्शदात्री दर्जे के लिए आवेदन देने वाले NGO की जांच करता है और इसकी अनुशंसा कर सकता है अथवा उसे रोक सकता है।

रेंग्मा नागाओं की स्वायत्त परिषद की मांग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- असम के रेंग्मा नागाओं ने केंद्रीय गृह मंत्री को लिखकर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कार्बी एंगलांग स्वायत्त परिषद (KAAC) को क्षेत्रीय परिषद में उन्नत करने के निर्णय के बीच में स्वायत्त जिला परिषद की मांग की है।

पृष्ठभूमि

- रेंग्मा असम में पहले जनजातीय लोग थे जिन्होंने 1839 में ब्रिटिश लोगों का सामना किया, लेकिन तत्कालीन रेंग्मा हिल्स राज्य के राजनीतिक नक्शे से गायब हो गया और 1951 में मिकिर हिल्स (अब कार्बी एंगलांग) से इसे विस्थापित कर दिया गया।
- 1816 और 1819 में असम में बर्मी आक्रमण के दौरान, ये रेंग्मा थे जिन्होंने अहोम शरणार्थियों को शरण दी थी।
- रेंग्मा हिल्स को 1963 में नागालैंड राज्य के गठन के वक्त असम और नागालैंड के मध्य विभाजित कर दिया गया था और कार्बी, जिन्हें 1976 तक मिकिर कहा जाता था, वे मिकिर हिल्स के स्थानीय जनजातीय लोग थे।
- इस तरह से, रेंग्मा हिल्स और मिकिर हिल्स 1951 तक अलग संस्थाएं थीं।

छठवीं अनुसूची और स्वायत्त जिला परिषदों के बारे में जानकारी

- छठवीं अनुसूची को बहुसंख्यकों के वर्चस्व वाले बड़े राज्यों में रहने वाले अल्पसंख्यक जनजातियों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए शामिल किया गया था।

छठवीं अनुसूची क्षेत्रों के संवैधानिक प्रावधान

- इस भारत के संविधान के अनुच्छेद 244 के अंतर्गत उल्लेखित किया गया है।
- छठवीं अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजाति क्षेत्रों पर लागू होती है।
- संविधान सभा ने इसे 1949 में पारित किया था; इसका उद्देश्य स्वायत्त जिला परिषदों (ADC) के निर्माण के द्वारा जनजातीय जनसंख्या के अधिकारों को सुरक्षित करना है।
- यद्यपि ये क्षेत्र राज्य की कार्यकारी शक्ति के अंतर्गत आते हैं, लेकिन कुछ वैधानिक और न्यायिक शक्तियों का प्रयोग करने के लिए जिला परिषदों और क्षेत्रीय परिषदों के गठन का प्रावधान किया गया है।
- प्रत्येक जिला एक स्वायत्त जिला होता है और राज्यपाल अधिसूचना के द्वारा जनजातीय क्षेत्रों की सीमाओं को संशोधित/विभाजित कर सकता है।

राज्यपाल सार्वजनिक अधिसूचना के द्वारा कर सकता है:

(a) किसी क्षेत्र को शामिल कर सकता है।

(b) किसी क्षेत्र को अलग कर सकता है।

(c) नए स्वायत्त जिला का गठन।

(d) किसी स्वायत्त जिले का क्षेत्रफल बढ़ा सकता है।

(e) किसी स्वायत्त जिले का क्षेत्र कम कर सकता है।

(f) किसी स्वायत्त जिले का नाम बदल सकता है।

(g) किसी स्वायत्त जिले की सीमाओं को परिभाषित कर सकता है।

चुनाव आयुक्त

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक सेवानिवृत्त उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी अनूप चंद्र पांडेय को चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त किया।

चुनाव आयोग के बारे में जानकारी

- चुनाव आयोग एक स्थाई और एक स्वतंत्र निकाय है जिसकी स्थापना भारत के संविधान द्वारा प्रत्यक्ष रूप से देश में स्वतंत्र और स्वच्छ चुनाव कराने के लिए की जाती है।
- संविधान का अनुच्छेद 324 कहता है कि संसद, राज्य विधायिकाओं, भारत के राष्ट्रपति के कार्यालय और भारत के उपराष्ट्रपति के कार्यालय के चुनावों की देखभाल, दिशा-निर्देश और नियंत्रण की शक्ति चुनाव आयोग में निहित होगी।

संरचना

- संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग की संरचना के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान करता है:
    - चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त और राष्ट्रपति द्वारा समय समय पर निर्धारित की गई संख्या के आधार पर अन्य चुनाव आयुक्त होंगे।
    - मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

  - यदि कोई अन्य चुनाव आयुक्त इस तरह से नियुक्त होगा, मुख्य चुनाव आयुक्त चुनाव आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।
- राष्ट्रपति चुनाव आयोग के साथ बातचीत के बाद ऐसे क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति कर सकता है जिसे वे चुनाव आयोग को सहायता देने के लिए जरूरी समझते हैं।

आयुक्तों की नियुक्ति और कार्यकाल

- राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- उनका कार्यकाल 6 वर्षों का अथवा 65 वर्ष की आयु तक होता है, जो भी पहले हो।
- उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उपलब्ध वेतनमान और भत्ते और दर्जा प्राप्त होता है।
- सभी चुनाव आयुक्तों की आयोग के निर्णय लेने में समान शक्ति होती है।

डिजिटल विषयवस्तु के लिए नए नियम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II –शासन (कमजोर वर्ग के लिए मुद्दे), स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- शिक्षा मंत्रालय ने हाल में अपंगता के साथ वाले बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा संसाधनों को उत्पादित करने के लिए नए दिशा-निर्देश बनाए हैं। यह एक वर्ष बाद किया गया है जिसमें ऑनलाइन शिक्षा में कोविड-संचालित हस्तांतरण ने ऐसे संसाधनों में कमियों पर प्रकाश डाला है।

खबरों में और भी है

- लेकिन, **दिशा-निर्देशों वाले PDF दस्तावेज ने स्वयं अपने नियमों का पालन नहीं किया,** जिससे ये दृष्टि बाधा वाले लोगों की पहुँच से यह आंशिक रूप से बाहर हो गया जिसकी वजह से प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में कार्यकर्ताओं ने इसपर चिंता जताई।

दिशा-निर्देश

दिशा-निर्देश चार निर्देशक सिद्धांतों पर आधारित हैं, जो निर्धारित करते हैं कि सभी संसाधन को होना चाहिए -

- **स्पष्ट**
- **उपयोग करने लायक**
- **समझने योग्य और**
- **दिव्यांग छात्रों के लिए मजबूत**

वे अनुशंसा करते हैं कि सभी पाठ्य पुस्तकों के एक चरणबद्ध तरीके से डिजिटल पहुँच वाली बनाना चाहिए, जिससे वे बहु प्रारूपों में जैसे पाठ्य, ऑडियो, वीडियो और संकेत भाषाओं में उपलब्ध हो सकें। इनमें खोलने और बंद करने वाले फीचर होने चाहिए।

विस्तृत तकनीकी मानकों को उपलब्ध कराया गया है।

- कोविड-19 की वजह से नियमित विद्यालयों और शिक्षण केंद्रों के बंद होने से कई दिव्यांग बच्चों को विशेष समस्याएं आ रही हैं।
- उदाहरण के लिए, **कानूनी नीति के लिए विधि केंद्र द्वारा किए गए हाल के एक अध्ययन ने दर्शाया है कि सरकार के वर्चुअल शिक्षा प्लेटफॉर्म दीक्षा पर उपलब्ध आधे से ज्यादा NCERT किताबें दृष्टिबाधित छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं हैं।**

संपूरक विषयवस्तु

- यह दिशा-निर्देश विभिन्न दिव्यांगताओं के लिए संपूरक विषयवस्तु के उत्पादन के लिए रणनीतियां उपलब्ध कराते हैं जिसमें वे छात्र शामिल हैं जो सामना करते हैं-
  - **दृश्य और श्रवण चुनौतियों का,**

○ **जो स्वलीनता के स्पेक्ट्रम में हैं,**

○ **जिनको बौद्धिक अथवा विशेष शिक्षण दिव्यांगताएं हैं, और**

○ **जिनको बहुआयामी दिव्यांगताएं हैं।**

केंद्र ने धान, दालों, तिलहनों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की घोषणा की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र सरकार ने आने वाले खरीफ मौसम के लिए सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को बढ़ाकर रु. 1,940 प्रति क्विंटल कर दिया है, जो पिछले वर्ष के मूल्य रु. 1,868 से 4% ज्यादा है।
- इस निर्णय को आर्थिक मामले पर कैबिनेट समिति ने लिया था।

फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने के लिए

Better returns

The Minimum Support Prices for most Kharif crops have been increased for the 2021-22 season so that the returns over cost of production is at least 50%. The price list of select crops:

Crop	MSP 2021-22 (₹/ quintal)	Absolute increase in MSP (₹/ quintal)	Returns over cost (%)
Paddy (Common)	1,940	72	50
Bajra	2,250	100	85
Ragi	3,377	82	50
Maize	1,870	20	50
Tur (Arhar)	6,300	300	62
Moong	7,275	79	50
Urad	6,300	300	65
Groundnut	5,550	275	50
Sunflower seed	6,015	130	50

- फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में थोड़ा ज्यादा वृद्धि की गई है।
- तूर और उड़द की दोनों दालों में रू. 300 की MSP वृद्धि दर हुई है, जो 5% की वृद्धि के साथ प्रति क्विंटल रु. 6,300 हो गई है, जबकि तिल के लिए सबसे उच्च पूर्ण वृद्धि हुई जिसका MSP 6.6% बढ़कर रु. 7,307 हो गया।

- मूंगफली और नाइजर बीच में क्रमशः रु. 275 और रु. 235 की वृद्धि हुई। लेकिन, मक्का में मात्र रु. 20 की ही वृद्धि हुई और यह प्रति क्विंटल रु. 1,870 हो गया।
- MSP वह दर है जिसपर सरकार किसानों से फसलों को खरीदती है, और यह किसानों द्वारा लगाई गई उत्पादन की कीमत की कम से कम डेढ़ गुना गणना पर आधारित होती है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में जानकारी

- MSP वह दर है जिसपर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है।

MSP के प्रमुख उद्देश्य

- कठिनाई वाली बिक्री में किसानों को समर्थन देना।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए अनाजों को खरीदना।
- कृषि उत्पादन में स्थिरता बनाए रखना।
- MSP कुछ हद तक बाजार मूल्यों को प्रभावित कर सकती है; लेकिन, सरकार की MSP नीति फसलों के बाजार मूल्य को प्रभावित करने का लक्ष्य नहीं रखती है।

MSP का निर्धारण

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषीय कीमत और मूल्य आयोग देश में MSP को अनुमानित करता है।
- CACP 22 फसलों के लिए MSP और गन्ने के लिए उचित एवं लाभदायक मूल्य (FRP) की संस्सुति करता है।
- गन्ने के लिए, FRP की घोषणा खाद्यान्न एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा किया जाता है।

MSP को निर्धारित करने में विचार किए जाने वाले कारकों में निम्न शामिल हैं:

a. खेती की कीमत,
b. मांग एवं आपूर्ति,
c. बाजार में मूल्यों की प्रवृत्ति, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों में,
d. अंतर फसल मूल्य बराबरी,
e. कृषि एवं गैरकृषि के बीच में व्यापार की शर्तें,
f. उत्पादन की कीमत के ऊपर अतिरिक्त राशि के रूप में न्यूनतम 50%, और
g. उस उत्पाद के उपभोक्ताओं पर MSP (मुद्रास्फीति) के होने वाले असर

MSP की गणना

यह MSP सामान्य तौर पर तीन प्रकार की गणना विधियों के आधार पर अनुमानित की जाती है।

1. A2: इसके अंतर्गत, MSP किसानों द्वारा खेती पर खर्च की गई कीमत से 50% ज्यादा निर्धारित की जाती है जिसमें बीजों, खादों, कीटनाशकों और श्रम भी शामिल होते हैं।

2. A2+FL: इसमें शामिल है A2 प्लस जो न भुगतान किए गए पारिवारिक श्रम को दिया गया मूल्य है।

3. C2: C2 के अंतर्गत, अनुमानित भूमि किराए और खेती के लिए लिए गए धन पर ब्याज की कीमत को A2+FL के अतिरिक्त जोड़ा जाता है।

एशियाई देशों के लिए क्वाड टीके की 1 अरब खुराकें

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, बाइडेन प्रशासन के अधिकारियों ने कहा है क्वाड समूह के देश 2022 के अंत तक एशिया क्षेत्र के लिए कम से कम 1 अरब टीकों को उत्पादित करने के लक्ष्य को पूरा करने की ओर अग्रसर हैं।

क्वाड टीका साझेदारी के बारे में जानकारी

- क्वाड टीका साझेदारी की घोषणा भारत में महामारी की स्थिति के काफी खराब होने के पहले मार्च 2021 में एक शिखर सम्मेलन स्तर की बैठक के बाद की गई थी।

क्वाड टीका साझेदारी की प्रमुख खास बातें

- महामारी का मुकाबला करने के लिए टीके तक समान पहुँच को सुनिश्चित करने पर सहमति।
- अपने वित्तीय संसाधनों, विनिर्माण क्षमताओं और सहयोगी शक्तियों को इकट्ठा करने की योजना पर सहमति।
- जापान, USA और ऑस्ट्रेलिया टीका पहल का वित्त पोषण करेंगे जिसका भारत ने स्वागत किया है।
- भारत के टीका मैत्री पहल (भारत की टीका कूटनीति) की प्रशंसा की गई।

भारत की "टीका मैत्री" पहल के बारे में जानकारी

- टीका मैत्री पहल को 20 जनवरी को भारत में जारी किया गया था जिससे पड़ोसी देशों को कोविड-19 टीकों को उपहार में दिया जा सके।

पहल के बारे में जानकारी

- "टीका मैत्री" पहल के अंतर्गत भारत से श्रीलंका ने 5 लाख कोविड-19 टीकों को प्राप्त किया है।
- टीकों की खेप को बहरीन भी भेजा गया है।
- श्रीलंका और बहरीन के पूर्व इस पहल के अंतर्गत भारत ने पड़ोस के सात देशों को 5 मिलियन से ज्यादा खुराकों को पहले ही भेजा है।
- ये सात देश हैं- मालदीव (100,000 टीके), भूटान (150,000 टीके), नेपाल (1 मिलियन टीके), बांग्लादेश (2 मिलियन टीके), म्यांमार (1.5 मिलियन टीके), मॉरीशस (100,000 टीके), और सेशल्स (50,000 टीके)।
- कोविशील्ड की व्यावसायिक आपूर्ति मोरोक्को, ब्राजील (प्रत्येक 2 मिलियन खुराक) और बांग्लादेश (5 मिलियन खुराक) को भेजी गई हैं।

संबंधित सूचना

टीका कूटनीति

- टीका कूटनीति टीकों के उपयोग से देश के कूटनीतिक संबंधों को सुधारने और अन्य देशों को प्रभावित करने का माध्यम है।
- टीका कूटनीति का यह भी अर्थ है "कूटनीतिक उपायों का एक समुच्चय जिसे संभावित टीकों के विकास में श्रेष्ठ प्रथा के रूप में पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, संयुक्त R&D करने में देशों के बीच में द्विपक्षीय और/अथवा बहुपक्षीय सहयोग को उन्नत करने, और उत्पादन की घोषणा के मामले में, कम से कम समय में टीके की खरीद के लिए संविदा पर हस्ताक्षर को सुनिश्चित किया जाता है"।

US सीनेट ने चीन के मुकाबले के लिए नवाचार विधेयक को मंजूरी दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, US सीनेट ने व्यापक औद्योगिक विधेयक को पारित किया है जिसका लक्ष्य विरोधी चीन से बढ़ रही आर्थिक खतरे का मुकाबला करना है, आपसी मतभेदों को भुलाकर शोध और विकास में $170 अरब से ज्यादा धन को डालना है।
- इसे संयुक्त राज्य अमेरिका नवाचार और प्रतियोगिता कानून कहा जाता है।

ध्यान दिए जाने वाले प्रमुख क्षेत्र

- इस प्रस्ताव का लक्ष्य कई तकनीकी क्षेत्रों को देखना है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका अपने चीनी प्रतियोगी से पिछड़ गया है, जिसमें सेमीकंडक्टर उत्पादन शामिल हैं।
- यह विधेयक पूर्व के स्वीकृत योजना के लिए वित्त पोषण के वास्ते $52 अरब का आवंटन करता है जिससे सेमीकंडक्टरों के घरेलू विनिर्माण में वृद्धि की जा सके।
- यह राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन में गतिविधियों के लिए पांच वर्षों के काल के दौरान $120 अरब प्राधिकृत करता है जिससे प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया जा सके, जिसमें शामिल हैं प्रमुख क्षेत्रों में शोध और विकास जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम विज्ञान।
- यह निजी फर्मों और शोध विश्वविद्यालयों के बीच समझौतों को प्रोत्साहित करता है।

टीके के डर से ओडिशा के आदिवासी गांव छोड़कर भागे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।I- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ओडिशा के रायगढ़ जिले के कांध आदिवासी टीके पर हिचक की वजह से कोविड-19 टीके से बचने के लिए अपने घरों को बंद करके गांव से भाग गए।

खबरों में और भी है

- पूरे राज्य में जिला प्रशासन के लिए हिचक एक प्रमुख मुद्दा है।
- पिछले महीने, रायगढ़ जिला प्रशासन को डोंगरिया कोंधों के साथ कई दिनों तक बैठना पड़ा, जो विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (PVTG) है, जिससे वे टीकाकरण के लिए तैयार हो जाएं।
- 1,000 के आसपास डोंगरिया कोंधों का अभी तक टीकाकरण किया जा चुका है।
- इसी तरह से, एक अन्य PVTG **चुकटिया भुंजिया** को टीकाकरण पर मनाना काफी मुश्किल कार्य था। ये लोग नुआपाद जिले के सुनाबेदा पठार में निवास करने वाले अन्य PVTG हैं।

आदिवासियों का कहना था कि उन्हें डर है कि टीका लेने के तुरंत बाद उनकी मृत्यु हो जाएगी।

टीका हिचक के बारे में जानकारी

- WHO टीका हिचक को टीकाकरण सेवाओं की उपलब्ध होने के बावजूद टीका स्वीकृति करने अथवा मना करने में देरी के रूप में परिभाषित करता है।
- टीका हिचक को दुनिया के 90% से ज्यादा देशों में देखा गया है।

टीका हिचक के पीछे कारण

गलत प्रचार

- टीका हिचक के साथ मुख्य मुद्दा कुप्रचार का है।

धार्मिक प्रचार

- यह धार्मिक प्रचार कि टीके में जीव, रसायन और जानवरों से व्युत्पन्न उत्पाद हो सकते हैं जिसे धार्मिक कानूनों में निषिद्ध किया गया है।

सोशल मीडिया

- सोशल मीडिया का प्रयोग लोगों के अंदर डर भरने के लिए किया जाता है जिसमें असंबंधित रोगों के लिए टीके पर गलत इल्जाम लगाया जाता है। यह पूरे विश्व में टीका हिचक का प्रमुख कारण है।
- उदाहरण के लिए, भारत में कुछ वर्ग पोलियो का टीका लेने से डर रहे हैं। यह इस गलत धारणा की वजह से है कि पोलियो के टीके की वजह से बीमारी, नपुंसकता होती है और यह अप्रभावी है।

टीके से उत्पन्न रोग

- मुँह से लिए जाने वाले टीके (OPV) में कमजोर किंतु जीवित पोलियो वायरस होते हैं।
- टीके से यह वायरस किसी टीका लगे हुए बच्चे द्वारा स्रवित किया जाता है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में जा सकता है।
- यह वायरस को चिपकने की अनुमति देता है और ज्यादा गंभीर रूप में उत्परिवर्तित हो जाता है, जिससे टीका से उत्पन्न पोलियोवायरस (VDPV) का खतरा पैदा हो जाता है।
- टीके तक पहुँच में असुविधा भी टीका हिचक का बड़ा कारण है।

चिंता

- टीका हिचक की निगरानी करना न केवल सार्वभौमिक टीकाकरण को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि टीकाकरण अभियान के दौरान मानवाधिकारों और चिकित्सा नैतिकता को भी बनाए रखने के लिए जरूरी है।

भारत के लिए नया नहीं

- टीका हिचक की घटनाएं जिससे स्वास्थ्य प्राधिकरणों के साथ भिड़ंत होती है, भारत के लिए नए नहीं है।

भारत ने टीकाकरण के द्वारा चेचक के खिलाफ लड़ाई के लिए 1973 में अपने प्रयासों को तेज किया

- रोग को थामने के लिए कई बड़े उपाय किए गए।

- 1880 में, भारत की ब्रिटिश सरकार ने टीकाकरण कानून पारित किया, जिसे बाद 1892 का अनिवार्य टीकाकरण कानून आया, जिससे चेचक महामारी से निपटा जा सके।
- बिना पर्याप्त कारण के टीकाकरण से इंकार से जेल जाना होता था।
- **इनमें से अंतिम कानूनों को 2001 में समाप्त किया गया।**

1897 के महामारी रोग कानून का अनुच्छेद 2

- यह राज्य सरकारों को वृहद पैमाने पर कार्यकारी शक्तियां प्रदान करता है जिससे वे "उपयुक्त कदम ले सकें, जरूरत होने पर अथवा किसी व्यक्ति को लेने की शक्ति प्रदान करें, इस तरह के उपाय और---- ऐसे अस्थाई विनियमन निर्दिष्ट कर सके जिसका पालन लोगों द्वारा अथवा किसी व्यक्ति द्वारा अथवा लोगों के वर्ग द्वारा किया जाना है जिससे ऐसे रोग अथवा उसके प्रसार के प्रकोप को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें"।

2005 का राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून

- यह राष्ट्रीय सरकार को समान निरंकुश अधिकार प्रदान करता है। अंत में, संघ द्वारा ऐसे नीति निर्णयों को राज्यों पर छोड़ने की संभावना होती है।
- हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य की नीति का निर्देशक तत्व है (अनुच्छेद 47), "सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता" राज्य सूची (विषय 6) में आते हैं।

अनिवार्य टीकाकरण के प्रतिरोध का कानूनी आधार

- नागरिकों के पास अनिवार्य टीकाकरण के किसी प्रयास के प्रतिरोध के लिए कम से कम दो कानूनी आधार हैं।

प्रथम, प्रत्येक व्यक्ति के पास जीवन का अधिकार है

- यह चिकित्सा उपचार को मना करने के अधिकार तक जाता है।
- **अरुणा शानबाग बनाम भारतीय संघ मामले** में, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच में स्पष्ट अंतर किया था।
- हालांकि एक व्यक्ति अपने जीवन को सक्रिय रूप से समाप्त नहीं कर सकता है, वह समान परिणाम वाले चिकित्सा उपचार के लिए इंकार कर सकता है।

दूसरा, व्यक्ति धार्मिक आधार पर दावा कर सकते हैं

- यह तर्क काफी कमजोर है। यद्यपि संविधान जरूरी धार्मिक प्रथाओं को सुरक्षित करता है, लेकिन ऐसे "अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन हैं" (अनुच्छेद 25)।

सरकार द्वारा कदम जरूर उठाए जाने चाहिए

- **प्रथम कदम के रूप में**, सरकार को एक प्लेटफॉर्म को बनाने की जरूरत है, जो जिला प्रशासन और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोगात्मक शिक्षण को सक्षम बनाता है।
- इसमें यह शामिल किया जा सकता है कि कैसे **महाराष्ट्र के नांदुरबार जिला प्रशासन** द्वारा टीका हिचक से निपटने के लिए मोबाइल टीमों का प्रयोग किया जा रहा है अथवा ग्रामीण छत्तीसगढ़ में लोकगीत का प्रयोग टीकाकरण पर सही सूचना के प्रसार के लिए कैसे किया जा रहा है।
- **दूसरा,** वे समूह और भूगौलिक स्थान जहां टीका हिचक काफी ऊंची है, उनकी पहचान की जरूरत है और उनकी चिंताओं को सुलझाने के लिए लक्षित संचार हस्तक्षेपों के सृजन की जरूरत है।
- **तीसरा,** टीके के खिलाफ कुप्रचार यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में तबाही मचा रहा है। पिछले सप्ताह नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम पर एक गलत पोस्ट जारी की गई।
- राष्ट्रीय मीडिया तीव्र प्रतियुत्तर एकक (NMRRC) जिसे कोविड-19 टीका संचार रणनीति के अंतर्गत गठित किया गया, द्वारा पूरे भारत में जिला कलेक्टरों को वास्तविक समय में टीके पर फेक सूचना के लिए सतर्क करना जरूरी है।
- **चौथा,** सरकारों को इस अभियान में सेलिब्रिटी, सामुदायिक नेताओं और लोगों को प्रभावित करने वाले लोगों को शामिल करने की जरूरत है जिससे टीकाकरण के लिए विश्वसनीय आवाजों का सृजन किया जा सके, जैसे कि
    - **उदाहरण के लिए : अमिताभ बच्चन ने पल्स पोलियो अभियान के लिए किया।**
    - अब तक **टीकाकरण** के लिए केवल पंजाब राज्य ने ही **सोनू सूद** को आधिकारिक एम्बेसडर नियुक्त किया है।
- अंत में, भारत सरकार की कोविड-19 टीका संचार रणनीति की समग्र समीक्षा और मूल्यांकन करने की जरूरत है जिसमें संक्रमण के पहले चरण और टीका हिचक में लगातार बदलते हुए परिदृश्य पर विचार करने की जरूरत है।

च्चतर शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE) 2019-20

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने हाल में उच्चतर शिक्षा 2019-20 पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट को जारी किया है।
- यह रिपोर्ट देश में उच्चतर शिक्षा के वर्तमान स्थिति पर प्रमुख प्रदर्शन संसूचकों को प्रदान करता है।

उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट 2019-20 पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण की प्रमुख विशेषताएं

उच्चतर शिक्षा में कुल नामांकन

- 2018-19 के 3.74 करोड़ की तुलना में 2019-20 में उच्चतर शिक्षा में कुल नामांकन 3.85 करोड़ थे, जो 11.36 लाख (3.04%) की वृद्धि को दर्शाते हैं।
- 2014-15 में कुल नामांकन 3.42 करोड़ था।

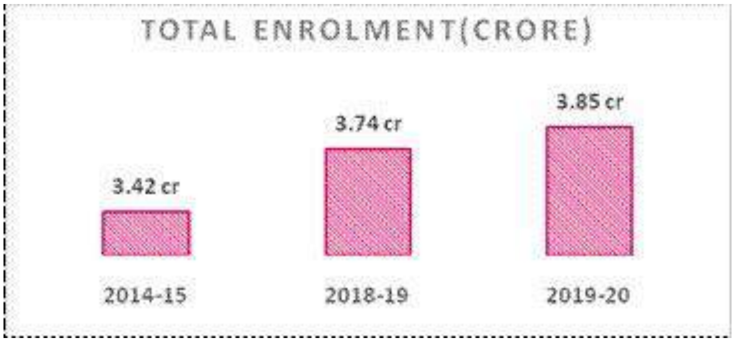

सकल नामांकन अनुपात (GER)

- सकल नामांकन अनुपात (GER), जो उच्चतर शिक्षा में नामांकित अर्हता आयु वर्ग के छात्रों का प्रतिशत है, 2019-20 में 27.1% था जबकि इसकी तुलना में 2018-19 और 2014-15 में यह क्रमशः 26.3% और 24.3% था।

लैंगिक समानता सूचकांक (GPI)

- 2019-20 में उच्चतर शिक्षा में लैंगिक समानता सूचकांक (GPI) 2018-19 के 1.00 की तुलना में 1.01 था जो यह इंगित करता है कि पुरुषों की तुलना में अर्हता आयु वर्ग की महिलाओं के लिए उच्चतर शिक्षा में सापेक्षिक पहुँच तक सुधार हुआ है।

छात्र अध्यापक अनुपात

- 2019-20 में उच्चतर शिक्षा में छात्र अध्यापक अनुपात 26 है।

अन्य सूचना

- 2019-20 में: विश्वविद्यालय: 1,043(2%); महाविद्यालय: 42,343(77%) और अकेले खड़ा संस्थान: 11,779(21%).

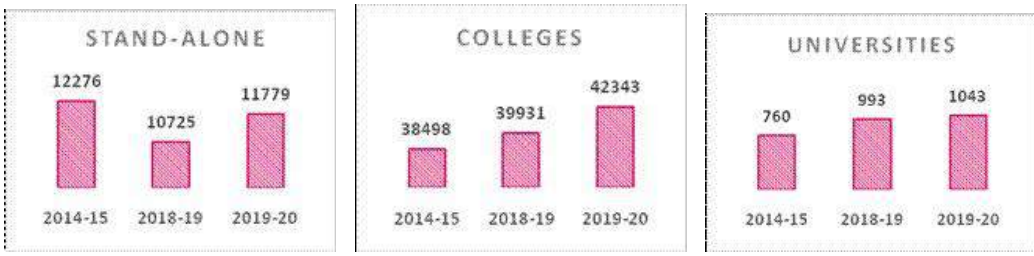

- अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कार्यक्रमों में लगभग 3.38 करोड़ छात्र नामांकित हैं।
- इनमें से, लगभग 85% छात्र (2.85 करोड़) छह प्रमुख विषयों जैसे मानविकी, विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं तकनीक, चिकित्सा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कंप्यूटर में नामांकित थे।
- कुछ अध्यापकों की संख्या 15,03,156 है जिसमें 57.5% पुरुष और 42.5% महिलाएं हैं।

अटलांटिक चार्टर 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और यूनाईटेड किंगडम के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के एक नए अटलांटिक चार्टर पर राजी होने की संभावना है, जो US-UK विशेष संबंध को मजबूत करेगा।

अटलांटिक चार्टर 2021 के बारे में जानकारी

- अटलांटिक चार्टर 2021 में लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है।
- चार्टर द्वारा इंटरनेशनल प्रोटोकॉल दिए जाने की जरूरत है जो प्रत्यक्ष हैं और पूरी दुनिया में क्रियान्वित करने में आसान हैं।
- यह उसी समय किया जा सकता है यदि अटलांटिक के दोनों तरफ पर्यटन उद्योग को शुरुआत से सलाह में शामिल किया जाए।
- इस चार्टर के आठ क्षेत्रों को रेखांकित करने की भी संभावना है जिसमें **प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति मानवता के लाभ के लिए साथ में कार्य करने का संकल्प लेंगे।** इसमें शामिल हैं हाल की चुनौतियों को पहचानना जिसमें साइबर हमले से खतरा, मौसम परिवर्तन पर तुरंत कार्रवाई करना, और कोरोनावायरस महामारी को समाप्त करने और बहाली के लिए दुनिया को समर्थन देना शामिल हैं।

अटलांटिक चार्टर का इतिहास और पृष्ठभूमि

- अटलांटिक चार्टर संयुक्त घोषणा थी जिसे द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान (1939-45) संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन ने जारी किया था जिसने युद्ध के बाद की दुनिया के लिए दृष्टि निर्धारित की थी।
- पहली बार 14 अगस्त, 1941 को घोषणा होने पर, 26 मित्र देशों के एक समूह ने अंतोगत्वा जनवरी 1942 को अपने समर्थन का वायदा किया था।
- इसके प्रमुख बिंदुओं में अपनी सरकार चुनने का देश को अधिकार, व्यापार प्रतिबंधों में छूट देना और युद्ध बाद निशस्त्रीकरण के लिए एक निवेदन शामिल थे।
- इस दस्तावेज को 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की ओर पहले प्रमुख कदमों में से एक माना जाता है।

अटलांटिक चार्टर में आठ समान सिद्धांत शामिल थे

- अटलांटिक चार्टर में आठ समान सिद्धांत शामिल थे।
- इनमें से, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन युद्ध से क्षेत्रीय फायदे न उठाने पर सहमत हो गए, और उन्होंने संबंधित लोगों की इच्छाओं के खिलाफ किसी क्षेत्रीय परिवर्तन का विरोध किया।
- दोनों देश इस बात पर भी सहमति हो गए कि वे उन देशों को स्वयं की सरकार पुनर्बहाल करने में मदद देंगे जिन्होंने युद्ध के दौरान उन्हें खो दिया है।
- इसके अतिरिक्त, अटलांटिक चार्टर ने यह भी कहा कि लोगों को अपने प्रकार की सरकार चुनने का अधिकार होना चाहिए।
- अन्य सिद्धांतों में शामिल थे आर्थिक समृद्धता के लिए जरूरी कच्चे माल की सभी देशों तक पहुँच और व्यापार प्रतिबंधों में छूट देना।
- दस्तावेज ने सभी के लिए सुधरी हुए जीवन और कार्यकारी परिस्थितियों को सुनिश्चित करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का भी आह्वान किया; और सभी देशों से बदल का प्रयोग छोड़ने के लिए कहा।

साहेल में आतंक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सप्ताहांत में बुर्कीनो फासों के सीमा गांव में कम से कम 160 लोगों के नरसंहार से इस्लामिक आतंकवाद से साहेल क्षेत्र पर खतरे से दुनिया आगाह हो गई।

खबरों में और भी है

- किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन बुर्किनाबे प्राधिकरणों ने ग्रेटर सहारा इस्लामिक स्टेट (ISGS) का नाम लिया है , जिसने हाल के वर्षों में सैकड़ों आतंकी हमले किये हैं।

- बुर्कीनो फासो में सुरक्षा की स्थिति, जहां 2015 में पहला इस्लामिक आतंकवादी हमला हुआ, तेजी से खराब हुई है, विशेष रूप से नाइजर और माली से सटी सीमाओं पर।

आतंक निरोधक ऑपरेशन

- इस क्षेत्र में चार मुख्य आतंकवादी संगठन काम करते हैं- ISGS, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्राविंस (ISWAP), जमात नस्र एल-इस्लाम वल मुस्लीमिन, माली में स्थानीय अल-कायदा की शाखा, और बोको हराम।
- इनमें से, ISGS और जमात नस्र बुर्कीना माली-नाइजर सीमा में अपने प्रभाव के विस्तार के लिए गठबंधन में है, जहां वे जिहादियों के लिए निष्ठा न घोषित करने पर किसी को भी मार देते हैं।
- बोको हराम और ISWAP एक दूसरे से लड़ रहे हैं लेकिन उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में क्षेत्रों को नियंत्रित करते हैं।

साहेल क्षेत्र के बारे में जानकारी

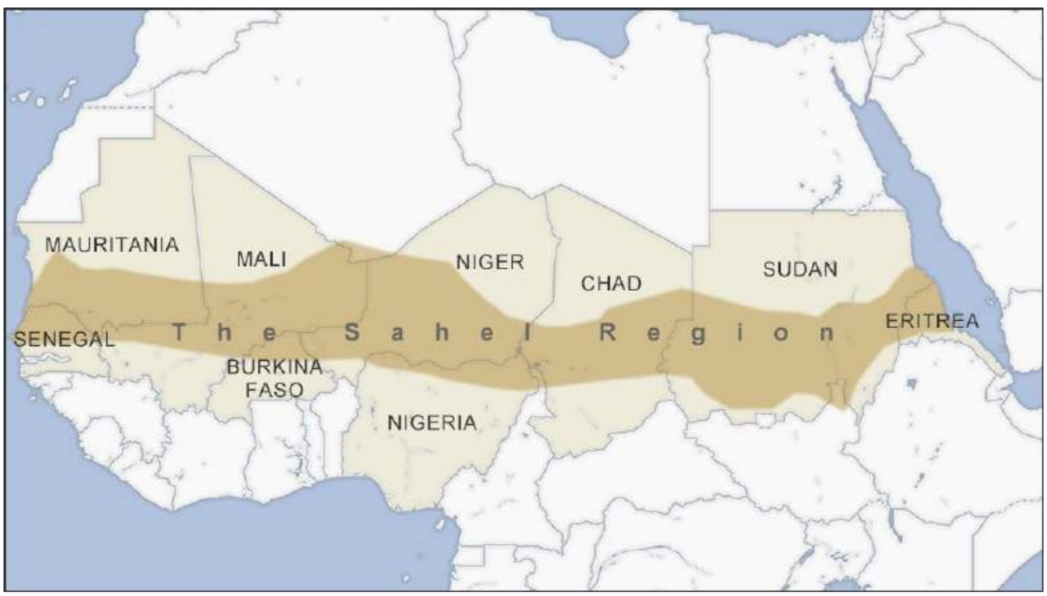

- साहेल उत्तर में सहारा और दक्षिण में सूडानी सवाना के बीच में अफ्रीका में संक्रमण का पारिमौसमीय और जैवभौगोलिक स्थान है।
- यह अटलांटिक महासागर और लाल सागर के बीच में उत्तरी अफ्रीका के दक्षिण-मध्य अक्षांशों के पार तक जाता है।
- अफ्रीका के साहेल भाग में शामिल हैं उत्तरी सेनेगल का पश्चिम से पूर्वी हिस्सा, दक्षिणी मौरिटानिया, मध्य माली, उत्तरी बुर्कीनो फासो, अल्जीरिया का धुर दक्षिणी हिस्सा, नाइजर, नाइजीरिया का धुर उत्तरी हिस्सा, कैमरून और मध्य अफ्रीकी गणराज्य का धुर उत्तरी हिस्सा, मध्य चाड, मध्य और दक्षिणी सूडान, दक्षिण सूडान का धुर उत्तरी हिस्सा, इरीट्रिया और इथियोपिया का धुर उत्तर हिस्सा।

जी-7 शिखर सम्मेलन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, 47वीं जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन 11-13 जून 2021 को कार्नवाल, यूनाईटेड किंगडम में किया गया, जबकि यूके इसकी अध्यक्षता ग्रहण की।

जी7 शिखर सम्मेलन का प्रमुख परिणाम

बेहतर विश्व निर्मित करने (B3W) की पहल

- यह विकासशील देशों की मदद करने के लिए एक नई वैश्विक अवसंरचना पहल है, बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (बेहतर विश्व का निर्माण) (B3W) जिससे चीन की बेल्ट और रोड पहल (BRI) का मुकाबला किया जा सके।
- इसे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित किया गया है।
- यह पहल एक मूल्यों से संचालित, उच्च मानक वाली और पारदर्शी अवसंरचना साझेदारी है जिसका नेतृत्व प्रमुख लोकतांत्रिक देश कर रहे हैं जिससे विकासशील विश्व में 40 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अवसंरचना जरूरत को कम करने में मदद दी जा सके। यह जरूरत कोविड-19 महामारी की वजह से और ज्यादा बढ़ गई है।
- बी3डब्ल्यू आने वाले वर्षों में निचले और मध्यम आय वर्ग वाले देशों के लिए अवसंरचना निवेश के सैकड़ों अरब डॉलरों को सामूहिक रूप से उत्प्रेरित करेगा।

TRIPs (बौद्धिक संपदा अधिकार) छूट

- भारत के प्रधानमंत्री ने जी7 देशों से कोरोनोवायरस संबंधित औषधियों और टीकों के लिए TRIPs (बौद्धिक संपदा अधिकार) छूट के लिए संयुक्त भारत-दक्षिण अफ्रीका प्रस्ताव पर मजबूत समर्थन देने का आग्रह किया है।

- सभी जी7 देशों ने TRIPs छूट प्रस्ताव पर पाठ्य आधारित बातचीतों को समर्थन दिया, यद्यपि यूरोपीय संघ द्वारा इसकी पुष्टि की जानी बाकी है।

<u>मौसम वित्त को बढ़ावा देना</u>

- जी7 नेताओं ने गरीब देशों के कार्बन उत्सर्जन कटौती और वैश्विक उष्णता से निपटने के लिए मदद देने के वास्ते प्रतिवर्ष $100 अरब के बाकी खर्च वायदे के अपने योगदान को पूरा करने पर सहमति जताई।
- विज्ञप्ति में, सात देशों - संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान- ने 2025 तक सार्वजनिक और निजी स्रोतों के द्वारा प्रतिवर्ष $100 अरब को संयुक्त रूप से गतिमान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर दी।

वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में जी7 का योगदान

- जी7 देशों का वैश्विक कार्बन उत्सर्जनों में 20% का योगदान है।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य दृष्टिकोष

- भारत के प्रधानमंत्री ने खुली टीका श्रृंखला, 'एक विश्व, एक स्वास्थ्य' का आह्वान किया। यह उन्होंने सत्र के दौरान बोला, जिसका शीर्षक 'फिर से मजबूत स्वास्थ्य का निर्माण करना' था। यह महामारी से वैश्विक पुनर्बहाली पर और भविष्य की महामारी के खिलाफ लोचनीयता को मजबूत करने पर केंद्रित है।
- इसे जर्मन चांसरल एंजेला मर्केल का समर्थन हासिल हुआ।
- भारत द्वारा टीका कच्चे माल और घटकों के लिए खुली आपूर्ति श्रृंखलाओं जिससे टीका उत्पादन को उन्नत करने में मदद मिल सके, को खुला रखने, पर जोर को वृहद् स्तर पर समर्थन हासिल हुआ।
- यह कार्य कुछ दिनों के बाद हुआ जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां ने टीकों को निर्मित करने के लिए जरूरी कच्चे माल के निर्यात पर प्रतिबंधों को हटाने के लिए भारत की मांग को समर्थन दिया।

जी7 देशों के बारे में जानकारी

- इसका अर्थ "सात औद्योगिकीकृत देशों का समूह" है।
- इस समूह में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाईटेड किंगडम, और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
- EU को भी जी7 में प्रतिनिधित्व दिया गया है।
- जब रूस इसमें शामिल था तो इसे औपचारिक तौर पर जी8 कहा जाता था, लेकिन क्रीमिया संकट की वजह से रूस को समूह से बाहर कर दिया गया।

- यह एक अनौपचारिक ब्लॉक है और कोई अनिवार्य निर्णय नहीं लेता है, इसलिए शिखर सम्मेलन के अंत में नेताओं की घोषणाएं बाध्यकारी नहीं हैं।

चीन-US प्रतिस्पर्धा के केंद्र में दुर्लभ मृदा धातुएं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, US और EU के बीच में असमंजस की स्थिति है कि यदि चीन, US और यूरोप को दुर्लभ खनिजों तक पहुँच को समाप्त कर दे, जो विद्युत वाहनों, पवन टरबाइनों और ड्रोनों के लिए जरूरी हैं?

खबरों में और भी है

- तीन महान शक्तियों के बीच में अक्सर भूराजनीतिक विवाद के समय में, वाशिंगटन और ब्रुशेल्स इस परिदृश्य से बचना चाहते हैं जिसके लिए वे विशिष्ट गुणों के साथ वाले 17 खनिजों पर बाजार में निवेश कर रहे हैं, जो वर्तमान में मुख्य तौर पर चीन में निकाले और परिमार्जित किए जाते हैं।

US द्वारा पारित कानून

- हाल में, US सीनेट ने एक कानून पारित किया है जिसका लक्ष्य अमेरिकी प्रतिस्पर्धा को सुधारना है जिसमें महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुधारने के प्रावधान शामिल हैं।
- US का लक्ष्य दुर्लभ मृदा और लीथियम के उत्पादन और प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करना है, यह एक प्रमुख खनिज घटक है, जबकि वह सहयोगियों के साथ सतत वैश्विक आपूर्ति को बढ़ाने और प्रतियोगियों पर निर्भरता को कम करने के लिए कार्य कर रहा है।

भारी निर्भरता

- US भूगर्भिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2019 में US ने चीन से अपने 80% दुर्लभ मृदा खनिजों का आयात किया।
- EU अपनी 98% आपूर्ति चीन से प्राप्त करता है, पिछले वर्ष यूरोपीय आयोग ने कहा।
- नियोडाइमियम, प्रेसियोडाइमियम और डिसप्रोजियम जैसे नामों वाले दुर्लभ मृदा खनिज पवन चक्कियों और विद्युत कारों जैसे भविष्य के उद्योगों में प्रयुक्त चुंबकों के विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- स्मार्टफोन, कंप्यूटर स्क्रीन और दूरबीन के लेंसों जैसी उपभोक्ता वस्तुओं में इनका प्रयोग किया जाता है।

दुर्लभ मृदा तत्वों के बारे में जानकारी

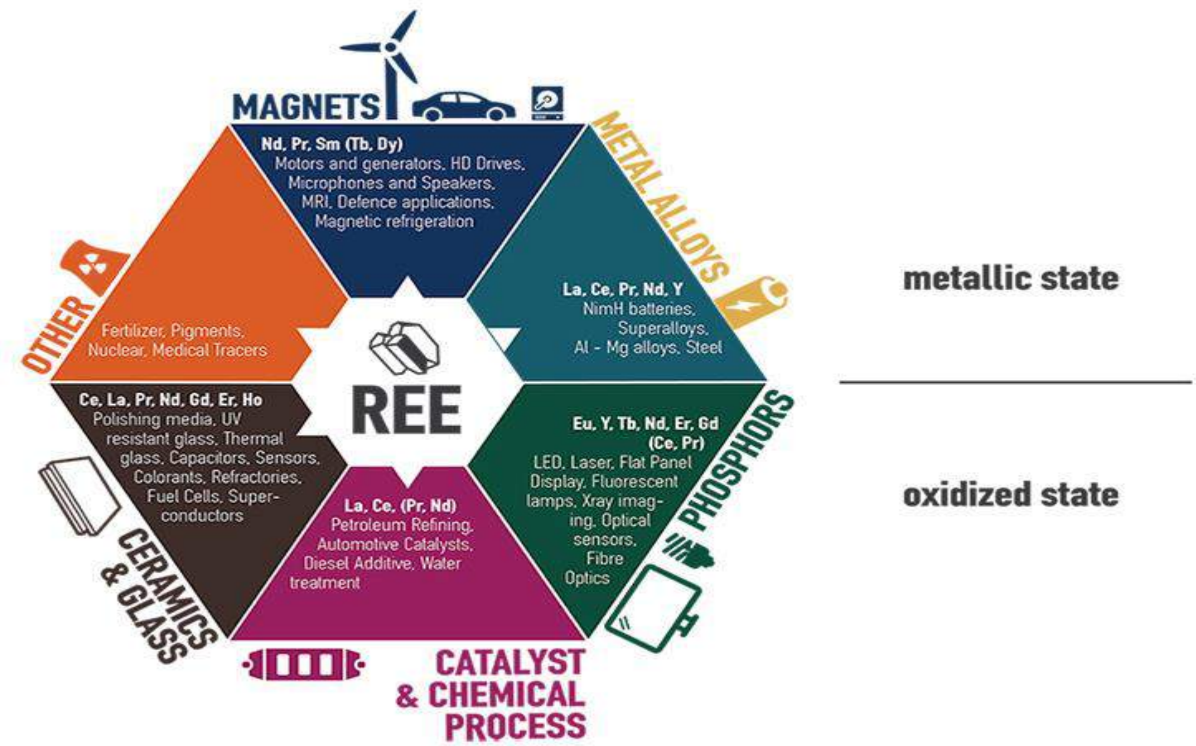

- दुर्लभ मृदा खनिज (REM) सत्रह धात्विक तत्वों के समुच्चय हैं।
- इसमें आवर्त श्रेणी पर पंद्रह लैंथेनाइड्स शामिल हैं, जिसके अतिरिक्त स्कैंडियम और यट्रियम भी हैं जो लैंथेनाइड्स के ही समान भौतिक और रासायनिक गुणों दर्शाते हैं।
- REMs में विशिष्ट उत्प्रेरण, धातुकर्म, नाभिकीय, वैद्युत, चुंबकीय और संदीप्त गुण पाए जाते हैं।

REMs के रणनीतिक महत्व

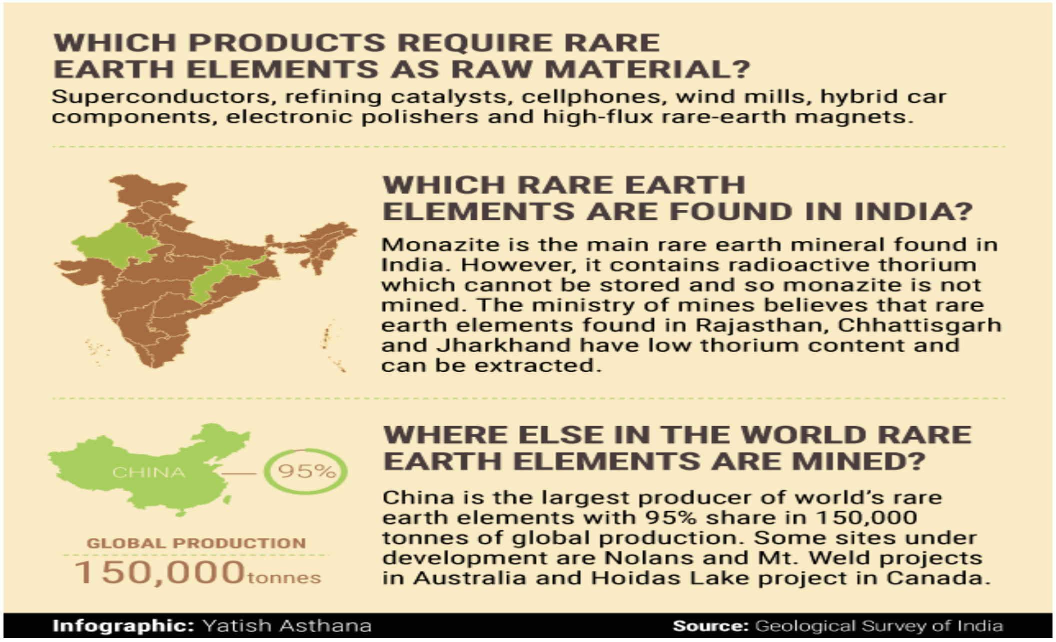

- इनके विशिष्ट वैद्युत, धातुकर्म, उत्प्रेरक, नाभिकीय, चुंबकीय और संदीप्त गुण होते हैं।
- इसके प्रयोगों में दैनिक प्रयोग से लेकर (उदाहरण, हल्के चकमक, सीसे को पॉलिश करने वाले माध्यम, कार के आल्टरनेटर) ऊंची टेक्नोलॉजी (लेज़र, चुंबक, बैटरियां, फाइबर ऑप्टिक दूरसंचार केबिल) शामिल हैं।
- यहां तक कि भविष्य की टेक्नोलॉजी को भी इन REMs की जरूरत है (उदाहरण के लिए, उच्च तापमान उच्च चालकता, सुरक्षित भंडारण और हाइड्रोकार्बन बाद की अर्थव्यवस्था के लिए हाइड्रोजन का परिवहन, पर्यावरणीय वैश्विक उष्णता और ऊर्जा सामर्थ्य मुद्दे)।
- उनके विशिष्ट चुंबकीय, संदीप्त और वैद्युत-रासायनिक गुणों की वजह से, घटे हुए वजन, घटे हुए उत्सर्जनों और ऊर्जा उपभोग के साथ टेक्नोलॉजी प्रदर्शन में मदद करते हैं: जिससे उनको, ज्यादा सामर्थ्य, प्रदर्शन, लघु रूपांतरण, गति, टिकाऊपन और ऊष्मीय स्थिरता प्राप्त होती है।

पुलित्ज़र पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I+II- कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मेघा राजगोपालन, जो भारतीय मूल की पत्रकार हैं, ने दो योगदानकर्ताओं के साथ मिकर पुलित्ज़र पुरस्कार जीत लिया।
- उन्हें पुलित्ज़र पुरस्कार नवाचार वाली खोजी रिपोर्टों के लिए प्रदान किया गया जिसमें चीन द्वारा उसके अशांत जिनजियांग क्षेत्र में लाखों मुसलमानों को नजरबंद करने के लिए गुप्त रूप से बनाए गए नजरबंदी शिविरों और जेलों की बड़ी अवसंरचना का खुलासा किया गया।

पुलित्जर पुरस्कार के बारे में जानकारी

- यह अमेरिकी पत्रकारिता, साहित्य और संगीत में असाधारण सार्वजनिक सेवा और उपलब्धि के लिए दिया जाता है।
- इसे जोसेफ पुलित्ज़र के नाम पर दिया जाता है, जो एक अखबार के प्रकाशक थे जिन्होंने अपनी कोलंबिया विश्वविद्यालय को वसीयत में एक पत्रकारिता विद्यालय और पुरस्कार की स्थापना के लिए धन दिया था।
- इसकी स्थापना 1917 में की गई और इसे कोलंबिया विश्वविद्यालय और पुलित्ज़र पुरस्कार बोर्ड द्वारा प्रशासित किया जाता है।

संबंधित सूचना

जिनजियांग नजरबंदी शिविर के बारे में जानकारी

- हाल में, चीन के जिनजियांग क्षेत्र में नजरबंदी शिविरों के बचे हुए उइगुर लोगों ने एक लंदन के न्यायाधिकरण को बताया कि वहां नजरबंद लोगों का दैनिक तौर पर बलात्कार, उत्पीड़न और जबर्दस्ती नसबंदी की जाती है।
- अन्य नजरबंद लोग जो 20 से 30 के बीच के अधिकांश स्वस्थ पुरुष और महिलाएं थे, नजरबंदी के दौरान ही गायब हो गए और उन्हें मृत मान लिया गया। इसके बाद उनके अंगों को प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा में चीन के लाभदायक कालाबाजार व्यापार की सेवा के लिए हटा दिया गया।

- जिनजियाग में उइगुर और अन्य मुस्लिम समूहों के खिलाफ हिंसा क्षेत्र में धार्मिक प्रथाओं के स्वेच्छाकारी दमन के साथ आई। साथ ही मस्जिदों, पूजास्थलों, मुस्लिम कब्रिस्तानों और अन्य पवित्र स्थलों को नष्ट, विकृत और बंद भी किया गया।

उइगुर कौन हैं?

- लगभग 12 मिलियन उइगुर है, जिनमें अधिकांशतः मुस्लिम हैं, जो जिनजियांग के क्षेत्र में उत्तर-पश्चिमी चीन में निवास करते हैं। इसे आधिकारिक तौर पर जिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र (XUAR) कहा जाता है।
- उइगुर अपनी स्वयं की भाषा बोलते हैं, जो तुर्की से मिलती है, औऱ अपने को मध्य एशियाई देशों से सांस्कृतिक और जातीय तौर पर करीब मानते हैं।
- They make up less than half of the Xinjiang population.

जिनजियांग के बारे में जानकारी

- जिनजियांग जो उत्तर-पश्चिम चीन में एक स्वायत्त क्षेत्र है, मरुस्थलों और पहाड़ों का एक वृहद् क्षेत्र है।
- इसके पूर्व में किनघाई और गांसू चीनी प्रांतों की सीमा है, दक्षिण में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, दक्षिणपश्चिम में अफगानिस्तान और कश्मीर हैं, पश्चिम में किर्गिजिस्तान और ताजिकिस्तान, उत्तरपश्चिम में कजाखस्तान, उत्तर में रूस और उत्तरपूर्व में मंगोलिया है।
- यहां पर कई जातीय अल्पसंख्यक समूह हैं, जिसमें तुर्की उइगुर लोग शामिल हैं।
- चीन और मध्य-पूर्व को जोड़ने वाला प्राचीन सिल्क सड़क व्यापार मार्ग जिनजियांग से ही गुजरता था।
- **यह चीन की सबसे बड़ी राजनीतिक इकाई है।**
- **इसकी राजधानी यूरुमकी (वुलुमुकी) में है।**

उत्तरी आयरलैंड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ के नेताओं पर आक्रमक विचार रखने का आरोप लगाया कि उत्तरी आयरलैंड पूरी तरह से यूनाईटेड किंगडम का हिस्सा नहीं है। यह सात देशों के समूह के शिखर सम्मेलन पर ब्रेक्जिट के साये की वजह से है।

खबरों में और भी है

- ब्रिटने और यूरोपीय संघ के मध्य ब्रेक्जिट बाद के व्यापार व्यवस्थाओं पर झगड़ा चल रहा है जिसमें शायद ब्रिटिश सॉसेजेस के उत्तरी आयरलैंड में प्रवेश पर रोक लग सकती है, यह यूनाईटेड किंगडम का एकमात्र हिस्सा है जिसकी सीमा 27 देशों वाले ब्लॉक से लगती है।
- इस विवाद की वजह से उत्तरी आयरलैंड में राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, जिसमें कुछ लोग अपनी पहचान ब्रिटिश बता रहे हैं और कुछ लोग आयरिश।
- ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच में संबंध 2020 से खराब हो गए हैं जब यूनाईटेड किंगडम ने अंतिम रूप से ब्लॉक से अपना नाता तोड़ लिया था। यह इस ब्लॉक को छोड़ने पर मतदान के चार वर्षों के बाद हुआ।

संबंधित सूचना

- शब्द यूनाईटेड किंगडम, ग्रेट ब्रिटेन और इंग्लैंड की अलग-अलग पहचान है।

- ग्रेट ब्रिटेन का अक्सर प्रयोग इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के संदर्भ में किया जाता है, जिनमें घटक साथ के लगे हुए द्वीप भी शामिल हैं।
- यूनाईटेड किंगडम एक संप्रभु देश जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स (ग्रेट ब्रिटेन) और उत्तरी आयरलैंड शामिल हैं।
- ग्रेट ब्रिटेन का एकल राज्य इंग्लैंड के राज्य (जिसमें उस समय वेल्स शामिल था) और स्कॉटलैंड के बीच में 1707 के संघ के कानून का परिणाम है।
- इंग्लैंड यूनाईटेड किंगडम के अंदर एक देश है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन

(Topic- GS Paper II -International Organization, Source- The Hindu)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने **व्यापार और विकास पर UN एजेंसी को नेतृत्व करने के लिए कोस्टा रिका के अर्थशास्त्री रेबेक्का ग्रिनस्पैन** के नामांकन को स्वीकृति दे दी।
- **यह इस जिनेवा आधारित संगठन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला और मध्य अमेरिकी बन गई।**
- उन्हें महासचिव एंटोनियो गुटेर्रेस ने संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन के महासचिव के रूप में नामांकित किया था, जिसे UNCTAD कहते हैं।

खबरों में और भी है

- 2014 से, ग्रिनस्पैन आईबेरो-अमेरिकी आम सचिवालय की महासचिव थीं, जो **आईबेरो-अमेरिकी शिखर सम्मेलनों** को समर्थन देता है।
- 2010 से 2014 के बीच में, वे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की उप प्रशासक थीं।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन के बारे में जानकारी

- UNCTAD की स्थापना 1964 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा द्वारा की गई थी और यह संयुक्त राष्ट्र आमसभा और संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद को रिपोर्ट करती है।
- UNCTAD का मुख्यालय जिनेवा के पेलेज़ डेस नेशंस में स्थित है।
- UNCTAD का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार, सहायता, परिवहन, वित्त और तकनीक सहित विकास के सभी पहलुओं से संबंधित नीतियों को बनाना है।

जी7 ने इंटरनेट प्रतिबंधों की जरूरत पर भारतीय मत को समायोजित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जी7 और अतिथि देशों द्वारा खुले समाज पर सत्र पर जारी किए गए एक संयुक्त वक्तव्य के दौरान कड़ी बातचीत ने यह सुनिश्चित किया कि "इंटरनेट शटडाउन" की आलोचना करने वाली मौलिक भाषा को संशोधित करके उसमें नई दिल्ली की चिंताओं को शामिल किया जाए।

खबरों में और भी है

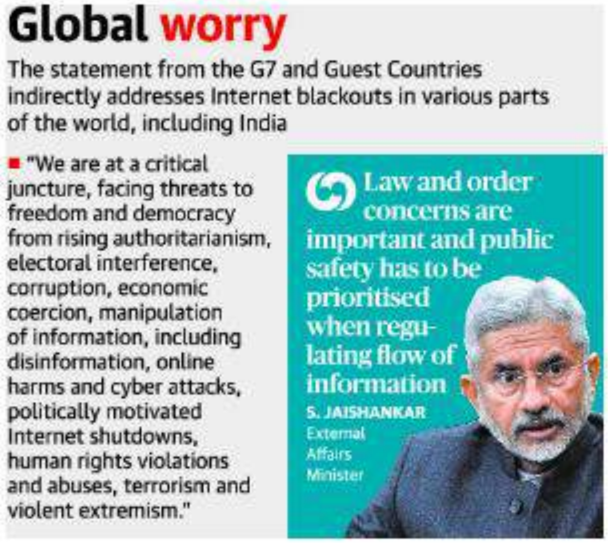

- यह व्याख्या उस समय आई जब **'जी7 और अतिथि देशः 2021 खुला समाज वक्तव्य'** ने राजनीतिक तौर पर प्रेरित इंटरनेट बंदी के बारे में बात की, जिसमें अप्रत्यक्ष रूप से भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इंटरनेट बंद करने के बारे में बात की गई थी।
- संचार माध्यमों में बंदी दुनिया के कई अन्य हिस्सों में देखी गई थी, जिसमें हांगकांग भी शामिल है जहां 2019 के दौरान चीनी सुरक्षा कानून के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे।

भारत में इंटरनेट बंदी

- कश्मीर में 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के संशोधन के बाद कई बार इंटरनेट और टेलीफोन को बंद किया गया है।
- 2019-20 के नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन और किसान प्रदर्शन के दौरान दिल्ली और असम में समान संचार बंदी को देखा गया।

अर्थव्यवस्था को नुकसान

- यूनाईटेड किंगडम आधारित डिजिटल प्राइवेसी और सिक्योरिटी रिसर्च ग्रुप, टॉप 10 वीपीएन ने अपनी रिपोर्ट जिसका शीर्षक '2020 में इंटरनेट बंदी की वैश्विक कीमत' है, में कहा है कि भारत में इंटरनेट बंदी की वजह से अर्थव्यवस्था को $2.8 अरब की चोट लगी, जो 2019 की तुलना में लगभग दुगुनी है।
- भारत ने किसी अन्य देश की अपेक्षा सबसे ज्यादा इंटरनेट पर रोक लगाई, वर्ष के दौरान 8,927 घंटे की बंदी अथवा बैंडविद्थ पहुँच पर रोक लगाई गई। यह ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट को उद्धृत करके बताया है।

फ्रीडम हाउस सूचकांक रेटिंग

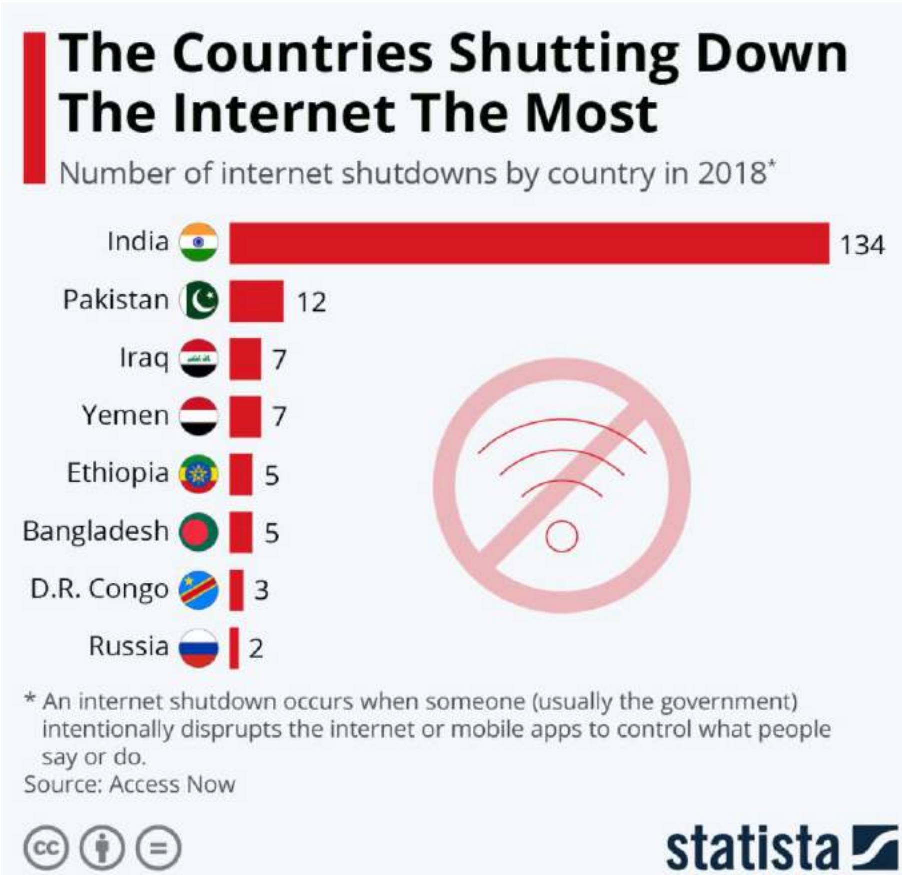

- विश्व में इंटरनेट स्वतंत्रता के संदर्भ में, आइसलैंड 95 सूचकांक बिंदुओं के साथ पहले स्थान पर है। यह फ्रीडम हाउस सूचकांक की रिपोर्ट के अनुसार है, जिसका शीर्षक '2020 मे चुने हुए देश में इंटरनेट स्वतंत्रता' है।
- चीन को सबसे अंतिम स्थान हासिल हुआ है, उसने केवल 10 सूचकांक बिंदु हासिल किए हैं जो पहुँच में बाधा, विषयवस्तु पर सीमाएं और प्रयोगकर्ता के अधिकारों के उल्लंघन सहित विभिन्न कारकों पर आधारित है।
- 2019 में, फ्रीडम हाउस सूचकांक की रेटिंग के अनुसार, इंटरनेट मानदंडों की स्वतंत्रता के 100 में से 55 बिंदु हासिल करके भारत को आंशिक रूप से स्वतंत्र लोकतंत्र का तमगा मिला था।

इंटरनेट बंदी से संबंधित कानून

- राज्यों में गृह मामले के विभाग अधिकांशतः वे प्राधिकरण हैं जो बंदी को लागू करते हैं, उन्हें दूरसंचार सेवा अस्थाई स्थगन (सार्वजनिक आपातकाल अथवा सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 से शक्ति हासिल होती है।
- अब केंद्र सरकार के सचिव, राज्य सरकार के सचिव को यह अधिकार दे दिया गया है कि वे इंटरनेट बंदी से संबंधित आदेश जारी कर सकें।

- आपराधिक प्रक्रिया संहिता के अनुच्छेद 144, 1973 ने हाल के दिनों में कई बंदियों को सक्षम बनाया है, विशेष रूप से 2017 में दूरसंचार स्थगन नियम आने के समय तक।
- भारतीय टेलीग्राफ कानून, 1885 केंद्र और राज्य सरकारों को यह अनुमति देता है कि वे सार्वजनिक आपातकाल के दौरान अथवा सार्वजनिक सुरक्षा के हित में, अथवा भारत की संप्रभुता और अखंडता के हित में, राज्य की सुरक्षा के हित में संदेशों के संप्रेषण को रोकें।
- सूचना प्रौद्योगिकी कानून (भारत का प्रधान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र कानून), ने व्यक्तिगत वेब विषयवस्तु रोकने के आदेशों को जारी करने का सरकार को सीमित अधिकार प्रदान किया है, न कि इंटरनेट को ही बड़े पैमाने पर निलंबित कर दिया जाए।

IMD, ICMR ने भारत में मलेरिया के उन्मूलन के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक गैर-सरकारी संगठन, मलेरिया नो मोर, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) के साथ गठबंधन में मलेरिया और मौसम पर एक भारतीय अंतरएजेंसी विशेषज्ञ समिति (IEC) का गठन कर रही है जिससे भारत में मलेरिया उन्मूलन को तीव्र करने के लिए मौसम आधारित हलों को अन्वेषित और उन्नत किया जा सके।
- IEC का गठन एक वैश्विक पहल है- स्वास्थ्यकारी भविष्यों की भविष्यवाणी- मौसम आंकड़ों की जानकारी की रणनीतियों और नीतियों का विकास करना जिससे स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके और मलेरिया और अन्य मच्छरों से पैदा होने वाले मारक रोगों के खिलाफ प्रगति को तीव्र किया जा सके।

समिति का महत्व

- वे उन्नत मौसम आधारित मलेरिया भविष्यवाणी उपकरणों को परिभाषित और संचालित करेंगे जो 2030 के लक्ष्य की ओर प्रगति को और बढ़ाने के लिए भारतीय संदर्भों के अनुसार होगा।
- स्वास्थ्य क्षेत्र से सूचना को मौसम वैज्ञानिक सूचना के साथ संयुक्त करने से, हम सूक्ष्म प्रवृत्तियों की जांच करके मलेरिया अनुक्रमों की भविष्यवाणी कर सकते हैं और इसके उन्मूलन की ओर अपनी राष्ट्रीय प्रगति को तीव्र कर सकते हैं।
- अंतरएजेंसी विशेषज्ञ समिति जिसकी घोषणा आज की गई है, इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए एक उच्च प्रभावी प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी।

मलेरिया के लिए भविष्यवाणी करने वाले मॉडल

- e IEC **ओडिशा राज्य में विकसित किए गए 'मलेरिया नो मोर'** जैसे के रूप में मॉडलों में सुधार के लिए केंद्रित होगा, जो मलेरिया नियंत्रण और बचाव में सुधार के लिए मापनीय और सतत प्रभाव के क्षेत्रों की पहचान और प्राथमिकता के लिए एक बहु हितधारक और अंतरविषयी दृष्टिकोण का प्रयोग करती है।
- मलेरिया नो मोर के मौसम आधारित भविष्यवाणी मॉडल को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वह राष्ट्रीय मलेरिया निवारण अभियानों, परीक्षण और उपचार हस्तक्षेपों, चिकित्सा उत्पादों की उन्नत स्थिति, और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की तैनाती की योजना को निर्देशित करने के लिए आंकड़े संचालित हलों को उत्पन्न करेंगे।
- भविष्यवाणी मॉडल प्रयोग करता है- उन्नत मौसम आंकड़े, स्वास्थ्य सूचनाएं, और गहरे शिक्षण एल्गोरिद्म्स, और ओडिशा में कोरापुट और मलकानगिरि के पाइलट जिलों में स्थानीय निर्णय लेने के लिए व्यावहारिक दृश्यावलोकन आउटपुट का उत्पादन।

मलेरिया के बारे में जानकारी

- यह प्लासमोडियम परजीवी की वजह से होता है।
- यह परजीवी संक्रमित मादा एनोफेलेज़ मच्छर के काटने से होता है, जिसे "मलेरिया वैक्टर" कहते हैं।
- **विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को मनाया जाता है।**

एक देश एक राशन कार्ड (ONORC)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि लगभग 69 करोड़ अथवा राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा कानून (NFSA) के अंतर्गत कुल लाभकर्ताओं के 86%, को दिसंबर 2020 तक 32 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में एक देश एक राशन कार्ड (ONORC) योजना के अंतर्गत तेजी से लाया गया था।

एक देश एक राशन कार्ड के बारे में जानकारी

- 'एक देश एक राशन कार्ड' योजना सरकार का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा कानून, 2013 (NFSA) के अंतर्गत शामिल किए गए सभी लाभकर्ताओं को खाद्यान्न सुरक्षा अधिकारों का वितरण सुनिश्चित करना है।
- सरकार ने मार्च 2021 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में योजना को देश भर में लागू करने का निर्णय लिया था।

- इसका लक्ष्य राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा योजना, 2013 (NFSA) के अंतर्गत राशन कार्डों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी करना है।
- ONORC के तहत, लाभकर्ता ePoS उपकरण पर बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण के साथ अपने समान/वर्तमान राशन कार्डों का प्रयोग करके अपनी मनमुताबिक किसी ePoS (बिक्री उपकरण का इलेक्ट्रानिक बिंदु) सक्षम उचित मूल्य की दुकान से अपने अधिकार वाले खाद्यान्न को ले सकता है।
- NFSA के अंतर्गत खाद्यान्नों के वितरण के लिए पात्र लाभकर्ताओं की पहचान और उन्हें राशन कार्डों को जारी करना संबंधित राज्य/केंद्र शासित सरकार का कार्य है।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी

- उपभोक्ता मामले, खाद्यान्न और सार्वजनिक वितरण का मंत्रालय राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ मिलकर 'एक देश एक राशन कार्ड' (ONORC) योजना की क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी है।

एक देश एक राशन कार्ड (ONORC) के तहत पात्रता

- कोई भी नागरिक, जिसे गरीबी रेखा से नीचे (BPL) श्रेणी का घोषित कर दिया गया है, पूरे देश में इस योजना के लाभ को पाने का हकदार है।
- NFSA के अनुच्छेद 38 के तहत निर्देश NFSA के तहत सभी पात्र दिव्यांग लोगों को सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से शामिल करने के जारी किए गए हैं।
- सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को समाज के कमजोर वर्गों के सभी जरूरतमंद लोगों की पहचान करने का सुझाव दिया गया है जिसमें दिव्यांग लोग शामिल हैं और साथ ही सभी पात्र लोगों/परिवारों को NFSA राशनकार्डों को जारी करने के लिए कहा गया है।
- लाभकर्ताओं की बिक्री उपकरण के इलेक्ट्रानिक बिंदु (PoS) के द्वारा उनके आधार आधारित पहचान के आधार पर पहचान की जाएगी।

महत्व

- इस योजना का लक्ष्य सभी लाभकर्ताओं, विशेष रूप से पूरे देश में अपने मनमुताबिक किसी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) दुकान से प्रवासियों को राशन प्राप्त करने को सुनिश्चित करना है (गेहूँ, चावल और अन्य अनाज)।
- यह योजना इस उद्देश्य से लागू की गई है कि कोई गरीब व्यक्ति जब एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो तो खाद्यान्न सुरक्षा योजना के अंतर्गत सब्सिडी वाले अनाज को पाने से वंचित न रह जाए।
- यह देश में भुखमरी से होने वाली मौतों की घटनाओं को कम करने में मदद देता है, जिससे वैश्विक भुखमरी सूचकांक में रैंकिंग में सुधार हो सके।

नोट:

- **वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2020** में 107 देशों के मध्य भारत 94वें स्थान पर था।

ताइवान ने चीनी सेना द्वारा सबसे बड़ी घुसपैठ की रिपोर्ट दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, 28 चीनी वायुसैनिक एयरक्राफ्ट जिसमें लड़ाकू और नाभिकीय सक्षम बमवर्षक भी शामिल थे, ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (ADIZ) में घुसे जो अभी तक की सबसे बड़ी घुसपैठ है।

चीनी वायुसेना द्वारा लगातार अभियान

- ताइवान ने पिछले कुछ महीनों में सेलफ्रूलेड द्वीप के पास चीनी वायुसेना के द्वारा लगातार अभियानों की शिकायत की है। यह क्षेत्र ताइवान नियंत्रित प्रतास द्वीपसमूह के पास इसके वायु रक्षा क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित है।
- नवीनतम चीनी अभियान में 14 जे-16 और 6 जे-11 लड़ाकू विमान साथ ही चार एच-6 बमवर्षक शामिल थे, जो नाभिकीय हथियार, और पनडुब्बी निरोधक हथियारों, इलेक्ट्रानिक लड़ाई हथियारों और पूर्व चेतावनी एयरक्राफ्टों को ले जा सकते हैं।

संबंधित सूचना

एक चीन नीति

- एक चीन नीति का आशय नीति या विचार से है कि केवल एक देश जिसे चीन कहते हैं, अस्तित्व में हैष हालांकि दो सरकारें अस्तित्व में हैं जो अपने चीन होने का दावा करती हैं।
- नीति के रूप में, इसका अर्थ है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PRC, चीन मुख्य भूमि) से कूटनीतिक संबंधों को रखने के इच्छुक देश रिपब्लिक ऑफ चाइना (ROC, ताइवान) से अपने आधिकारिक संबंधों को तोड़ें और उसका उल्टा भी है।
- यह चीन की स्थिति की कूटनीतिक स्वीकृति है कि केवल एक चीनी सरकार है।
- इस नीति के तहत, चीन ताइवान को टूटा हुआ प्रांत मानता है जिसे मुख्यभूमि के साथ पुनर्एकीकृत किया जाना है।

UN व्यापार मंच 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने UN व्यापार मंच 2021 में कहा कि भारत का प्रतिव्यक्ति कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है।

खबरों में और भी है

- भारत का 2030 तक 450 गीगावाट का महत्वाकांक्षी नवीकृत ऊर्जा का लक्ष्य सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र 2030 एजेंडा और सतत विकास लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

UN व्यापार मंच के बारे में जानकारी

- UN व्यापार मंच का सृजन बातचीत के लिए स्थान के लिए किया गया था कि कैसे ज्यादा समृद्ध, समावेशी और सतत विश्व के लिए व्यापार का उपयोग किया जा सकता है।

संबंधित सूचना

अभीष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

- पेरिस समझौता सभी पक्षों के लिए अनिवार्य करता है कि वे अभीष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को आगे रखें और आने वाले वर्षों में इन प्रयासों को मजबूत करें।
- इनमें शामिल हैं वे जरूरतें जिन्हें सभी पक्षों को नियमित तौर पर अपने उत्सर्जनों और उनके क्रियान्वय प्रयासों के लिए रिपोर्ट करना है।
- **यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।**
  भारत ने मौसम परिवर्तन से निपटने के लिए पेरिस समझौते के अंतर्गत लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने **अभीष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों** की प्रतिबद्धताओं की पुनः पुष्टि की।

भारत द्वारा INDC, को प्रारंभिक तौर पर 2030 तक हासिल किया जाना है

- भारत ने 2005 के स्तर से 2030 तक अपने GDP के 33-35% तक उत्सर्जन तीव्रता को घटाने का वायदा किया है।
- यह 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों (मुख्यतया नवीकृत जैसे पवन और सौर ऊर्जा) से लगभग 40% संचयी विद्युत ऊर्जा संस्थापित क्षमता को हासिल करेगा जिसके लिए तकनीक के हस्तांतरण और निम्न कीमत के अंतरराष्ट्रीय वित्त जिसमें **हरित मौसम कोष** शामिल है, की सहायता ली जाएगी।
- भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन और पेड़ आच्छादन के द्वारा 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड के समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक (वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड के अवशोषण का माध्यम) का वायदा भी किया है।

विपरीतलिंगी लोगों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- योजना/कमजोर वर्गों के लिए नीति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, **विपरीतलिंगी लोगों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल** ने 1,557 प्रमाणपत्र जारी किए हैं। यह इसके शुरू होने के छह महीने के अंदर किया गया है।

विपरीतलिंगी लोगों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल के बारे में जानकारी

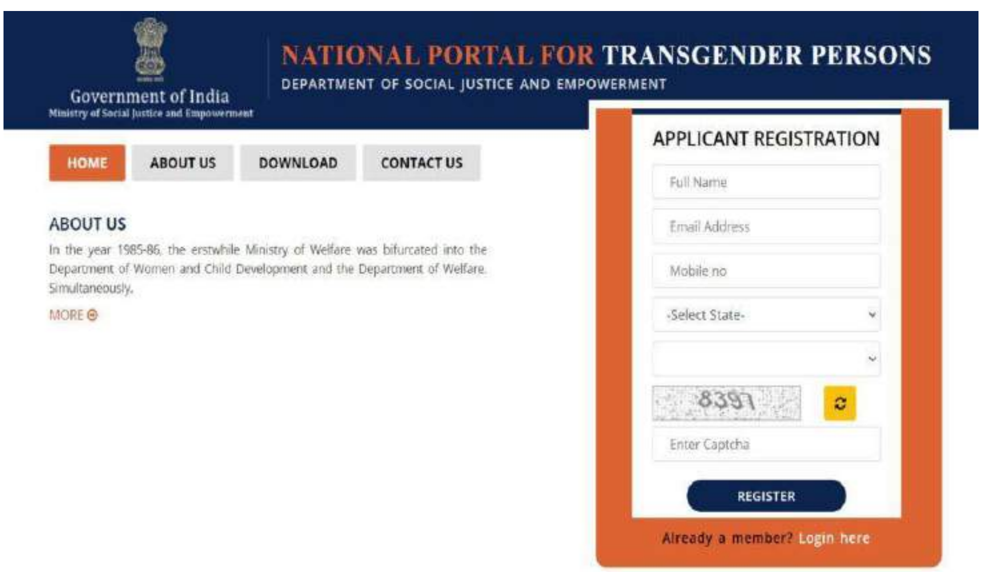

- इसे विपरीतलिंगी व्यक्ति (अधिकारों के संरक्षण) नियम, 2020 की अधिसूचना को जारी करने के बाद विकसित किया गया।
- यह पोर्टल एक विपरीतलिंगी व्यक्ति को देश में कहीं से डिजिटल रूप में प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के लिए आवेदन करने में सहायता करेगा।

लाभ

- यह बिना भौतिक रूप से सामने हुए विपरीतलिंगी व्यक्ति को पहचानपत्र प्राप्त करने में मदद देगा और उसे कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी।
- यह उनके आवेदनपत्र की स्थिति की निगरानी कर सकता है जो प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकता है।

कमियां

भाषाई बाधा

- पोर्टल में भाषा से संबंधित कमी है क्योंकि यह उनकी मदद करता है जो अंग्रेजी या हिंदी समझते हैं, जिससे देश का बड़ा हिस्सा छूट जाता है।
- विपरीतलिंगी व्यक्ति बिना पहचानपत्रों के कल्याण योजनाओं तक पहुँच में मुश्किल का अनुभव कर रहे थे।

USA और रूस के बीच में बैठक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में जिनेवा में राष्ट्रपति बाइडेन की रूसी नेता व्लादीमिर पुतिन से पहली बैठक तीन दशकों पूर्व शीतयुद्ध के अंत से दोनों देशों के नेताओं के बीच में सबसे विवादास्पद बैठक हो सकती है।
- यह 2018 से US और रूस के बीच में पहली बैठक होगी, जब हेलसिंकी में पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप से भेंट की थी।

रूस- संयुक्त राज्य अमेरिका संबंधों के बारे में जानकारी

- रूस-संयुक्त राज्य अमेरिका संबंधों से आशय संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच में द्विपक्षीय संबंधों से है, ये दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देश हैं।

- संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस ने कूटनीतिक और व्यापार संबंधों को बनाए रखा है।
- यह संबंध सामान्य तौर पर रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन (1991-99) के अंतर्गत गर्म थे जबतक 1999 के बसंत में यूगोस्लाविया संघीय गणराज्य में NATO की बमवर्षा नहीं हो गई। तबसे संबंध काफी खराब हुए हैं।
- 2014 में, यूक्रेन में संकट से संबंध और भी खराब हो गए, जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया।
- 2014 में, सीरियाई गृहयुद्ध में रूसी सैन्य हस्तक्षेप के संबंध में, 2016 के अंत में 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और 2020 के चुनाव में तथाकथित रूसी हस्तक्षेप से यह मतभेद और बढ़ गए।
- **2014 में आपस में एक दूसरे पर लगाए गए प्रतिबंध अभी भी कायम हैं।**
- दोनों ही अमेरिकी और रूसी मीडिया और विशेषज्ञ क्षेत्रों में संबंध का वर्तमान वर्णन असाधारण यहां तक कि असाधारण रूप से नकारात्मक है।
- दोनों तरफ के कूटनीतिज्ञों ने संबंधों को शीतयुद्ध से भी ज्यादा बुरा बताया है, और समुदाय के अन्य सदस्यों ने उन्हें न ठीक होने योग्य भी बताया है।

15वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (ADMM-Plus)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत के रक्षा मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा 15वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस को संबोधित किया।

ASEAN रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (ADMM-Plus) के बारे में जानकारी

- 15वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक का आयोजन **ब्रुनेई द्वारा किया जा रहा है क्योंकि यह इस वर्ष ASEAN समूह का अध्यक्ष है।**

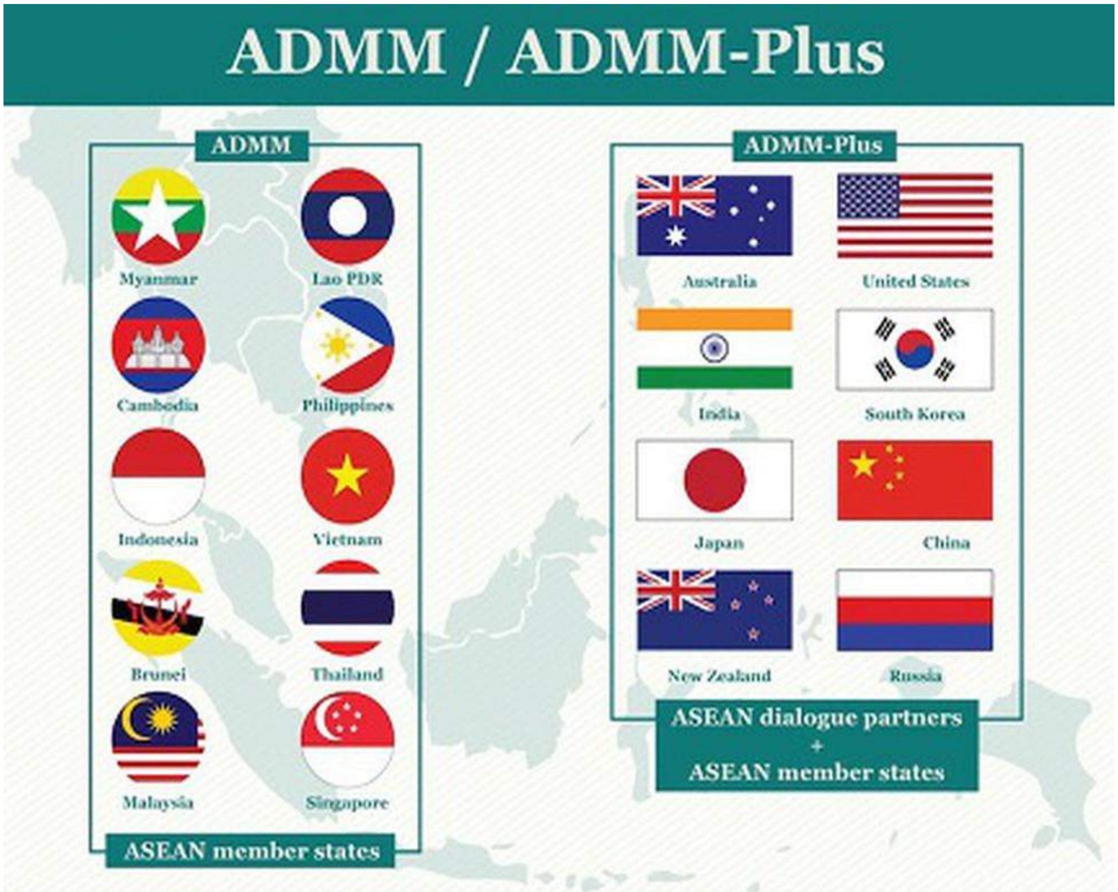

पृष्ठभूमि

- 2007 सिंगापुर में दूसरी ASEAN रक्षा मंत्रियों की बैठक (ADMM) ने ADMM-प्लस स्थापित करने के लिए एक प्रस्ताव को अपनाया था।
- पहली ADMM-प्लस का आयोजन 2010 में हनोई, वियतनाम में किया गया था।

उद्देश्य

- ADMM-प्लस ASEAN(दक्षिणपूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) और उसके आठ बातचीत साझीदारों के लिए एक प्लेटफॉर्म है जिससे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और विकास के लिए सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत किया जा सके।

सदस्यता

- ADMM-प्लस देशों में शामिल हैं दस ASEAN सदस्य देश और आठ प्लस देश जिनके नाम ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूसी संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

सहयोग के क्षेत्र

- समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद निरोध, मानवतावादी सहायता और आपदा राहत, शांतिसेना के ऑपरेशन और सैन्य चिकित्सा।

दिल्ली सरकार वंचित वर्गों के युवाओं के लिए 'लाइटहाउस परियोजना' शुरू करेगी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अर्थशास्त्र (रोजगार), स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में दिल्ली सरकार ने वंचित वर्ग के युवाओं के लिए **'लाइटहाउस परियोजना'** शुरू की है।

लाइटहाउस परियोजना के बारे में जानकारी

- यह लाइटहाउस परियोजना दिल्ली कौशल और उद्‌यमिता विश्वविद्‌यालय और लाइटहाउस कम्युनिटीज़ फाउंडेशन जिसे दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड का समर्थन हासिल है, के बीच में एक संयुक्त गठबंधन है।
- इसका लक्ष्य शहर में निम्न आय अथवा मलिन बस्ती समुदायों में युवाओं की पहचान करना है जिससे वे ज्यादा सूचना वाली जिंदगी का चुनाव कर सकें और सुधरे हुए नियोजन के लिए जरूरी कौशल हासिल कर सकें।
- यह पहल सुनिश्चित करेगी कि वंचित वर्गों से आने वाले युवा और बच्चे पीछे न रह जाएं।

वैश्विक शांति सूचकांक 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- **वैश्विक शांति सूचकांक** (GPI) का 15वां संस्करण **अर्थशास्त्र और शांति संस्थान (IEP) द्‌वारा जारी किया गया है।**

वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में जानकारी

- GPI की स्थापना स्टीव किल्लेली ने की थी, जो एक ऑस्ट्रेलियाई तकनीक उद्यमी और परोपकारी थे।
- इसे ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक **अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान** द्वारा जारी किया जाता है।
- यह सूचकांक **163 स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को उनकी शांति के स्तर के आधार पर रैंक देता है।**
- यह GPI दुनिया की जनसंख्या के 99.7 प्रतिशत को अपने में शामिल करता है, जिसके लिए **उच्चस्तरीय प्रतिष्ठा वाले स्रोतों से 23 गुणात्मक और मात्रात्मक संसूचकों का प्रयोग किया जाता है, और तीन क्षेत्रों में शांति की स्थिति का मापन करता है:**
    a. सामाजिक सुरक्षा का स्तर।
    b. चल रहे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का दायरा।
    c. सैन्यीकरण का स्तर।
- शांति पर मौसम परिवर्तन के संभावित प्रभावों को इस शोध में नया शामिल किया गया है।
- यह रिपोर्ट इंगित करती है कि वैश्विक शांति का औसत स्तर 0.07 प्रतिशत गिरा है जिससे पिछले तेरह वर्षों में 9वीं गिरावट है।

रिपोर्ट के परिणाम

सबसे ज्यादा शांतिपूर्ण

- आइसलैंड दुनिया का सबसे शांतिपूर्ण देश है, यह स्थिति उसने 2008 से अपने पास रखी है।
- वैश्विक शांति सूचकांक (GPI) के सबसे ऊपर अन्य देशों में न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, और डेनमार्क और स्लोवेनिया शामिल हैं।

- **भारत अपनी पिछले वर्ष की रैंकिंग से दो स्थान ऊपर उठा है और यह दुनिया का 135वां सबसे शांतिपूर्ण देश और क्षेत्र में 5वां सबसे शांतिपूर्ण देश बन गया है।**
- दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा शांति के मामले में सुधार **पाकिस्तान** में हुआ है, जो वैश्विक रूप से 150वें स्थान पर और क्षेत्र में 6वें स्थान पर है, यह पूर्व वर्ष की रैंकिंग से दो स्थान ऊपर उठा है।
- पिछले वर्ष के 98वें स्थान की तुलना में इस वर्ष बांग्लादेश का सूचकांक में 91वां स्थान है।
- बांग्लादेश ने 2.68 का सर्वांगीण स्कोर हासिल किया जिससे वह दक्षिण एशिया में भूटान और नेपाल के बाद तीसरा सबसे शांतिपूर्ण देश बन गया।

सबसे कम शांतिपूर्ण

- लगातार चौथे वर्ष अफगानिस्तान दुनिया का सबसे कम शांतिपूर्ण देश है, जिसके बाद यमन, सीरिया, दक्षिण सूडान और इराक का स्थान है।
- यमन को छोड़कर सभी कम से कम 2015 से पांच सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल रहे हैं, जबकि 2010 से अफगानिस्तान लगातार दुनिया के तीन सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल रहा है।

सर्वोच्च GPI देश

- GPI के सर्वोच्च 10 में से 8 देश यूरोप में स्थित हैं।
- यह सूचकांक के इतिहास में सर्वोच्च दस में शामिल होने वाले सबसे ज्यादा यूरोपीय देश हैं।
- सिंगापुर सर्वोच्च दस के बाहर आ गया है, जिसे तीन स्थानों के सुधार के साथ आयरलैंड ने विस्थापित कर दिया है।
- दुनिया के नौ में से 3 क्षेत्र ही पिछले वर्ष ज्यादा शांतिपूर्ण हुए हैं।
- सबसे ज्यादा सुधार मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (MENA) में हुआ है, जिसके बाद यूरोप और दक्षिण एशिया का स्थान है। MENA आज भी दुनिया का सबसे कम शांतिपूर्ण क्षेत्र है।

उत्तरी अमेरिका

- सबसे बड़ी क्षेत्रीय गिरावट उत्तर अमेरिका में हुई है, जिसमें सभी तीन GPI क्षेत्रों में गिरावट आई है।

- शांति की इस गिरावट में प्राथमिक संचालक सुरक्षा क्षेत्र में गिरावट है, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में, जहां बढ़ती नागरिक अशांति से आपराधिकता और राजनीतिक अस्थिरता की धारणा बढ़ रही है, साथ ही ज्यादा हिंसक प्रदर्शन भी हो रहे हैं।

सैन्य खर्च

- US, चीन, सऊदी अरब, रूस और भारत वे पांच सबसे ऊपरी देश हैं जहां कुल सैन्य खर्च सबसे ज्यादा है।
- 2008 से सैन्यीकरण क्षेत्र में 4.2 प्रतिशत का सुधार हुआ है, यह एकमात्र GPI क्षेत्र है जिसमें पिछले 15 वर्षों में सुधार दर्ज किया गया है।
- सैन्य सेवा दर 111 देशों में गिरी है, और GDP के प्रतिशत के रूप सैन्य खर्च 87 देशों में गिरा है।

हिंसा का आर्थिक प्रभाव

- 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में हिंसा का आर्थिक प्रभाव क्रयशक्ति समता (PPP) के संदर्भ में $14.96 ट्रिलियन था जो दुनिया की आर्थिक गतिविधि के 11.6 प्रतिशत के बराबर है।

केबिल टीवी नेटवर्क को विनियमित करने वाले नियम संशोधित

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने केबिल टेलीविज़न नेटवर्कों को विनियमित करने वाले नियमों को संशोधित कर दिया है, जिससे किसी विषयवस्तु प्रसारण के संबंध में नागरिकों द्वारा की गई शिकायत के लिए एक वैधानिक तंत्र प्रदान बनाया गया है।

नए नियम की खास बातें

- केबिल टेलीविज़न नेटवर्क्स (संशोधन) नियम, 2021, त्रिस्तरीय शिकायत निपटान तंत्र को प्रदान करता है- प्रसारणकर्ताओं द्वारा स्व-विनियमन, प्रसारणकर्ताओं की स्व-विनियमन निकायों द्वारा स्व-विनियमन और केंद्र के स्तर पर अंतर-विभागीय समिति द्वारा देखरेख।

शिकायत

- दर्शक सीधे प्रसारणकर्ता को शिकायत दायर कर सकता है, जिन्हें 15 दिनों के भीतर प्रतियुत्तर देना होगा।
- यदि शिकायतकर्ता प्रतियुत्तर से संतुष्ट नहीं है, तो टीवी चैनलों द्वारा गठित स्व-विनियमन निकायों तक शिकायत को भेजा जा सकता है, जिसे 60 दिनों के भीतर मामले को निपटाना होगा।

अपील करने का अधिकार

- यदि शिकायतकर्ता स्व-विनियमन निकाय के निर्णय से संतुष्ट नहीं है, वह ऐसे निर्णय के 15 दिनों के भीतर देखरेख तंत्र के अंतर्गत उनके विचार के लिए केंद्र सरकार को अपील कर सकता है।
- ऐसी अपीलों का निस्तारण देखरेख तंत्र के अंतर्गत गठित अंतर-विभागीय समिति द्वारा किया जाएगा।
- इस समिति का मुखिया सूचना और प्रसारण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव होगा, और उसमें निम्नलिखित से सदस्य होंगे-
    - महिला और बाल विकास मंत्रालय,
    - गृह मंत्रालय,
    - इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
    - विदेश मामले का मंत्रालय,
    - रक्षा मंत्रालय,
    - अन्य मंत्रालयों और संगठनों के प्रतिनिधि, जिसमें विशेषज्ञ शामिल हैं, जैसा केंद्र निर्णय ले।
- यह तीसरा स्तर न केवल अपीलों को सुनने के लिए अलग रखा गया है, वह केंद्र को सीधे आने वाली शिकायतों को ले सकता है।

सूचना प्रौद्योगिकी (IT) कानून का अनुच्छेद 79

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर निवासी शिकायत अधिकारी, नोडल अधिकारी और मुख्य अनुपालन अधिकारी की भूमिका में कार्यकारियों को नियुक्त करते समय नियमों का पालन

न करने की वजह से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiY) से ताजा गुस्से का सामना कर रहा है।

- यह सरकार के अनुसार, इसका अर्थ है ट्विटर को सोशल मीडिया मध्यवर्ती होने की वजह से सूचना प्रौद्योगिकी (IT) कानून के अनुच्छेद 79 के अंतर्गत दिए गए संरक्षण को अब हटा लिया गया है।

IT कानून के अनुच्छेद 79 के अंतर्गत मध्यवर्तियों को दिया गया संरक्षण क्या है?

- अनुच्छेद 79 कहता है कि कोई भी मध्यवर्ती अपने प्लेटफॉर्म पर किसी तीसरे पक्ष की उपलब्ध कराई गई सूचना, आंकड़े अथवा संचार लिंक अथवा किसी आयोजन के लिए कानूनी या किसी अन्य तरीके से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- कानून कहता है कि यह संरक्षण, उसी समय लागू होगा यदि संबंधित मध्यवर्ती संबंधित संदेश के संप्रेषण को किसी भी तरह से शुरू नहीं करता है, संप्रेषित संदेश के प्राप्तकर्ता को चुनता है, और संप्रेषण में दी गई किसी सूचना को संशोधित नहीं करता है।
- इसका अर्थ है कि जब तक एक प्लेटफॉर्म एक संदेशवाहक की तरह से बिंदु A से बिंदु B तक संदेश को ले जाता है, जिसमें विषयवस्तु में किसी भी तरह का हस्तक्षेप न किया गया हो, तो वह संप्रेषित संदेश की वजह से किसी कानूनी अभियोजन से सुरक्षित रहेगा।

ट्विटर पर प्रभाव

- लघु अवधि में क्योंकि ट्विटर को IT कानून के अनुच्छेद 79 के तहत दिया गया संरक्षण अब समाप्त हो गया है, यह प्लेटफॉर्म के खिलाफ किसी दंडात्मक कार्रवाई की संभावना को खोलता है जिसके विषयवस्तु के प्रकाशक के रूप में इसके खिलाफ किए जाने की संभावना है।
- इसका अर्थ है यदि कोई ट्विटर पर विषयवस्तु डालता है जिससे किसी प्रकार की हिंसा होती है, या विषयवस्तु के संदर्भ में किसी भारतीय कानून का उल्लंघन होता है, न केवल वह व्यक्ति जो ट्वीट को डालता है वह जिम्मेदार होगा, साथ ही ट्विटर भी उस विषयवस्तु के लिए कानूनी तौर पर जिम्मेदार होगा क्योंकि उसके पास अब संरक्षण नहीं है।

ईरान चुनावः कट्टरपंथी रईसी राष्ट्रपति होंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- कट्टरपंथी इब्राहिम रईसी ने हाल में ईरान का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया।
- ईरान का राष्ट्रपति देस का दूसरा सबसे बड़ा अधिकारी होता है, सर्वोच्च नेता के पश्चात।

ईरान के राष्ट्रपति के बारे में जानकारी

- ईरान का राष्ट्रपति देश की सरकार की नागरिक अंग की देखभाल करता है।
- राष्ट्रपति घरेलू नीति का निर्धारण करता है, जो महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों कई वर्षों के प्रतिबंध झेले हैं जब तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के नाभिकीय समझौते से अमेरिका को एकपक्षीय तरीके से बाहर निकाल लिया था।

ईरान के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे

- विदेशी संबंधों पर परिषद (CFR) का कहना है कि इस वक्त ईरानियों के लिए सबसे प्रमुख मुद्दा अर्थव्यवस्था का है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से काफी ज्यादा प्रभावित हुई है जब से 2018 में उसने नाभिकीय समझौते को छोड़ा है।
- 2020 में अर्थव्यवस्था लगभग 5 प्रतिशत संकुचित हुई और 2017 से इसमें वृद्धि नहीं हुई है।

ईरान चुनाव के बारे में जानकारी

- **ईरान अपने को एक इस्लामी गणराज्य के रूप में वर्णित करता है।**
- यह अपने यहां चुनाव करवाता है और इसके चुने हुए प्रतिनिधि हैं जो कानून पारित करते हैं और लोगों की तरफ से शासन चलाते हैं, यद्यपि सभी राज्य मुद्दों पर सर्वोच्च नेता की ही चलती है।
- लेकिन, संरक्षक परिषद ने इस चुनाव में रूहानी के अधिकांश सहयोगियों और सुधारवादियों को खड़े होने से रोक दिया था।

- अहमदीनेजाद के विवादित 2009 के पुनर्निर्वाचन के बाद ईरान के ग्रीन आंदोलन का नेतृत्व करने वालों को घर में नजरबंद रखा गया।
- ईरान अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को अपने चुनावों की निगरानी की इजाजत नहीं देता है, जिसकी देखरेख उसके आंतरिक मंत्री करते हैं। सर्वोच्च नेता के प्रति जवाबदेह सुरक्षा बल नियमित रूप से दोहरी नागरिकता रखने वालों को, विदेशियों को और पश्चिम से संबंध रखने वालों को गिरफ्तार करके बंद कमरों में मुकदमें चलाते हैं जिनका प्रयोग अंतरराष्ट्रीय बातचीत में प्यादों की तरह से किया जाता है।

इस्लामी परामर्शदात्री सभा के बारे में जानकारी

- इस्लामी परामर्शदात्री सभा को ईरानी संसद भी कहा जाता है।
- यह ईरान की राष्ट्रीय विधायिका निकाय है।
- संसद में वर्तमान में 290 प्रतिनिधि हैं। 18 फरवरी 2000 के चुनाव से पूर्व की 272 सीटों से इसे परिवर्तित कर दिया गया है।

आशीर्वाद योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ll- योजना/कमजोर वर्गों के लिए नीतियां, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ओडिशा सरकार ने एक विशेष योजना आशीर्वाद योजना लागू की है।

आशीर्वाद योजना के बारे में जानकारी

- इस योजना के तहत प्रत्येक महीने रु. 2,500 उन बच्चों को दिए जाएंगे जिन्होंने अपने माता-पिता खो दिए हैं।

लाभकर्ताओं को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है -

1. वे बच्चे जिन्होंने दोनों माता और पिता को खो दिया है,

2. माता या पिता में किसी एक की मृत्यु अथवा

3. कमाने वाले माता अथवा पिता की मृत्यु।

संबंधित सूचना

बच्चों के लिए PM-CARES योजना की जानकारी

- हाल में, केंद्र सरकार ने बच्चों के लिए PM-CARES विशेष योजना की घोषणा की है। यह उन सभी के लिए है जो कोविड-19 की वजह से अनाथ हो गए हैं।
- बच्चों जिन्होंने कोविड-19 की वजह से दोनों माता-पिता अथवा उनके एकमात्र माता-पिता में से कोई एक बचा है अथवा उनके कानूनी संरक्षक अथवा गोद लेने वाले माता या पिता की मृत्यु हो गई है।

बच्चों के लिए PM-CARES की खास विशेषता

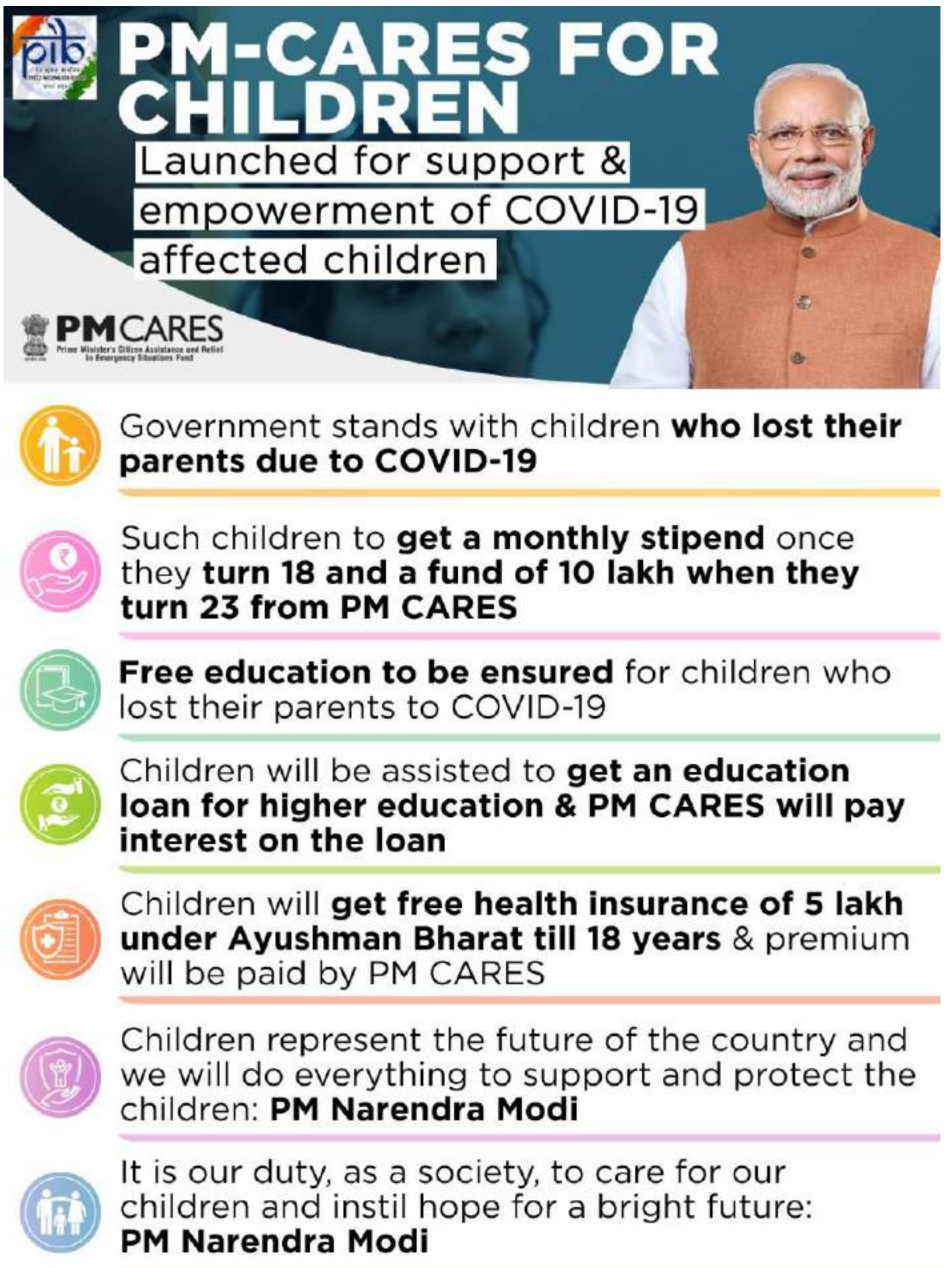

चुनाव आयोग ने 2019 आम चुनावों पर मानचित्र को जारी किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- भारत के चुनाव आयोग ने हाल में आम चुनाव 2019 पर एक मानचित्र को जारी किया है।

मानचित्र के बारे में जानकारी

- इस मानचित्र में 2019 आम चुनाव के बारे में सभी आंकड़े और सांख्यिकीय संख्याएं मौजूद हैं।
- इसमें 42 थिमेटिक मानचित्र और 90 तालिकाएं हैं जो चुनावों के विभिन्न पहलुओं का निरुपण करती हैं।
- यह मानचित्र चुनावों से संबंधित दिलचस्प तथ्य, उपाख्यानों और कानूनी प्रावधानों को प्रदान करता है।
- यह मानचित्र एक सूचना देने वाले और चित्रात्मक दस्तावेज के रूप में कार्य करता है जो भारतीय चुनावी प्रक्रिया की बारीकियों को प्रकाश में लाता है और प्रवृत्तियों और परिवर्तनों को विश्लेषित करने के लिए पाठकों का सशक्तिकरण करता है।

प्रमुख खास बातें

- 2019 में आयोजित किए गए 17वें आम चुनाव इतिहास में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास था।

- 2019 आम चुनाव में भारत के चुनाव आयोग ने 10 लाख से ज्यादा मतदान केंद्रों की स्थापना की थी।
- यह 61 करोड़ मतदाताओं की भागीदारी का गवाह बना।
- 2019 आम चुनाव भारतीय चुनावों के इतिहास में सबसे निचले लैंगिक अंतराल का गवाह बना।
- मतदाताओं का लैंगिक अनुपात, जिसने 1971 से सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है, 2019 के आम चुनाव में 926 था।

म्यांमार की सू की ने फूल विरोध प्रदर्शनों के लिए समर्थकों को धन्यवाद दिया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अपदस्थ म्यांमार की नेता आंग सान सू की ने फूल विरोध प्रदर्शनों के साथ अपने 76वें जन्मदिन को मनाकर जुंता का विरोध करने के लिए अपने समर्थकों का धन्यवाद दिया। उनके खिलाफ कई आपराधिक मामलों में मुकदमें शुरू हो गए हैं।

खबरों में और भी है

- पूरे देश में प्रदर्शनकारियों ने अपने बालों में फूल लगाए- यह सू की पुराना तरीका है- जिससे लोकतंत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति के जन्मदिन को मनाया जा सके, जो जुंता द्वारा घर में नजरबंदी के दौरान 76 वर्ष की हो गई हैं।

- कई लोगों ने फूलों वाली बालों की शैली की नकल की और सोशल मीडिया पर अपने चित्र अपलोड किए।

पृष्ठभूमि

- 1 फरवरी 2021 से जबसे सेना ने सत्ता पर कब्जा किया है पूरे म्यांमार में जन प्रदर्शन हो रहे हैं।
- म्यांमार की सेना ने तख्ता पलट के द्वारा सत्ता पर कब्जा कर लिया था- यह 1948 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के बाद देश के इतिहास में तीसरी बार है।

सैन्य तख्ता पलट के बारे में जानकारी

- नवंबर 2020 के संसदीय चुनाव में, सू की की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (NLD) ने बहुमत प्राप्त किया था।

- म्यांमार की संसद में, 2008 के सेना द्वारा संविधान के तैयार प्रारूप के अनुसार सेना को कुल सीट की 25% सीटें हासिल हैं और सेना द्वारा नियुक्त किए गए कई लोगों के लिए भी कई प्रमुख मंत्रालय आरक्षित हैं।
- जब 2021 में संसद के पहले सत्र का आयोजन म्यांमार के नए चुने हुए संसद सदस्यों द्वारा किया जाना था, सेना ने एक वर्ष के लिए आपातकाल लगा दिया जिसके लिए उन्होंने संसदीय चुनावों में जबर्दस्त मतदान धांधली का आरोप लगाया था।

अब कौन सत्ता में है?

- सैन्य कमांडर प्रमुख **मिन आंग हलेंग** का सत्ता पर कब्जा है।
- लंबे समय से उनका राजनीतिक प्रभाव है, उन्होंने सफलतापूर्वक टाटमाडा- म्यांमार की सेना का कब्जा बनाए रखा है- जबकि देश लोकतंत्र की ओर जा चुका था।
- उन्हें जातीय अल्पसंख्यकों पर सेना के हमलों की अपनी तथाकथित भूमिका के लिए कई अंतरराष्ट्रीय आलोचनाओं और प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।
- तख्ता पलट के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणियों में जनरल हलेंग ने सत्ता पर कब्जे को न्यायोचित ठहराना का प्रयास किया।
- उन्होंने कहा कि सेना जनता की तरफ है और एक सही और अनुशासित लोकतंत्र की स्थापना करेगी।
- सेना का कहना है कि एक बार आपातकाल समाप्त हो जाए तो वह मुक्त और निष्पक्ष चुनाव करवाएगी।

लोगों ने कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

- तख्ता पलट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन 2007 के तथाकथित सैफरन क्रांति के बाद से सबसे बड़े हैं, जब हजारों भिक्षु सैनिक शासन के खिलाफ उठ खड़े हुए थे।
- प्रदर्शनकारियों में शिक्षक, वकील, छात्र, बैंक अधिकारी और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं।
- सेना ने प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें कर्फ्यू और इकट्ठा होने पर सीमाएं शामिल हैं।

आंग सान सू की कौन हैं?

- आंग सान सू की 1990 के दशक में विश्व प्रसिद्धि उस समय हुई जब उन्होंने लोकतंत्र की पुनर्बहाली के लिए अभियान चलाया था।
- उन्होंने लोकतांत्रिक सुधार और मुक्त चुनावों का आहवान करने के लिए रैलियों का आयोजन किया जिसकी वजह से 1989 से 2010 के मध्य लगभग 15 वर्षों तक जेल में बिताए।
- घर में नजरबंदी के दौरान 1991 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 2015 में, उन्होंने 25 वर्षों में म्यांमार में पहली बार हुए खुले चुनाव में NLD को जीत दिलवाई।

रईसी नाभिकीय बातचीत के तैयार, बाइडेन के साथ भेंट से इंकार किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- ईरान के निर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने हाल में कहा कि वे केवल बातचीत के लिए नाभिकीय बातचीत (JCPOA) की अनुमति नहीं देंगे।

खबरों में और भी है

- रईसी ने US के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मिलने से भी इंकार कर दिया लेकिन कहा कि शिया ईरान के सुन्नी शासित क्षेत्रीय विरोधी सऊदी अरब के साथ कूटनीतिक संबंधों को फिर से शुरू करने में कोई बाधा नहीं है।

विएना बातचीत

- विएना में, बाइडेन ने समझौते पर वापस लौटने का संकेत दिया और विभिन्न पक्ष जिनमें ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी और रूस शामिल हैं- हाल में विएना में इसके पुनर्जीवन के लिए बातचीत कर रहे हैं।

ईरान का नाभिकीय समझौता

पृष्ठभूमि

- ईरान पूरी तरह से JCPOA (संयुक्त समग्र कार्ययोजना) नाभिकीय समझौते से बाहर हो चुका है। यह घोषणा उस समय की गई जब US सेनाओं ने **जनरल कासेम सोलेमानी** की हत्या कर दी।

ईरान नाभिकीय समझौते के बारे में जानकारी

- ईरान नाभिकीय समझौते (अथवा संयुक्त समग्र कार्ययोजना (JCPOA) पर ईरान और पी5 प्लस जर्मनी और यूरोपीय संघ के बीच में 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- पी5 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (US, चीन, फ्रांस, रूस और UK) के पांच स्थाई सदस्य हैं।
- इस समझौते का लक्ष्य ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम को रोकना है।

समझौते के अंतर्गत:

- ईरान का अधिकांश प्रसंस्कृत यूरेनियम देश के बाहर भेज दिया गया।
- एक भारी जल सुविधा को निष्क्रिय कर दिया गया।

- संचालित होने वाली नाभिकीय सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय जांच के अंतर्गत लाया गया।
- इसके बदले में, समझौते में ईरान पर से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाना शामिल था।

US क्यों समझौते से बाहर निकला?

- ट्रंप और समझौते के विरोधियों का कहना है कि यह असंतुलित है क्योंकि यह ईरान को अरब डॉलरों तक की पहुँच को सुनिश्चित करती है लेकिन हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को जिन्हें US आतंकवादी मानता है, को ईरान के समर्थन की समस्या को नहीं सुलझाता है।
- इसका कहना है कि यह समझौता ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास को नहीं रोकता है और यह समझौता 2030 तक समाप्त हो जाएगा।
- उनका कहना है कि पूर्व में ईरान ने अपने नाभिकीय कार्यक्रम के बारे में झूठ बोला है।

अजीत मिश्रा समिति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि प्रेस के कुछ वर्ग और हितधारकों का यह विचार है कि न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय मजदूरी निम्न सीमा को निर्धारित करने के लिए समिति को उपलब्ध कराए गए तीन वर्ष इस प्रक्रिया में देरी करने का प्रयास है।

अजीत मिश्रा समिति के बारे में जानकारी

- केंद्र सरकार ने प्रोफेसर अजीत मिश्रा की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है।
- इस समिति का गठन सरकार को न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय मजदूरी निम्न सीमा के निर्धारण पर तकनीकी इनपुट्स और संस्तुतियां देने के लिए किया गया।

कार्यकाल

- **इस विशेषज्ञ समूह का कार्यकाल तीन वर्ष है।**

कार्यकाल क्यों तीन वर्ष का है?

- सरकार ने कहा कि विशेषज्ञ समूह का कार्यकाल इसलिए तीन वर्ष रखा गया है जिससे न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय मजदूरी निम्न सीमा के निर्धारण के बाद भी, सरकार जब भी जरूरत हो न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय मजदूरी निम्न सीमा से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ समूह से तकनीकी इनपुट्स/सलाह ले सके।

आत्महत्या को गैर-अपराधी बनाने के लिए मामला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दक्षिणपूर्व एशियाई क्षेत्र में सबसे ज्यादा आत्महत्या दर भारत में है।

आत्महत्या के कारण

- अवसाद, असाध्य खराब स्वास्थ्य, गलती की भावना, अभिघात, मादक पदार्थों का प्रयोग, परीक्षाओं में असफलता और प्रिय लोगों की मृत्यु कुछ ऐसे कारण हैं जिसकी वजह से लोग अपने जीवन को खत्म करने का निर्णय लेते हैं।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, भारत में 2018 में कुल 1,34,516 आत्महत्या के मामले रिपोर्ट किए गए।
- 2017 में जहां आत्महत्या की दर 9.9 थी, वहीं 2018 में यह 10.2 हो गई।

अपराध और दंड

अनुच्छेद 309 के बारे में जानकारी

- भारतीय दंड संहिता का अनुच्छेद 309 आत्महत्या का प्रयास करने वालों के लिए दंड का प्रावधान प्रदान करता है।
- यदि कोई व्यक्ति किसी मानसिक अभिघात अथवा बीमारी से पीड़ित है, इसे सुधारात्मक उपचार देने की जरूरत है ना कि निवारक दंड देने की जरूरत है जो कि एक अवधि के लिए सामान्य कारावास है जो एक वर्ष (अथवा अर्थदंड के साथ अथवा दोनों एक साथ हो सकते हैं) तक बढ़ सकता है।
- यह औपनिवेशिककालीन कानूनी अनुच्छेद है जिससे तथ्यता भारत में गैर-आपराधिक नहीं घोषित किया गया है लेकिन ब्रिटिश संसद ने **आत्महत्या कानून के द्वारा 1961** में आत्महत्या के प्रयास को गैर-आपराधिक घोषित कर दिया था।

आत्महत्या के दंडात्मक प्रावधान के पक्ष में निर्णय

- जो दंडात्मक प्रावधान का समर्थन करते हैं वे अक्सर **ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य** (1996) में निर्णय को उद्धृत करते हैं जहां न्यायालय ने कहा था कि जीवन का अधिकार संविधान के

अनुच्छेद 21 में सम्मिलित एक प्राकृतिक अधिकार है लेकिन आत्महत्या जीवन की अप्राकृतिक तरीके से समाप्ति है, इसलिए, जीवन के अधिकार की संकल्पना के साथ असंगत है।

- **अरुणा रामचंद्र शानबाग बनाम भारत सरकार (2011)** मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व के निर्णय को सही ठहराया था।

अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन

- **चिन्ना जगदीश्वर बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और पी. रथीनम बनाम भारत सरकार (1994)** के मामले में जहां न्यायालय ने निर्णय दिया कि भारतीय दंड संहिता का अनुच्छेद 309 अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है और शून्य एवं गैरसंवैधानिक है।

संबंधित सूचना

इच्छामृत्यु के बारे में जानकारी

- इसे दया मृत्यु भी कहा जाता है जो दर्दनाक और असाध्य रोग अथवा अशक्त कर देने वाले भौतिक विकार से ग्रस्त व्यक्ति को मृत्यु प्रदान करता है। साथ ही इसमें उपचार रोककर अथवा कृत्रिम जीवन समर्थन देने वाले उपायों को हटाकर भी उन्हें मरने की अनुमति दी जाती है।
- क्योंकि अधिकांश कानूनी प्रणालियों में इसके लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है, इसे सामान्य तौर पर या तो आत्महत्या (यदि रोगी द्वारा स्वयं किया जाता है) अथवा हत्या (किसी अन्य द्वारा किये जाने पर) माना जाता है।
- **अरुणा शानबाग बनाम भारत सरकार के मामले में, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच में स्पष्ट अंतर किया है।**
    - **निष्क्रिय इच्छामृत्यु** का अर्थ है प्राकृतिक तरीके से मृत्यु को प्रेरित करने के लिए जीवन समर्थन को हटाना।
    - **सक्रिय इच्छामृत्यु** का अर्थ है मृत्यु को प्रेरित करने के लिए कानूनी औषधियों को सुई द्वारा शरीर में प्रवेश कराना।

नोट:

- जीवन का अधिकार को संविधान की मूल विशेषता के रूप में देखा जाता है, इसलिए यह मूलभूत और स्थाई दोनों ही है।

एक हवाई जाल की राजनीति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, रायनएयर उड़ान को बेलारूस के एक मिग-29 लड़ाकू जेट द्वारा मिंस्क में एक आपातकालीन लैंडिंग करने के मजबूर कर दिया गया।
- यह ग्रीस से लिथुआनिया जा रहा था।
- असंतुष्ट बेलारूस की पत्रकार, रोमन प्रोटासेविच, जो व्यावसायिक, नागरिक हवाई जहाज में यात्रा कर रहे थे, को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।
- पूरा ऑपरेशन, जैसा कि आरोप है, राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको के आदेश पर किया गया जो पिछले 27 वर्षों से बेलारूस पर शासन कर रहे हैं।

वैश्विक प्रतिक्रिया

- यूरोपीय संघ (EU) और US ने इसकी निंदा की और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) द्वारा गहन जांच की मांग की।
- EU- आधारित वाहक ने इस बात का ध्यान रखते हुए जिससे बेलारूस के ऊपर की उड़ान से बचा जा सके। बेलारूस की उड़ानों को EU वायुक्षेत्र अथवा उसके हवाई अड्डे में लैंडिंग करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।
- एयर फ्रांस, ब्रिटिश एयरवेज़, लुफ्तहांसा, KLM और कई अन्य एयरलाइनें ने अपने स्थगन का क्रियान्वयन कर दिया है।
- US, EU और UK ने बेलारूस के ऊपर और भी प्रतिबंध लगा दिये हैं।

उड्डयन पर अंतरराष्ट्रीय कानून

अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर संधि

- अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर संधि, जिसे बेहतर तरीके से 1944 का शिकागो संधि कहा जाता है, जिसपर बेलारूस हस्ताक्षर करने वाला देश है, किसी नागरिक हवाई जहाज के खिलाफ गैरकानूनी हस्तक्षेप को निषिद्ध करता है।

शिकागो संधि का अनुच्छेद 9

- एक ही समय में, अनुच्छेद 9 के अंतर्गत इसमें कई प्रावधान हैं जो किसी संप्रभु देश को प्रतिबंध लगाने का अधिकार प्रदान करता है जिसमें उसके क्षेत्र में किसी निर्दिष्ट हवाई अड्डे पर जबर्दस्ती लैंडिंग कराना शामिल है। यह असाधारण परिस्थितियों में अथवा आपातकाल के दौरान, अथवा सार्वजनिक सुरक्षा के हित में किया जा सकता है।

- एक बार यदि उड़ान लैंड कर गई, तो **अनुच्छेद 16** अतिथि देश को यह अधिकार देता है कि वह हवाई जहाज को बोर्ड कर सके अथवा उसकी जांच-पड़ताल कर सके।
- शिकागो संधि केवल संविदा वाले पक्षों के नागरिक हवाई जहाज पर ही लागू होती है।
- **राष्ट्रीय वाहक, बेलाविया बेलारूसियन एयरलाइंस इस मामले में शामिल नहीं है, यद्यपि यह** EU **द्वारा लक्षित प्रतिबंधों का हिस्सा है।**

अंतरराष्ट्रीय वायु सेवा पारगमन समझौता (IASTA)

- इसे 1944 में शिकागो में सम्पन्न किया गया था।
- इस समझौते के अनुसार, संविदा वाले देश अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय वायु सेवा के संदर्भ में एक दूसरे को वायु पारगमन की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, अर्थात, बिना लैंडिंग किये देश के आर-पार उड़ने का विशेषाधिकार।

बेलारूस IASTA का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।

बेलारूस के बारे में जानकारी

- **यह पूर्वी यूरोप का एक देश है।**
- 1991 में स्वतंत्र होने के पहले तक, बेलारूस, को बेलोरसिया अथवा व्हाइट रसिया कहा जाता था।
- यह तीनों स्लाविक गणराज्यों में सबसे छोटा था जो सोवियत संघ में शामिल था (अन्य दो बड़े गणराज्य रूस और यूक्रेन थे)।

कुपोषण पर अध्ययन के लिए सदन का पैनल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक संसदीय पैनल ने महिला और बाल विकास मंत्रालय से महामारी के आंगनवाड़ी सेवाओं और बच्चों के मध्य कुपोषण स्तरों पर पड़े प्रभाव पर एक सर्वेक्षण करने के लिए कहा है।

खबरों में और भी है

- ऐसा सुना गया है कि शिक्षा, महिला, बच्चों, युवा और खेलकूद पर स्थाई समिति ने मंत्रालय के अधिकारियों से महामारी के दौरान जमीनी स्तर पर कैसे आंगनवाड़ी सेवाओं को प्रदान किया गया इसको समझने के लिए आंकड़ों की जरूरत पर पूछताछ की। साथ ही बौनेपन और अपक्षय पर कोविड-19 के प्रभाव के आकलन पर भी पूछताछ की।
- सरकार ने **पोषण ट्रैकर** नामक एक ऐप की शुरुआत की है जिससे 14 लाख आंगनवाड़ियों की सेवाओं की डिलीवरी की निगरानी की जा सके।
- इस आंकड़े को 1 जून से अपलोड किया जाना शुरू किया गया है।

पोषण ट्रैकर ऐप के बारे में जानकारी

- इसे MoWCD द्वारा विकसित किया गया है।
- यह ऐप सभी आंगनवाड़ी केंद्रों (AWC), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (AWWs) और लाभकर्ताओं की वास्तविक समय निगरानी उपलब्ध कराएगा।

महत्व

- यह ऐप गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली मांओं, बच्चों, किशोर बालिकाओं और किशोर बालकों के लिए AWC, AWWs और संपूर्ण लाभकर्ता प्रबंधन की गतिविधियों का 360 डिग्री दृश्य उपलब्ध कराएगा।

संबंधित सूचना

आंगनवाड़ी योजना के बारे में जानकारी

- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र क्रियान्वित कर रहे हैं जो भारत में ग्रामीण बाल और मातृत्व देखभाल केंद्र के रूप में कार्य करता है।

- इस भारत सरकार ने 1975 में शुरू किया था जो बाल भुखमरी और कुपोषण को निपटने के लिए एकीकृत बाल विकास सेवाओं का हिस्सा है।

भारत और कुपोषण

वैश्विक पोषण रिपोर्ट-2020

- वैश्विक पोषण रिपोर्ट 2020 के अनुसार, भारत 88 देशों में शामिल है जिसके 2025 वैश्विक पोषण लक्ष्य पूरा न करने की आशंका है।

भारत में कुपोषित बच्चे

- भारत में कुपोषण पांच वर्ष से कम आयु की 68% मौतों का कारण है और कुल अशक्तता-समायोजित जीवन वर्षों के 17% का कारण है।
- भारत में दुनिया के लगभग 30% बौने बच्चे हैं और साथ ही पांच वर्ष से कम आयु के बुरी तरह से अपक्षय के शिकार 50 प्रतिशत बच्चे हैं।

खाद्य और कृषि संगठन के अनुमान

- खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के अनुमानों के अनुसार भारत में 194.4 मिलियन लोग कुपोषित हैं (कुल जनसंख्या का लगभग 14.5%)।

वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2020

- भारत वैश्विक भुखमरी सूचकांक (GHI) में कुल 107 देशों में 94वें स्थान पर है।

सरकार द्वारा किए गए उपाय

पोषण अभियान

- भारत सरकार ने 2022 तक कुपोषण मुक्त भारत को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय पोषण अभियान (NNM) अथवा पोषण अभियान की शुरुआत की है।

रक्त अल्पता मुक्त भारत अभियान

- इसे 2018 में शुरू किया गया था।

- इस अभियान का लक्ष्य रक्त अल्पता की गिरावट की वार्षिक दर में एक से तीन प्रतिशत बिंदु की वृद्धि करना है।

मध्यान्ह भोजन (MDM) योजना

- इसका लक्ष्य स्कूली बच्चों के बीच में पोषणीय स्तरों में सुधार करना है जिसका सीधा और सकारात्मक प्रभाव विद्यालयों में नामांकन, धारणाशक्ति और उपस्थित पर भी है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (NFSA), 2013

- इसका लक्ष्य इसकी सहयोगी योजनाओं और कार्यक्रमों के द्वारा सबसे कमजोर लोगों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)

- इस योजना में, प्रसव के लिए बेहतर सुविधाएं हासिल करने के लिए गर्भवती महिलाओं के बैंक खातों में सीधे रु. 6,000 हस्तांतरित किया जाता है।

एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) योजना

- इसकी शुरुआत 1975 में की गई थी।
- इस योजना का लक्ष्य 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों और उनकी मांओं को भोजन, विद्यालय पूर्व शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराना है।

टैक्स इंस्पेक्टर विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II + III – अंतर्राष्ट्रीय संबंध + अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, **भूटान में टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम** को शुरू किया गया है।

टैक्स इंस्पेक्टर विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- इंडिया टैक्स इंस्पेक्टर विदआउट बॉर्डर (TIWB) के साथ मिलकर टैक्स इंस्पेक्टर विदआउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र विकास (UNDP) और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) की एक संयुक्त पहल है।
- भारत को भागीदार क्षेत्र के रूप में चुना गया था और इसे इस कार्यक्रम हेतु एक कर विशेषज्ञ दिया गया है।

लक्ष्य

- इस कार्यक्रम के लगभग 24 महीने की समयावधि तक चलने की उम्मीद है, जिसके ज़रिए भारत, UNDP और TIWB सचिवालय के साथ मिलकर भूटान के साथ सर्वोत्तम लेखापरीक्षा विधियों को साझा करके उसकी तकनीकी जानकारी हस्तांतरित करके उसके कर प्रशासन को मज़बूत बनाने और इसके कर लेखापरीक्षकों को कौशल प्रदान करेगा।
- इस कार्यक्रम का केंद्र अंतर्राष्ट्रीय कराधान और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण होगा ।

TIWB का उद्देश्य

- TIWB पहल का उद्देश्य एक लक्षित, रियल टाइम "अभ्यास के ज़रिए सीखने" की विधि से विकासशील देशों में कर लेखा परीक्षा का ज्ञान और कर प्रशासन का कौशल साझा करने में सक्षम बनाना है।

सहयोग क्षेत्र एवं रूप

- TIWB विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय कर मामलों से संबंधित लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षा से संबंधित कौशल विकास में विकासशील कर प्रशासन के भीतर सामान्य ऑडिट कौशल के विकास के लिए विशेषज्ञों को भेजकर व्यावहारिक सहायता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- विशेषज्ञ वास्तविक लेखा परीक्षा मामलों पर मेजबान प्रशासन के कर लेखा परीक्षकों के साथ मिलकर काम करेंगे।

TIWB सचिवालय की भूमिका

- TIWB सचिवालय की भूमिका लक्षित लेखापरीक्षा सहायता कार्यक्रमों की प्राप्ति में सभी पक्षों की भागीदारी को सुगम बनाना है ।
- सचिवालय TIWB कार्यक्रम में भाग लेने के अनुरोधों के लिए एक क्लियरिंग हाउस और इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है, विशेषज्ञों को होस्ट प्रशासन (विशेषज्ञ चयन के लिए जिम्मेदार) के लिए प्रस्तावित करता है।
- सचिवालय सभी पक्षों को TIWB ऑडिट सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करता है और TIWB कार्यक्रम के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए व्यावहारिक कदमों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है ।

भारत और भूटान संबंधों के बीच संबंधों की एक नई बहार

- यह कार्यक्रम भारत और भूटान के बीच निरंतर सहयोग और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत के निरंतर और सक्रिय समर्थन में मील का पत्थर है।

सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइन्स

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत तथा सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के बीच कर से संबंधित सूचना के आदान-प्रदान और संग्रह में सहायता हेतु एक समझौते को मंज़ूरी दी है।

एक अभूतपूर्व समझौता है

- अतीत में दोनों देशों के बीच ऐसा कोई समझौता नहीं था।

समझौते का विवरण

1. यह भारत गणराज्य और सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के बीच एक नया समझौता है।
2. इस समझौते में मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान की सुविधा और कर दावों के संग्रह में एक दूसरे को सहयोग देने का प्रस्ताव रखा गया है।
3. इस समझौते में विदेश में कर जांच के प्रावधान भी शामिल हैं जो एक देश में दूसरे देश के प्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति देता है, जिसका दायरा (अपने घरेलू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक) व्यक्तियों का साक्षात्कार करने और कर उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड की जांच करने तक सीमित है।

प्रभाव

- भारत गणराज्य और सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के बीच समझौते से, इन दोनों देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी, जिसमें बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से कानूनी और लाभकारी स्वामित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करना शामिल है।
- यह दोनों देशों के बीच कर दावों के संग्रह को सुविधाजनक भी बनाएगा।
- इस प्रकार, यह अपतटीय कर चोरी और कर से बचने की अभ्यासों (काला धन जमा करने के साधन) से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के बारे में

- सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस को अक्सर सेंट विंसेंट के रूप में जाना जाता है।
- यह कैरिबियन सागर में एक द्वीप देश है।
- यह लेसर एंटिल्स के दक्षिण-पूर्व विंडवर्ड द्वीप समूह में स्थित है, जो कैरेबियन सागर की पूर्वी सीमा के दक्षिणी छोर पर वेस्टइंडीज में स्थित है, जहां कैरेबियन सागर अटलांटिक महासागर से मिलता है।
- सेंट विंसेंट के उत्तर में सेंट लूसिया, पूर्व में बारबाडोस है, और दक्षिण में ग्रेनाडा स्थित हैं।

राजधानी

- इसकी राजधानी किंग्सटाउन और मुख्य बंदरगाह सेंट विंसेंट है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन की सुरक्षा परिषदों के सचिवों की 16 वीं बैठक दुशांबे (**ताजिकिस्तान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर**) में सम्पन्न हुई।

मुख्य बिंदु

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उनके पाकिस्तानी समकक्ष मुईद यूसुफ ने **दुशांबे** में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में भागीदारी दर्ज की**,** इन्होंने बैठक में **"अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद", "अतिवाद", "अलगाववाद" और "धार्मिक कट्टरवाद" के खतरों** के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सहयोग करने के लिए सहमति दर्ज की।
- बैठक में सदस्य देशों के बीच विश्वसनीय सूचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने, साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने और कोरोनोवायरस महामारी के संदर्भ में जैविक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

महत्व

- यह क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और आधुनिक दुनिया के खतरों और चुनौतियों का मुकाबला करने में सदस्य देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में जानकारी

- यह एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसकी स्थापना चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं ने की थी।

वर्तमान सदस्य

- SCO में आठ सदस्य देश शामिल हैं, अर्थात् भारत गणराज्य, कजाकिस्तान गणराज्य, चीन जनवादी गणराज्य, किर्गिज़ गणराज्य, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान, रूसी संघ, ताजिकिस्तान गणराज्य और उज़्बेकिस्तान गणराज्य;

प्रेक्षक राज्य

- SCO में चार पर्यवेक्षक राज्य हैं। ये राज्य इस्लामिक गणराज्य अफगानिस्तान, बेलारूस गणराज्य, ईरान इस्लामी गणराज्य और मंगोलिया गणराज्य हैं।

संवाद साझेदार

- SCO के छह संवाद साझेदार देश - अजरबैजान गणराज्य, आर्मेनिया गणराज्य, कंबोडिया साम्राज्य, नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य, तुर्की गणराज्य और श्रीलंका लोकतांत्रिक समाजवादी गणराज्य हैं।
- शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक कामकाजी भाषाएँ चीनी और रूसी हैं।
- बीजिंग स्थित SCO सचिवालय इसका मुख्य स्थायी कार्यकारी निकाय है।

भारत और SCO

- भारत ने शहरी आपदा प्रबंधन पर SCO बैठक की मेजबानी की।
- इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) द्वारा शहरी भूकंप खोज और बचाव पर संयुक्त मॉक अभ्यास शामिल है।
- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के मंत्रालयों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुखों की 5वीं बैठक रूस में आयोजित की गई थी।
- इस बैठक में, सदस्यों ने 2020 में मंत्रालयों के प्रमुखों (प्रधानमंत्रियों) की बैठक की मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है।
- भारत 2020 में एससीओ फोरम ऑफ यंग साइंटिस्ट्स एंड इनोवेटर्स की भी मेजबानी करेगा।

क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना के बारे में जानकारी

- क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS), जिसका मुख्यालय ताशकंद, उज्बेकिस्तान में है, SCO का एक स्थायी अंग है जो आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ सदस्य देशों के सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य करता है।
- **SCO महासचिव और SCO RATS की कार्यकारी समिति के निदेशक को तीन साल की अवधि के लिए राज्य के प्रमुखों की परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है।**

प्रौद्योगिकी में लैंगिक अंतर को खत्म करना होगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - महिला सशक्तिकरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, COVID-19 महामारी के परिणामस्वरूप, दक्षिण एशियाई देशों में मौजूदा डिजिटल असमानताओं की तस्वीर सामने आई है।
- **इसमें एक विशेष पहलू यह सामने आया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही।**

सीमित या कोई पहुंच नहीं

- ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (GSMA) के अनुमानों के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 39 करोड़ से अधिक महिलाओं के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है।
- दक्षिण एशिया में इनमें से आधे से अधिक महिलाएं हैं, जिनमें से केवल 65% के पास मोबाइल फोन है।
- GSMA के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मोबाइल इंटरनेट के उपयोग में लिंग अंतर खत्म करने से अगले पांच वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होगी।
- महिलाएं और लड़कियां प्रौद्योगिकी से वंचित सबसे बड़े उपभोक्ता समूह हैं और प्रमुख रूप से लाभ पैदा कर सकते हैं।

भारत पर आंकड़े

- भारत में केवल 14.9% महिलाओं ने इंटरनेट इस्तेमाल करने की बात स्वीकार की थी।
- टीकाकरण के लिए अपॉइंटमेंट चुनने हेतु ऑनलाइन पंजीकरण कराने के आदेश से यह अंतर और भी बढ़ गया है।
- हाल के स्थानीय आंकड़ों से पता चला है कि महिलाओं की तुलना में लगभग 17% अधिक पुरुषों को टीका लगाया गया है।

महिलाओं और LGBT समुदायों को प्रभावित करता है

- ये अंतर महिलाओं और LGBTQIA+ लोगों को महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुँचने से रोकते हैं।
- उदाहरण के लिए, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान में पुरुषों की तुलना में कम महिलाओं को COVID-19 से बचने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त हुई।
- वैक्सीन पंजीकरण के लिए आमतौर पर स्मार्टफोन या लैपटॉप की आवश्यकता होती है।
- इस प्रकार पुरुषों और लड़कों को महिलाओं और लड़कियों की तुलना में समय पर सूचना और पंजीकरण कराने की संभावना अधिक है।

लैंगिक अंतराल और डिजिटल अंतराल

- उदाहरण के लिए, महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बहुत कम है, 18-44 उम्र के बीच 22 प्रतिशत अंक का अंतर है।
- इसके अलावा, यह डिजिटल अंतराल जाति और वर्ग में बढ़ता है - अमीर (18-44 वर्ष) के गरीबों की तुलना में तीन गुना अधिक होने की संभावना है, जबकि उच्च जातियों के पास अनुसूचित जाति / जनजाति की तुलना में 1.5 गुना अधिक स्मार्टफोन होने की संभावना है।
- उच्चतम न्यायालय के अवलोकन का समर्थन करते हुए, डेटा ने "**CoWin पोर्टल"** पर कोविद -19 वैक्सीन के लिए पंजीकरण करने के लिए 'डिजिटल अंतराल' को पार करने वाले ग्रामीण भारत के एक अनपढ़ ग्रामीण की दूरदर्शिता पर प्रकाश डालता है"।

- 18-44 आयु वर्ग में, गैर-साक्षर लोगों में से केवल 8%, प्राथमिक तक पढ़ने वालों में से 17%, और दसवीं तक शिक्षित लोगों में से 40% के पास खुद के स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि कॉलेज में पढ़े-लिखे चार में से तीन लोगों (74%) के पास स्मार्टफ़ोन हैं ।

एक समान भविष्य के लिए कदम

जनरेशन इक्वलिटी फोरम

- संयुक्त राष्ट्र महिलाएं में, हम कंपनियों को साइन अप करने और उन सिद्धांतों से सहमत होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जो सभी के लिए एक अधिक न्यायसंगत भविष्य की ओर ले जाएंगी।
- जनरेशन इक्वलिटी फोरम के हिस्से के रूप में, हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं और लड़कियों की संख्या को दोगुना करना है।
- वर्ष 2026 तक, इसका उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व को नवप्रवर्तकों के रूप में समर्थन देने के लिए नारीवादी प्रौद्योगिकी और नवाचार में निवेश करते हुए लैंगिक डिजिटल विभाजन को कम करना और सार्वभौमिक डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करना है।
- संयुक्त राष्ट्र महिलाएं और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम एवं साझेदारियाँ जैसे EQUALS और ICT दिवस महोत्सव मनाया जाता है।

- लड़कियां **अपने शैक्षणिक बिंदु के रूप में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित**) का चयन करेंगी**,** वे **डिजिटल प्रौद्योगिकी करियर** में प्रवेश करेंगी**, और डिजिटल प्रौद्योगिकी में अगला नेता बनना चाहेंगी।**

भारत नेट कार्यक्रम

- भारतनेट भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) द्वारा कार्यान्वित एक प्रमुख मिशन है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क स्थापित करना है।

राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन

- इस मिशन को 2020 तक महत्वपूर्ण डिजिटल साक्षरता कौशल के साथ प्रति परिवार कम से कम एक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दृष्टि से शुरू किया गया है।
- यह प्रत्येक घर के एक व्यक्ति को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने का एक प्रयास है।
- इस परियोजना का उद्देश्य कम तकनीकी साक्षरता वाले वयस्कों को एक तेजी से डिजिटल दुनिया में बातचीत करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करना है।

YounTab योजना

- लद्दाख के उपराज्यपाल ने हाल ही में डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों के लिए **YounTab योजना** शुरू की है।

दिव्यांगों की पदोन्नति में प्रवेश के तरीका पर कोई रोक नहीं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- कमजोर वर्ग के लिए योजना और नीतियां, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय ने अपने हाल के निर्णय में कहा कि एक दिव्यांग व्यक्ति पदोन्नति के लिए आरक्षण के लाभ को ले सकता है यद्यपि उसकी भर्ती नियमित श्रेणी के तहत हुई है अथवा वह रोजगार प्राप्त करने के बाद दिव्यांग हुआ है।
- यह निर्णय राज्य उच्च न्यायालय के निर्णय कि PwD कोटा के तहत पदोन्नति में आरक्षण के लिए लीसम्मा जोसेफ पात्र हैं, के खिलाफ केरल सरकार द्वारा दायर की गई एक याचिका पर आधारित था।

सर्वोच्च न्यायालय के विचार

- महत्वपूर्ण चीज यह है कि कर्मचारी को पदोन्नति के समय दिव्यांगता वाला व्यक्ति (PwD) होना चाहिए जिससे वह दिव्यांगता के आरक्षण को ले सके।
- भर्ती का स्रोत किसी तरह का अंतर नहीं पैदा करता है लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि कर्मचारी पदोन्नति के लिए विचार के समय PwD है।
- "**1995 का कानून [1995 का दिव्यांगता वाले व्यक्ति का कानून]** उन व्यक्तियों के बीच में अंतर नहीं करता है जिन्होंने या तो दिव्यांगता की वजह से सेवा में प्रवेश किया हो अथवा वे जो सेवा में प्रवेश करने के बाद दिव्यांग हुए हों।
- इसकी तरह से उस व्यक्ति की भी स्थिति होगी जिसने दया नियुक्ति के दावे पर सेवा में प्रवेश किया हो।
- सेवा में प्रवेश का तरीका भेदभावपूर्ण पदोन्नति के मामले को बनाने का आधार नहीं हो सकता है।

दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार का कानून 2016

- यह कानून दिव्यांगता के साथ वाले व्यक्तियों (बराबर अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूरी भागीदारी) कानून, 1995 को विस्थापित करता है।
- यह दिव्यांगता के साथ वाले व्यक्तियों के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संधि (UNCRPD) के दायित्वों को पूरा करता है, जिसपर भारत हस्ताक्षरकर्ता है।
- दिव्यांगता को एक विकसित होते और गत्यात्मक संकल्पना के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

दिव्यांगता की संख्या में वृद्धि

- दिव्यांगताओं के प्रकार 7 से 21 तक कर दिए गए हैं।

- कानून ने मानसिक बीमारी, स्वलीनता, स्पेक्ट्रम विकार, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, असाध्य स्नायुविक स्थितियां, वाक् एवं भाषा अक्षमता, थैलेस्सेमिया, अधिरक्तस्राव, सिकेल कोशिका बीमारी, बहु दिव्यांगता जिसमें बहरा अंधापन, एसिड हमले के शिकार, और पार्किंसन बीमारी शामिल हैं जिन्हें पूर्व के कानून में मोटे तौर पर नजरअंदाज किया गया था।
- इसके अतिरिक्त, सरकार किसी विशिष्ट दिव्यांगता की अन्य किसी श्रेणी को अधिसूचित करने के लिए प्राधिकृत है।
- यह सरकारी नौकरियों में दिव्यांगता वाले लोगों के आरक्षण को 3 से बढ़ाकर 4% और उच्च शिक्षा संस्थाओं में 3 से बढ़ाकर 5% करता है।
- बेंचमार्क दिव्यांगता वाला प्रत्येक बच्चा जो 6 से 18 आयु वर्ग का है, को मुफ्त शिक्षा का अधिकार होगा।
- सरकार द्वारा वित्त पोषित शैक्षिक संस्थान साथ ही सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान को समावेशी शिक्षा प्रदान करनी होगी।
- एक्सेसिबल इंडिया अभियान के साथ एक निर्दिष्ट समय काल में किसी सार्वजनिक भवन में पहुंच को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।
- दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त और राज्य आयुक्त विनियमन निकायों और शिकायत निपटान एजेंसियों के रूप में कार्य करेंगे। वे कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे।
- एक अलग राष्ट्रीय और राज्य कोष का सृजन किया गया है जिससे दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके।

संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 41

- राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत का अनुच्छेद 41 (DPSP) कहता है कि राज्य अपनी आर्थिक क्षमता और विकास की सीमाओं के दायरे में बेरोजगारी, वृद्धावस्था, बीमारी और दिव्यांगता के मामलों में काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रावधान बनाएगा।
- दिव्यांग और बेरोजगार के लिए अयोग्य को राहत का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची में निर्दिष्ट की गई है।

सी ब्रीज़ अभ्यास 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III -IR+ रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक संयुक्त नौसेना अभ्यास शुरू किया है जिसे सी ब्रीज़ अभ्यास 2021 कहा गया। यह काला सागर में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य कीव के साथ पश्चिमी सहयोग को दर्शाना है क्योंकि यह देश रूस का सामना कर रहा है।

खबरों में और भी है

- यह अभ्यास कुछ दिनों के बाद हुई जब ब्रिटिश रॉयल नौसेना का HMS डिफेंडर काला सागर में रूस द्वारा हथियाए गए क्रीमिया के पास से गुजरा, जबकि मास्को का कहना था कि इसने इसे दूर रखने के लिए चेतावनी फायर किए।

सी ब्रीज़ अभ्यास 2021 के बारे में जानकारी

- यह अभ्यास 1997 से 21 बार किया जा चुका है- इसमें 30 से ज्यादा देशों के 5,000 सैन्य कर्मी शामिल होंगे।
- यह अभ्यास दो सप्ताह तक चलेगा जिसमें लगभग 30 समुद्री जहाज शामिल होंगे, जिसमें मिसाइल विध्वंसक USS रॉस शामिल है।
- यह अभ्यास इस क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए एक शक्तिशाली संदेश भेजेगा।
- हाल में रूस ने HMS डिफेंडर पर चेतावनी फायरिंग की है। उसके अनुसार इसने उसके क्षेत्रीय जलों का उल्लंघन किया था।
- ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार यूक्रेनी क्षेत्रीय जलों के द्वारा बेकसूर तरीके से निकल रहा था।

आगे पढ़ाई के लिए –DCA 25-06-2021 को देखें

EU का नया टीका पासपोर्ट कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय सीरम संस्थान द्वारा विनिर्मित कोविशील्ड उन टीकों में शामिल नहीं है जिन्हें यूरोपीय औषधीय एजेंसी (EMA) द्वारा अपने टीका पासपोर्ट कार्यक्रम अथवा **ग्रीन पास योजना** के लिए स्वीकृति दी गई है। यह यूरोप में आने-जाने की स्वतंत्र अनुमति देता है।

कोविशील्ड के साथ चिंता

- कोविशील्ड टीके को अभी भी यूरोपीय औषधीय एजेंसी (EMA) द्वारा स्वीकृति दी जानी बाकी है यद्यपि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कोविशील्ड जैसे टीके को ब्लॉक के डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र अथवा ग्रीन पास हासिल करने के लिए प्राधिकृत किया है।
- भारत में यह डर है कि वे लोग जिन्होंने कोविशील्ड का टीका लगवाया है, उनको ग्रीन पास योजना के तहत यूरोपीय संघ सदस्य देशों में यात्रा करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

खबरों में और भी है

- EU डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र, अथवा “ग्रीन पास” जैसा कि इसे लोकप्रिय तौर पर कहा जाता है, का सृजन लोगों के लिए यात्रा की स्वतंत्रता की पुनर्बहाली करने के लिए है और यह महामारी की वजह से प्रवेश पर लगी हुई रोक को हटाएगा।
- नई टीका पासपोर्ट प्रणाली 1 जुलाई से पूरे EU में प्रभाव में आ रही है।

ग्रीन पास योजना के बारे में जानकारी

- इसे EU डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र भी कहा जाता है।
- EU डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र अथवा “ग्रीन पास” यूरोपीय देशों में यात्रा करने के लिए आवश्यक होंगे और वे इस बात का प्रमाण होंगे कि व्यक्ति को कोविड-19 से बचाव के लिए टीका लगा है।

लक्ष्य

- EU डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र का लक्ष्य EU के अंदर मुक्त आवागमन को सुगम बनाना है।
- यह यात्रा करने के लिए पूर्व शर्त नहीं है।
- EU डिजिटल प्रमाणपत्र का अर्थ EU सदस्य देशों के अंदर कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित मुक्त आवागमन को सुगम बनाना है और यह इस बात का प्रमाण होगा कि व्यक्ति को कोविड-19 के लिए टीका लगा है, उसकी ऋणात्मक परीक्षण रिपोर्ट आई है अथवा वह संक्रमण से ठीक हो चुका है।
- डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र के उद्देश्य के लिए, व्यक्तिगत सदस्य देशों को यह विकल्प होगा कि वे उसे टीकाकरणों को भी स्वीकार करें जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्राधिकृत किया गया है, जैसे कि कोविशील्ड।
- यह दस्तावेज **पूरे EU देशों में वैध है।**

प्रमाणपत्र में शामिल सूचना

- इस प्रमाणपत्र में शामिल सूचनाएं हैं- नाम, जन्म तिथि, जारी करने की तिथि, टीके का नाम अथवा ऋणात्मक परीक्षण परिणाम का विवरण अथवा कोविड-19 से स्वास्थ्य लाभ।
- इस प्रमाणपत्र में एक डिजिटल हस्ताक्षर शामिल होता है, QR कोड को स्कैन करने पर इसका सत्यापन होता है।

- प्रत्येक जारी करने वाले निकाय का स्वयं का डिजिटल हस्ताक्षर कुंजी होती है, प्रत्येक देश में इसके एक सुरक्षित डाटाबेस में भंडारित किया जाता है।
- यूरोपीय आयोग ने एक गेटवे को डिजाइन है जिसके द्वारा पूरे यूरोपीय संघ में सभी हस्ताक्षरों का सत्यापन किया जा सकता है।

इस उद्देश्य के लिए EMA द्वारा स्वीकृत टीके

- EMA की वर्तमान सूची में चार टीके शामिल हैं- वैक्सजेब्रिया (ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका), कॉमरनेटी (फाइजर-बायोनटेक), स्पाइकवैक्स (मॉडेर्ना) और जानस्सेन (जॉनसन एंड जॉनसन)।
- भारत में अभी तक सत्यापित किए गए तीन टीकों- कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पुतनिक V- में से कोई इस सूची में शामिल नहीं है।

'टीका पासपोर्ट' पर भारत का रुख

- यद्यपि EU ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ग्रीन पास अनिवार्य नहीं होगा, इस मामले ने एक बार फिर से निजता और नैतिकता के इर्द-गिर्द एक बड़े वाद-विवाद को जन्म दे दिया है।
- टीका पासपोर्ट को सामान्य होते हुए माहौल के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसने अतिक्रमण, निजता और मुक्त आवागमन के अधिकार पर प्रतिबंध जैसी बड़ी चिंताओं को पैदा किया है।
- **जी7 देशों** की हाल की बैठक में **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन** ने कहा कि भारत इस समय में टीका पासपोर्ट के खिलाफ है।

न्याय विभाग ने इंफोर्सिंग कांट्रैक्ट्स पोर्टल शुरू किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- न्याय विभाग ने हाल में इंफोर्सिंग कांट्रैक्ट्स पोर्टल शुरू किया है।

इंफोर्सिंग कांट्रैक्ट्स पोर्टल के बारे में जानकारी

लक्ष्य

- पोर्टल का लक्ष्य देश में व्यवसाय करने की सुगमता को बढ़ावा देना और 'संविदा प्रवर्तन शासन' में सुधार करना है।
- यह पोर्टल दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु और कोलकाता के समर्पित व्यावसायिक न्यायालयों में व्यावसायिक मामलों पर नवीनतम सूचना तक आसान पहुंच उपलब्ध कराता है।
- यह पोर्टल व्यावसायिक कानूनों के भंडार तक पहुंच भी उपलब्ध कराता है।
- इस पोर्टल की कल्पना ऐसी की गई है कि यह इंफोर्सिंग कांट्रेक्ट्स मानदंडों पर किए जा रहे वैधानिक और नीति सुधारों से संबंधित सूचना का समग्र स्रोत होगा।

महत्व

- कानून एवं न्याय मंत्रालय के अंतर्गत न्याय विभाग भारत में व्यवसाय करने की सुगमता के लिए इंफोर्सिंग कांट्रैक्ट्स शासन को मजबूत करने के लिए वैधानिक और नीति सुधारों की निगरानी कर रहा है।
- इंफोर्सिंग कांट्रैक्ट्स एक जरूरी क्षेत्र है जो मानकीकृत व्यावसायिक विवाद को सुलझाने साथ ही न्यायपालिका में अच्छी प्रथाओं की श्रृंखला के लिए समय और कीमत का मापन करता है।
- यह व्यवसाय करने की सुगमता में सहायता देता है।

भारत के साथ $1 अरब अदला-बदली समझौते पर लंका की निर्भरता

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, श्रीलंका इस वर्ष अपने ऋण पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने और वर्तमान आर्थिक संकट से बाहर आने के लिए भारत से $1 अरब मुद्रा की अदला-बदली पर निर्भर कर रहा है।

खबरों में और भी है

- श्रीलंका केंद्रीय बैंक (CBSL) ने फरवरी 2021 में भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ $400 मिलियन मुद्रा की अदला-बदली सुविधा को निपटाया है।
- इस अदला-बदली सुविधा को CBSL ने जुलाई 31, 2020 में लिया था। यह प्रारंभिक तौर पर तीन महीनों के लिए थी।
- तीन महीनों के 1 फरवरी, 2021 तक भुगतान स्थगित करने को CBSL के आवेदन पर उपलब्ध कराया गया।

संबंधित सूचना

मुद्रा अदला-बदली समझौतों के बारे में जानकारी

- इसमें स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शामिल है, जहां देश पूर्व निर्धारित विनिमय दरों पर आयात और निर्यात के लिए भुगतान करते हैं। इसमें US डॉलर जैसी तीसरे देश की मुद्रा शामिल नहीं होती है।
- इससे तीसरी मुद्रा के खिलाफ उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है, और बहु मुद्रा विनिमयों में शामिल शुल्क भी समाप्त हो जाते हैं।

SAARC देशों के मध्य मुद्रा अदला-बदली समझौते

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2019-2022 के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) के वास्ते मुद्रा अदला-बदली समझौते पर ढांचे की पुनर्समीक्षा की है।
- SAARC मुद्रा अदला-बदली ढांचा 15 नवंबर, 2012 को प्रभाव में आया।
- यह लघु अवधि के विदेशी विनिमय तरलता जरूरतों अथवा जब तक दीर्घावधि व्यवस्थाएं न कर ली जाएं तब तक लघु अवधि के भुगतान संतुलन के लिए वित्तीयन की बैकस्टाप रेखा को उपलब्ध कराता है।
- यह सुविधा सभी SAARC सदस्य देशों को उपलब्ध है, जिसके लिए उन्हें द्विपक्षीय अदला-बदली समझौतों पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन के बारे में जानकारी

- इसकी स्थापना 8 दिसंबर 1985 को ढाका (बांग्लादेश) में SAARC चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।

सदस्य

- इसके आठ सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं।
- इसका सचिवालय **काठमांडू (नेपाल)** में है।

उद्देश्य

- इसका उद्देश्य दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण को प्रोत्साहित करना, उनके जीवन स्तर में सुधार करना और अन्य चीजों के अतिरिक्त आर्थिक वृद्धि को तीव्र करना है।

अर्थशास्त्र, विज्ञान एवं तकनीक, आतंरिक सुरक्षा & पर्यावरण

एम्बीटैग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- DD न्यूज़)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, पंजाब में भारतीय तकनीकी संस्थान, रोपड़ (IIT रोपड़) ने अपने प्रकार के पहले इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरण एम्बीटैग (AmbiTag) का विकास किया है जो नष्ट हो जाने वाले उत्पादों, टीकों और यहां तक कि शारीरिक अंगों और रक्त के परिवहन के दौरान वास्तविक समय में वातावरणीय तापमान को रिकॉर्ड करता है।

AmbiTAG के बारे में जानकारी

- AmbiTag लगातार अपने चारों ओर के तापमान को रिकॉर्ड करता है जो -40 से +80 डिग्री तक होता है। यह एक एकल चार्ज पर पूरे 90 दिनों के लिए किसी भी समय क्षेत्र के लिए है।
- इस उपकरण को तकनीक नवाचार केंद्र- AWaDH (कृषि एवं जल तकनीक विकास केंद्र) और इसके स्टार्टअप स्क्रेचनेस्ट द्वारा विकसित किया गया है।
- रिकॉर्ड किए गए डाटा को किसी भी कम्प्यूटर से USB को जोड़कर प्राप्त किया जा सकता है।

आकार

- यह USB उपकरण के आकार का है।

लाभ

- रिकॉर्ड किया गया तापमान यह जानने में और भी मदद करता है कि क्या दुनिया से कही भी परिवहन की जाने वाली विशेष वस्तु अभी भी प्रयोग के योग्य है अथवा तापमान परिवर्तन की वजह से नष्ट तो नहीं हो गई है।
- यह सूचना विशेष रूप से टीके जिसमें कोविड-19 टीके, अंग और रक्त परिवहन शामिल हैं, के लिए महत्वपूर्ण है।
- नष्ट हो जाने वाली वस्तुओं जिसमें सब्जियां, मांस और डेयरी उत्पाद शामिल हैं, के अतिरिक्त यह ले जाने के दौरान जानवर के वीर्य के तापमान की भी निगरानी कर सकता है।

बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- DD न्यूज़)

खबरों में क्यों है?

- हाल में केंद्रीय कृषि मंत्री ने बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम की शुरुआत की है।

बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- यह केंद्रीय क्षेत्र का कार्यक्रम है।
- इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

लक्ष्य

- क्लस्टर विकास कार्यक्रम का लक्ष्य पहचाने गए बागवानी क्लस्टरों की वृद्धि और विकास करना है जिससे वे वैश्विक तौर पर प्रतियोगी हो सकें।

प्रमुख खास बातें

- यह कार्यक्रम भारतीय बागवानी क्षेत्र से संबंधित सभी प्रमुख मामलों को सुलझाएगा जिसमें पूर्व-उत्पादन, उत्पादन, फसल कटाई के बाद का प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, विपणन और ब्रांडिंग शामिल हैं।
- कार्यक्रम इस तरह से डिजाइन किया गया है कि भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ प्राप्त किया जा सके और बागवानी क्लस्टरों के एकीकृत और बाजार आधारित विकास को बढ़ावा दिया जा सके।
- पाइलट परियोजना की सीख के आधार पर, कार्यक्रम को सभी पहचाने हुए क्लस्टरों को शामिल करने के लिए बढ़ाया जाएगा।

व्यवसाय विश्वास सर्वेक्षण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा किया गया एक सर्वेक्षण दर्शाता है कि कोविड-19 की दूसरी लहर की वजह से बदतर होती स्थितियों और मौन निकट अवधि संभावनाओं से कंपनियों के मध्य सर्वांगीण व्यवसाय विश्वास में तेजी से गिरावट हुई है।
- सर्वांगीण व्यवसाय विश्वास सूचकांक 51.5 तक गिर चुका है जबकि मार्च 2021 में जारी किए गए पूर्व चक्र के सर्वेक्षण में इसका मूल्य एक दशक में सबसे ज्यादा 74.2 था।

व्यवसाय विश्वास सूचकांक के बारे में जानकारी

- इसे दिल्ली आधारित आर्थिक थिंक टैंक राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित किया गया है।
- इसके परिणाम 500 फर्मों के उत्तरों पर आधारित हैं।

व्यवसाय विश्वास सर्वेक्षण की प्रमुख खास बातें

- सर्वांगीण व्यवसाय विश्वास सूचकांक 51.5 तक गिर चुका है जबकि मार्च 2021 में जारी किए गए पूर्व चक्र के सर्वेक्षण में इसका मूल्य एक दशक में सबसे ज्यादा 74.2 था।
- लगभग 70 प्रतिशत भागीदारों ने पूर्व चक्र के 56% की तुलना में वर्तमान सर्वेक्षण में सबसे चिंताजनक कारक कमजोर मांग स्थितियों को माना है।
- समतुल्य संख्या पिछले वर्ष 77% थी।
- परिवारों की आय बुरी तरह से प्रभावित होने की वजह से और पुरानी बचत संक्रमण की पहली लहर के दौरान ही निकाल ली जाने की वजह से, इस वर्ष भी लंबे समय के लिए मांग स्थितियों के कमजोर रहने की संभावना है।

नौकरी का नुकसान

- इसने जोड़ा है कि वर्तमान लहर में जनसंख्या का ज्यादा अनुपात प्रभावित हुआ है, कई परिवारों की आय में स्थाई तौर पर असर आ गया है क्योंकि उन्होंने या तो नौकरियां खोईं हैं अथवा कोविड-19 से परिवार की रोटी कमाने वाले को खोया है।

सरकार की पहल

- सरकार की आत्मनिर्भर 2.0 और 3.0 योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन सार्वजनिक निवेश का बढ़ावा दे सकता है, यद्यपि अभी भी निम्न सामर्थ्य उपयोग के बीच में निजी निवेश ढीली है।

- केंद्रीय बजट 2021-22 जिसका जोर स्वास्थ्य और खुशहाली, अवसंरचना, नवाचार और अनुसंधान पर था, से वृद्धि गति में तीव्रता आने में मदद मिलनी चाहिए।
- केंद्रीय बैंक ने 2021-22 में 10.5 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर अनुमानित की है।

केंद्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (NCAER) के बारे में जानकारी

- NCAER एक नई दिल्ली आधारित गैर लाभकारी अर्थशास्त्र का थिंक टैंक है।
- NCAER अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान करता है। इसकी स्थापना 1956 में की गई थी।

WHO ने कोविड-19 वैरिएंटों का नामकरण ग्रीक अक्षरों के आधार पर किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- CNBC 18))

खबरों में क्यों है?

- हाल में, फरवरी 2020 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कोविड-19 को आधिकारिक तौर पर नोबेल कोरोनावायरस से होने वाले रोग के लिए नाम घोषित किया था।

कोविड-19 वायरसों का नामकरण

- WHO ने यह नाम निर्धारण प्रणाली WHO, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन और खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के बीच में 2015 में तय किए गए दिशा-निर्देश के अनुसार तय की थी।
- WHO ने इसका कोविड-19 नामकरण किया जिसमें कोरोनावायरस रोग शब्दों को तोड़ दिया गया। इसलिए, COVID में CO का अर्थ कोरोना, जबकि 'VI' का अर्थ वायरस और 'D' का अर्थ रोग है।
- संख्या 19 का अर्थ वर्ष 2019 है।

ग्रीक अक्षर क्यों?

- WHO ने काफी चर्चा के बाद वैरिएंटों की पहचान के लिए वैज्ञानिक अंकों के स्थान पर ग्रीक अक्षरों के प्रयोग का निर्णय लिया है।
- WHO के अनुसार अल्फा, बीटा और गामा जैसे अक्षरों के प्रयोग से- B.1.1.7, B.1.351 और P.1 के स्थान पर- वैरिएंटों को बताना यह आसान और ज्यादा व्यवहारिक कर देगा जिससे गैर वैज्ञानिक श्रोताओं के साथ इनकी चर्चा आसान होगी।
- अबसे, कोविड-19 के B.1.617.1 और B.1.617.2 वैरिएंट, जिन्हें पहली बार भारत में अक्टूबर **2020 में पहचाना गया था, कप्पा और डेल्टा कहलाएंगे।**

- रोग का नामकरण करते समय, WHO ने शर्तों को जारी किया है जिससे भौगोलिक स्थान, लोगों के नाम, पशुओं और खाद्य की प्रजातियां, संस्कृति का उल्लेख, जनसंख्या, उद्योग अथवा पेशा और वे शब्द जो बेकार में डर पैदा करते हैं, को इसमें शामिल न किया जाए।

Variants of Concern

NEW WHO LABEL	PANGO LINEAGE	EARLIEST SAMPLE
Alpha	B.1.1.7	UK (September 2020)
Beta	B.1.351	South Africa (May 2020)
Gamma	P.1	Brazil (November 2020)
Delta	B.1.617.2	India (October 2020)

Variants of Interest

NEW WHO LABEL	PANGO LINEAGE	EARLIEST SAMPLE
Epsilon	B.1.427/B.1.429	US (March 2020)
Zeta	P.2	Brazil (April 2020)
Eta	B.1.525	Many Countries (December 2020)
Theta	P.3	Philippines (January 2021)
Iota	B.1.526	US (November 2020)
Kappa	B.1.617.1	India (October 2020)

वायरस में अन्य नाम भी दिए गए हैं

- संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वायरस को 'चीनी वायरस' कहा था।
- जब ब्राज़ील में नया स्ट्रेन खोज गया, इसे ब्राज़ील वैरिएंट कहा गया, जिसके बाद UK वैरिएंट, दक्षिणी अफ्रीकी वैरिएंट और अब भारतीय वैरिएंट का नाम आया।
- ये सभी, यद्यपि वैज्ञानिकों ने वैरिएंटों की संख्याओं को मुश्किल संरूपण दिए थे, जो सामान्य व्यक्ति के लिए स्वाभाविक रूप से काफी असमंजस वाले थे।
- उदाहरण के लिए, UK वैरिएंट जिसे सितंबर 2020 में खोजा गया था, का नामकरण B.1.1.7 किया गया।
- दिशा-निर्देशों का संपूर्ण उद्देश्य बेकार हो गया होता यदि ये नाम रह गए होते।

वित्त वर्ष 21 में भारत ने रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने हाल में एक रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार भारत वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान सबसे ज्यादा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश हासिल करने में कामयाब रहा है। यह FDI $81.72 अरब का है।
- यह पूर्व के वित्त वर्ष के $74.39 अरब से 10 प्रतिशत ज्यादा है।

सरकार द्वारा किए गए उपाय

- निवेश प्रोत्साहन और व्यवसाय करने की सुगमता के परिणामस्वरूप देश में FDI का अंतर्प्रवाह बढ़ा है।

Foreign investment into India

Item No	No Investment category	2019-20	2020-21	Growth rate (%)
1	Gross inflows/Gross Investments (Items 3+5)	74,390	81,721	9.9
2	Foreign Investment Inflow (Items 4+7)	44,417	80,209	80.6
3	Direct investment to India (items 4+6)	56,006	54,665	-2.4
4	Net Foreign direct investment (Items 3-6)	43,013	43,366	0.8
5	Repatriation/Disinvestment	18,384	27,056	47.2
6	FDI by India (Outward FDI)	12,993	11,299	-13.0
7	Net Portfolio investment	1,403	36,843	2526.0
7.1	(of which) Foreign Institutional Investors (FIIs)	552	38,097	6801.6

Source: Reserve Bank of India Bulletin, May 2021, Table No. 34

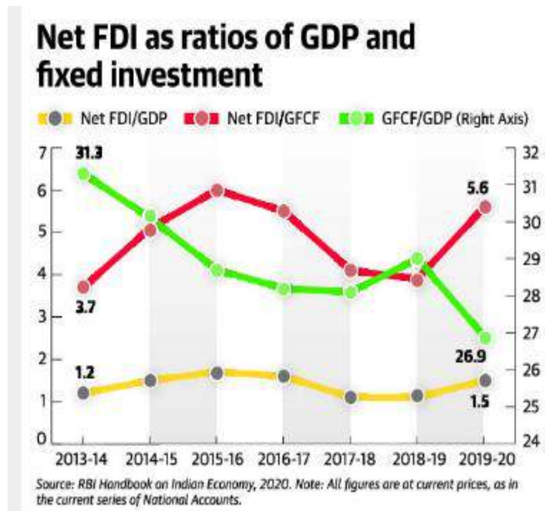

सकल अंतर्प्रवाह क्यों होता है?

- RBI रिपोर्ट में सकल अंतर्प्रवाह/सकल निवेश प्रेस रिलीज़ में कुल FDI अंतर्प्रवाह के समान है, जो वाणिज्य मंत्रालय के अनुमान के समान है।
- सकल अंतर्प्रवाह में शामिल हैं -
    - भारत में प्रत्यक्ष निवेश
    - देश प्रत्यावर्तन/विनिवेश
- विच्छेदन दर्शाता है कि भारत को प्रत्यक्ष निवेश 2.4% तक गिर गए हैं।
- इसलिए, देश प्रत्यावर्तन/विनिवेश में 47% की बढ़ोत्तरी सकल अंतर्प्रवाह में वृद्धि के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है।

देश प्रत्यावर्तन क्या है? यह इतना क्यों महत्वपूर्ण है?

- FDI अंतर्प्रवाह ज्यादा से ज्यादा निजी इक्विटी फंड से बनते हैं, जो सामान्य तौर पर लाभों को बुक (निवेश पर प्राप्त होने वाले वे लाभ जो अभी प्राप्त नहीं हुए हैं) करने के लिए 3-5 वर्षों के बाद विनिवेशित किये जाते हैं।

- सैद्धांतिक रूप से, निजी इक्विटी फंड से दीर्घावधि के ग्रीनफील्ड निवेश नहीं निर्मित होते हैं।
- इसी तरह से, निवल आधार पर मापन करने पर (अर्थात, "भारत को प्रत्यक्ष निवेश" भारत को निवल FDI अथवा भारत से बाहिर्प्रवाह FDI), पिछले वर्ष की तुलना में 2020-21 में भारत को प्रत्यक्ष निवेश ज्यादा नहीं बढ़े हैं (0.8%)।

मध्यम योगदान

- महामारी वर्ष के दौरान कुल FDI अंतर्प्रवाह में बढ़ोत्तरी की संपूर्ण व्याख्या पूंजी बाजार में लघु अवधि के तेजी से बढ़ने वाले FIIs से की जाती है- और निश्चित निवेश और रोजगार सृजन को इसमें जोड़ा नहीं जाता है।
- अब कई वर्षों से, सरकार ने सकल FDI अंतर्प्रवाह में वृद्धि को उसकी आर्थिक नीतियों की सफलता के रूप में बताया है जिससे बहिर्निवेश और निवेश में मंदी और बढ़ती बेरोजगारी दरों (विशेष रूप से पूर्व वर्ष में) की वृहद् आलोचना का जवाब दिया जा सके।
- 2013-14 और 2019-20 के बीच में निवल FDI का GDP से अनुपात 1% से जरा सा ज्यादा रहा है (बाएं हाथ का पैमाना), जिसमें कोई स्पष्ट बढ़ती हुई प्रवृत्ति नहीं है।
- इसी तरह से, निवल FDI से सकल निश्चित पूंजी संरचना का अनुपात (निश्चित निवेश) 4% और 6% (बाएं हाथ का पैमाना) के बीच में सीमाबद्ध है।
- ये ठहरी हुई प्रवृत्तियां उस समय स्पष्ट हो जाती हैं जब अर्थव्यवस्था की निश्चित निवेश दर-GDP अनुपात से सकल निश्चित पूंजी संरचना - 2013-14 के 31.3% से गिरकर 2019-20 में 26.9% (दाहिने हाथ का पैमाना) रह गई।
- इसलिए, घरेलू बहिर्निवेश और निवेश में FDI अंतर्प्रवाह का योगदान मध्यम स्तर पर ही है।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- पिछले वित्त वर्ष में सिंगापुर भारत में सबसे बड़ा निवेशक था, इसका FDI में योगदान 29 प्रतिशत का था, जिसके बाद 23 प्रतिशत के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका और 9 प्रतिशत के साथ मॉरिशस का योगदान था।

सबसे बड़े निवेशक

- सबसे ज्यादा निवेश करने वाले दस देशों में, वित्त वर्ष 21 के दौरान प्रतिशत बढ़ोत्तरी के संदर्भ में सऊदी अरब सबसे बड़ा निवेशक था। इसने पूर्व वित्तीय वर्ष के $89.93 मिलियन की तुलना में $2,816.08 मिलियन का निवेश किया।

राज्यों में FDI

- गुजरात ने कुल इक्विटी अंतर्प्रवाहों का 37 प्रतिशत प्राप्त करके सबसे ज्यादा FDI हासिल किया।

- महाराष्ट्र और कर्नाटक में क्रमशः 27 प्रतिशत और 13 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे सबसे ज्यादा अंतर्प्रवाह रहे।

क्षेत्र

- कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र ने वित्त वर्ष 21 में सबसे ज्यादा FDI हासिल किए, यह कुल FDI इक्विटी अंतर्प्रवाह का 44 प्रतिशत था।
- कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र के अंतर्गत, प्रमुखतः से प्राप्त करने वाले राज्य समीक्षित वित्त वर्ष के दौरान 78 प्रतिशत के साथ गुजरात, 9 प्रतिशत के साथ कर्नाटक और 5 प्रतिशत के साथ दिल्ली रहे।
- निर्माण (अवसंरचना) गतिविधियों और सेवा क्षेत्र का स्थान क्रमशः 13 प्रतिशत और 8 प्रतिशत के साझेदारी के साथ इसके बाद रहा।
- प्रमुख क्षेत्र, जिनके नाम निर्माण (अवसंरचना), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, रबड़ वस्तुएं, खुदरा व्यापार, औषधि और फार्मास्युटिकल्स, और विद्युतीय उपकरण हैं, ने पूर्व वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 21 के दौरान इक्विटी में 100 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी रिकॉर्ड की।

चीन ने H10N3 बर्ड फ्लू के पहले मानव मामले की सूचना दी

(सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, चीन के पूर्वी जियांगसू प्रांत के 41 वर्षीय व्यक्ति में बर्ड फ्लू के H10N3 स्ट्रेन के साथ संक्रमण के पहले मानव मामले की पुष्टि हुई है।

H10N3 के बारे में जानकारी

- यह पोल्ट्री में निम्न रोगाणु अथवा आपेक्षिक रूप से कम गंभीर वायरस का स्ट्रेन है।
- NHC ने कहा है इसके बड़े पैमाने पर फैलने का जोखिम कम है।
- वैश्विक रूप से पूर्व में H10N3 के साथ मानव संक्रमण का कोई मामला अभी तक नहीं आया है।

संबंधित सूचना

H7N9 बर्ड फ्लू प्रकोप

- H7N9 बर्ड फ्लू स्ट्रेन से 2016-2017 के दौरान लगभग 300 लोगों की मृत्यु हो गई थी।
- H7N9 का पहला मानव मामला मार्च 2013 में चीन में बाहर आया था।

- इसके बाद फ्लू के मानव मामले पूरे अप्रैल में आने जारी रहे और फिर गर्मी के महीनों के दौरान केवल कुछ मामले ही रह गए।

G4 वाइन फ्लू वायरस के बारे में जानकारी

- हाल में, चीन से वैज्ञानिकों ने इंफ्लूएंजा वायरस के हाल के उभरे हुए स्ट्रेन की पहचान की है जिसका नाम G4 है, जो चीनी सुअरों को संक्रमित कर रहा है और जिसके महामारी में बदल जाने की संभावना है।

G4 वाइन फ्लू वायरस के बारे में जानकारी

- G4 स्वाइन फ्लू स्ट्रेन में उस वायरस के समान जींस हैं जिसने 2009 में फ्लू महामारी फैलाई थी।
- G4 स्ट्रेन में मानव प्रकार रिसेप्टरों (जैसे, SARS-CoV-2 वायरस मानवों में ACE2 रिसेप्टरों से बंध जाता है) से बंधने की क्षमता होती है।
- यह मानव वायुमार्ग उपकला कोशिकाओं में अपने आप की प्रतिकृति बनाने में सक्षम रहा था, और इसने गंधबिलाव में एयरोसोल संप्रेषण और प्रभावी संक्रामकता दर्शाई।
- सुअर महामारी इंफ्लूएंजा वायरस की पीढ़ियों के लिए मध्यवर्ती अतिथि हैं।

पृष्ठभूमि

2009 स्वाइन फ्लू महामारी

- WHO ने 2009 में टाइप ए H1N1 इंफ्लूएंजा वायरस के प्रकोप को एक महामारी घोषित किया था जब वैश्विक स्तर पर लगभग 30,000 मामले थे।
- 2009 की महामारी स्वाइन फ्लू के एक स्ट्रेन से हुई थी जिसका नाम H1N1 वायरस है, जो मानव से मानव को संप्रेषित हो गया था।
- **स्वाइन फ्लू के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगना और थकान शामिल हैं।**

विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- DTE)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जारी 74वीं विश्व स्वास्थ्य सभा ने 30 जनवरी को '**विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग' (NTD) दिवस** के रूप में घोषित किया।
- इस दिवस को पहचान देने का प्रस्ताव का विचार संयुक्त अरब अमीरात ने दिया था।

- अनौपचारिक रूप से 2020 में पहला विश्व NTD दिवस मनाया गया था।

संबंधित सूचना

- भारत ने हाल में दूसरे वार्षिक विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) दिवस पर उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग से मुकाबला करने के लिए एकता के चिन्ह के रूप में **लाइट अप कुतुबमीनार** के द्वारा विश्व से अपने को जोड़ा।

क्यों कुछ उष्णकटिबंधीय रोग "उपेक्षित" कहलाते हैं?

- इन रोगों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले लोग अक्सर सबसे गरीब जनसंख्या होती है जो दूरस्थ, ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी मलिन बस्तियों अथवा संघर्ष वाले क्षेत्रों में निवास करते हैं।
- उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग गरीबी की परिस्थितियों में पलते हैं और विकासशील विश्व में गरीब जनसंख्याओं में लगभग विशेष रूप से केंद्रित होते हैं।
- मजबूत राजनीतिक आवज की कमी होने की वजह से, इन उष्णकटिबंधीय रोगों से प्रभावित लोग का स्तर और दर्जा स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में नीचे होता है।
- विश्वसनीय सांख्यिकीय की कमी और रोगों के कठिन उच्चारण वाले नामों की वजह से इन्हें कुहासे से बाहर लाने के प्रयास बाधित हुए हैं।
- इन रोगों में शामिल हैं डेंगू, रेबीज़, अंधता कुकरे, बुरुली अल्सर, कालाजार, कोढ़ (हेन्सन रोग), चागास रोग, मानव अफ्रीकी ट्राईपैनोसोमियासिस (सोने की बीमारी), लीशमैनिआसिस, सिस्टीसेर्कोसिस, ड्रैकुनकुलियासिस (गिनी कृमि रोग), इचीनोकोक्कोसिस, खाद्य से पैदा होने वाला ट्रेमाटोड संक्रमण, लिम्फेटिक फाइलेरिया, ओन्चोसेरसियासिस (रिवर अंधता), स्चीस्टोसोमियासिस (बिल्हारजियासिस), मिट्टी से संप्रेषित होने वाला हेल्मिन्थियासेस (आंत के कृमि)।

लाखों लोगों की मृत्यु का कारण

- उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग 1 अरब से ज्यादा लोगों को प्रभावित करते हैं, जिसमें मूल रूप से उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय मौसमों में रहने वाली गरीब जनसंख्याएं शामिल हैं।

होने का कारण

- ये संक्रमण असुरक्षित जल, खराब आवासीय परिस्थितियों और खराब स्वच्छता की वजह से होता है।

NTDs पर लंदन घोषणा:

- इसे 30 जनवरी, 2012 को NTDs के वैश्विक भार को मान्यता देने के लिए अपनाया गया था।

भारत और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

- भारत में इन प्रमुख उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों में से कम से कम 11 का दुनिया का सबसे बड़ा संपूर्ण भार है जिसमें डेंगू, हुककृमि रोग और रेबीज़ शामिल हैं।
- यह रोग अपंग, कुरूप यहां तक कि प्रभावित करने वाले के लिए घातक भी हैं।
- भारत ने सफलतापूर्वक कुछ संक्रामक रोगों का उन्मूलन किया है- जैसे कि गिनी कृमि, कुकरे और कालाजार- हाल के वर्षों में।

भारत में उपेक्षित रोग अनुसंधान पर हाल की नीतियां

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (2017)** एक महत्वाकांक्षा का निर्धारण करती है जिसमें स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करना और यह सुनिश्चित करना कि सबसे ज्यादा जरूरतमंद लोगों के लिए नई औषधियां वहनीय हों, शामिल हैं। लेकिन यह विशेष रूप से उपेक्षित रोगों से निपटती है।
- **विरल रोगों के उपचार पर राष्ट्रीय नीति (2018)** में संक्रामक उष्णकटिबंधीय रोग शामिल हैं और यह विरल रोगों के लिए उपचारों पर अनुसंधान समर्थन की जरूरत की पहचान करता है।
- इसने रोगों और अनुसंधान वित्त पोषण के क्षेत्रों का प्राथमिकीकरण नहीं किया है अथवा यह तय नहीं किया है कि नवाचार को कैसे समर्थन दिया जाएगा।
- **प्रारूप राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल नीति (2017)** कहती है कि इसका एक उद्देश्य नवाचारी औषधियों के विकास और उत्पादन के लिए सक्षम वातावरण का निर्माण करना है, लेकिन यह नीति उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए औषधियों का उल्लेख नहीं करती है।
- **राष्ट्रीय बायोतकनीक विकास योजना (2015-2020)** रोटावायरस, हैजा, टायफाइड, रेबीज़ (मानव डीएनए आधारित), मलेरिया, डेंगू, क्षयरोग और जापानी इंसेफलाइटिस के खिलाफ टीकों के प्रीक्लीनिकल और क्लीनिकल विकास को प्रोत्साहित करना चाहती है।

BIS SDO पहचान योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय रेलवे का RDSO (अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन) पहला संस्थान बन गया जिसे “एक देश एक मानक” मिशन के अंतर्गत SDO घोषित कर दिया गया।

BIS SDO पहचान योजना के बारे में

- भारत सरकार के “एक देश एक मानक” स्वप्न को हासिल करने के लिए, भारतीय मानक ब्यूरो (BIS), जो राष्ट्रीय मानक निकाय है, ने एक योजना की शुरुआत की है जो SDO की पहचान को उपलब्ध कराता है।
- इसका लक्ष्य अपने विशेष क्षेत्रों में मानक विकास में लगे देश के विभिन्न संगठनों के साथ उपलब्ध समर्पित डोमेन विशेष विशेषज्ञता और वर्तमान क्षमताओं का एकीकरण करना है। साथ ही यह देश में सभी मानक विकास गतिविधियों के संमिलन को सक्षम बनाता है।
- इस पहल से तकनीक और नवाचार के विकास के चरण से तीव्र संक्रमण होगा और चीजें वास्तविक प्रयोग के धरातल पर नजर आएंगी।

अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन के बारे में जानकारी

- यह रेलव मंत्रालय का एकमात्र अनुसंधान एवं विकास स्कंध है और भारत का अग्रणी मानकों में से एक है जो रेलवे क्षेत्र के लिए मानकीकरण कार्य को करने वाला निकाय है।
- यह लखनऊ में स्थित है।

विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्यः प्रवृत्तियां 2021 रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने हाल में **विश्व रोजगार और सामाजिक परिदृश्यः प्रवृत्तियां 2021 रिपोर्ट** जारी की है।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

वैश्विक बेरोजगारी

- 2022 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5.7% रहेगी जिससे पूरे विश्व में लगभग 205 मिलियन बेरोजगार लोग होंगे, जो 2019 में 187 मिलियन के कोविड पूर्व संख्या से ऊंचा रहेगा।
- इसके आगे, 2019 की तुलना में, पूरे विश्व में अतिरिक्त 108 मिलियन श्रमिक को अब गरीब और अत्यंत गरीब के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है जिसका अर्थ है कार्यकारी गरीबी को हटाने की ओर पांच वर्ष की प्रगति बेकार चली गई है जिससे **2030 तक गरीबी उन्मूलन का संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य और दूर हो गया है।**
- रोजगार वृद्धि कम से कम 2023 तक हुई नुकसान की भरपाई करने में असफल रहेगी।
- रिपोर्ट का अनुमान है 2021 में वैश्विक संकट से प्रेरित नौकरी अंतराल 2022 में 23 मिलियन तक गिरने के पहले 75 मिलियन तक पहुँच जाएगा।

कार्यकारी घंटों में अंतराल

- कार्यकारी घंटों में संबंधित अंतराल, जिसमें नौकरी अंतराल और घटे हुए घंटे शामिल हैं, 2021 में 100 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर हो जाएगा और 2022 में 26 मिलियन पूर्ण नौकरियों के बराबर हो जाएगा।
- आगे, वैश्विक युवा रोजगार 2020 में वयस्कों के 3.7% की तुलना में 8.7% गिरा, जिसमें सबसे ज्यादा दिखाई देने वाली गिरावट मध्यम आय देशों में हुई।
- इस देरी और बाधा के परिणाम वर्षों तक युवा लोगों के पूर्व श्रम बाजार अनुभव में नजर आ सकते हैं।

बीज मिनीकिट कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत - PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों को दालों और तिलहनों के बीजों की उच्च उपज वाली किस्मों का वितरण करके बीज मिनीकिट कार्यक्रम की शुरुआत की।

बीज मिनीकिट कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- मिनीकिट्स मुफ्त में प्रदान की जानी हैं जिसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत सीधे किसानों को दिया जाएगा।
- मिनीकिट्स केंद्रीय एजेंसियों राष्ट्रीय बीज निगम (NCS), NAFED और गुजरात राज्य बीज निगम द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं और इसका पूरी तरह से वित्त पोषण केंद्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के रास्ते किया जा रहा है।
- यह क्षेत्रों में बीजों की नई किस्मों को उतारने का एक प्रमुख उपकरण है और बीज विस्थापन दर को बढ़ाने में सहायक है।

तिलहन उत्पादन में प्रवृत्ति

- तिलहन उत्पादन 2014-15 के 27.51 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 36.57 मिलियन टन हो गया है।

- दालों का उत्पादन 2014-15 के 17.15 मिलियन टन से बढ़कर 2020-21 में 25.36 मिलियन टन हो गया है।
- भारत अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए दालों और तिलहनों का आयात करता है।

संबंधित सूचना

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के बारे में जानकारी

- यह एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) को 2007-08 में लागू किया गया था।

उद्देश्य

निम्न के द्वारा चावल, गेंहूँ और दालों का उत्पादन बढ़ाना

- क्षेत्र विस्तार और उत्पादकता में उन्नति,
- मृदा प्रजननता और उत्पादकता को बहाल करना
- रोजगार अवसरों को पैदा करना
- खेती स्तर की अर्थव्यवस्था को उन्नत करना

NFSM के अंतर्गत 2014-15 से मिशन में मोटे अनाजों को भी शामिल कर लिया गया।

NFSM के प्रमुख घटक

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – चावल (NFSM-चावल)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन –गेहूँ (NFSM-गेहूँ)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – दालें (NFSM-दालें)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – मोटे अनाज (NFSM- मोटे अनाज)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – पोषक अनाज (NFSM- पोषक अनाज)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – व्यावसायिक फसलें (NFSM- व्यावसायिक फसलें)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – तिलहन और तेलपाम (NFSM-तिलहन)
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – बीज गांव कार्यक्रम

- NFSM 12वीं के दौरान जारी रहा जिसका लक्ष्य 25 मिलियन टन खाद्यान्नों का अतिरिक्त उत्पादन था।

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा नवाचार के लिए वैश्विक पहल शुरू की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- भारत ने हाल में चिली द्वारा आयोजित निवल शून्य शिखर सम्मेलन में नवाचार स्वच्छ टेक एक्सचेंज मिशन की शुरुआत की।
- भारत ने 23 सरकारों के साथ सामूहिक रूप से साहसी नई योजनाओं की शुरुआत की जिसका उद्देश्य कार्रवाई को करना और स्वच्छ ऊर्जा शोध, विकास और प्रदर्शन में वैश्विक निवेश को संचालित करने में एक दशक के नवाचार का नेतृत्व करना है।

मिशन नवाचार स्वच्छ टेक एक्सचेंज के बारे में जानकारी

- यह एक वैश्विक पहल है जो सदस्य देशों के मध्य इन्क्यूबेटरों के एक नेटवर्क का सृजन करेगा जिससे स्वच्छ ऊर्जा नवाचार को तीव्र किया जा सके।
- यह विशेषज्ञता और बाजार अंतर्दृष्टि तक पहुँच को उपलब्ध कराएगा जिसकी जरूरत वैश्विक रूप से नए बाजार तक पहुँच में नई तकनीकों को समर्थन देने के लिए है।

लक्ष्य

- इसका लक्ष्य इस दशक में स्वच्छ ऊर्जा को प्रशंसनीय, आकर्षक और पहुँच वाली बनाना है, जिससे पेरिस समझौते और निवल शून्य मार्ग की ओर कार्रवाई को तीव्र किया जा सके।

मिशन नवाचार 2.0 के बारे में जानकारी

- मिशन नवाचार 2.0 का लागू किया जाना नवंबर में UK के ग्लासगो में COP26 मौसम सम्मेलन की तैयारी में एक प्रमुख मील का पत्थर है।
- मिशन नवाचार 2.0 वैश्विक मिशन नवाचार पहल का दूसरा चरण है, जिसे 2015 के UN मौसम सम्मेलन के दौरान पेरिस समझौते के साथ लागू किया गया था।
- इसके सदस्य, सामूहिक रूप से स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में वैश्विक सार्वजनिक निवेश के 90 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं- वे विश्व की सबसे मुश्किल मौसम चुनौतियों से पार पाने के लिए जरूरी तकनीकों को देने के लिए निवेश और सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- 2015 से, मिशन नवाचार सदस्य सरकारों ने स्वच्छ ऊर्जा नवाचार निवेश कुल $18 अरब संचयी तक बढ़ा दिया है।
- दो डिग्री सेल्सियस से कहीं नीचे वैश्विक उष्णता के पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए, जो औद्योगीकरण पूर्व स्तर की तुलना में है, इस दशक में ऊर्जा नवाचार में बड़ी छलांग की जरूरत है।

लिटोरिया मिरा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय के नेतृत्व वाले एक शोध दल ने न्यूगिनी में एक नई मेंढक प्रजाति लिटोरिया मिरा की खोज की है।

लिटोरिया मिरा के बारे में जानकारी

- इसे चाकलेट मेंढक भी कहते हैं।
- इस मेंढक को पहली बार 2016 में न्यूगिनी के वर्षावन दलदल में खोजा गया था।

विशेषताएं:

- लिटोरिया मिरा को अन्य लिटोरिया से अलग किया जा सकता है।

- इसका मध्यम बड़ा आकार, हाथ में जाली, सापेक्षिक रूप से छोटे और मजबूत पैर और आंखों के कोनों की त्वचा पर छोटा बैंगनी धब्बा होता है।

IFFCO ने विश्व के पहले नैनो द्रव यूरिया को बाजार में उतारा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय किसान खाद सहकारी लिमिटेड (IFFCO) ने नैनो यूरिया द्रव को बाजार में उतारा है।

नैनो यूरिया द्रव के बारे में जानकारी

- यह एक पोषक तत्व है जो पारंपरिक यूरिया के विकल्प के तौर पर पौधों को नाइट्रोजन उपलब्ध कराती है।
- इसे पारंपरिक यूरिया को विस्थापित करने के लिए विकसित किया गया है और यह इसकी जरूरत को कम से कम 50% तक कम कर सकती है।
- इसकी 500 मिली. बोतल में 40,000 पीपीएम नाइट्रोजन होता है जो पारंपरिक यूरिया के एक बैग द्वारा उपलब्ध कराए गए नाइट्रोजन पोषक तत्व के प्रभाव के बराबर होता है।

प्रभावीपन

- पारंपरिक यूरिया पौधों को नाइट्रोजन देने में 30-40 प्रतिशत तक प्रभावी है जबकि नैनो यूरिया द्रव का प्रभावीपन 80 प्रतिशत से ऊपर है।

महत्व

- भारत अपनी यूरिया जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातों पर निर्भर है।
- 2019-20 के दौरान, यूरिया का उत्पादन उपभोग आयतन 336 लाख मीट्रिक टन की तुलना में मात्र 244.55 LMT ही था जिससे 91 LMT की कमी आ गई।
- इस अंतराल को भरने के लिए 2019-20 में देश ने 91.99 LMT यूरिया खाद का आयात किया।

पैनबायो कोविड-19 एंटीजेन परीक्षण उपकरण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने हाल में दूसरी घर आधारित रैपिड एंटीजेन परीक्षण किट को स्वीकृति दी है।
- ICMR ने पूर्व में कोविसेल्फ परीक्षण किट को स्वीकृति दी थी जिसे पूणे आधारित माईलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस ने विकसित किया था।

पैनबायो कोविड-19 एंटीजेन परीक्षण उपकरण के बारे में जानकारी

- इसे शिकागो आधारित एबॉट रैपिड डाइग्नॉस्टिक्स ने विकसित किया है।
- यह स्वतः प्रयोग वाली किट है।
- इसे 5 जुलाई तक अंतरिम स्वीकृति दी गई है और किट का मूल्य इसके बाद कंपनी द्वारा घोषित किया जाएगा।

ब्लैक कार्बन पर मजबूत नीतियां हिमनद गलने को तेजी से कम कर सकती हैं: विश्व बैंक अध्ययन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- विश्व बैंक (WB) विशेषज्ञों के एक अध्ययन के अनुसार, ब्लैक कार्बन जमाव जो मानव गतिविधियों से उत्पन्न होते हैं जिससे हिमनद के गलने की गति बढ़ जाती है और हिमालय क्षेत्र में बर्फ पिघल जाती है, को नई, वर्तमान की व्यवहार्य नीतियों से वर्तमान स्तरों से अतिरिक्त 50% तक तेजी से कम किया जा सकता है।

प्रमुख खास बातें

- यह अनुसंधान हिमालय, कराकोरम और हिंदुकुश (HKHK) पर्वत श्रृंखलाओं को कवर करता है जहां रिपोर्ट कहती है, हिमनद वैश्विक औसत बर्फ द्रव्यमान की तुलना में तेजी से गल रहे हैं।
- HKHK हिमनदों के गलने की दर पश्चिम में प्रतिवर्ष 0.3 मीटर से लेकर पूर्व में प्रतिवर्ष 1.0 मीटर प्रतिवर्ष अनुमानित है।
- उद्योग (मूल रूप से ईंट के भट्ठे) ठोस ईंधन का जलना आपस में मिलकर क्षेत्रीय मानवजनित BC जमाव के 45-66% के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके बाद क्षेत्र में सड़क पर डीजल ईंधन (7-18%) और खुली आग (सभी मौसमों में 3% से कम) का स्थान है।

ब्लैक कार्बन में कटौती के लिए वर्तमान नीति

- BC उत्सर्जनों में कटौती के लिए कुछ वर्तमान नीति उपाय निम्न हैं
    a. वाहनों के लिए ईंधन सामर्थ्य को उन्नत करना
    b. डीजल वाहनों को हटाकर बिजली के वाहनों को प्रोत्साहित करना
    c. स्वच्छ कुकस्टोव कार्यक्रमों के द्वारा खाना पकाने के लिए द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस के प्रयोग,
    d. ईंट के भट्ठे की तकनीकों को उन्नत करना
- लेकिन, वर्तमान के सभी उपायों के साथ, हिमनद के गलने से निकलने वाले जल के आयतन में 2040 तक वृद्धि की संभावना है, जिससे अनुप्रवाह गतिविधियों और समुदायों पर प्रभाव पड़ेगा।
- BC के शमन की वर्तमान नीतियों के पूर्ण क्रियान्वयन से 23% कटौती हो सकती है लेकिन देशों के बीच में क्षेत्रीय सहयोग के द्वारा नई नीतियों को बनाने और शामिल करने से उन्नत लाभ हासिल हो सकते हैं।

ब्लैक कार्बन के बारे में जानकारी

- कई जुड़े रूपों में ब्लैक कार्बन शुद्ध कार्बन से बना होता है।

- यह जीवाश्म ईंधनों, बायो ईंधन और बायोमास के अपूर्ण ज्वलन से बनता है और दोनों ही मानवजनित और प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाली कालिख में उत्सर्जित होता है।
- यह एक लघु अवधि का प्रदूषक है जो कार्बन डाईऑक्साईड के बाद ग्रह को गर्म करने के मामले में दूसरे स्थान पर है।
- अन्य ग्रीनहाउस उत्सर्जनों के विपरीत, BC जल्दी से धुल जाता है और उत्सर्जनों के रुकने पर वायुमंडल से हटाया जा सकता है।
- यह ज्यादा स्थानीय प्रभाव के साथ एक स्थानीयकृत स्रोत है।

BC के हानिकारक प्रभाव:

- ब्लैक कार्बन (BC) एक ऐसा प्रदूषक है जो श्वसन बीमारियों के लिए जाना जाता है।
- क्योंकि BC कण मजबूती के साथ सौर और भूक्षेत्रीय विकिरण का अवशोषण करते हैं और वायुमंडल को गर्म कर देते हैं यह मानसून प्रणाली को गड़बड़ा सकता है।
- यदि बर्फ पर जमाव हो, यह बर्फ के गर्माने को तीव्र कर सकता है और हिमनदों के गलने को बढ़ा देता है।

US ने डिजिटल करों पर छह देशों पर शुल्कों को लगाकर निलंबित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द न्यूयॉर्क टाइम्स)

खबरों में क्या है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार ने हाल में भारत, ऑस्ट्रिया, इटली, स्पेन, तुर्की और यूनाईटेड किंगडम पर छह महीनों के लिए दंडात्मक शुल्कों के आगे निलंबन की घोषणा कर दी जबकि वह OCED और G20 के बीच में चल रही बहुपक्षीय बातचीत के मध्य डिजिटल सेवा कर जांच को सुलझाना का प्रयास कर रहा है।
- छह देशों से कुछ वस्तुओं पर शुल्कों का आरोपण उस समय किया गया जब इन देशों ने फेसबुक, अमेजॉन और गूगल जैसे कंपनियों को दी जाने वाली डिजिटल सेवाओं पर करारोपण किया।

खबरों में और भी है

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्पादों की एक सूची को अंतिम रूप दिया है जिसपर शुल्कों का आरोपण किया जाएगा लेकिन तुरंत 180 दिनों के लिए करों को निलंबित कर दिया जबकि अंतरराष्ट्रीय कर बातचीत चल रही थी।
- प्रशासन की घोषणा के अंतर्गत, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, भारत, इटली, स्पेन और तुर्की से $2.1 अरब की वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।
- ट्रंप प्रशासन ने जून 2020 में उन देशों की डिजिटल सेवा करों की जांच आरंभ की थी और बाइडेन प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए एक वर्ष की समयसीमा मिली।

- यह घोषणा उस समय हुई है जब पूरे विश्व में देश अंतरराष्ट्रीय कर मुद्दों पर किसी समझौते तक पहुँचने का प्रयास कर रहे हैं।
- ये बातचीत आर्थिक सहयोग और विकास संगठन के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

डिजिटल सेवा काररोपण के संबंध में US जांच क्या है?

- US ने देशों तक आरोपित डिजिटल सेवा करों में एक वर्ष लंबी जांच को किया है, जिसमें उसने कहा कि वे तकनीकी कंपनियों जैसे एप्पल, अमेजॉन, गूगल और फेसबुक के खिलाफ हैं।
- यह जांच जून 2020 और जनवरी 2021 में शुरू हुई थी, जांचों के बाद USTR ने निर्धारित किया कि ऑस्ट्रिया, भारत, इटली, स्पेन, तुर्की और यूनाईटेड किंगडम द्वारा अपनाए डिजिटल सेवा कर US डिजिटल कंपनियों के खिलाफ भेदभाव करते हैं और अंतरराष्ट्रीय करारोपण के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और US कंपनियों पर बोझ हैं।

भारत के खिलाफ क्या मामला है?

- भारत के मामले में, USTR की प्रस्तावित कार्रवाई के मार्ग में शामिल हैं व्यापार के कुल स्तर पर 25 मूल्यवर्धित तक अतिरिक्त शुल्क जो भारत में वस्तुओं पर शुल्कों को एकत्रित करेंगे। यह DST की धनराशि की सीमा में है जिसे भारत द्वारा US कंपनियों से एकत्रित करने की संभावना है।
- उत्पादों की प्रारंभिक सूची में वस्तुओं की 26 श्रेणियां शामिल हैं जिनपर अतिरिक्त शुल्क लगेगा।
- इसमें शामिल हैं झींगा, बासमती चावल, सिगरेट पेपर, प्रसंस्कृत मोती, अर्ध कीमती रत्न, चांदी का पाउडर और आभूषणों की चांदी की वस्तुएं, स्वर्ण मिश्रित नेकलेस और गले की चेन और बेन्टवुड के कुछ फर्नीचर।

भारत में डिजिटल सेवा कर क्या हैं?

- हाल में सरकार ने वित्त विधेयक 2020-21 में रु. 2 करोड़ से ऊपर टर्नओवर वाले गैर निवासी ई-कॉमर्स ऑपरेटरों पर व्यापार और सेवा पर 2 प्रतिशत का डिजिटल सेवा कर आरोपित कर दिया। इससे समानीकरण कर के दायरे का प्रभावी रूप से विस्तार हो गया, यह पिछले वर्ष के लिए था, जो केवल डिजिटल विज्ञापन सेवाओं पर लागू हुआ।
- नया कर जो पिछले वर्ष अप्रैल से लागू हुई, ने गैर निवासी ई-कॉमर्स आपरेटरों की समानीकरण कर के दायरे को विस्तारित कर दिया। ये ऑपरेटर वस्तुओं की ऑनलाइन बिक्री और सेवा के प्रावधान सहित सेवा की आपूर्ति में शामिल हैं।
- ई-कॉमर्स ऑपरेटर प्रत्येक तिमाही के अंत में कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं। USTR से अनुमान बताते हैं कि भारत को US आधारित कंपनी समूहों द्वारा DST भुगतान का मूल्य प्रतिवर्ष लगभग $55 मिलियन तक होगा।

टसखीर-ए-जबालः सैन्य अभ्यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में पाकिस्तान सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में "**टसखीर-ए-जबाल"** सैन्य अभ्यास का अवलोकन किया।

टसखीर-ए-जबाल के बारे में जानकारी

- टसखीर-ए-जबाल अभ्यास का लक्ष्य निर्माणों की प्रचलनात्मक तैयारी को उन्नत करना, प्रचलनात्मक चक्र के अंतर्गत विभिन्न आपातकालीन स्थितियों के दौरान रक्षात्मक और आक्रमक कार्यों को घेरना है।
- सेनाएं और इकाईयां जो अभ्यास में भाग ले रहे हैं पर्वतीय क्षेत्रों में विभिन्न रक्षात्मक और आक्रमक कार्रवाईयों का अभ्यास करेंगे।

चीन ने सफलतापूर्वक नई पीढ़ी के मौसम विज्ञान उपग्रह का प्रक्षेपण किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- चीन ने सफलतापूर्वक अपनी नई पीढ़ी के मौसम विज्ञान उपग्रह फेंगयुन-4बी (FY-4B) को नियोजित कक्षा में प्रक्षेपित किया है।

फेंगयुन-4बी **(FY-4B) उपग्रह के बारे में जानकारी**

- उपग्रह फेंगयुन-4बी (FY-4B) को लांग मार्च-3बी रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया।
- इसे मौसम विश्लेषण और भविष्यवाणी, पर्यावरणीय और आपदा निगरानी के क्षेत्रों में प्रयोग किया जाएगा।
- नया उपग्रह चीन की लघु और मध्यम आकार के आपदा घटनाओं की प्रतियुत्तर क्षमता और पर्यवेक्षण को और भी मजबूत करेगा और कई क्षेत्रों के लिए सूचना सुरक्षा सेवाओं को उपलब्ध कराएगा जिसमें मौसम विज्ञान, कृषीय, उड्डयन, समुद्री और पर्यावरणीय सुरक्षा शामिल हैं।

पर्यवेक्षण सीमा

- इसकी पर्यवेक्षण सीमा एशिया, मध्य प्रशांत महासागर और हिंद महासागर क्षेत्रों को कवर करती है, जिससे यह नेटवर्क चीन की आपदा मौसम सटीकता की भविष्यवाणी को काफी ज्यादा सुधारेगा जिसमें टाइफून और तूफान शामिल हैं।
- यह तीव्र इमेजर, से लैस है जिससे भूस्थैतिक कक्षा से 250 मीटर पृथ्थकरण मापन में सुधार होगा और यह पृथ्वी के स्कैन चित्रांकन को तीव्र कर देगा।

विद्यालय शिक्षा पर प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, शिक्षा मंत्रालय ने 2019-20 के लिए प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक जारी किया है।

2019-20 के लिए प्रदर्शन श्रेणीकरण सूचकांक के बारे में जानकारी

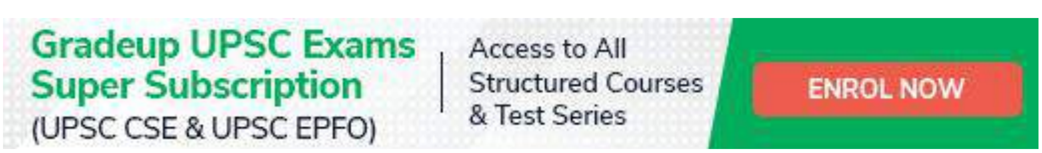

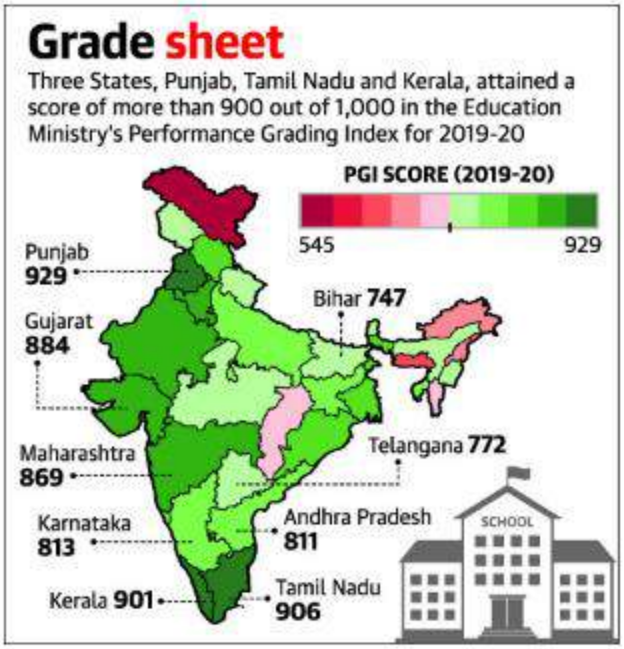

- यह सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों द्वारा शिक्षण परिणामों, पहुँच और इक्विटी, अवसंरचना और सुविधाओं, और शासन और प्रबंधन प्रक्रियाओं के संबंध में की गई प्रगति की निगरानी करता है।
- यह इस सूचकांक का तीसरा संस्करण है और प्रगति के मापन के लिए 70 संसूचकों का प्रयोग करता है।
- इनमें से, 16 संसूचक जो शिक्षण परिणामों से संबंधित हैं तीनों संस्करणों में अपरिवर्तित रहे हैं, क्योंकि वे 2017 राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) के आंकड़ों पर आधारित हैं, जिन्होंने कक्षा 3, 5, 8 और 10 में छात्रों का परीक्षण किया है।
- अगला NAS 2020 में होना तय था, लेकिन महामारी की वजह से उसे आगे बढ़ा दिया गया।
- बाकी बचे मानदंड केंद्रीय डाटाबेस का प्रयोग करते हैं जो विद्यालय और जिला स्तर से सूचना का मिलान करते हैं।

विधि

- PGI को दो श्रेणियों में संरचित किया गया है, जिनके नाम हैं,
    a. परिणाम
    b. शासन एवं प्रबंधन

- संसूचकों पर सूचना DoSEL के साथ उपलब्ध डाटा से ली गई है जिसे शिक्षा (UDISE), NCERT के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, मध्यान्ह भोजन वेबसाइट, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (PFMS) के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली से लिया गया है। इस सूचना को DoSEL के शगुन पोर्टल पर राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों द्वारा अपलोड किया गया है।
- **इसमें 1000 के कुल भारांश के साथ कुल 70 संसूचक शामिल हैं।**
- PGI के अंतर्गत कुल भारांश 100 बिंदु का है जिसमें प्रत्येक 70 संसूचकों को 10 अथवा 20 बिंदु दिए गए हैं।
- राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को प्रत्येक संसूचक के लिए बेंचमार्क के विरुद्ध उनके प्रदर्शन के आधार पर आकलित किया गया है।
- प्रत्येक संसूचक के खिलाफ भारांश को 10 समूहों- 0, 1-10, 11-20 और इसी तरह से आगे 91-100 में विभाजित किया गया है।
- इसलिए, एक राज्य जिसने एक संसूचक के बेंचमार्क का 91% तक हासिल कर लिया है, को अधिकतम बिंदु (10 या 20 जो भी विशेष संसूचक के लिए लागू होता हो) मिलेंगे।
- लेकिन, कुछ संसूचकों के मामले में, निचला मान ऊंचा भारांश स्कोर करेगा उदाहरण के लिए, इक्विटी संसूचक, कोषों को जारी करने के लिए लिया गया समय और एकल अध्यापक विद्यालय।

<u>रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम</u>

- पंजाब, तमिलनाडु और केरल तीनों ने 90% से ज्यादा स्कोर हासिल किया।

बड़ी छलांग

- **पंजाब** ने संभव 1000 में से लगभग 929 का सबसे ऊंचा स्कोर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 769 से ऊंची छलांग दर्शाती है।
- इस राज्य ने इक्विटी, अवसंरचना और शासन के संदर्भ में चार्ट में सर्वोच्च स्थान हासिल किया और पहुँच के क्षेत्र में केरल के साथ सर्वोच्च स्थान हासिल किया।
- पंजाब ने केंद्र शासित क्षेत्र चंडीगढ़ को पीछे छोड़ दिया जिसने सूचकांक के पिछले संस्करणों में सर्वोच्च स्थान हासिल किया था, लेकिन अब 912 के स्कोर के साथ दूसरा स्थान पर पहुँच चुका है।

- तमिलनाडु भी 906 के स्कोर के साथ केरल से आगे निकल गया, जिसका प्रमुख कारण राज्य का शैक्षिक शासन और प्रबंधन में सुधार होना है, साथ ही अवसंरचना और सुविधाओं के संदर्भ में भी सुधार हुआ है।

गुजरात का प्रदर्शन

- गुजरात, जिसके पूर्व के संस्करण में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था, आठवें स्थान पर फिसल गया।
- यह पहुँच के प्रमुख स्थान में पिछड़ गया, जो विद्यालय में छात्रों के नामांकन का मापन करता है। साथ ही यह बाहर निकलने से रोकने की क्षमता साथ ही विद्यालय के बाहर के छात्रों के साथ मिलान पर भी निर्भर करता है।
- इसकी अन्य क्षेत्रों में प्रगति भी अन्य राज्यों के साथ तालमेल न रख पाई।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन

- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने अपने स्कोरों में काफी गिरावट देखी है जिससे इन दोनों राज्यों का अपने पूर्व के संस्करण से भी सर्वांगीण खराब प्रदर्शन रहा है।

नोट:

- नए केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख को इस संस्करण में पहली बार अलग से शामिल किया गया, और इसका सबसे कम स्कोर मात्र 545 था।

कोवैक्सीन से ज्यादा प्रतिपिंड कोविशील्ड से बने: अध्ययन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत में स्वास्थ्यकर्मियों की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कोविशील्ड की दो खुराकों ने कोवैक्सीन की अपेक्षा ज्यादा प्रतिपिंड पैदा किए, लेकिन बाद वाली खुराक को लेने के बाद संक्रामण के कम मामले दर्ज हुए।

अध्ययन के प्रमुख परिणाम

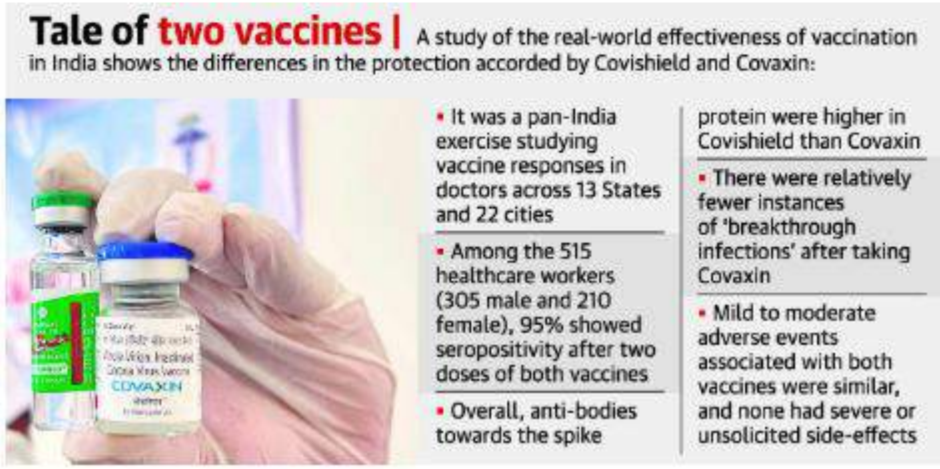

- अध्ययन दर्शाता है कि भागीदारों में से कोई बीमार नहीं हुआ जोकि सभी चिकित्सक थे और जिन्हें टीके की दोनों खुराकें दी गईं और टीकाकरण सारिणी के विभिन्न बिंदुओं पर केवल लगभग 6% लोग ही पॉजीटिव पाए गए।
- जबकि दोनों ही टीके सुरक्षात्मक थे, टीके की एकल खुराक द्वारा दी गई सुरक्षा में अंतर था।
- कोविडशील्ड की एक खुराक से कोवैक्सीन की तुलना में 10 गुना ज्यादा प्रतिपिंड उत्पन्न हुए जबकि दूसरी खुराक ने कुछ अंतराल कम कर दिया। इस बार कोविशील्ड ने कोवैक्सीन की अपेक्षा छह गुना ज्यादा प्रतिपिंड बनाए।
- कमी की वजह से, लोगों के लिए एक खुराक लेना आसान है- यह देखते हुए कि कोविशील्ड के लिए अनुशंसित अंतराल 12 सप्ताह तक बढ़ा दिया गया है।

भारत की पर्यावरण रिपोर्ट स्थिति 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- **भारत की पर्यावरण रिपोर्ट स्थिति 2021 के अनुसार**, पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रैंक दो स्थान नीचे आ गई है, 17 सतत विकास लक्ष्यों **(SDGs)** पर पिछले वर्ष के 117वीं स्थिति से।

रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम

- भारत चार दक्षिण एशियाई देशों के नीचे है- भूटान, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश।
- **2020 में, भारत का 17 सतत विकास लक्ष्यों** (SDGs) **पर 115 स्थान था।**
- भारत का सर्वांगीण SDG स्कोर 100 में से 61.9 है।

रैंकिंग गिरने के कारण

- भारत की पर्यावरण की रिपोर्ट स्थिति 2021 खुलासा करती है कि भारत की पिछले वर्ष रैंक 115 थी और दो स्थान मूल रूप से इसलिए गिरी क्योंकि प्रमुख चुनौतियां जैसे भुखमरी समाप्त करना और खाद्य सुरक्षा हासिल करना (SDG 2), लैंगिक समानता हासिल करना (SDG 5) और लोचनीय अवसंरचना का निर्माण करना, समावेशी और सतत औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित करना और नवाचार को बढ़ावा देना (SDG 9) में देश पिछड़ गया है।

अन्य परिणाम

- पर्यावरणीय प्रदर्शन सूचकांक (EPI) के संदर्भ में भारत 180 में 168वें स्थान पर है जिसकी गणना विभिन्न संसूचकों के आधार पर करते हैं, जिसमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य, मौसम, वायु प्रदूषण, स्वच्छता और पेयजल, पारितंत्र प्रणाली सेवाएं, जैवविविधता इत्यादि शामिल हैं।
- **भारत की रैंक पर्यावरणीय स्वास्थ्य श्रेणी में 172वीं थी**, जो इस बात का संसूचक हैं कि कैसे देश पर्यावरणीय स्वास्थ्य जोखिमों से अपनी जनसंख्या को अच्छी तरह से बचा रहे हैं।
- येल विश्वविद्यालय की **EPI** 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का स्थान 148वां रहा जो पाकिस्तान से 21 स्थान नीचे है। यह देश जैवविविधता और आवास की श्रेणी में 127वें स्थान पर है। यह श्रेणी किसी देश के प्राकृतिक पारितंत्र प्रणालियों को बनाए रखने के प्रति कार्यों और अपनी सीमा के अंदर जैवविविधता की संपूर्ण सीमा को सुरक्षित रखने को आकलित करती है।

राज्यवार तैयारी

- झारखंड और बिहार 2030 तक SDGs को पूरा करने के लिए सबसे कम तैयार हैं, जोकि इसका लक्ष्य वर्ष है।
- झारखंड जहां SDGs के पांच श्रेणियों में पीछे है, वहीं बिहार सात में।

सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण स्कोर

- केरल, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ वे राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र हैं जिनका SDGs को हासिल करने के मार्ग में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण स्कोर है।
- सतत विकास के 2030 के एजेंडे को 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने अपनाया था जो ग्रह पर लोगों के लिए शांति और समृदधि के वास्ते अब और भविष्य में एक साझे ब्लूप्रिंट को उपलब्ध कराता है।

<u>सतत विकास लक्ष्यों के बारे में जानकारी</u>

- संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने अपने 70वें सत्र में अगले 15 वर्षों के लिए सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को अपनाया और विचार किया।
- **17 SDGs 1 जनवरी 2016 से प्रभाव में आए।**
- यद्यपि ये कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, SDGs वास्तव में अंतरराष्ट्रीय दायित्व हो गए हैं और इनके अगले पंद्रह वर्षों के दौरान देशों की घरेलू खर्च करने की प्राथमिकताओं को दिशा देने की संभावना है।
- देशों के स्वामित्व ग्रहण करने और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने की संभावना है।
- इनका क्रियान्वयन और सफलता देश के अपनी सतत विकास नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों पर निर्भर करता है।

<u>नया वैरिएंट T478K</u>

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- कोविड-19 मामले, नया कोविड-19 वैरिएंट T478K: यह वैरिएंट उत्तरी अमेरिका के लोगों के मध्य में विशेष रूप से मैक्सिको में फैल रहा है।

- SARS-CoV-2 जीनोम अनुक्रमों के एक मिलियन से ज्यादा के विश्लेषण से **नये वैरिएंट T478K** की खोज हुई।

नए वैरिएंट T478K के बारे में जानकारी

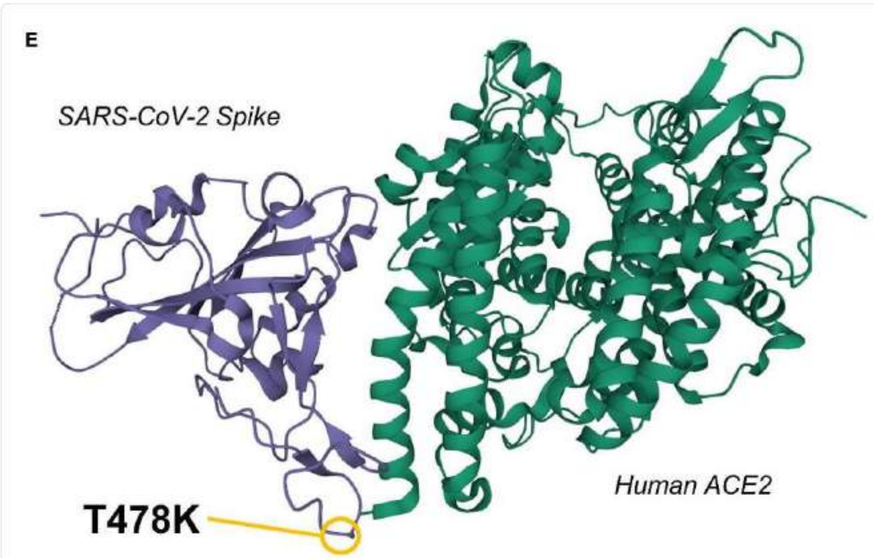

- यह मुख्य रूप से मैक्सिको में फैल रहा है लेकिन यूरोप में भी पाया गया है।
- अन्य स्ट्रेनों की तरह ही, यह स्पाइक प्रोटीन में उत्परिवर्तन को दर्शाता है।
- यह वैरिएंट समान रूप से महिला व पुरुष और सभी आयु वर्गों में फैलता है, इसे अपनी वेबसाइट ने बोलोग्ना विश्वविद्यालय ने बताया है।
- यह वैरिएंट मैक्सिको में कोरोनावायरस के अनुक्रमित किए गए 52.8% का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में यह अनुक्रमित नमूनों के मात्र 2.7% में ही नजर आता है।

रायमोना रिजर्व वन असम का छठवां राष्ट्रीय पार्क बना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, निचले असम में रायमोना रिजर्व वन राज्य का छठवां राष्ट्रीय पार्क बन गया।

रायमोना रिजर्व वन के बारे में जानकारी

- यह असम के कोकराझार जिले में है।
- रायमोना राष्ट्रीय पार्क अधिसूचित रिपु रिजर्व वन के उत्तरी हिस्से के दोनों ओर फैला है, जो मानस बाघ रिजर्व के सबसे धुर पश्चिमी बफर का निर्माण करता है।
- रायमोना फिपसू वन्यजीवन अभ्यारण्य और भूटान में जिग्मे सिंग्मे वांगचुक राष्ट्रीय पार्क (1,999 वर्ग किमी.) के साथ वन की टुकड़ों के निकट स्थान को साझा करता है जिससे 2400 वर्ग किमी. से ज्यादा का एक अंतरसीमा संरक्षण परिदृश्य का निर्माण होता है।

असम में अन्य पांच राष्ट्रीय पार्क

- काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, मानस राष्ट्रीय पार्क, नमेरी राष्ट्रीय पार्क, दिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय पार्क और ओरंग राष्ट्रीय पार्क राज्य में अन्य स्थित राष्ट्रीय पार्क हैं।

संबंधित सूचना

गोल्डेन लंगूर संरक्षण की स्थिति

- IUCN की संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची: संकटग्रस्त
- जंगली प्राणिजात और वनस्पतिजात के संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर संधि (CITES) : परिशिष्ट I
- वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 : अनुसूची I

न्यूनतम वैश्विक कार्पोरेट कर पर G7 समझौता

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, समूह 7 (G7) की उन्नत अर्थव्यवस्थाओं बहुराष्ट्रीय कंपनियों की कर दरों पर एक ऐतिहासिक समझौते पर पहुँच गए। न्यूनतम वैश्विक कर दर कम से कम 15 प्रतिशत होगी।

खबरों में और भी है

- US, UK, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, इटली और जापान के वित्त मंत्रियों द्वारा समझौते से उन देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर करों का मार्ग प्रशस्त हो गया जहां वे संचालित होती हैं, ना कि वहां जहां उनका मुख्यालय है।

क्या निर्णय लिए गए?

- पहला निर्णय जिसकी पुष्टि की गई वह बहुराष्ट्रीय कंपनियों को संचालन के स्थान पर कर भुगतान करने के लिए मजबूर करना है।
- समझौते में दूसरा निर्णय यह है कि एक दूसरे को काटने से बचाने के लिए देश 15% की वैश्विक न्यूनतम कार्पोरेट कर दर लगाएं।

न्यूनतम दर क्यों?

- 15% के फ्लोर दर की पुष्टि का निर्णय पूरे विश्व में निम्न कर अधिकार क्षेत्रों पर युद्ध की घोषणा के बाद लिया गया जिसे US के वित्त मंत्री जेनेट येल्लेन ने घोषित किया था, जिन्होंने दुनिया के उन्नत 20 देशों से आग्रह किया था कि वे अप्रैल में न्यूनतम वैश्विक कार्पोरेट आयकर को अपनाने की दिशा की ओर बढ़ें।

US का प्रस्ताव

- US ने ऊंची 21 प्रतिशत न्यूनतम कार्पोरेट कर दर प्रस्तावित की थी, इसके साथ ही उन देशों से आय पर छूटों को समाप्त करने का प्रस्ताव भी था जो बहुराष्ट्रीय प्रचालनों और विदेशों में लाभों को हस्तांतरित करने को हतोत्साहित करने के लिए न्यूनतम कर का कानून नहीं बना रहे थे।
- 21% से बढ़ाकर 28% की प्रस्तावित बढ़ोत्तरी पूर्व के ट्रंप प्रशासन की 35% से 21% की कर दरों में कटौती के निर्णय को आशिंक रूप से उलट देगी। ट्रंप प्रशासन ने 2017 में कर कानून पारित किया था।
- ज्यादा महत्वपूर्ण है, US प्रस्ताव में शामिल है न्यूनतम कर में वृद्धि जिसे ट्रंप प्रशासन के कर कानून में शामिल किया गया था। यह 10.5% से 21% था- बेंचमार्क न्यूनतम कार्पोरेट कर दर जिसे येल्लेन ने अन्य G20 देशों के लिए प्रस्तावित किया था।

क्रियान्वयन

- प्रमुख विवरणों पर अभी भी चर्चा होना बाकी है, ज्यादा देशों को इस पर हस्ताक्षर करने होंगे।
- इस निर्णय को G20 देशों के सामने रखा जाएगा, जो विकासशील और विकसित देशों का एक समूह है, जो वेनिस में जुलाई में बैठक के दौरान प्रस्तावित है।

अन्य देशों की कर दरें

- चीन और दक्षिण कोरिया प्रत्येक की कर दर 25%, जबकि मलेशिया की 24%, वियतनाम की 20%, थाईलैंड की 20% और सिंगापुर की 17% है।
- प्रभावी कर दर, जिसमें उपकर और अधिभार शामिल हैं, भारतीय घरेलू कंपनियों के लिए लगभग 25.17% है।

भारत कहां खड़ा है?

- निवेश गतिविधि को पुनर्जीवित करने के प्रयास में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने 21 सितंबर, 2019 को घरेलू कंपनियों के लिए कार्पोरेट करों में बड़ी कटौती की घोषणा की थी। यह 22% रह गया और नई घरेलू विनिर्माणकर्ता कंपनियों के लिए यह दर 15% है।
- करारोपण कानून (संशोधन) कानून, 2019 के फलस्वरूप आयकर कानून, 1961 में एक अनुच्छेद (115BAA) शामिल किया गया जिससे कुछ शर्तों के साथ जिसमें शामिल है किसी निर्दिष्ट

प्रोत्साहन राशि अथवा कटौतियों के लिए हुए बिना वर्तमान घरेलू कंपनियों के लिए 22% की छूट वाली कर दर को उपलब्ध करवाया जाएगा।

- साथ ही, छूट वाले करारोपण शासन को अपनाने वाली वर्तमान घरेलू कंपनियों को कोई न्यूनतम वैकल्पिक कर का भुगतान नहीं करना होगा।
- कर विशेषज्ञ इस विचार के हैं कि भारत को वैश्विक न्यूनतम 15% कार्पोरेट कर दर समझौते से लाभ होगा जिसे दुनिया के सबसे धनी राष्ट्रों द्वारा किया जा रहा है। क्योंकि प्रभावी घरेलू कर दर सीमा से ऊपर है और देश निवेश आकर्षित करता रहेगा।
- भारत के लाभांवित होने की संभावना है क्योंकि यह टेक कंपनियों की बड़ी संख्या के लिए एक बड़ा बाजार है।

HLA-DRB1*04:01 : एक जीन जो व्याख्या करती है कि कुछ लोग क्यों बिना लक्षणों वाले होते हैं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक नई रिपोर्ट ने एक अनुवांशिक लिंक के प्रमाण दिया जिससे व्याख्या की जा सकती है कि क्यों कुछ लोग कोविड-19 होने के बावजूद बीमार नहीं होते हैं।
- शोधकर्ताओं ने समान समुदाय से रोगियों को बिना लक्षणों वाले लोगों के साथ तुलना की जिन्होंने गंभीर कोविड विकसित लिया था लेकिन उनको कोई बीमारी नहीं थी।

प्रमुख परिणाम

- जीन जिसे HLA-**DRB1*04:01** के रूप में पहचाना गया है प्रत्यक्ष तौर पर अक्षांश और देशांतर से जुड़ी होने के लिए ज्ञात है।
- जीन, HLA-DRB1*04:01, तीन गुना उन लोगों में पाई जाती है जिन्हें कोई लक्षण नहीं होता है।
- इसका अर्थ है कि उत्तर और पश्चिम यूरोप में ज्यादा लोगों के इस जीन के होने की संभावना है, और यह सुझाव देता है कि यूरोपीय मूल की जनसंख्याएं के ज्यादा लक्षणविहीन रहने की संभावना है। लेकिन ये फिर भी रोग को अन्य जनसंख्याओं में संप्रेषित कर देते हैं, प्रेस रिलीज़ में न्यूकैशल विश्वविद्यालय ने कहा है।
- यह सुझाव देता है कि इस जीन के साथ वाले लोगों में गंभीर कोविड से सुरक्षा का कुछ स्तर है।
- **उन्होंने अगली पीढ़ी के अनुक्रमण का प्रयोग किया जिससे** HLA **कही जाने वाली जींसों की श्रेणी पर केंद्रित हुआ जा सके।**

- टीम भविष्यवाणी करती है लगभग UK में यूरोपीय मूल के पांच में से एक व्यक्ति में यह जीन है।

अवसंरचना और विकास वित्त पोषण के लिए राष्ट्रीय बैंक (NaBFID)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र (अवसंरचना), स्रोत- ET)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, SIDBI ने सरकार की तरफ से एक प्रस्ताव का निवेदन दिया है जिसमें राष्ट्रीय अवसंरचना और विकास वित्त पोषण बैंक (NaBFID) कहलाने वाले विकास वित्त संस्थान को गठित करने में मदद के लिए सलाहकारों से निविदा आमंत्रित की गई हैं।

पृष्ठभूमि

- मार्च 2021 में संसद ने राष्ट्रीय अवसंरचना और विकास वित्त पोषण बैंक (NaBFID) विधेयक 2021 को पारित किया था जिसका उद्देश्य भारत में दीर्घावधि के गैर साधन अवसंरचना वित्त पोषण को समर्थन देना था। इसमें बांडों और अवसंरचना वित्त पोषण के लिए जरूरी व्युत्पन्न बाजारों का विकास शामिल था।

उद्देश्य

- इस कार्य का उद्देश्य एक प्रबंधन सलाहकार का चुनाव करना है जिससे एक अवसंरचना विकास वित्त संस्थान (DFI) के गठन को समर्थन दिया जा सके। यह एक अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (AIFI) है जो अवसंरचना वित्त पोषण को उपलब्ध, सक्षम और उत्प्रेरित करता है।
- **राष्ट्रीय अवसंरचना और विकास वित्त पोषण बैंक (NaBFID) धन की कमी से ग्रस्त अवसंरचना क्षेत्र में निवेश को उत्प्रेरित करने में मदद देता है।**

विकास वित्तीय संस्थानों के बारे में जानकारी

- ये विशेषीकृत संस्थान हैं जिनकी स्थापना मूल रूप से विकास/परियोजना वित्तीयन को देने में की जाती है विशेष रूप से विकासशील देशों में।
- ये DGIs सामान्य तौर पर राष्ट्रीय सरकारों द्वारा बहुसंख्यक स्वामित्व वाले होते हैं।
- इससे इनकी साख सुनिश्चित होती है और वे काफी प्रतियोगी दर पर परियोजना वित्तीयन को उपलब्ध कराते हैं।

विकास वित्तीय संस्थानों का वर्गीकरण

क्षेत्र विशेष वित्तीय संस्थान

- ये वित्तीय संस्थान परियोजना वित्तीयन करने के लिए विशेष क्षेत्र में केंद्रित होते हैं। उदाहरण के लिए, NHB पूरी तरह से आवासीय परियोजनाओं के लिए है, EXIM बैंक का रुख आयात-निर्यात संचालनों की ओर है।

निवेश संस्थान

- ये व्यवसाय प्रचालनों को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन की गई सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए विशेषीकृत हैं। इसमें पूंजी खर्च वित्तीयन और इक्विटी आमंत्रण हैं, जिसमें प्रारंभिक सार्वजनिक ऑफरिंग (IPOs) शामिल हैं। उदाहरणः LIC, GIC और UTI।

विकास वित्तीयन संस्थानों की जरूरत

गैर प्रदर्शनकारी संपत्ति (NPA) संकट का प्रबंधन करना

- बैंकिग क्षेत्र में NPAs में वृद्धि, और वृद्धि चक्र को शुरू करने के लिए अवसंरचना के वित्तीयन को मजबूत करने की जरूरत से DFIs के गठन की नवीन नीति की ओर ध्यान गया है।
- बैंक की संपत्तियों और दायित्वों के बीच का अंतराल, जो खराब ऋणों की वजह से और बढ़ गया है अवसंरचना निवेश में असतत हो जाएगा। यह तब है जब हम ऐसी परियोजनाओं के लंबे वित्तीयन कालों को देखते हैं।

कोविड-19 महामारी द्वारा शुरू किया गया आर्थिक संकट

- एलेक्जेंडर गर्सचेनक्रोन, जो एक यूक्रेनी इतिहासकार हैं, ने सिद्धांत दिया कि देश का पिछड़ापन जितना ज्यादा होता है, उतना ही राज्य का आर्थिक विकास में भूमिका ज्यादा होती है, विशेष रूप से दीर्घावधि वित्त को उपलब्ध कराना जिससे कम से कम संभव समय में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के बराबर हुआ जा सके।
- कोविड-19 महामारी ने असमानता, गरीबी अंतराल, बेरोजगारी को बढ़ाया है और अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है।
- इसलिए, DFIs के द्वारा अवसंरचना निर्माण तीव्र आर्थिक बहाली में मदद कर सकता है।

$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करना

- सरकार ने 2025 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।
- लेकिन, यह लक्ष्य पूरे देश में विश्वस्तरीय अवसंरचना पर निर्भर करेगा।
- NITI आयोग ने अनुमानित किया है कि 2030 तक $4.5 ट्रिलियन की आवश्यकता होगी जिससे अवसंरचना का वित्त पोषण किया जा सके। .

नोट:

- DFIs चीन, ब्राजील और सिंगापुर में दोनों ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सफल रहे हैं।

आई-फैमेलिया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, इंटरपोल ने एक नया डाटाबेस जिसका नाम "आई-फैमेलिया" है, शुरू किया है।

आई-फैमेलिया के बारे में जानकारी

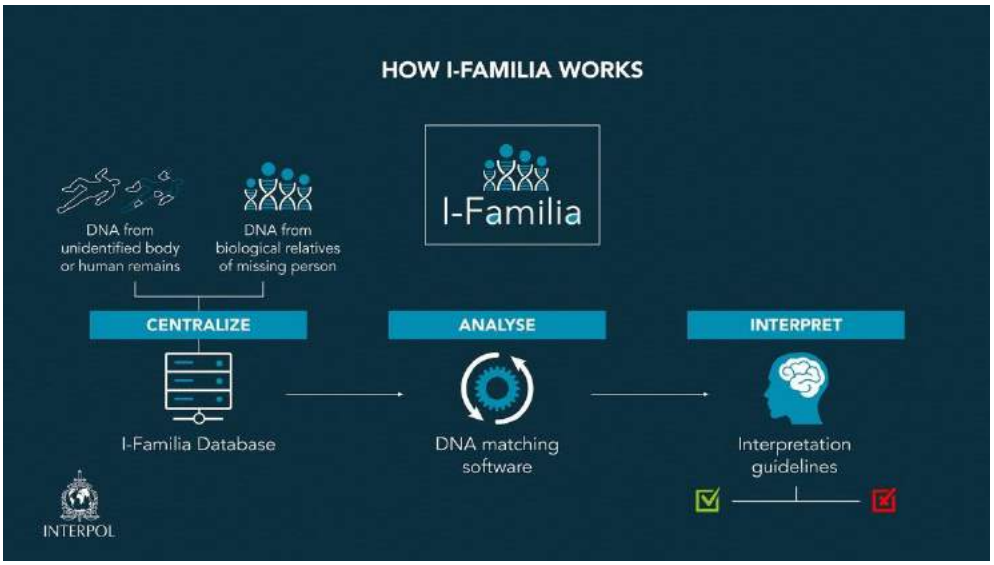

- यह एक वैश्विक डाटाबेस है जिसे पारिवारिक डीएनए के द्वारा खो हुए लोगों की पहचान के लिए शुरू किया गया है।
- यह पुलिस को सदस्य देशों में मामलों को सुलझाने में मदद देगा।
- DNA रिश्ता सुमेलन का प्रयोग मुख्यतया उन मामलों में होता है जहां खोए हुए व्यक्ति का प्रत्यक्ष नमूना उपलब्ध नहीं होता है।

इसके तीन घटक हैं:

1. DNA प्रोफाइल को होस्ट करने के लिए एक समर्पित वैश्विक डाटाबेस जिसे संबंधियों द्वारा दिया जाता है, और यह अन्य आपराधिक आंकड़ों से अलग रखा जाता है;

2. DNA सुमेलन सॉफ्टवेयर जिसे बोनापार्ट कहते हैं। इसे डच कंपनी स्मार्ट रिसर्च ने विकसित किया है;
3. व्याख्या करने के दिशा-निर्देश इंटरपोल ने विकसित किए हैं।

QS विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2022

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, **QS विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2022** में 1,000 की सर्वोच्च सूची में 22 भारतीय संस्थान है, जबकि इसकी तुलना में पिछले वर्ष की संस्थान की संख्या 21 थी।

प्रमुख खास बातें

Top varsities | JNU, featuring for the first time in the QS World Universities Ranking list, is among the top-600 in the world

= indicates shared ranking

2022 global rank	Name
177=	Indian Institute of Technology, Bombay
185	Indian Institute of Technology, Delhi
186=	Indian Institute of Science, Bengaluru
255=	Indian Institute of Technology, Madras
277=	Indian Insititute of Technology, Kanpur
280	Indian Insititute of Technology, Kharagpur
395=	Indian Insititute of Technology, Guwahati
400=	Indian Institute of Technology, Roorkee
501-510 (ranking band)	University of Delhi
561-570 (ranking band)	Jawaharlal Nehru University, Delhi

- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पहली बार QS विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग की सर्वोच्च 1000 की सूची में पहुँचा है क्योंकि इसका **नया अंडर ग्रेजुएट इंजीनियरिंग कार्यक्रम इसे इस रेटिंग के लिए पात्रता प्रदान करता है।**

- IIT बांबे ने लगातार चौथे वर्ष सर्वोच्च भारतीय संस्थान की अपनी स्थिति को बनाए रखा है, हालांकि इस वर्ष वह वैश्विक रैंकिंग में पांच स्थान नीचे फिसल कर संयुक्त रूप से 177वीं स्थिति में है।
- रैंकिंग में शामिल 35 भारतीय संस्थानों में से 20 ने इस वर्ष अपने अकादमिक दर्जे में वृद्धि की है।

सर्वोच्च 100 के अंतर्गत

- IIT दिल्ली ने (185वीं रैंक) ने भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर (186वीं रैंक) को पीछे छोड़ दिया है, जिससे विश्व की सर्वोच्च 100 की सूची में तीन भारतीय संस्थान हैं।

विश्व के सर्वोच्च शोध विश्वविद्यालय

- IISc को प्रति संकाय सदस्य के सबसे ज्यादा उद्धरण के संसूचक के द्वारा विश्व का सर्वोच्च शोध विश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया, जब इसे संकाय के आकार के साथ समायोजित किया गया।

पक्के बाघ रिज़र्व

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में अरुणाचल प्रदेश में पक्के बाघ रिज़र्व के 200 से ज्यादा आपदा कामगार दिसंबर 2020 से वेतनमान के न भुगतान होने पर जून 9 से अनिश्चितकाल की हड़ताल पर चले गए।

खबरों में और भी है

बिना सुरक्षा के रिज़र्व

- पक्के-केस्सांग जिले में 862 वर्ग क्षेत्रफल का बाघ रिज़र्व बिना सुरक्षा के हो गया है क्योंकि सभी 202 कर्मचारी, अपने आठ हाथियों के साथ, पिछले छह महीनों से लंबित वेतनमानों की मांग के लिए बाघ रिज़र्व के प्रशासनिक कार्यालय में इकट्ठा हो गए।

- बाघ परियोजना के अंतर्गत स्टाफ़ के वेतनमानों के भुगतान के अतिरिक्त, संघ ने विशेष बाघ सुरक्षा बल (STPF) के नियमतीकरण की मांग की है, साथ ही समय-समय पर धन देने के स्थान पर मासिक वेतन देने और 2018 में अंतिम बार संशोधित वेतनमान में वृदधि करके रु. 11,000 प्रतिमाह करने की मांग की है।

पक्के बाघ रिज़र्व के बारे में जानकारी

- इसे पखुई बाघ रिज़र्व भी कहा जाता है, यह उत्तर-पूर्व भारत में अरुणाचल प्रदेश के पक्के-केस्सांग जिले में परियोजना बाघ रिज़र्व है।
- पखुई वन्यजीवन अभ्यारण्य उत्तर और पश्चिम में भरेली नदी (अरुणाचल प्रदेश में इसे कामेंग कहा जाता है) से, पूर्व में पक्के नदी से और दक्षिण में असम के नमेरी राष्ट्रीय पार्क (एक IBA) से घिरा है।
- देवमारा रिज़र्व वन (RF) कामेंग जिले में पखुई के पश्चिम में है, जबकि पापुम RF पूर्व कामेंग जिले में अभ्यारण्य के पूर्व में पड़ता है।
- इस बाघ रिज़र्व ने अपने **हॉर्नबिल नेस्ट एडॉप्शन कार्यक्रम के लिए 'संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण'** की श्रेणी में भारत जैवविविधता पुरस्कार 2016 प्राप्त किया है।

दिहिंग पटकई असम का 7वां राष्ट्रीय पार्क

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, दिहिंग पटकई असम का सातवां राष्ट्रीय पार्क बन गया।

दिहिंग पटकई राष्ट्रीय पार्क के बारे में जानकारी

- दिहिंग पटकई राष्ट्रीय पार्क असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिले में स्थित है।
- इसे 13 जुलाई 2004 को वन्यजीवन अभ्यारण्य घोषित कर दिया गया था।
- दिहिंग पटकई वन्यजीवन अभ्यारण्य को हाथी परियोजना के अंतर्गत दिहिंग पटकई हाथी रिज़र्व भी घोषित किया गया था।

संबंधित सूचना

- हाल में, **निचले असम में रायमोना रिज़र्व वन राज्य का छठवां राष्ट्रीय पार्क बन गया।**

रायमोना रिज़र्व वन के बारे में जानकारी

- यह असम के कोकराझार जिले में है।
- रायमोना राष्ट्रीय पार्क उत्तर में भूटान के फिप्सू वन्यजीवन अभ्यारण्य से, पश्चिम में पश्चिम बंगाल के बक्सा बाघ रिज़र्व से और पूर्व में मानस राष्ट्रीय पार्क से घिरा हुआ है।

असम में अन्य पांच राष्ट्रीय पार्क

- काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, मानस राष्ट्रीय पार्क, नमेरी राष्ट्रीय पार्क, डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय पार्क और ओरंग राष्ट्रीय पार्क राज्य में अन्य पांच राष्ट्रीय पार्क हैं।

संबंधित सूचना

गोल्डन लंगूर संरक्षण की स्थिति

- IUCN की संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची: संकटग्रस्त
- जंगली वनस्पतिजात और प्राणिजात की संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर संधि (CITES) : परिशिष्ट I
- वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 : अनुसूची I

अल साल्वाडोर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, अल साल्वाडोर, जो मध्य अमेरिका में एक छोटा तटीय देश है, डिजिटल मुद्रा बिटक्वाइन को कानूनी बनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया।
- यह देश 2001 में आधिकारिक तौर पर डॉलर से जुड़ा था और संयुक्त राज्य अमेरिका संघीय रिज़र्व की मौद्रिक नीति पर चलता है।

अल साल्वाडोर के बारे में जानकारी

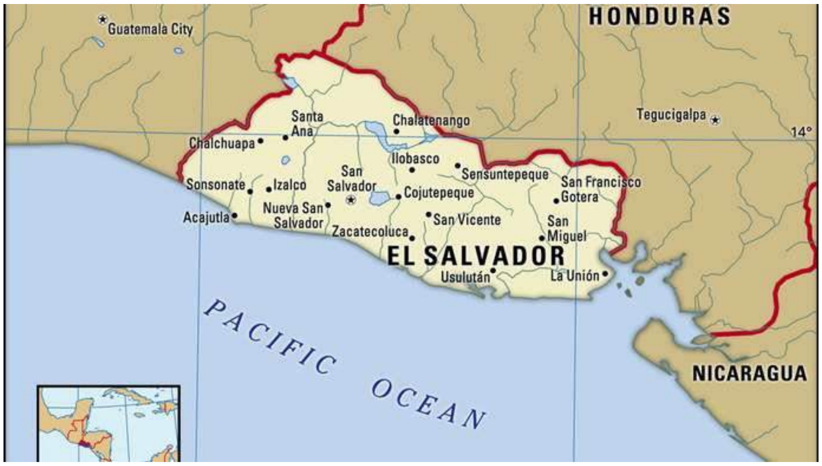

- अल साल्वाडोर, जो आधिकारिक तौर पर अल साल्वाडोर है, मध्य अमेरिका में एक देश है।
- इसके उत्तर-पूर्व में होंडुरास, उत्तर-पश्चिम में ग्वाटेमाला, और दक्षिण में प्रशांत महासागर है।
- अल साल्वाडोर की राजधानी और सबसे बड़ा शहर सैन साल्वाडोर है।

संबंधित सूचना

भारत में क्रिप्टो मुद्राएं

- 2018 में, RBI ने परिपत्र जारी किया जिसमें सभी बैंकों को क्रिप्टो मुद्राओं से संबंध रखने से रोका गया था।
- इस परिपत्र को मई 2020 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गैर संवैधानिक घोषित कर दिया गया था।
- हाल में, सरकार ने एक विधेयक को लाने की घोषणा की है; क्रिप्टो मुद्रा और आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021, जिसका उद्देश्य संप्रभु डिजिटल मुद्रा का सृजन करना और साथ ही सभी निजी क्रिप्टो मुद्राओं पर प्रतिबंध लगाना है।
- भारत में, वे कोष जो भारतीय ब्लॉकचेन स्टार्टअप्स के खाते में गये हैं, वे इस क्षेत्र द्वारा वैश्विक तौर पर उगाहे गए धन के 0.2% से भी कम हैं।
- क्रिप्टो मुद्राओं की ओर वर्तमान का दृष्टिकोण ब्लॉकचेन उद्यमियों और निवेशकों के लिए यह लगभग असंभव बनाता है कि वे ज्यादा आर्थिक लाभ हासिल कर सकें।

UN का AIDS को खत्म करने के लिए कार्रवाई का आग्रह, कहा COVID-19 प्रगति को नुकसान पहुँचाता है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- UN आमसभा ने बड़े बहुमत से 2030 तक AIDS को समाप्त करने के लिए तुरंत कार्रवाई की घोषणा को मंज़ूरी दे दी है।

खबरों में और भी ज्यादा

- घोषणा इस बात की प्रतिबद्धता व्यक्त करती है सभा के 193 सदस्य देश 18 पेज के दस्तावेज को क्रियान्वित करें, जिसमें नए HIV संक्रमणों को 370,000 से कम करना और 2025 तक AIDS से संबंधित मौतों को वार्षिक रूप से 250,000 से कम करना शामिल है।
- यह HIV से जुड़े कलंक और भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन की ओर बढ़ने और HIV टीके की ओर तुरंत कार्य करने एवं AIDS को ठीक करने का आह्वान करती है।

संबंधित सूचना

- **विश्व AIDS दिवस पूरी दुनिया में प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को मनाया जाता है।**
- 2020 विश्व AIDS दिवस के लिए थीम: "**वैश्विक एकता, लोच वाली HIV सेवाएं**।"
- इसकी स्थापना 1988 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा की गई थी और यह पहला वैश्विक स्वास्थ्य दिवस था जिसका उद्देश्य एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिंड्रोम (AIDS) के बारे में सार्वजनिक जागरूकता पैदा करना है।

प्रमुख खास बातें

- AIDS एक महामारी रोग है जो ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (HIV) के संक्रमण से होता है, जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त कर देता है।
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO)/स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के द्वारा हाल में जारी 2019 HIV अनुमानों के अनुसार बच्चों के मध्य नए HIV संक्रमणों में 66.1% की कमी आई है। इस संस्था को UNAIDS का तकनीकी समर्थन हासिल है।
- नौ वर्ष की अवधि के दौरान भारत में AIDS से संबंधित मौतों में 65.3% की कमी आई है।
- HIV के साथ जीवित गर्भवती महिलाएं की संख्या 2010 के 31,000 से घटकर 2019 में 20,000 हो गई है।
- संपूर्ण रूप से, प्रसवपूर्व कवरेज का विस्तार हुआ है, और HIV परीक्षण समय के साथ बढ़े है औऱ लक्ष्य की सीमा के अंदर हैं।

2020 के लिए 90-90-90" के लक्ष्य

- इसे सुनिश्चित करना हैः HIV के साथ जीवित 90% लोग अपनी स्थिति के बारे में जागरूक हैं, 90% लोग जिनके HIV की पहचान कर ली गई है उपचार प्राप्त कर रहे हैं और उपचार प्राप्त करने वाले 90% लोग ने वारयल के दमन को हासिल कर लिया है।

HIV/AIDS पर संयुक्त, संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- यह वैश्विक प्रयास का नेतृत्व कर रहा है जिसके द्वारा सतत विकास लक्ष्यों के हिस्से के रूप में 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एक्वायर्ड इम्यूनो डेफीशिएंसी सिंड्रोम (AIDS) को समाप्त करना है। सतत विकास लक्ष्यों को 1996 में शुरू किया गया था।
- UNAIDS का स्वप्न शून्य HIV संक्रमण, शून्य भेदभाव और शून्य AIDS-संबंधित मौतों को हासिल करना और किसी को भी सिद्धांत के तौर पर पीछे न छोड़ना है।
- AIDS के उन्मूलन पर UN की राजनीतिक घोषणा को 2016 में अपनाया गया था जिसका लक्ष्य 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में AIDS का उन्मूलन करना है।

तुर्की में सी स्नॉट (कफ जैसा जैविक पदार्थ) प्रकोप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सी स्नॉट (कफ जैसा जैविक पदार्थ) के जमाव के ऊपर तुर्की में पर्यावरणीय चिंता बढ़ रही है, यह देश के समुद्रों में स्लेटी अथवा हरा चिपचिपा पदार्थ की परत है, जो समुद्री पारितंत्र प्रणाली को काफी क्षति पहुँचा सकती है।

खबरों में और भी है

- **तुर्की का मारमारा समुद्र, जो काला सागर को एजियन सागर से जोड़ती है, ने सी स्नॉट का प्रकोप देखा है।**
- यह चिपचिपा पदार्थ लगे हुए काला और एजियन सागर में देखा गया है।

तुर्की के समुद्र में सी स्नॉट के होने के पीछे के कारण

- सी स्नॉट के समुद्री कफ है जो उस समय निर्मित होता है जब शैवाल पोषकों से भर जाते हैं जिसका कारण जल प्रदूषण होता है जो मौसम परिवर्तन के प्रभावों से मिल जाता है।
- पोषकों का भराव उस समय होता है जब शैवाल गर्म मौसम में भोजन बनाते हैं जो वैश्विक उष्णता की वजह से होता है। जल प्रदूषण से यह समस्या बढ़ जाती है।
- पर्यावरणविदों का कहना है कि पादप प्लवकों के अति उत्पादन से जो मौसम परिवर्तन से होता है, साथ ही समुद्र में परिवार और औद्योगिक अपशिष्टों के जमाव से वर्तमान संकट पैदा हुआ है।

कोई नई परिघटना नहीं

- देश में 2007 में पहली बार सी स्नॉट को रिकॉर्ड किया गया था।
- इसे ग्रीस के पास एजियन समुद्र में देखा गया था।
- लेकिन मारमारा समुद्र में वर्तमान प्रकोप देश के इतिहास में सबसे बड़ा है।

समुद्री पारितंत्र प्रणाली को प्रभावित करता है

- कफ की वृद्धि जो भूरे बलगम की तरह से समुद्र की सतह पर तैरता है, देश के समुद्री पारितंत्र प्रणाली के लिए गंभीर खतरा बन गया है।
- गोताखोरों ने कहा कि इससे काफी मछलियों की मौतें हुई हैं, और मूंगें और स्पंज जैसे अन्य जलीय जीवों की भी मौतें हुई हैं।
- यह कफ अब समुद्र की सतह को ढंक रहा है और सतह के नीचे 80-100 फीट तक फैल गया है।
- यदि रोका नहीं गया, यह तली तक जा सकता है और समुद्री तली को ढंक सकता है, जिससे समुद्री पारितंत्र प्रणाली को क्षति हो सकती है।

एडूकैनूमैब: अल्झीमर्स रोग के लिए नई औषधि

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एडूकैनूमैब जो बायोजेन कंपनी से है, को US खाद्यान्न एवं औषधि प्रशासन (FDA) द्वारा मंजूरी दी गई है- यह लगभग दो दशकों में FDA की मंजूरी प्राप्त करने वाली अल्झीमर्स के लिए पहली नई औषधि है।

अल्झीमर्स रोग क्या है?

- मनोभ्रंश उन स्थितियों के लिए छतरी शब्द है जिसमें संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली की हानि शामिल होती है।
- अल्झीमर्स मनोभ्रंश सबसे सामान्य प्रकार है और इसमें मस्तिष्क में परतें और उलझाव पैदा हो जाते हैं। भूलना और याददाश्त की समस्या अक्सर शुरुआती लक्षण होते हैं, लेकिन जैसे जैसे बीमारी आगे बढ़ती है, रोगी असमंजस की स्थिति में आता जाता है, वह अपनी पहचानी जगहों

को भूल सकता है, और उसको योजना बनाने में और सरल कार्यों को करने में दिक्कत हो सकती है।

- यह रोग मूल रूप से मस्तिष्क में कुछ न्यूरॉनों के तीव्रता के साथ बूढ़े होने से जुड़ा है जो याद्दाश्त के भंडारण और प्रसंस्करण से जुड़े हैं।

रिपोर्ट

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुमानों के अनुसार 2017 के लिए मनोभ्रंश विश्व भर में लगभग 50 मिलियन लोगों को प्रभावित करता है, इस संख्या के 2030 तक 82 मिलियन तक बढ़ने की संभावना है।
- भारत में, अनुमानों के अनुसार 5.3 मिलियन लोग (27 में 1) जो 60 वर्ष से ऊपर हैं, 2020 में वे मनोभ्रंश से पीड़ित थे। यह भारत में मनोभ्रंश 2020 रिपोर्ट जिसे भारतीय अल्झीमर्स एवं संबंधित रोग समाज ने प्रकाशित किया है, के अनुसार है।
- इसके 2030 तक 7.6 मिलियन तक बढ़ने की संभावना है।

CHIME दूरबीन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कनाडियाई हाइड्रोजन तीव्रता नक्शांकन परीक्षण (CHIME) के वैज्ञानिकों ने दूरबीन के पहले FRB कैटेलॉग में तीव्र रेडियो प्रस्फोटों (FRBs) के सबसे बड़े संग्रहण को एकत्रित किया है।

खगोलशास्त्र के क्षेत्र में विरल घटना

- CHIME परियोजना के पूर्व रेडियो खगोलिकी के क्षेत्र में एक FRB के दृश्य को देखना एक विरल चीज माना जाता है, 2007 में पहले FRB को देखने के बाद से रेडियो खगोलशास्त्रियों ने केवल 140 प्रस्फोटों को ही अपनी दूरबीन में कैद किया था।

तीव्र रेडियो प्रस्फोटों (FRBs) के बारे में जानकारी

- ये प्रकाश के की अजीब चमकीली चमक है, जो वैद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम के रेडियो बैंड में आती हैं। ये कुछ मिलीसेकेंड तक चमक कर बिना किसी अवशेष के गायब हो जाती हैं।
- ये संक्षिप्त और रहस्यमयी संकेत ब्रह्मांड के विभिन्न और दूर-दराज हिस्सों में देखे गए हैं, साथ इन्हें अपनी आकाशगंगा में भी देखा गया है।

जन्म का कारण ज्ञात नहीं

- इनका जन्म का कारण अज्ञात है साथ ही अपनी आकाशगंगा में भी इसका कारण नहीं मामूल है।
- ज्यादा पर्यवेक्षणों के साथ, खगोलशास्त्री आशा करते हैं कि वे इन विचित्र चमकीले संकेतों के चरण जन्मों को जानने में कामयाब होंगे।
- The FRB was part of one of the **magnetar's most prolific flare-ups**, with the X-ray bursts lasting less than a second.
- रेडियो प्रस्फोट, दूसरी तरफ, सेकेंड के हजारहवें हिस्से तक रहते हैं और पूर्व में मिल्की वे से देखे जाने वाले मैग्नेटार (एक प्रकार का न्यूट्रान तारा) से रेडियो उत्सर्जनों के अतिरिक्त हजारों गुना ज्यादा चमकीले थे।
- यह संभव है कि FRB से जुड़े हुए प्रस्फोट अपवादस्वरूप हों क्योंकि वे संभवतः मैग्नेटार चुंबकीय ध्रुव के पास अथवा ध्रुव पर हुए।
- इस दूरबीन ने अपने संचालन के पहले ही वर्ष 2018 से 2019 के बीच में 535 नए तीव्र रेडियो प्रस्फोटों की पहचान की है।

संबंधित सूचना

मैग्नेटार के बारे में

- NASA के अनुसार, मैग्नेटार न्यूट्रान तारा होता है, एक कुचला हुआ शहर के आकार का एक तारे का अवशेष जो हमारे सूर्य से कई गुना जाय्दा बड़ा हो सकता है।
- इस तरह के तारे का चुंबकीय क्षेत्र काफी शक्तिशाली हो सकता है, जो एक रेफ्रिजरेटर चुंबक से 10 ट्रिलियन गुना से ज्यादा हो सकता है और एक सामान्य न्यूट्रान तारे से हजार गुना ज्यादा हो सकता है।

कनाडियाई हाइड्रोजन तीव्रता नक्शांकन परीक्षण (CHIME) के बारे में जानकारी

- कनाडियाई हाइड्रोजन तीव्रता नक्शांकन परीक्षण (CHIME) ब्रिटिश कोलंबिया में डोमिनियन रेडियो खगोलभौतिकी बेधशाला में एक व्यतिकरणमिति रेडियो दूरबीन है।
- CHIME ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, मैकगिल विश्वविद्यालय, टोरोंटो विश्वविद्यालय और कनाडियाई राष्ट्रीय शोध परिषद की डोमिनियन रेडियो खगोलभौतिकी बेधशाला के बीच में भागीदारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, मौसम परिवर्तन की वजह से 2100 तक भारत को वार्षिक तौर पर 3-10% GDP की हानि हो सकती है

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- लंदन आधारित थिंक टैंक ओवरसीज़ डेवलेपमेंट इंस्टीट्यूट, भारत द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2100 तक वार्षिक तौर पर अपने GDP का 3 से 10 प्रतिशत खो सकता है और मौसम परिवर्तन की वजह से 2040 तक इसकी गरीबी दर 3.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।
- **रिपोर्ट जिसका शीर्षक, 'भारत में मौसम परिवर्तन की कीमत' है,** देश में मौसम से जुड़े खतरों को आर्थिक कीमत के रूप में देखती है और बढ़ती हुई असमानता और गरीबी की संभावना की ओर इंगित करती है।

प्रमुख खास बातें

- रिपोर्ट पाती है कि यद्यपि तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक ही सीमित रखा जाता है, भारत वार्षिक तौर पर GDP का 2.6 प्रतिशत खो देगा, औऱ यदि वैश्विक तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई तो, तो वार्षिक तौर पर यह वृद्धि 13.4 प्रतिशत की हो जाएगी।
- गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और महानदी के डेल्टा (यहां के 60 प्रतिशत से ज्यादा फसली भूमि और चारागाह अन्य जगहों के लिए मांग को संतुष्ट करने में लगे हुए हैं) का विश्लेषण दर्शाता है कि इन गतिविधियों के मौसम की वजह से गायब होने से GDP के 18-32 तक का आर्थिक नुकसान होगा।

भारत की राष्ट्रीय गरीबी दर को बढ़ाएगी

- बढ़ते अनाजों के दाम, कृषीय क्षेत्र में मजदूरी में कमी और मौसम परिवर्तन की वजह से होने वाली धीमी आर्थिक वृद्धि दर का संयोजन **शून्य उष्णता परिदृश्य की तुलना में 2040** तक भारत की राष्ट्रीय गरीबी दर को 3.5 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं।

- यह उस वर्ष की अपेक्षा 50 मिलियन ज्यादा गरीब लोगों के बराबर है, और जबकि शहरी और ग्रामीण दोनों ही जनसंख्याएं बढ़ते अनाजों के दामों की मार झेलेंगी, इसमें ग्रामीण जनसंख्या पर इसका असर ज्यादा होगा।

ब्रूड एक्स

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की पहली विदेश यात्रा में उस समय अनअपेक्षित रूप से देरी हो गई जब जहाज एयरफोर्स वन पर सिकाडा के झुंड ने हमला कर दिया, जो यूनाईटेड किंगडम के लिए उड़ने ही वाला था।
- इन कीड़ों के झुंडों को कई अमेरिकी राज्यों में देखा गया है। ये ब्रूड एक्स नामक समूह के हिस्से हैं, जो उनके जीवनचक्रों और समय-समय पर दिखाई देने पर आधारित है।

ब्रूड एक्स के बारे में जानकारी

- ब्रूड शब्द से आशय सिकाडा की जनसंख्या से है जिन्हें उनके दिखाई देने के वर्ष अथवा स्थान के अंतर के अनुसार अन्य जनसंख्याओं से अलग किया जाता है।
- सिकाडा लंबे समय के लिए भूमिगत रहते हैं, सामान्य तौर पर 13 अथवा 17 वर्ष, और पेड़ों की जड़ों को खाते हैं, भूमिगत और उसके ऊपर दोनों को।
- US राष्ट्रीय पार्क सेवा (NPS) के अनुसार, ब्रूड एक्स 17 वर्ष के सिकाडा का सबसे बड़ा ब्रूड है और यह पेनसिल्वेनिया, उत्तरी वर्जीनिया, इंडियाना और पूर्वी टेनेस्से में पाया जाता है।

सिकाडा 13 या 17 वर्ष भूमिगत क्या करते हैं?

- भूमिगत होने पर सिकाडा के बच्चे विकास के पांच चरणों से गुजरते हैं।

- एक बार वयस्क हो जाने पर, वे कुछ अवधिकालीन सिकाडा के लिए लगभग 17 वर्षों का समय लेते हैं, तब नर भूमिगत से बाहर आते हैं।
- यद्यपि यह स्पष्ट नहीं है कि सिकाडा विकसित होने के लिए इतना समय क्यों लेते हैं, कुछ शोधकर्ताओं का विश्वास है कि वे ऐसा ऊपर मिट्टी में शिकारियों से बचने के लिए करते हैं।
- जब वे बाहर आते हैं, वे अपनी बाहरी त्वचा को छोड़ देते हैं जिससे पंखनुमा रूप लिया जा सके।

पाइरोस्ट्रिया लालजीः कॉफी की नई प्रजाति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक नई प्रजाति, पाइरोस्ट्रिया लालजी, जो कॉफी परिवार के वंश से है, की हाल में भारत और फिलीपींस के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा अंडमान द्वीप समूह में खोज की गई है।

पाइरोस्ट्रिया लालजी के बारे में जानकारी

Pyrostria laljii

- वंश पाइरोस्ट्रिया वंश के ये पौधे सामान्य तौर पर मैडगास्कर में पाए जाते हैं।
- इस पेड़ की खास बात उसका तना होता है जिसपर सफेद कोटिंग होती है। इसकी पत्तियां आधार में कील के आकार के साथ अंडाकार होती हैं, इसकी पहली बार खोज दक्षिण अंडमान के वनडूर वन में की गई थी।

संरक्षण की स्थिति

- पाइरोस्ट्रिया लालजी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची मानदंड पर आधारित **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** के रूप में आकलित की गई है।

महत्व

- यह खोज विशिष्ट है क्योंकि यह प्रजाति बड़ा पेड़ है और अभी तक इसे नई प्रजाति के रूप में दर्ज नहीं किया गया था।
- इस प्रजाति को पाइरोस्ट्रिया लालजी भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण के अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के कार्यालय के मुखिया और संयुक्त निदेशक, लालजी सिंह के नाम पर नाम दिया गया है।

ऑपरेशन ऑलिविया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- प्रत्येक वर्ष भारतीय तटरक्षक बल का ऑपरेशन ऑलिविया, जिसे 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू किया गया था, ऑलिव रिडली कछुओं को संरक्षित करने में मदद देता है जब वे नवंबर से दिसंबर के दौरान प्रजनन और घोंसला बनाने के लिए ओडिशा तट पर इकट्ठा होते हैं।
- ओडिशा समुद्र मत्स्यन कानून तटरक्षकों को एक प्रवर्तन एजेंसी के रूप में सशक्त करता है।

ऑलिव रिडली कछुओं के बारे में जानकारी

- ये दुनिया में पाए जाने वाले सबसे छोटे और सबसे ज्यादा मात्रा वाले कछुए हैं।
- ये कछुए शाकाहारी होते हैं और अपना नाम जैतून के रंग की पीठ की हड्डी से हासिल करते हैं।

आवास

- ये प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागरों के गर्म जल में पाए जाते हैं।

संरक्षण की स्थिति

- इन्हें **IUCN लाल सूची** में **कमजोर** के रूप में दर्ज किया गया है।
- CITES में इन्हें **परिशिष्ट I** में दर्ज किया गया है।
- इन्हें **भारतीय वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972** की **अनुसूची I** में अधिसूचित किया गया है।

संरक्षण के लिए उठाए गए कदम

- ओडिशा सरकार ने हाल में ट्राल्स के लिए टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TEDs) के प्रयोग को अनिवार्य कर दिया है, यह एक प्रकार का जाल होता है जिसे निकलने के कवर के साथ डिजाइन किया जाता है जिससे कछुए तो निकल जाते हैं जबकि अन्य शिकार फंसा रहता है।

शुक्र के लिए इनविज़न अभियान

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ने घोषणा की कि उसने इनविज़न को अगले ऑर्बिटर के रूप में चुना है जो 2030 के आसपास शुक्र की यात्रा करेगा।

पूर्व के अभियान

- NASA ने शुक्र ग्रह के लिए दो अभियानों दविंची+ और वेरिटास को चुना है। ये दोनों वैज्ञानिक मूल्य और विकास योजनाओं की व्यवहार्यता के लिए संभावना पर आधारित हैं।
- NASA द्वारा इन अभियानों के लिए $500 मिलियन आवंटित किए जाने की संभावना है जिसे 2028 से 2030 के बीच में प्रक्षेपित किया जाएगा।

इनविज़न के बारे में जानकारी

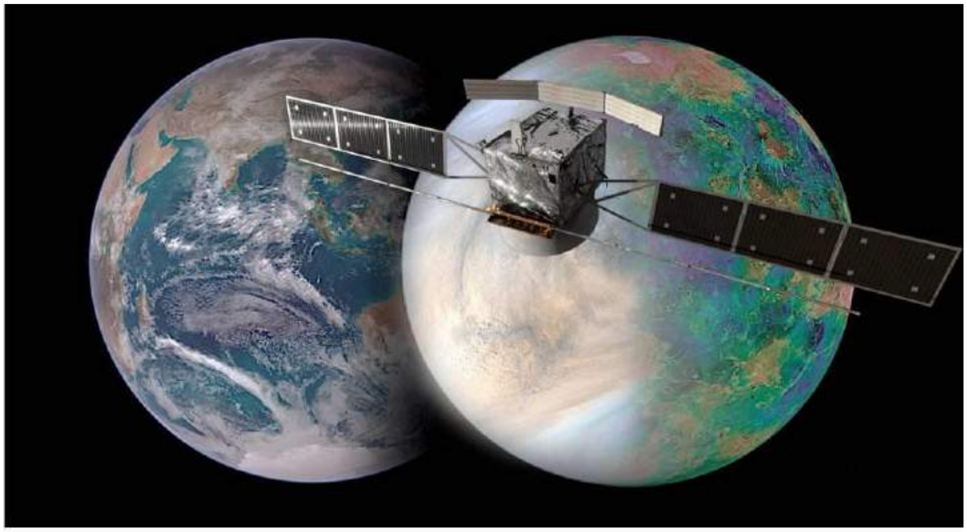

- इनविज़न ESA द्वारा संचालित अभियान है जिसमें NASA का योगदान है।
- इसके 2030 के आसपास प्रक्षेपित किये जाने की संभावना है।
- इनविज़न के सबसे पहले 2031 में प्रक्षेपित किये जाने की संभावना है, जिसके बाद यह 2032 और 2033 में प्रक्षेपित किया जा सकता है।
- एक बार एरियन 6 रॉकेट से प्रक्षेपित किये जाने के बाद, यह अंतरिक्षयान शुक्र तक पहुँचने में 15 महीने का समय लेगा और कक्षा चक्रीकरण को हासिल करने के लिए अन्य 16 महीने लेगा।
- यह अंतरिक्षयान ग्रह के वायुमंडल और सतह के अध्ययन के लिए, वायुमंडल में अवशेष गैसों की निगरानी और सतह की संरचना के विश्लेषण के लिए कई उपकरणों को ले जाएगा।
- NASA द्वारा दिए गए एक रडार से चित्र लेने और सतह के नक्शांकन में मदद मिलेगी।

वीनस एक्सप्रेस (2005-2014)

- इनविज़न वीनस एक्सप्रेस (2005-2014) कहलाने वाले वीनस को भेजे गए ESA संचालित अभियान के बाद में आ रहा है। वीनस एक्सप्रेस वायुमंडलीय शोध पर केंद्रित था और ग्रह की सतह पर ज्वालामुखीय हॉटस्पॉटों के बारे में बताया।
- इसके अतिरिक्त, जापान का अकातकुकी अंतरिक्षयान भी 2015 से ग्रह के वायुमंडल का अध्ययन कर रहा है।

वैज्ञानिक शुक्र के अध्ययन में इतनी रुचि क्यों ले रहे हैं?

- ESA के अभियान के केंद्र में यह प्रश्न है कि क्यों पृथ्वी और शुक्र का इतना अलग तरीके से विकास हुआ, यह इस बात पर विचार करने के बाद है कि वे दोनों एक ही आकार के और संरचना के हैं।

- शुक्र सौरमंडल में सबसे गर्म ग्रह है जिसका कारण उसकी ऊष्मा है जो मोटे बादल कवर से रोक ली जाती है।
- वैज्ञानिक शुक्र के दूरस्थ समय में जीवन के अस्तित्व के बारे में कयास लगाते हैं और यह संभावना कि जीवन इसके बादलों के उच्च स्तरों पर हो सकती है जहां तापमान कुछ कम है।
- पिछले वर्ष, वैज्ञानिकों की एक टीम ने रिपोर्ट किया कि उन्होंने शुक्र के वायुमंडल में फॉस्फीन गैस (एक रसायन जिसे केवल जैविक प्रक्रियाओं के द्वारा ही उत्पादित किया जा सकता है) पाई है जिससे वैज्ञानिक समुदाय के अंदर हर्ष की लहर दौड़ गई कि जीवन के कुछ रूप ग्रह में पाए जा सकते हैं।
- लेकिन ग्रह पर जीवन का अस्तित्व लगभग असंभव है क्योंकि शुक्र का तापमान बहुत ज्यादा है और इसका वायुमंडल अम्लीय है।
- फिर भी, इस खोज का अर्थ होत सकता है कि पहले जीवन के रूप शुक्र में रहे हो सकते हैं जब यहां जीवन संभव था।
- **इस सिद्धांत के अनुसार, फॉस्फीन की खोज सामान्य तौर पर पूर्व के अवशेष हो सकते हैं।**

भारतीय प्रयोगशालाओं ने डेल्टा वैरिएंट के उत्परिवर्तित रूप के लिए जाल बड़ा किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।।- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में डेल्टा वैरिएंट का उभरता हुआ रूप जिसे AY1 अथवा B.1.617.2.1 कहते हैं, पाया गया है।

AY1 के बारे में जानकारी

- इसे B.1.617.2.1 भी कहते हैं जिसका उत्परिवर्तन K417N है।
- इसे पूर्व में बीटा वैरिएंट में पहचाना गया था- पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पहचाना गया था।
- **यह डेल्टा का वैरिएंट (B.1.617.2) है।**
- यह अंतरराष्ट्रीय चिंता का वैरिएंट है (VOC), जो अत्यंत संक्रामक है और काफी हद तक टीके की क्षमता को घटा सकता है।
- डेल्टा वैरिएंट को अब भारत में सबसे ज्यादा प्रचलित वैरिएंट माना जाता है, मई के उत्तरार्ध तक 21,000 सामुदायिक नमूनों में से 31% इसी के हैं।

भारत ने कोविड से लड़ने के लिए अस्पतालों के विस्तार की परियोजना शुरू की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य अवसंरचना, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत ने हाल में विभिन्न राज्यों में अस्पतालों का विस्तार परियोजना आरंभ की है जिससे कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में प्रमुख स्वास्थ्य अवसंरचना अंतराल को पाटा जा सके, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में।

प्रमुख खास बातें

- मॉड्यूलर अस्पताल अस्पताल अवसंरचना के विस्तार हैं और वर्तमान अस्पताल भवन के बगल में निर्मित किए जा सकते हैं।

'अस्पतालों का विस्तार' परियोजना की जरूरत

- जैसे-जैसे देश के विभिन्न भागों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि हुई, अस्पतालों में अवसंरचना जबर्दस्त दबाव में आ गए।
- जरूरत को ध्यान में रखते हुए, नवाचार वाले मॉड्यूलर अस्पताल संकट के मध्य एक बड़ी राहत के रूप में सामने आए हैं।
- इसका क्रियान्वयन प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय द्वारा किया जा रहा है।
- उन्होंने निजी क्षेत्र की कंपनियों, दानकर्ता संगठनों, और व्यक्तिगत लोगों को आमंत्रित किया जिससे राष्ट्रीय महत्व की अन्य परियोजनाओं के साथ इस पहल को समर्थन मिल सके।
- PSA कार्यालय ने राज्यों में लगभग 50 अस्पतालों की जरूरत की पहचान की है जहां सबसे ज्यादा कोविड-19 के मामले सामने आए हैं।
- PSA का कार्यालय पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन को समर्थन देने के लिए कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) को सुनिश्चित करने की ओर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

संबंधित सूचना

MediCAB अस्पताल

- मॉड्यूलस हाउसिंग, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (IIT-M) का एक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर है, ने MediCAB अस्पतालों को विकसित किया है।
- यह 3 हफ्तों के समय में एक 100 बेड की विस्तार सुविधा को निर्मित कर सकने में सक्षम है।

- MediCAB अस्पताल सघन देखभाल इकाईयों (ICUs) के समर्पित क्षेत्र के साथ डिजाइन किए गए हैं जिसमें विभिन्न जीवन को बचाने वाले उपकरण और चिकित्सा उपकरण समायोजित हो सकते हैं।
- ये तीव्रता से तैनात किए जाने वाले अस्पताल कोविड-10 के खिलाफ भारत की लड़ाई में प्रमुख स्वास्थ्य अवसंरचना अंतराल को भर देंगे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में।
- 100 बेड के अस्पतालों का पहला बैच बिलासपुर (छत्तीसगढ़); अमरावती, पूणे और जालना (महाराष्ट्र); मोहाली (पंजाब) और रायपुर (छत्तीसगढ़) में 20 बेड का अस्पताल तैयार किया जा रहा है। बंगलुरु में पहले चरण में प्रत्येक 20, 50 औऱ 100 बेडों का अस्पताल होगा।

चीन, भारत, पाक अपने नाभिकीय हथियारों को बढ़ा रहे हैं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (SIPRI) वार्षिकी 2021 को हाल में प्रकाशित किया गया।

वार्षिकी की प्रमुख खास बातें

- चीन अपने नाभिकीय हथियारों के जबर्दस्त आधुनिकीकरण और विस्तार के मध्य में है, और भारत और पाकिस्तान भी अपने नाभिकीय हथियारों का विस्तार करते हुए नज़र आ रहे हैं।
- इयरबुक के अनुसार, भारत के पास 2021 की शुरुआत में अनुमानित 156 नाभिकीय हथियार थे, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 150 थी, जबकि पाकिस्तान के पास 165 हथियार है जबकि 2020 में उसके पास 160 हथियार थे।
- चीन के नाभिकीय हथियारों की संख्या 350 थी, जबकि 2020 में यह संख्या 320 थी।
- नौ नाभिकीय हथियारों वाले देश- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाईटेड किंगडम, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इज़रायल और उत्तरी कोरिया के पास कुल मिलाकर 2021 की शुरुआत में अनुमानित 13,080 नाभिकीय हथियार थे।
- रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास मिलाकर वैश्विक नाभिकीय हथियारों के 90% हैं।

संबंधित सूचना

- स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (SIPRI) की हाल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के हथियार आयात 2011-15 से 2016-2020 के मध्य में लगभग एक-तिहाई कम हो गए।
- फिर भी भारत केवल सऊदी अरब के बाद सबसे बड़ा निर्यातक है।

भारत को हथियार के आपूर्तिकर्ता

- 2011-2015 और 2016-2020 दोनों ही कालों के दौरान रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बना रहा।
- लेकिन, रूस का भारतीय हथियार आयात में साझा 70% से गिरकर 49% पहुँच गया।
- फ्रांस और इज़रायल 2016-20 के दौरान क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े हथियार आपूर्तिकर्ता बने रहे। भारत के फ्रांस से हथियारों का आयात 709% तक बढ़ा, जबकि इज़रायल के साथ 82% बढ़ा।
- इस काल 2016-20 के दौरान USA चौथा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता था। वह 2011-15 के दौरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता था।

स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान के बारे में जानकारी

- यह एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संस्थान है जो संघर्ष, शस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण और निशस्त्रीकरण में अनुसंधान के प्रति समर्पित है।
- इसकी स्थापना स्टॉकहोम (स्वीडन) में 1966 में की गई थी।
- यह नीति-निर्माताओं, अनुसंधानकर्ताओं, मीडिया और रुचि रखने वाले लोगों को खुले स्रोतों पर आधारित आंकड़े, विश्लेषण और संस्तुतियां उपलब्ध कराता है।

उपभोक्ता मुद्रास्फीति 6.3% तक बढ़ी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ईंधन और तेल की बढ़ती हुई कीमतों ने भारत के थोक मूल्य मुद्रास्फीति को मई में रिकॉर्ड 12.94% के स्तर पर पहुँचा दिया, जबकि अप्रैल में यह दर 10.5% थी। इससे खुदरा मुद्रास्फीति छह महीने के उच्च स्तर 6.3% पर पहुँच गई। यह केंद्रीय बैंक की सहनसीमा 6% से ऊपर है।

प्रमुख बिंदु

- उपभोक्ताओं ने मई में 'ईंधन और हल्की' श्रेणी के लिए 11.58% के मुद्रास्फीति का अनुभव किया, जिसमें इसी में शहरी भारत ने 14.24% की उच्च मुद्रास्फीति को देखा।
- खाद्यान्न मुद्रास्फीति जो अप्रैल में मात्र 1.96% थी, 5.1% तक पहुँच गई।

- सर्वांगीण खुदरा मूल्य, ने लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रैल के 3.75% से जबर्दस्त उछाल देखा जो मई में 6.5% हो गया, जबकि शहरी भारत में इसका असर कम रहा और यह अप्रैल के 3.75% से मई में 6.5% तक पहुंच गया, यह आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के अनुसार हैं।
- थोक स्तर पर, ईंधन और ऊर्जा मुद्रास्फीति पिछले वर्ष मार्च के 9.75% से चार गुना बढ़कर 37.6% हो गई, यह अप्रैल के 20.94% के बिंदु से काफी ऊपर है।
- विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति अप्रैल के 9% से बढ़कर 10.83% हो गई।

उच्च मुद्रास्फीति के कारण

- मई 2021 में मुद्रास्फीति की ऊंची दर का प्राथमिक कारण निम्न आधार प्रभाव और कच्चे तेल, खनिज तेलों अर्थात पेट्रोल, डीज़ल, नेप्था, भट्ठी के तेल इत्यादि और विनिर्मित उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि है। यह तब है जब इसकी तुलना पूर्व वर्ष के समान महीनों से की जाती है।

संबंधित सूचना

मुद्रास्फीति के बारे में जानकारी

- मुद्रास्फीति से आशय दैनिक जीवन अथवा प्रयोग की अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों में वृद्धि है जिसमें खाद्यान्न, कपड़े, आवास, मनोरंजन, परिवहन, उपभोक्ता जरूरतें इत्यादि शामिल हैं।
- यह देश की मुद्रा की एक इकाई की क्रय शक्ति में गिरावट का संकेत है जिससे अंतोगत्वा आर्थिक वृद्धि में गिरावट आ सकती है।
- लेकिन, अर्थव्यवस्था में एक मध्यम स्तर की मुद्रास्फीति की जरूरत होती है जिससे उत्पादन के प्रोत्साहन को सुनिश्चित किया जा सके।

भारत में कौन मुद्रास्फीति का मापन करता है?

- मुद्रास्फीति का मापन एक केंद्र के सरकारी प्राधिकरण द्वारा किया जाता है, जो अर्थव्यवस्था के सरल संचालन को सुनिश्चित करने के उपायों को अपनाने के लिए जिम्मेदार होता है।
- भारत में, सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय मुद्रास्फीति का मापन करता है।
- भारत में मुद्रास्फीति का मापन मुख्यतया दो सूचकांकों द्वारा किया जाता है -
  a. WPI (थोक मूल्य सूचकांक)
  b. CPI (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक)

मुद्रास्फीति और RBI

- मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए, 2016 में केंद्र ने RBI को एक शासनादेश दिया जिसमें 31 मार्च, 2021 के काल के अंत तक पांच वर्षों के लिए दोनों तरफ 2% के मार्जिन के साथ खुदरा मुद्रास्फीति को 4% पर रखने की बात कही गई थी।
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) वस्तुओं और सेवाओं के खुदरा मूल्यों में परिवर्तन पर निगरानी रखता है जिन्हें अपने दैनिक उपभोग के लिए परिवार खरीदते हैं।
- भारतीय रिज़र्व बैंक कानून 1934 के अंतर्गत 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2026 के काल के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य पूर्व 5 वर्षों के समान ही रखा गया है।

पृष्ठभूमि

- 2015 में केंद्र सरकार और केंद्रीय बैंक एक नीतिगत ढांचे पर सहमत हुए थे जिसने वृद्धि के उद्देश्य को दिमाग में रखते हुए मूल्य स्थिरता को सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य को निर्धारित किया था।

लोचनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य

- **लोचनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य (FIT) को 2016 में अपनाया गया था।**
- भारतीय रिज़र्व बैंक कानून, 1934 FTI ढांचे को वैधानिक आधार प्रदान करने के लिए संशोधित किया गया था।
- संशोधित कानून सरकार द्वारा निर्धारित मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्रदान करता है, यह इसके लिए प्रत्येक पांच वर्षों में RBI के साथ सलाह करता है।
- लोचनीय-मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (FIT) के पहले ट्रेंड मुद्रास्फीति 9% से नीचे गिरकर FIT के दौरान 3.8-4.3% की सीमा में आ गई। यह इस बात का संकेत है कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के लिए 4% उपयुक्त स्तर है।

यह भी खबरों में है

नोवावैक्स कोविड-19 टीका

- हाल में, US टीका विनिर्माणकर्ता नोवावैक्स ने कहा कि उसकी कोविड-19 टीके ने US और मैक्सिको में परीक्षणों के दौरान 90.4% की संपूर्ण सामर्थ्य को दर्शाया है।
- यह इस रोग के खिलाफ दुनिया के हथियार के रूप में एक और टीका होगा, जो लगभग 4 मिलियन लोगों की मौत का जिम्मेदार है।
- इसके परीक्षण UK और दक्षिण अफ्रीका में हो चुके हैं।
- **भारत में, इस टीके के कोवावैक्स के नाम के अंतर्गत भारतीय सीरम संस्थान (SII) के साथ साझेदारी में उत्पादित किया जाना है।**
- जून में, भारत के औषधि महानिदेशक ने चरण 2/3 परीक्षणों के लिए SII को अनुमति दे दी थी।

न्यू शेफर्ड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में अमेजॉन के संस्थापक और अरबपति जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी जिसे ब्लू ओरिजिन कहते हैं, ने न्यू शेफर्ड पर पहली सीट के लिए ऑनलाइन नीलामी पूरी की। यह एक रॉकेट प्रणाली है जो अंतरिक्ष में यात्रियों को ले जाने के लिए है।

खबरों में और भी है

- 2018 में, बलू ओरिजिन उन दस कंपनियों में से एक थी जिसे NASA ने चंद्रमा और मंगल के अभियानों के लिए एकत्रित करने, प्रसंस्कृत करने और अंतरिक्ष आधारित संसाधनों के लिए उन्नत तकनीकों और अध्ययन के लिए चुना था।
- 2019 में, दोनों ने ही एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसने ब्लू ओरिजिन को NASA के ऐतिहासिक टेस्ट स्टैंड को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। यह अंतरिक्ष एजेंसी और व्यावसायिक अंतरिक्ष उद्योग के बीच में साझेदारी की बढ़ती संख्या के हिस्से के रूप में है।

न्यू शेफर्ड के बारे में जानकारी

- यह एक रॉकेट प्रणाली है जिसे **कार्मन रेखा** के पार अंतरिक्षयात्रियों और अनुसंधान पेलोड को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। **कार्मन रेखा अंतरिक्ष की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमा है।**
- इसका नामकरण अंतरिक्षयात्री एलेन शेफर्ड के नाम पर किया गया है- वे अंतरिक्ष जाने वाले पहले अमेरिकी थे- यह पृथ्वी के 100 किमी. के ऊपर अंतरिक्ष में उड़ान का आमंत्रण देता है और साथ ही पेलोड का समायोजन भी करता है।
- इसका विचार अकादमिक अनुसंधान, कार्पोरेट तकनीक विकास और अन्य के अतिरिक्त उद्यमिता उपक्रमों जैसे उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष की आसान और ज्यादा किफायती पहुँच को उपलब्ध कराना है।

अंतरिक्ष पर्यटन को प्रोत्साहन

- अंतरिक्ष पर्यटन का उद्देश्य मनोरंजन, आराम अथवा व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए साधारण लोगों को अंतरिक्ष में जाने की क्षमता प्रदान करना है।
- इसका विचार उन लोगों के लिए अंतरिक्ष को पहुँचने योग्य बनाना है जो अंतरिक्षयात्री नहीं हैं और गैर वैज्ञानिक उद्देश्यों से अंतरिक्ष में जाना चाहते हैं।

पासीफेई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय खगोलशास्त्री ने पोलर एरियाज़ स्टेलर इमेजिंग इन पोलेराइजेशन हाई एक्यूरेसी एक्सपेरीमेंट (PASIPHAE) का विकास किया है जो तारों के अध्ययन में होने वाले आकाश सर्वेक्षणों में प्रयोग किया जाएगा।

PASIPHAE के बारे में जानकारी

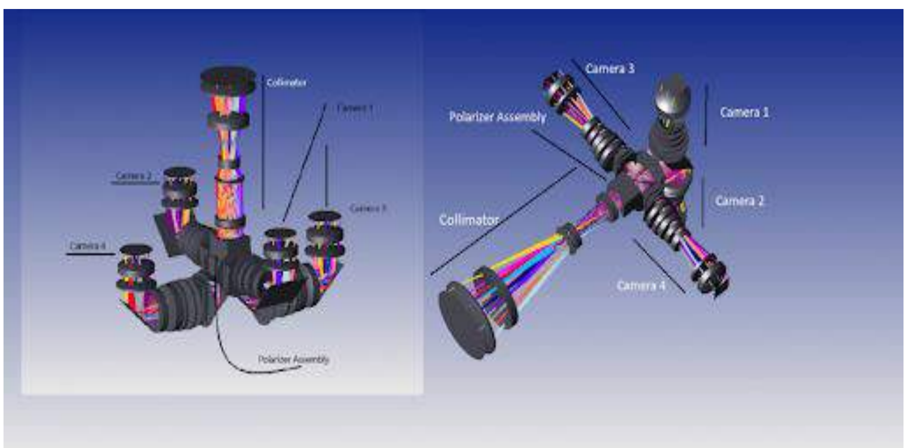

- पोलर एरियाज़ स्टेलर इमेजिंग इन पोलेराइजेशन हाई एक्यूरेसी एक्सपेरीमेंट (PASIPHAE) एक अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक आकाश सर्वेक्षणीय परियोजना है।
- वैज्ञानिकों का लक्ष्य करोड़ों तारों से आ रहे प्रकाश के ध्रुवीकरण का अध्ययन करना है।
- यह नाम पासीफेई से प्रेरित है, जो सूर्य देवता हेलियोज़ की पुत्री थी जिसका विवाह राजा मिनोज़ के साथ हुआ था।

ये कैसे कार्य करता है?

- यह सर्वेक्षण एक साथ उत्तरी और दक्षिणी आकाशों के पर्यवेक्षणों के लिए दो उच्च तकनीक के पोलरोमीटरों का प्रयोग करेगा।

- यह काफी धुंधले तारों के प्रकाश ध्रुवीकरण को पकड़ने पर केंद्रित होगा जो इतने ज्यादा दूर हैं कि उनके ध्रुवीकरण संकेतों का अभी तक व्यवस्थित रूप से अध्ययन नहीं किया गया है।
- इन तारों की दूरियों को GAIA उपग्रह के मापनों से प्राप्त किया जाएगा।
- इन आंकड़ों का संयोजन करके, खगोलशास्त्री एक नए पोलरीमीटर उपकरण जिसे WALOP (वृहद् क्षेत्र एकरेखीय प्रकाशीय पोलरीमीटर) कहते हैं, का प्रयोग करके आकाश के बड़े क्षेत्र के अंतरतारिकीय माध्यम के पहले चुंबकीय क्षेत्र टोमोग्राफी को करेंगे।
- पासीफेई सर्वेक्षण आकाश के बड़े क्षेत्र में तारों के प्रकाश के ध्रुवीकरण का मापन करेगा।
- यह आंकड़े साथ में तारों की GAIA दूरियां आकाशगंगा के धूल और चुंबकीय क्षेत्र संरचना में वितरण के त्रिवीमीय मॉडल के सृजन में सहायता करेंगे।
- इस तरह के आंकड़े आकाशगंगीय ध्रुवीकृत अग्रभूमि प्रकाश को हटाने में मदद कर सकते हैं और खगोलशास्त्रियों को मायावी बी-मोड संकेत को देखने में सक्षम बनाएगा।

WALOP के बारे में जानकारी

- वृहद् क्षेत्र एकरेखीय प्रकाशीय पोलरीमीटर (WALOP) एक उपकरण है, जब इसे दो छोटे प्रकाशीय दूरबीनों पर रखा जाता है, जिसका प्रयोग उच्च आकाशगंगीय अक्षांशों के साथ तारों से आने वाले ध्रुवीकृत प्रकाश संकेतों को पहचानने में किया जाएगा।
- प्रत्येक WALOP को क्रेट की 1.3 मीटर की स्किनाकाज़ बेधशाला पर चढ़ाया जाएगा। साथ ही इसे सुदरलैंड में स्थित दक्षिण अफ्रीकी बेधशाला के 1 मीटर की दूरबीन पर भी चढ़ाया जाएगा।

टीके अस्पताल में भर्ती होने से बचाते हैं

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक वास्तविक दुनिया अध्ययन जिसे सार्वजनिक स्वास्थ्य इंग्लैंड ने इंग्लैंड में डेल्टा वैरिएंट (B.1.617.2) से संक्रमित 14,019 लोगों पर किया, में पाया गया कि एस्ट्राजेनेका और फाइजर की दो खुराकों से टीकाकरण ने अस्पताल में भर्ती होने के खिलाफ उच्च सुरक्षा प्रदान की।
- डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित 14,019 लोगों में से केवल 166 लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ी।
- यह अध्ययन अप्रैल 12 और जून 4 के दरमियान किया गया।

अध्ययन के प्रमुख परिणाम

- एस्ट्राजेनेका के मामले में, अस्पताल में भर्ती होने के खिलाफ प्रभावीपन पूरे टीकाकरण के बाद 92% था, जबकि फाइजर के मामले में यह 96% था।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य इंग्लैंड ने पूर्व में पाया था कि मध्यम कटौती के बावजूद, डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ टीका प्रभावी है।
- इसने पाया कि पूर्ण टीकाकरण लक्षण वाले रोग के खिलाफ अच्छी सुरक्षा प्रदान कर रहा है।
- लक्षण वाले रोग के खिलाफ टीके का प्रभावीपन एस्ट्राजेनेका के मामले में 67% और फाइजर के मामले में 88% था।

एकल खुराक

- एस्ट्राजेनेका और और फाइजर टीके की एक खुराक के साथ भी अस्पताल में भर्ती होने के खिलाफ प्रभावीपन उच्च था।
- डेल्टा वैरिएंट के मामले में, एस्ट्राजेनेका टीके की एक खुराक ने 71% सुरक्षा प्रदान की, जबकि दो खुराकों ने 92% सुरक्षा प्रदान की।
- फाइजर टीके के मामले में, एक खुराक के बाद सुरक्षा 94% और दो खुराकों के बाद सुरक्षा 96% थी।

अन्य अध्ययन

- एक अन्य अध्ययन में यह पाया गया कि एस्ट्राजेनेका की एकल खुराक के बाद सभी लक्षणों वाले संक्रमणों के खिलाफ सुरक्षा डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ केवल 33.5% थी और बीटा (B.1.1.7) वैरिएंट के खिलाफ 51.1% थी।
- दूसरी खुराक के बाद, सभी लक्षणों वाले संक्रमणों के खिलाफ सुरक्षा डेल्टा वैरिएंट के मामले में 59.8% तक बढ़ गई जबकि बीटा वैरिएंट के खिलाफ 87.9% हो गई।

विरासत पेड़ों का संरक्षण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, महाराष्ट्र सरकार ने 1975 के महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) पेड़ों के संरक्षण और सुरक्षा कानून में संशोधन करने का निर्णय लिया, जिससे विरासत पेड़ों के संरक्षण के लिए प्रावधानों को लागू किया जा सके।

विरासत पेड़ों के बारे में जानकारी

- प्रस्तावित संशोधन के अंतर्गत, एक पेड़ जिसकी अनुमानित आयु 50 वर्ष अथवा ज्यादा है, को विरासत पेड़े के रूप में परिभाषित किया जाएगा।
- विरासत पेड़ प्रजाति विशेष का हो सकता है, जिससे समय समय पर अधिसूचित किया जाएगा।
- राज्य के मौसम परिवर्तन विभाग को पेड़ की विरलता के बारे में विचार करना चाहिए, एक विरासत पेड़ को परिभाषित करने में उसके वनस्पतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, मिथकीय और सांस्कृतिक महत्व पर विचार करना चाहिए।
- स्थानीय पेड़ प्राधिकरण को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक पांच वर्षों में पेड़ों की जनगणना हो जिसमें विरासत पेड़ों की गणना भी हो।

पेड़ों की आयु की गणना

- पेड़ों की आयु की गणना की सबसे सामान्य विधि वृक्ष वलय कालक्रम है जिसे वृद्धि वलय भी कहा जाता है।
- विशेषज्ञ बताते है कि प्रत्येक वर्ष पेड़ अपने घेरे में एक वलय को शामिल करता है, नई वृद्धि को वृक्ष वलय कहा जाता है।
- पर्यावरण विभाग, वन विभाग के साथ सलाह करने के बाद पेड़ों की आयु को निर्धारित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करेगा।
- का पालन नहीं करते हैं।

भारत गहरा महासागर अभियान शुरू करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में गहरा महासागर अभियान को मंजूरी दी है जिसका उद्देश्य संसाधनों के लिए गहरे महासागर का अन्वेषण करना और महासागर संसाधनों के सतत प्रयोग के लिए गहरी समुद्री तकनीकों का विकास करना है।

पृष्ठभूमि

- 2019 में गहरा महासागर अभियान को रु. 8,000 करोड़ के अभियान के रूप में संकल्पित किया गया था।
- भारत को बहुधात्विक नोड्यूल्स (PMN) के अन्वेषण के लिए UN अंतरराष्ट्रीय समुद्र तली प्राधिकरण द्वारा मध्य हिंद महासागर बेसिन (CIOB) में 75,000 वर्ग किमी. का एक स्थल आवंटित किया गया है।
- ये समुद्र की तली में फैले हुए शैल है जिसमें आयरन, मैंगनीज़, निकिल और कोबाल्ट है।

गहरा महासागर अभियान के बारे में जानकारी

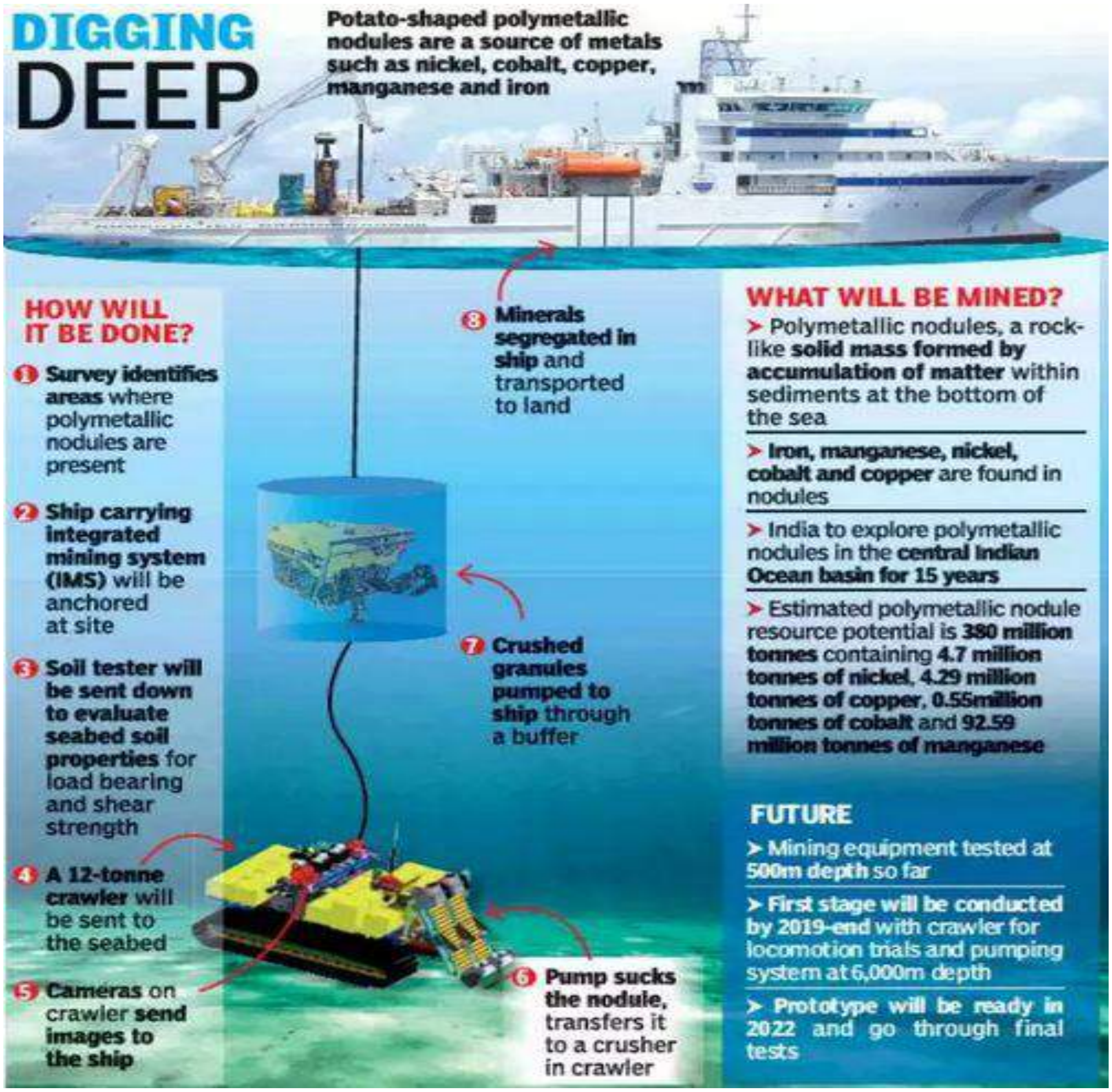

- यह पंचवर्षीय अंतर-मंत्री और अंतर-विभागीय अभियान है जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, रक्षा विकास और अनुसंधान संगठन, परमाणु ऊर्जा विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, बायोतकनीक विभाग और भारतीय नौसेना से अनुसंधानकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा।
- अभियान का उद्देश्य लगभग 35 वर्ष ISRO द्वारा प्रारंभ किए गए अंतरिक्ष अन्वेषण के समान ही गहरे महासागर का अन्वेषण करना है।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) इस बहुसंस्थागत अभियान का क्रियान्वयन नोडल मंत्रालय होगा।

घटक

- इस कार्यक्रम के छह घटक होंगे जिनका लक्ष्य अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोगों में बदलना है और ऑन साइट व्यवसाय इन्क्यूबेटर सुविधाओं के द्वारा उत्पाद विकास करना है।

पहला घटक

- एक मानवयुक्त सबमर्सिबल का विकास किया जाएगा जो महासागर में 6,000 मीटर की गहराई में तीन लोगों को ले जाएगा जिसमें वैज्ञानिक संसूचकों और उपकरणों के स्यूट होंगे।
- एक एकीकृत खनन प्रणाली मध्य हिंद महासागर में उन गहराईयों पर बहुधात्विक नूड्यूल्स के खनन के लिए भी विकसित की जाएगी।
- खनिजों के अन्वेषण अध्ययनों से निकट भविष्य में व्यावसायिक अन्वेषण का मार्ग भी प्रशस्त होगा, जब भी अंतरराष्ट्रीय समुद्र तली प्राधिकरण जो एक संयुक्त राष्ट्र का संगठन है, द्वारा व्यावसायिक अन्वेषण संहिता विकसित की जाती है।

दूसरा घटक

- इसमें महासागर मौसम परिवर्तन परामर्शदात्री सेवाएं का विकास शामिल है, जिसमें पर्यवेक्षणों और मॉडलों के स्यूट का विकास शामिल है जिससे मौसमी से लेकर दशकीय समय मापन पर महत्वपूर्ण मौसम चरों के भविष्य के अनुमान उपलब्ध होंगे और समझे जाएंगे।

तीसरा घटक

- इसमें शामिल है गहरे समुद्र के वनस्पतिजात और प्राणिजात की खोज, जिसमें सूक्ष्मजीव शामिल हैं और उनको सतत तरीके से उपयोग करने के लिए अध्ययन।

चौथा घटक

- यह जलऊष्मीय खनिजों के संभावित स्रोतों का अन्वेषण और पहचान करेगा जो हिंद महासागर मध्य महासागरीय गड्ढों के साथ पृथ्वी की भूपर्पटी से बने बहुमूल्य धातुओं के स्रोत हैं।

पांचवां घटक

- इसमें शामिल हैं तटीय महासागर ऊष्मीय ऊर्जा परिवर्तन (OTEC) प्रचालित विलवणीकरण संयंत्रों के लिए विस्तृत इंजीनियरिंग डिजाइन का अध्ययन और तैयार करना।

छठवां घटक

- इसका लक्ष्य महासागर जीवविज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञों को तैयार करना है।

महत्व

- यह अभियान भारत को उन शक्तिशाली देशों की पंक्ति में खड़ा कर देगा जिनके अपने समर्पित महासागर अध्ययन और अभियान हैं, जिसमें US, जापान, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं।
- यह अभियान भारत की नीली अर्थव्यवस्था पहल को भी प्रोत्साहित करता है- जिसे 2020 से 2030 के लिए नियोजित किया गया है- जिसकी संकल्पना कई शोधों की है जिन्हें महासागरों के अध्ययन के लिए किया जाएगा जिसके बारे में बहुत कम मालूम है।

संबंधित सूचना

बहुधात्विक नोड्यूल्स के बारे में जानकारी

- इन्हें मैंगनीज नोड्यूल्स भी कहा जाता है।
- ये आलू के आकार के, मुख्यतया छेद वाले नोड्यूल्स होते हैं जो विश्व महासागरों के गहरे समुद्र में समुद्री तलहटी में बहुतायत में पाए जाते हैं।
- मैंगनीज़ और आयरन के अतिरिक्त, उनमें निकिल, तांबा, कोबाल्ट, लेड, मॉलीब्डेनम, कैडमियम, वैनेडियम, टाइटेनियम भी पाया जाता है।
- इन धातुओं में से निकिल, कोबाल्ट और तांबे को **आर्थिक और रणनीतिक महत्व** का माना जाता है।
- भारत सर्वोच्च आठ देशों में से एक है जो बहुधात्विक नोड्यूल्स के अन्वेषण और उपयोग पर एक दीर्घावधि कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रहा है।

चीन अंतरिक्ष स्टेशन को पहला दल भेजेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चीन के अंतरिक्ष स्टेशन को भेजे जाने वाले पहले दल के तीन सदस्यों का कहना है कि वे जल्दी से काम करने के लिए बेताब हैं जिससे अगले तीन महीनों तक इसको अपना आवास बनाया जा सके। वे इसमें परीक्षण और प्रयोग करेंगे और अंतरिक्ष में चहलकदमी के लिए तैयारी कर रहे हैं।

संबंधित सूचना

चीन के स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में जानकारी

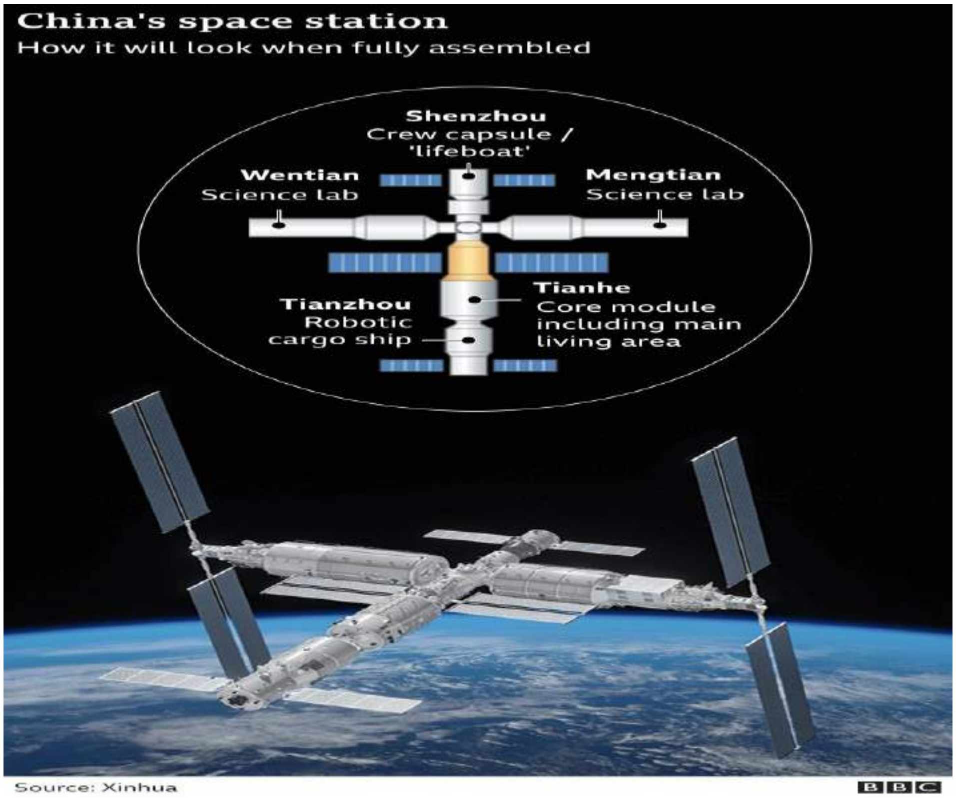

- चीन ने अपने स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन का एक मानवरहित मॉड्यूल प्रक्षेपित किया है जिसे वह 2022 के अंत तक पूरा करने की योजना बना रहा है।
- मॉड्यूल जिसका नाम 'तियानहे' अथवा 'हारमोनी ऑफ हेवन' है, को चीन के सबसे बडे रॉकेट कैरियर लांग मार्च 5बी से प्रक्षेपित किया गया था।
- भारत की भी निम्न पृथ्वी कक्षा में अपने अंतरिक्ष स्टेशन को निर्मित करने की योजना है जिससे 5 से 7 वर्षों तक अंतरिक्ष में माइक्रोग्रेवेटी परीक्षण किए जा सकें।

चीन के लिए महत्व

अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए

- चीन का लक्ष्य 2030 तक प्रमुख अंतरिक्ष ताकत बनना है।
- इसने चंद्रमा की यात्रा, मंगल में एक मानवरहित यान के प्रक्षेपण और अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण से अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन 2024 तक समाप्त होने वाला है

- कक्षा में एक वर्तमान अंतरिक्ष स्टेशन ISS है जो रूस, US, कनाडा, यूरोप और जापान के बीच में गठबंधन है।
- चीन के इसमें भाग लेने में रोक लगा दी गई है।

- ISS को 2024 में सेवानिवृत्त होना है, जिससे तियानगांग पृथ्वी की कक्षा में एकमात्र संभावित अंतरिक्ष स्टेशन रह जाएगा।
- रूस ने हाल में कहा कि वह 2025 तक इस परियोजना को छोड़ देगा।

रूस के चीन के साथ बढ़ते संबंध

- US के साथ तनाव बढ़ने के साथ ही रूस अपने संबंध चीन से बढ़ा रहा है।
- इसने US के नेतृत्व वाले आर्टेमिस चंद्रमा अन्वेषण कार्यक्रम की आलोचना की और इसके बजाय आने वाले वर्षों में एक चंद्रमा अनुसंधान आउटपोस्ट स्थापित करने के लिए चीन के साथ शामिल होने का फैसला किया।

गूगल पे ने कार्ड्स टोकेनाइजेशन की घोषणा की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- गूगल पे ने हाल में कार्ड टोकेनाइजेशन के वास्ते अपनी स्लेट के लिए इंडसइंड बैंक और HSBC इंडिया के द्वारा SBI, इंडसइंड बैंक और फेडेरल बैंक और क्रेडिट कार्ड्स को जोड़ा।
- इसने इसके पूर्व इस फीचर को कोटक महिंद्रा बैंक, SBI कार्ड्स और एक्सिस बैंक के साथ शुरू किया था।

कार्ड टोकेनाइजेशन के बारे में जानकारी

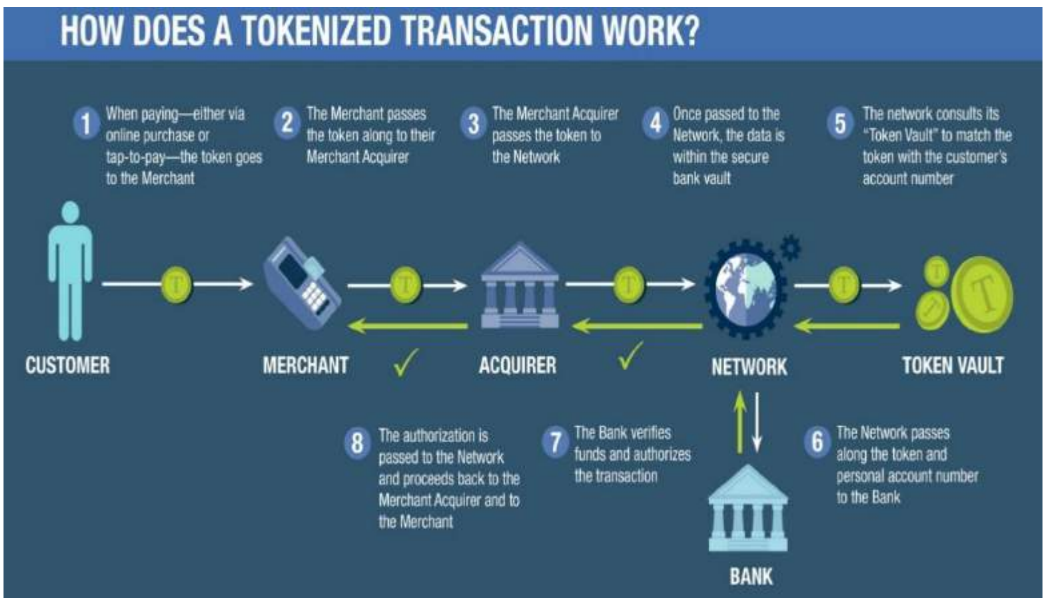

- कार्ड्स टोकेनाइजेशन एक फीचर है जो बिना भौतिक तौर पर ग्राहकों की क्रेडिट अथवा डेबिट कार्ड जानकारी को साझे किये हुए उनके फोन पर लगे हुए एक सुरक्षित डिजिटल टोकेन के द्वारा डेबिट अथवा क्रेडिट कार्ड भुगतानों को करने में सक्षम बनाता है।
- टोकेनाइजेशन कोड के साथ कार्ड जानकारियों को विस्थापित करेगी जिसे टोकेन कहा जाता है। यह विशेष रूप से कार्ड के लिए होगी, टोकेन निवेदक और उपकरण का प्रयोग भुगतान के लिए होता है। कार्ड की जानकारियों की बजाय, टोकेन बिक्री के बिंदु वाले टर्मिनलों और तीव्र प्रतियुत्तर (QR) कोड भुगतान प्रणालियों पर कार्ड के रूप में कार्य करेगा।
- इस प्रक्रिया का लक्ष्य भुगतानों की सुरक्षा में सुधार करना है।
- यह फीचर ऑनलाइन व्यापारियों के साथ भी कार्य करता है, बिना 3डी सुरक्षित साइटों को प्रयोगकर्ता को रिडाइरेक्ट करे बाधारहित OTP अनुभवों को प्रदान करती है।

विश्व दान सूचकांक 2021 का 10वां संस्करण

(विषय- मिश्रित, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व दान सूचकांक (WGI) 2021 का 10वां संस्करण जारी किया गया।

विश्व दान सूचकांक के बारे में जानकारी

- इसे चैरीटीज़ एड फाउंडेशन (CAF) द्वारा प्रकाशित किया गया है।

मानदंड

- यह सूचकांक पूरी दुनिया में दान के दायरे और प्रकृति के बारे में संयुक्त अंतदृष्टि उपलब्ध कराता है।
- यह दानकर्ता व्यवहार के बारे में तीन पहलुओं को देखता है और पूछता हैः क्या आपने पिछले महीने में निम्नलिखित में से कुछ किया है?

a. किसी अनजान व्यक्ति या किसी की मदद की जिसे मदद की जरूरत थी और आप उसे नहीं जानते थे?
b. किसी दान में धन दान किया?
c. किसी संगठन को अपना समय दिया?

प्रमुख परिणाम

- इंडोनेशिया सबसे ऊपर रहा जबकि केन्या का दूसरा स्थान रहा।

- सूचकांक में 10 देशों में से चार अफ्रीकी देश हैं।
- **इनमें से तीन (नाइजीरिया, घाना और उगांडा) पहली बार सर्वोच्च 10 में शामिल हुए हैं।**
- इसके आगे, ज्यादा लोगों ने 2020 में उतना धन दान किया जितना पिछले पांच वर्षों में नहीं किया था (31 प्रतिशत)।

भारत और सूचकांक

- भारत दुनिया के 20 सबसे उदार देशों में शामिल है जिसका **इस वर्ष के सूचकांक मे 14वां स्थान है।**
- भारत का स्कोर 2017 और 2019 के बीच में तेजी से बढ़ा है, और यह सुधार 2020 में जारी रहा।
- भारत में सुधार सभी आयु वर्गों और पुरुष और महिलाओं के बीच में देखा गया।
- 61% भारतीयों ने अनजान व्यक्तियों की मदद की; 34% ने सेवा की और 36% ने धन दान किया।

भारीतालासुचुस टापानी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में तेलंगाना के येर्रापल्ली की चट्टानों पर **भारीतालासुचुस टापानी** जीवाश्म नमूना पाया गया है।

भारीतालासुचुस टापानी के बारे में जानकारी

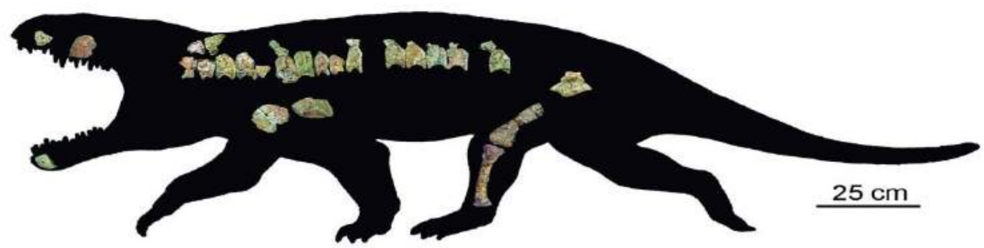

- यह सरीसृप उस वंश और प्रजाति का है जो अभी तक विज्ञान के लिए अज्ञात था।
- इसका नामकरण भारीतालासुचुस टापानी तेलुगू भाषा को ध्यान में रख कर किया गया है।
- तेलुगु भाषा में भारी का अर्थ बड़ा, ताला का अर्थ सिर, और सुचुस मिस्र के मगरमच्छ सदृश्य सिर वाले देवता का नाम है।
- यह मांसाहारी सरीसृप है जो 240 मिलियन वर्ष पूर्व निवास करता था।

संघीय रिज़र्व ब्याज दर वृद्धि

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, US संघीय रिज़र्व ने 2023 तक दो दर बढ़ोत्तरियों की संभावना का संकेत दिया, जिससे बाजार सूचकांकों में गिरावट आ गई।

खबरों में और भी है

- मार्च में जो कहा गया था उससे अलग मार्ग लेते हुए, संघ ने संकेत दिया कि 2023 तक कम से कम दो दर वृद्धियां होंगी क्योंकि आर्थिक गतिविधि संसूचक मजबूत हो गए हैं और मुद्रास्फीति भी दुरुस्त हो गई है। कुछ सदस्य 2022 में कम से कम एक बार दरों को बढ़ाने के पक्ष में थे।
- मार्च में, संघ ने संकेत दिया कि वे 2023 में दरों को लगभग शून्य के करीब रखेंगे।

बाजारों पर प्रतिक्रिया

- US में डाउ जोन्स औद्योगिक सूचकांक 0.77% नीचे गिरा और जब संघीय रिज़र्व ने इंगित किया कि 2023 में दो बढ़ोत्तरियां हो सकती हैं तो ट्रेजरी यील्ड बढ़ गई।

भारत पर प्रभाव

- भारत में, बेंचमार्क सेंसेक्स कुछ गिरा और रुपया डॉलर के खिलाफ 1% से कुछ ज्यादा टूटा।
- थोक मूल्य सूचकांक आधारित (WPI) मुद्रास्फीति ने मई में 12.94% की रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ, जो ऊंचे ईंधन और वस्तु मूल्यों और निम्न आधार प्रभाव की वजह से हुआ।
- US ब्याज का समय और गति को बढ़ा दिया गया है और बांड खरीदने के कार्यक्रम में गिरावट भी भारत में इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो घोषणा के बाद में कोषों के बाहिर्प्रवाह को देख सकता है।

ब्याज दरों में जल्द बढ़ोत्तरी का प्रभाव

- US में ब्याज दर में वृद्धि की खबर से न केवल इक्विटी से US ट्रेजरी बांडों में कोषों का बाहिर्प्रवाह होता है, बल्कि साथ ही US को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से कोषों का बाहिर्प्रवाह भी होता है।
- डॉलर के मजबूत होने के साथ ही रुपए के भी दबाव में आने की संभावना है।
- विशेषज्ञ कहते हैं यील्ड में वृद्धि से ऐसी स्थिति पैदा होती है जहां वे इक्विटी से प्रतियोगिकता करते हैं और यह बाजार गति को प्रभावित करता है।

घरेलू मुद्रास्फीति चिंताएं क्या हैं?

- थोक मुद्रास्फीति पांच महीनों से बढ़ रही है, और ऊंचे कच्चे तेल के प्रभाव से इसके और बढ़ने की संभावना है। इसमें बढ़ते वस्तु मूल्य भी प्रभाव डाल रहे हैं।
- वस्तुओं की बड़ी संख्या के लिए उनके वैश्विक मूल्य अभ उनके घरेलू मूल्यों में परिलक्षित हो रहे हैं।

- उदाहरण के लिए, पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी ने मई 2021 में क्रमशः 62.3%, 66.3% और 60.9% मुद्रास्फीति की दर देखी।
- खुदरा मुद्रास्फीति के लिए खाद्यान्न मुद्रास्फीति घटक पूर्व महीने के 1.96% से काफी बढ़कर मई में 5.01% हो गया।
- कुछ वस्तुएं जिन्होंने खुदरा मुद्रास्फीति को बढ़ाया वे थीं ईंधन, जिसने 11.6% का रिकॉर्ड दर्ज किया (मार्च 2021 से सबसे ऊंचा), 12.6% के साथ परिवहन और संचार, 30.8% के साथ खाने के तेल और 9.3% की मुद्रास्फीति के साथ दालें।

डीपॉर बील

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, असम सरकार ने डीपॉर बील के द्वारा एक ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के पुनर्संरेखण को प्रस्तावित किया है, यह एक महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र है जिसे नमभूमियों पर रामसर संधि के अंतर्गत नामांकित किया गया है।

डीपॉर बील के बारे में जानकारी

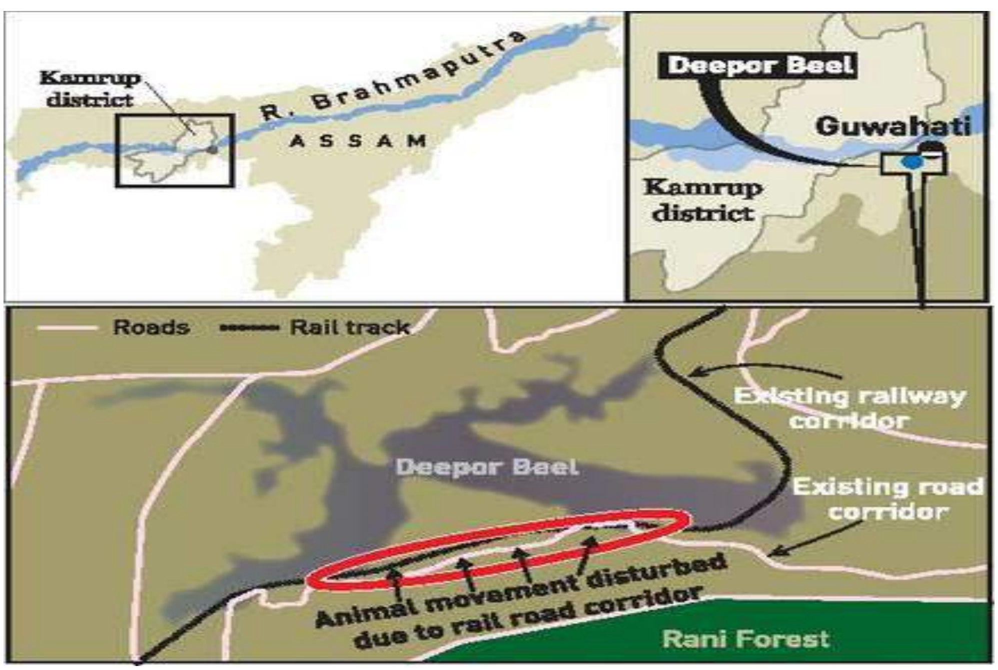

- यह एक स्थाई ताजाजल झील है, जो ब्रह्मपुत्र नदी के पूर्व चैनल में है। यह मुख्य नदी के दक्षिण में है।
- यह रामसर संधि के अंतर्गत नमभूमि है जिसे इसके जैववैज्ञानिक और पर्यावरणीय महत्व के आधार पर संरक्षण उपायों को करने के लिए नवंबर 2002 से अधिसूचित किया गया है।

स्थान

- यह गुवाहाटी शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जो असम, भारत के कामरूप जिले में है।

महत्व

- यह निचले असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में सबसे बड़ी बील में से एक मानी जाती है। यह बर्मा मानसून वन जैवभौगोलिक क्षेत्र के अंतर्गत नमभूमि प्रकार के प्रतिनिधि के रूप में श्रेणीबद्ध है।
- यह एक महत्वपूर्ण पक्षी अभ्यारण्य भी है जहां कई प्रवासी प्रजातियां निवास करती हैं।

विश्व प्रतिद्व्न्दिता सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- ET)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, प्रबंधन विकास संस्थान (IMD) ने विश्व प्रतिद्व्न्दिता सूचकांक को जारी किया है जिसने इस वर्ष पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं में कोविड-19 के प्रभाव की जांच की है।

IMD विश्व प्रतिद्व्न्दिता रैंकिंग के बारे में जानकारी

- यह 64 अर्थव्यवस्थाओं को रैंक देता है और इस बात का आकलन करता है कि एक देश किस दायरे तक अपने लोगों की समृद्धता को प्रोत्साहित करता है। इसके लिए एक्जीक्यूटिव्स के साथ हार्ड डाटा और सर्वेक्षण प्रतियुत्तरों को देखा जाता है।
- इस वर्ष, रैंकिंग ने पूरे विश्व में महामारी के आर्थिक प्रभाव का खुलासा कर दिया है।
- IMD विश्व प्रतिद्व्न्दिता केंद्र द्वारा वार्षिक तौर पर तैयार की गई रैंकिंग, निम्नलिखित चार कारकों की जांच करके 64 देशों की समृद्धता और प्रतिद्व्न्दिता का मापन करती है
    a. आर्थिक प्रदर्शन
    b. सरकार की क्षमता

c. व्यवसाय क्षमता

d. अवसंरचना।

प्रमुख खास बातें

- स्विट्ज़रलैंड सूचकांक में सबसे ऊपर है।

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई अर्थव्यवस्थाएं

- क्रम के अनुसार, सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई अर्थव्यवस्थाएं हैं, सिंगापुर (पांचवां), हांगकांग (सातवां), ताइवान (आठवां) और चीन (16वां)।
- 33 वर्ष पूर्व रैंकिंग के शुरू होने के बाद से पहली बार ताइवान सर्वोच्च 10 में पहुँचा है (पिछले वर्ष 11वां स्थान था)।
- UAE और USA पिछले वर्ष की ही भांति समान स्थान पर हैं (9वें और 10वें, क्रमशः)।

BRICS के मध्य में

- BRICS देशों के बीच में, भारत का स्थान चीन (16) के बाद में है, जिसके बाद रूस (45वां), ब्राजील (57वां) और दक्षिण अफ्रीका (62वां) हैं।

भारत और सूचकांक

- भारत ने IMD के विश्व प्रतिद्वन्दिता सूचकांक में 43वां स्थान बनाए रखा है।
- भारत ने पिछले तीन वर्षों से अपनी स्थिति बनाए रखी है, लेकिन इस वर्ष, सरकारी क्षमता के मामले में काफी सुधार हुआ है।
- सरकार की क्षमता कारक में भारत के सुधार का मुख्य कारण सापेक्षिक रूप से स्थिर सार्वजनिक वित्त हैं (2020 में महामारी से पैदा हुई कठिनाईयों के बावजूद सरकार का घाटा 7 प्रतिशत रहा)। साथ ही निजी कंपनियों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए समर्थन और सब्सिडी हैं जो भारतीय व्यवसाय एक्जीक्यूटिव्स के सापेक्ष दर्ज किए गए सकारात्मक फीडबैक के रूप में है।

पुनर्बहाली के लिए सुधारों से ज्यादा की जरूरत

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के सबसे हाल के वृद्धि अनुमान दर्शाते हैं कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही में जबर्दस्त संकुचन के बाद, वृद्धि दर लगातार बढ़ी है।

खबरों में और भी है

- इस वर्ष के प्रारंभ में शायद आउटपुट भी संकुचित हुआ हो।
- इसलिए, पुनर्बहाली अंतोगत्वा होगी, यह डब्ल्यू आकार की होगी न कि वी आकार की।

आर्थिक पुनर्बहाली के आकार

- आर्थिक पुनर्बहाली कई रूप धारण कर सकती है, जिसे अक्षरों के संकेतों के द्वारा निरुपित किया जाता है।
- विभिन्न प्रकार की आर्थिक पुनर्बहाली हैं Z आकार की पुनर्बहाली, V आकार की पुनर्बहाली, U आकार की पुनर्बहाली, बढ़ी हुई U आकार की पुनर्बहाली, W पुनर्बहाली, L आकार की पुनर्बहाली, स्वूश और उल्टा वर्ग पुनर्बहाली।
- अक्षर सामान्य तौर पर वृद्धि दर के ग्राफ को निरुपित करते हैं, जो अक्षर के आकार से मिलता है।
- विभिन्न प्रकार की पुनर्बहाली में मूलभूत अंतर सामान्य होने के लिए आर्थिक गतिविधि द्वारा लिया गया समय है।

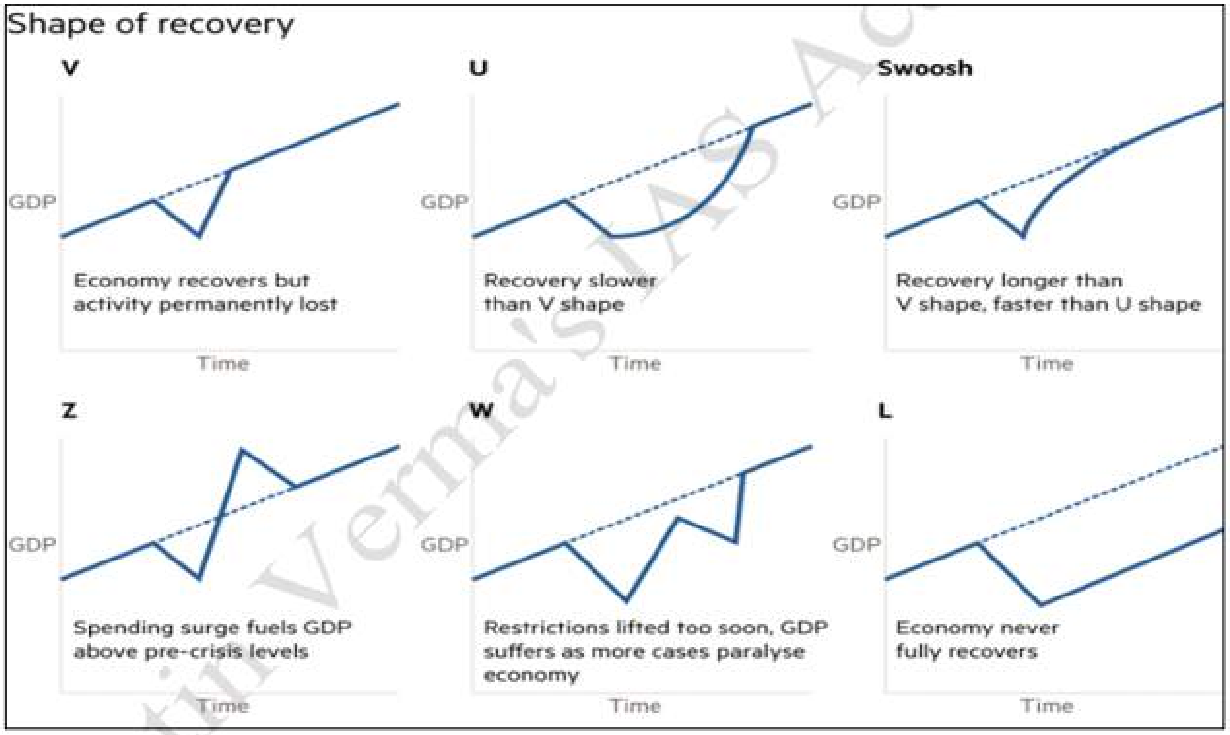

V-आकार की पुनर्बहाली

- V आकार की पुनर्बहाली में, अर्थव्यवस्था तेजी से खोई हुई भूमि को प्राप्त कर लेती है और सामान्य वृद्धि प्रवृत्ति रेखा पर वापस हो जाती है।

U-आकार की पुनर्बहाली

- एक एक नहाने वाले टब की तरह से होती है, जिसमें अर्थव्यवस्था, गिरने के बाद, संघर्ष करती है और कुछ समय तक निम्न वृद्धि दर के आसपास रहती है। बाद में वह धीरे से सामान्य स्तरों पर पहुंच जाती है।

W-आकार की पुनर्बहाली

- यह खतरनाक है- वृद्धि दर गिरकर उठती है, लेकिन पुनर्बहाली के बाद पुनः गिरती है, जिससे डब्ल्यू आकार का चार्ट बन जाता है।
- W आकार पुनर्बहाली द्वारा निरुपित दो बार गिरावट वही है जिसके बारे में कोविड की दूसरी लहर आने पर अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं और प्रारंभिक वृद्धि केवल छलावा होगी।

L-आकार की पुनर्बहाली

- यह सबसे गंभीर परिदृश्य है, जिसमें वृद्धि दर गिरने के बाद, निम्न स्तर पर ठहर जाती है और काफी लंबे समय तक पुनर्बहाली नहीं होती है।

स्वूश आकार की पुनर्बहाली

- यह नाइके लोगो की तरह ही है, जो V और U आकार के बीच की है। यहां, गिरने के बाद, वृद्धि तेजी से बढ़ती है लेकिन फिर, बाधाओं से धीमी हो जाती है, धीरे से प्रवृत्ति रेखा की ओर आती है।

J-आकार की पुनर्बहाली

- इसमें, निम्न बिंदु से वृद्धि तेजी से बढ़ती है जो प्रवृत्ति रेखा से काफी ऊंची होती है और वहां ठहर जाती है।
- इस परिदृश्य में, जबकि तली से वृद्धि होती है, वृद्धि धीमी हो जाती है और थोड़ा नीचे ठहर जाती है।

उल्टा वर्गमूल आकार की पुनर्बहाली

- इस परिदृश्य में, जहां तली से वृद्धि ऊपर उठ सकती है, वृद्धि धीमी हो जाती है और थोड़ा नीचे ठहर जाती है।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संस्कृति मंत्रालय (MoC) और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) ने लोथल, गुजरात में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के विकास में सहयोग के लिए सहमति विज्ञप्ति (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के बारे में जानकारी

- इस परियोजना की आधारशिला मार्च 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी।

महत्व

- यह भारत के समृद्ध और विविध समुद्री विरासत का संरक्षण और प्रदर्शन करेगा।
- यह जल के बड़े निकायों पर समुद्री जहाजों और यात्रा से संबंधित वस्तुओं का प्रदर्शन करेगा।
- इसका लक्ष्य भारत द्वारा विकसित की गई प्राचीन समुद्री जहाज निर्माण और नौपरिवहनीय तकनीकों का प्रदर्शन करना है।
- NMHC को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां प्राचीन से आधुनिक काल तक भारत की समुद्री विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा और शिक्षा साथ ही मनोरंजन का दृष्टिकोण जिसमें नवीनतम तकनीक का प्रयोग किया जाएगा, को अपनाया जाएगा जिससे भारत की समुद्री विरासत के बारे में जागरूरता को फैलाया जा सके।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां

- इस परियोजना का क्रियान्वयन सागरमाला कार्यक्रम के द्वारा जहाजरानी मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI), राज्य सरकार और अन्य हितधारकों को शामिल किया जाएगा।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत संग्रहालय

- भारत और पुर्तगाल गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत संग्रहालय के गठन में सहयोग करेंगे।
- पुर्तगाली नौसेना ने लिस्बन में समुद्री संग्रहालय के प्रशासन में अपने अनुभव के साथ सहायता देने पर सहमति व्यक्त की है।

अदन की खाड़ी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय नौसेना और यूरोपीय संघ नौसैनिक बल (EUNAVFOR) ने अदन की खाड़ी में सबसे पहले अभ्यास में भागीदारी की।

अभ्यास के बारे में जानकारी

- यह दो दिनों का अभ्यास था जो समुद्र में उच्च गति के नौसैनिक संचालन का गवाह बना। इसमें उन्नत वायु रक्षा और पनडुब्बी निरोधक अभ्यास, क्रॉस डेक हेलिकॉप्टर संचालन, रणनीतिक युद्धाभ्यास, बोर्डिंग ऑपरेशन, अंदरूनी पुनर्भरण, खोज एवं बचाव और अन्य समुद्री सुरक्षा ऑपरेशन शामिल थे।
- यह अभ्यास उनकी युद्ध लड़ने के कौशल को उन्नत और सुधारेगा। साथ ही एक एकीकृत बल के रूप में समुद्री क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को प्रोत्साहित करने की क्षमता को भी बढ़ाएगा। ऐसा एक वक्तव्य में कहा गया।
- साथ-साथ भारतीय नौसेना सूचना विलय केंद्र- हिंद महासागर क्षेत्र और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में समुद्री सुरक्षा केंद्र के बीच में एक वर्चुअल साझेदारी अभ्यास का भी आयोजन किया जा रहा है।

हॉर्न ऑफ अफ्रीका के बारे में जानकारी

- हॉर्न ऑफ अफ्रीका अफ्रीकी भूमि का सबसे पूर्वी विस्तार है और इसमें वे क्षेत्र शामिल हैं जहां जिबूती, इरीट्रिया, इथियोपिया, और सोमालिया, जैसे देश हैं जिनकी संस्कृतियां उनके लंबे इतिहास में जुड़े हुए हैं।
- यह लाल सागर की दक्षिणी सीमा के साथ स्थित है और अदन की खाड़ी, सोमाली समुद्र और गार्डाफुई चैनल में सैकड़ों किमी. तक फैला हुआ है।
- प्राचीन और मध्यकाल के दौरान, यह पश्चिमी दुनिया में बारबारिया और इथियोपियाई की भूमि के रूप में जाना जाता था।

अदन की खाड़ी के बारे में जानकारी

- अदन की खाड़ी, जिसे बेरबेरा की खाड़ी भी कहा जाता है, उत्तर में यमन, पूर्व में अरब सागर, पश्चिम में जिबूती, और गार्डाफुई चैनल, सोकोट्रा (यमन) और दक्षिण में सोमालिया के बीच गहरे जल की खाड़ी है।
- उत्तरपूर्व में, यह बाब-अल-मांडेब जलसंधि के द्वारा लाल सागर से जुड़ती है, और पूर्व में यह अरब सागर के साथ जुड़ती है।
- पश्चिम में, जिबूती में यह तादजौरा की खाड़ी में संकुचित हो जाती है।

महत्वपूर्ण शहर

- अदन की खाड़ी के साथ लगे हुए महत्वपूर्ण शहरों में यमन में अदन शामिल है।
- अन्य यमनी शहर जिंजीबार, शुकराह, अहवार, बालहाफ, मुकल्ला हैं।
- **हॉर्न ऑफ अफ्रीका की तरफ, जिबूती, बेरबेरा और बोसासो के शहर हैं।**

सूखा 2021 पर UNDRR रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक रिपोर्ट जिसका शीर्षक "आपदा जोखिम कमी पर वैश्विक आकलन रिपोर्टः **2021 सूखे पर विशेष रिपोर्ट" का प्रकाशन UNDRR (आपदा जोखिम कमी के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय) ने किया है।**
- संयुक्त राष्ट्र मौसम बातचीत जिसे COP26 कहते हैं, के दौरान चर्चा के हिस्से के रूप में, नवंबर 2021 में ग्लासगो में होना निर्धारित हुआ है।

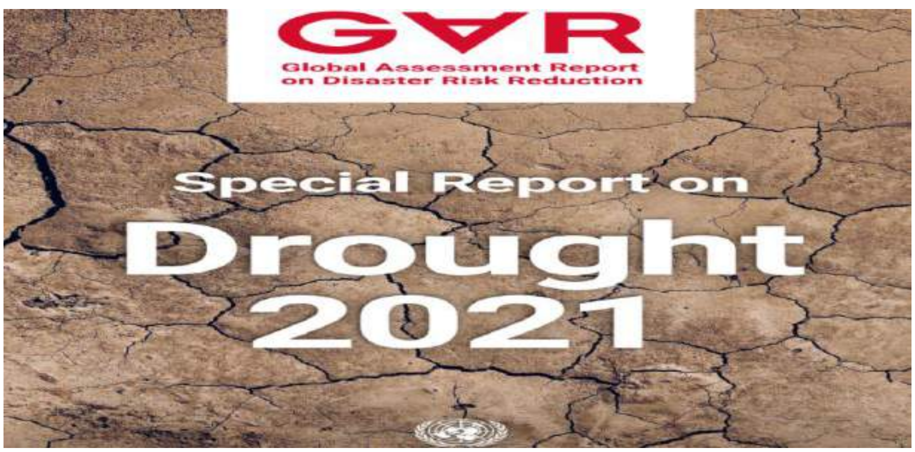

रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम

- रिपोर्ट के अनुसार सूखा अगली महामारी बनने के कगार पर है और इसको ठीक करने के लिए कोई टीका भी नहीं है।
- इस शताब्दी में अभी तक 1.5 अरब लोग प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित हुए हैं।

अर्थव्यवस्था को नुकसान

- अर्थशास्त्रीय कीमत को लगभग $124 अरब अनुमानित किया गया है।
- लेकिन, वास्तविक कीमत इससे कई गुना ज्यादा हो सकती है क्योंकि ये अनुमान विकासशील देशों में ज्यादा प्रभाव को शामिल नहीं करते हैं।

विकसित देशों का परिदृश्य

- रिपोर्ट उजागर करती है, विकसित देश भी सूखे से सुरक्षित नहीं हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी यूरोप ने हाल के दिनों में सूखे का अनुभव किया है।
- सूखे से US में एक वर्ष में 6 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है जबकि EU में 9 अरब यूरो का।
- रिपोर्ट के अनुसार, कई क्षेत्रों में जनसंख्या में वृद्धि भी ज्यादा लोगों को सूखे से प्रभावित कर रही है।
- ऑस्ट्रेलिया में, अध्ययन में पाया गया कि कृषीय उत्पादकता सूखे जैसी स्थितियों की वजह से 2002-2010 में 18% में गिर गई।
- अगले कुछ वर्षों में अधिकांश दुनिया जल संकट जैसी स्थिति में रह रही होगी।

भारत और रिपोर्ट

- GAR रिपोर्ट ने पिछले 150 वर्षों में प्रमुख सूखों का उद्धृत किया हैः 1876-1878 में, 1899-1900, 1918-1919, 1965-1967, 2000-2003 और 2015-2018।
- रिपोर्ट ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद पर गंभीर सूखे का प्रभाव लगभग 2-5% अनुमानित किया है, यह देश में बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में कृषि के घटते हुए योगदान के बावजूद है।
- अगले कुछ वर्षों में अधिकांश दुनिया में जल संकट होगा और कुछ समयकालों के दौरान मांग जल आपूर्ति से बढ़ जाएगी।
- रिपोर्ट उजागर करती है, सूखा अब वृहद् है और इस शताब्दी के अंत तक अधिकांश देश इसके किसी न किसी रूप को अनुभव करेंगे।
- यह पाया गया है कि गंभीर सूखे दक्कन में बढ़ती हुई आवृत्ति के साथ पड़ रहे हैं।

दक्कन क्षेत्र पर विशेष ध्यान

- UNDRR द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों ने दक्कन पठार पर केस अध्ययन किया है, जिसमें भारत की भूमि का 43% शामिल है।
- दक्कन क्षेत्र में संपूर्ण भारत में गंभीर सूखे की सबसे ज्यादा आवृत्ति (6% से ज्यादा) दिखाई देती है।
- रिपोर्ट का कहना है, तमिलनाडु में हाल के प्रमुख सूखों में, प्राथमिक क्षेत्र में 20% कटौती से उद्योग में संपूर्ण 5% की कमी और सेवा क्षेत्र में 3% की कमी दर्ज की गई।
- अध्ययन में पाया गया कि दक्कन पठार में प्रत्येक तीन वर्षों में एक बार खास सूखा स्थितियां पैदा होती हैं जिससे बड़े पैमाने पर प्रवसन और मरुस्थलीकरण होता है।

- 2019 के एक केस अध्ययन से ज्ञात हुआ कि महाराष्ट्र के गांव और कर्नाटक के जिले खाली हो गए क्योंकि गंभीर जल संकट की वजह से लोग चले गए; महाराष्ट्र के बीड़ जिले में एक गांव में, जिसमें 2000 की जनसंख्या में मात्र 10-15 परिवार ही पीछे रह गए।

सूखे के कारण

- बदलता वर्षा का पैटर्न जिसका कारण मौसम में गड़बड़ी है, ये सूखे का प्रमुख संचालक है।
- जल संसाधनों का अपर्याप्त प्रयोग।
- सघन कृषि और खराब खेती प्रथाओं के अंतर्गत भूमि का क्षरण।
- निर्वनीकरण
- खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग
- खेती के लिए ज्यादा चराई और जल का अत्यधिक दोहन कुछ अन्य कारक हैं।

भारत का मरुस्थलीकरण और भूमि ह्रास मानचित्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने हाल में भारत के मरुस्थलीकरण और भूमि ह्रास मानचित्र के नवीनतम वर्जन को जारी किया है।

मरुस्थलीकरण और भूमि ह्रास मानचित्र के बारे में जानकारी

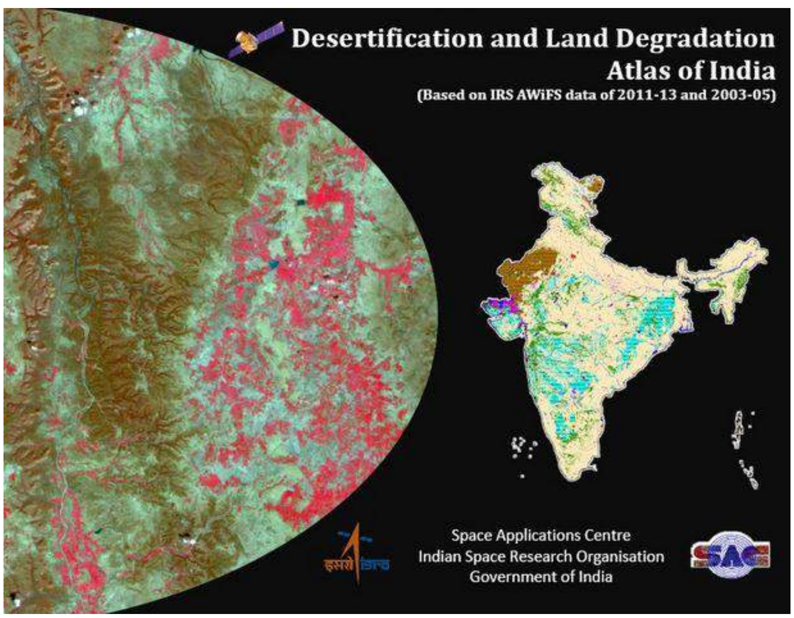

- इसका प्रकाशन अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, ISRO, अहमदाबाद द्वारा किया गया है।
- यह मानचित्र 2018-19 समयकाल के लिए भूमि ह्रास के राज्यवार क्षेत्रफल को प्रदान करता है।
- यह 15 वर्षों के काल के लिए परिवर्तन विश्लेषण को भी उपलब्ध कराता है, 2003-05 से 2018-19 तक।
- यह महत्वपूर्ण आधाररेखा और अस्थाई आंकड़ों और तकनीकी इनपुट्स को उपलब्ध कराता है।

मानचित्र का महत्व

- यह मानचित्र राज्यवार मरुस्थलीकरण और भूमि ह्रास स्थिति मानचित्रों को प्रस्तुत करता है जिसमें भूमि प्रयोग, ह्रास की प्रक्रिया और गंभीरता के स्तर का निरुपण होता है।
- इसे IRS उन्नत वृहद् क्षेत्र संसूचक (AWiFS) आंकड़े का प्रयोग करके तैयार किया गया है।
- समयकालों और परिवर्तनों दोनों के लिए मरुस्थलीकरण/भूमि ह्रास के अंतर्गत क्षेत्र को राज्यवार साथ ही पूरे देश के लिए रिपोर्ट किया जाता है।
- आउटपुट्स क्षेत्रों के प्राथमिकीकरण में उपयोगी हैं जिन्हें मरुस्थलीकरण और भूमि ह्रास के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए किया जाता है।

भारत और मरुस्थलीकरण

- भारत ने सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण के खिलाफ कार्रवाई संधि (UNCCD) के पक्षों के सम्मेलन (COP14) के 14वें सत्र का आयोजन किया।
- भारत भूमि ह्रास तटस्थता (LDN) की राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को हासिल करने की ओर अग्रसर है। साथ ही वह 2030 तक ह्रासित भूमि के 26 मिलियन हेक्टेयर की पुनर्बहाली कर रहा है।
- भारत पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों के केंद्र के भूमि ह्रास के मुद्दे को आगे बढ़ाने में अग्र पंक्ति में है।
- भारत ने भूमि पुनर्बहाली से संबंधित राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को हासिल करने की ओर प्रगति करने के लिए सामूहिक दृष्टिकोण को अपनाया है।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए प्रयास

कमांड क्षेत्र विकास

- इसे 1974 में लागू किया गया था जिसका उद्देश्य सिंचाई संभावना उपयोगिता में सुधार करना और सक्षम जल प्रबंधन के द्वारा कृषीय उत्पादन को अनुकूलतम करना है।
- जल संसाधन मंत्रालय राज्य सरकारों के सापेक्ष कार्यक्रम के क्रियान्वयन को समन्वित करता है।

एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम

- इसकी शुरुआत 1989-90 में की गई।

- इसका लक्ष्य ग्रामीण रोजगार के सृजन के साथ प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग, संरक्षण और ह्रास वाली भूमियों को विकसित करके पारिस्थितिकीय संतुलन को पुनर्बहाल करना है।
- **इसका 2003 में हरियाली गाइडलाइंस नामकरण किया गया।**
- **इसका विलय अब प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (2015-16 से 2019-20) के तहत कर दिया गया है जिसे नीति आयोग क्रियान्वित कर रहा है।**

मरुस्थल विकास कार्यक्रम

- इसकी शुरुआत 1995 में की गई जिसका उद्देश्य सूखे के खराब प्रभाव को न्यूनतम और पहचाने हुए मरुस्थल क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधन आधार को पुनर्जीवित करना था ।
- इसे राजस्थान, गुजरात, हरियाणा के गर्म मरुस्थल क्षेत्रों और जम्मू एवं कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ठंडे मरुस्थल क्षेत्रों के लिए शुरू किया गया था।
- **इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।**

राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम

- MoEFCC का राष्ट्रीय वनरोपण एवं पारिस्थितिकीय विकास बोर्ड (NAEB) विभाग ह्रासित वन क्षेत्रों के पारिस्थितिकीय पुनर्बहाली के लिए "राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम" (NAP) का क्रियान्वयन कर रहा है।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

- इसे 2001 में बढ़ते हुए मरुस्थलीकरण और उपयुक्त कार्रवाईयों को करने के लिए मुद्दों को सुलझाने के लिए तैयार किया गया।
- इसे पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन

- यह मौसम परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (NAPCC) का हिस्सा है।
- इसे 2014 में स्वीकृत किया गया था जिसका उद्देश्य 10 वर्षों की समयसीमा के साथ भारत के घटते हुए वन आच्छादन को संरक्षित, पुनर्बहाल और उन्नत करना है।
- इसे पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

अन्य कई योजनाएं जैसे हरित भारत मिशन, क्षतिपूर्ति वनरोपण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण के अंतर्गत कोष संचय (CAMPA), नगर वन योजना वन परिदृश्य के ह्रासीकरण को रोकने और पुनर्बहाली की निगरानी में मदद देंगे।

मरुस्थलीकरण से बचाव के वैश्विक प्रयास

बॉन चुनौती

- इसका लक्ष्य 2020 तक दुनिया के 150 मिलियन हेक्टेयर भूमि के वन नाशन और ह्रासित भूमि की पुनर्बहाली और 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्बहाल करना है।

सतत विकास लक्ष्यों (SDG) का लक्ष्य 15, 2030

- यह घोषणा करता है कि हम सतत उपभोग और उत्पादन के द्वारा ह्रास से ग्रह को संरक्षित करने के लिए कटिबद्ध हैं।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र संधि (UNCCD)

- इसकी स्थापना 1994 में हुई थी, यह एकमात्र बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो सतत भूमि प्रबंधन से पर्यावरण और विकास को जोड़ता है।

मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए विश्व दिवस के बारे में जानकारी

- यह प्रत्येक वर्ष 17 जून को मनाया जाता है।
- इस दिवस को 1995 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने घोषित किया था। यह जब मरुस्थलीकरण से निपटने पर संयुक्त राष्ट्र संधि का प्रारूप तैयार किया गया था, उसके एक बाद घोषित किया गया।
- 2021 के लिए थीम: **"पुनर्बहाली। भूमि। पुनः प्राप्ति। हम स्वस्थ भूमि के साथ बेहतर निर्मित करेंगे"**।

HT Bt कॉटन बीज की गैरकानूनी बिक्री में एक वर्ष में दोगुने की वृद्धि

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, HT Bt कपास की गैरकानूनी खेती (पौधनाशक प्रतिरोधी) ने काफी वृद्धि दृष्टिगोचर की है।
- इसी तरह से, HT Bt बीजों की बिक्री 2020 के 30 लाख से दुगुनी से ज्यादा होकर 2021 में 75 लाख तक पहुँच गई।

HT Bt कपास वैरिएंट के बारे में जानकारी

- शाकनाशी प्रतिरोधी Bt (HT Bt) कपास Bt कपास का अन्य वैरिएंट है।
- यह वैरिएंट संशोधन का एक और स्तर जोड़ता है, जिससे पौधा शाकनाशी ग्लाइफोसेट का प्रतिरोधी हो जाता है।
- इस वैरिएंट को अभी तक **अनुवांशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति** द्वारा स्वीकृत नहीं किया गया है।
- HT Bt कपास की गैरकानूनी खेती के संबंध में चिंताएं:

HT Bt कपास के लिए कई चिंताएं

- **सबसे पहले**, **HT Bt** कपास वैरिएंट के काफी गंभीर पर्यावरणीय और आर्थिक परिणाम हैं।
  - ऐसा इसलिए है क्योंकि यह डर है कि ग्लाइफोसेट के कैंसर जनक प्रभाव हैं।
  - आगे, शाकनाशी प्रतिरोधी के बिना रोकटोक के विस्तार से कई खतरनाक खर-पतवार पैदा हो रहे हैं।
- **दूसरा,** गैरकानूनी बिक्री छोटी कपास बीज कंपनियों का उन्मूलन करेगी और भारत में संपूर्ण कानूनी कपास बीज बाजार के लिए खतरा पैदा होगा।
- **तीसरा,** कपास बीज की गुणवत्ता की कोई जवाबदेही नहीं है क्योंकि यह गैरकानूनी तौर पर बेचा जा रहा है।
- **अंत में,** उद्योग कानूनी बीज बिक्रियों की हानि झेल रहा है और कर संग्रहण के संदर्भ में सरकार राजस्व को खो रहा है।

HT Bt कपास की गैरकानूनी खेती पर भारत सरकार का प्रतियुत्तर

- बायोतकनीक विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग कपास क्षेत्र का 15% गैरस्वीकृत HT Bt कपास के साथ बोया जाता है।
- विशेष रूप से महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और गुजरात में।
- लेकिन, भारत सरकार ने कहा कि इसने वैरिएंट की नीति तो बनाया है।
- लेकिन यह राज्य सरकार है जिसे प्रतिबंध को लागू करना है और कार्रवाई करनी है।

Bt (बैसिलस थुरिनजिनसिस) कपास के बारे में जानकारी

- यह अनुवांशिक रूप से संशोधित जीव (GMO) कपास प्रकार है, जो बोलवार्म के लिए एक कीटनाशक का उत्पादन करती है।
- बैक्टीरिया बैसिलस थुरिनजिनसिस के स्ट्रेन 200 से ऊपर विभिन्न Bt विषों का उत्पादन करते हैं, जो विभिन्न कीटों के लिए हानिकारक हैं।
- Bt विष पतंगों, भृंग, कपास बोलवार्म और ग्हटू मक्खियों और तितलियों के लार्वा के लिए कीटनाशक होते हैं, लेकिन जीवन के अन्य रूपों के लिए हानिरहित होते हैं।

- Bt विषों के लिए जीन कोडिंग को ट्रांसजीन के रूप में कपास में डाल दिया जाता है, जिससे इसके ऊतकों में ये प्राकृतिक कीटनाशक उत्पन्न हो जाते हैं।
- Bt कपास को अनुवांशिक रूप से संशोधित किया गया है जिससे कीटनाशक उत्पन्न किया जा सके जो एक सामान्य कीटनाशक कॉटन बोलवार्म से निपटता है।

Bt कपास को अपनाना

- कृषि मंत्रालय के अनुसार, 2005 से, Bt कपास का उपयोग 2007 में 81% से बढ़कर 2011 में 93% तक पहुँच गया।
- कई लघु अवधि के अध्ययन जो Bt कपास की जांच करते हैं, शुरुआती वर्ष में बताते हैं कि Bt गिरती हुई उपज और कीटनाशक खर्चों के लिए रामबाण है।

GM फसलों के बारे में जानकारी

- अनुवांशिक रूप से संशोधित फसलें वे कृषि में प्रयुक्त होने वाले पौधे हैं, जिनका डीएनए अनुवांशिक इंजीनियरिंग तकनीकों का प्रयोग करके संशोधित कर दिया जाता है।
- इसका लक्ष्य है पौधे को एक नया गुण प्रदान करना जोकि प्रजाति में प्राकृतिक रूप से नहीं होता है।
- **अनुवांशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति** (GEAC)**, भारत के अनुवांशिक रूप से संशोधित बीज के विनियामक है।**

अनुवांशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC)

- यह एक सर्वोच्च निकाय है जिसे पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986 के अंतर्गत खतरनाक सूक्ष्मजीवों/अनुवांशिक रूप से इंजीनियर्ड जीवों अथवा कोशिकाओं 1989 के विनिर्माण, प्रयोग, आयात, निर्यात और भंडारण के लिए नियमों के अंतर्गत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में गठित किया गया है।
- यह उन गतिविधियों को स्वीकृत करता है जिसमें पर्यावरणीय दृष्टि से अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन में रिकाम्बिनेंट और खतरनाक सूक्ष्मजीवों के बड़े पैमाने पर प्रयोग शामिल होते हैं।
- यह उन प्रस्तावों की स्वीकृति के लिए भी जिम्मेदार है जो पर्यावरण में अनुवांशिक रूप से इंजीनियर किये गए जीवों और उत्पादों को छोड़ने से संबंधित है। इसमें परीक्षणीय क्षेत्र परीक्षण (जैवसुरक्षा अनुसंधान स्तर परीक्षण I और II जिसे BRL-I और BRL-II कहा जाता है) शामिल हैं।

- 1989 के नियम पांच उपयुक्त प्राधिकरणों को परिभाषित करते हैं अर्थात संस्थागत जैवसुरक्षा समितियां (IBSC), अनुवांशिक हेरफेर की समीक्षा समिति (RCGM), अनुवांशिक इंजीनियरिंग स्वीकृति समिति (GEAC), राज्य बायोतकनीक समन्वय समिति (SBCC) और जिला स्तर समिति (DLC) नियमों के विभिन्न पहलुओं से निपटने के लिए।

ब्लैक सॉफ्टशेल कछुआ

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।।- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में असम के एक प्रमुख मंदिर हयाग्रीव माधव मंदिर ने दो हरित गैर सरकारी संगठनों के साथ समझौता विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए हैं, असम राज्य प्राणिउद्यान साथ ही पादपविज्ञान गार्डेन और कामरूप जिला प्रशासन के साथ। यह समझौता विरल ताजाजल ब्लाक सॉफ्टशेल कछुआ अथवा निलस्सोनिया निग्रीकैंस के दीर्घावधि संरक्षण के लिए किया गया।
- **टर्टल सर्वाइवल एलायंस इंडिया और हेल्प अर्थ द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद एक विज़न दस्तावेज 2030** को भी जारी किया गया जिसमें हयाग्रीव माधव मंदिर समिति शामिल है।

ब्लैक सॉफ्टशेल कछुए के बारे में जानकारी

- इसे बोस्तामी कछुआ (निलस्सोनिया निग्रीकैंस) भी कहा जाता है।
- यह एक ताजाजल कछुए की प्रजाति है जो भारत (असम) और बांग्लादेश (चिट्टगांव और सिलहट) में पाई जाती है।
- इसे 2002 में अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के द्वारा लुप्त घोषित कर दिया गया था, ये कछुए अभी भी मंदिर के तालाब में पाए जाते हैं जिसे हयाग्रीव माधव मंदिर कहते हैं, जो असम भारत में स्थित है।

The freshwater black softshell turtle. Special ArrangementSpecial Arrangement

संरक्षण कि स्थिति

- ये IUCN दर्जे के अनुसार **जंगल में लुप्त** के रूप में अधिसूचित हैं।
- **CITES** में अधिसूचित: **परिशिष्ट 1**

हयाग्रीव माधव मंदिर के बारे में जानकारी

- हयाग्रीव माधव मंदिर वैष्णवों का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है।
- यह मंदिर पहाड़ी स्थल में निर्मित है जो गुवाहाटी, असम के पास हाजो में स्थित है।
- ऐसा अनुमानित किया जाता है कि यह मंदिर 10-12वीं शताब्दी के दौरान पाल काल में निर्मित किया गया था।

एकीकृत विद्युत विकास योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में, एकीकृत विद्युत विकास योजना के अंतर्गत सोलन, हिमाचल प्रदेश में एक 50 kWp के सौर छत का उदघाटन किया गया।

एकीकृत विद्युत विकास योजना के बारे में जानकारी

- इसकी शुरुआत 3 दिसंबर 2014 को की गई।
- यह विद्युत मंत्रालय की फ्लैगशिप योजना है।

नोडल एजेंसी

- विद्युत वित्त निगम (PFC) MoP के संपूर्ण दिशा-निर्देश के अंतर्गत योजना के क्रियान्वयन और संचालन के लिए नोडल एजेंसी है।

घटक

- शहरी क्षेत्रों में उप-संप्रेषण और वितरण नेटवर्कों को मजबूत करना।
- शहरी क्षेत्रों में वितरण ट्रांसफारमरों/फीडरों/उपभोक्ताओं की मीटरिंग।
- वितरण क्षेत्र की IT सक्षमता और 12वीं और 13वीं योजना के लिए R-APDRP के अंतर्गत वितरण नेटवर्क को मजबूत करना। इसके लिए R-APDRP से IPDS के लिए स्वीकृत आवंटन को आगे ले जाया जाएगा।
- उद्यम संसाधन योजना (ERP) के लिए योजनाएं और बचे हुए शहरी शहरों का IT सक्षमीकरण। इसे भी IPDS के अंतर्गत शामिल किया गया है। IT सक्षमीकरण का दायरा 2011 की जनगणना के अनुसार सभी 4041 शहरों में बढ़ाया गया है।
- राज्यों की अतिरिक्त मांग को शामिल करने के लिए भूमिगत केबलिंग और योजना के अंतर्गत UDAY राज्यों को प्रदर्शित करने के लिए स्मार्ट मीटरिंग हल और सरकारी भवनों पर सौर पैनलों के साथ नेट मीटरिंग को भी योजना के तहत अनुमति दी गई है।

योजना के वृहद् उद्देश्य

- उपभोक्ताओं के लिए 24x7 विद्युत आपूर्ति।
- राज्यों के साथ सलाह से MoP द्वारा अंतिम रूप से निर्धारित पथ के रूप में AT&C हानियों में कटौती।
- सभी परिवारों को विद्युत देने के लिए पहुँच उपलब्ध करवाना।

संबंधित सूचना

'गो ग्रीन' पहल के बारे में जानकारी

- यह परियोजना सरकार की पहल 'गो ग्रीन' को फिर से पुनर्स्थापित करता है जैसा कि भारत सरकार की शहरी वितरण योजना में संकल्पना की गई है।
- वर्तमान में चल रही छत सौर के रूप में 'गो ग्रीन' पहल के अंतर्गत, सौर पैनलों को उत्तर प्रदेश (100 मेगावाट), कर्नाटक (8 मेगावाट), केरल (5 मेगावाट), पश्चिम बंगाल (4 मेगावाट), उत्तराखंड (3 मेगावाट) और हिमाचल प्रदेश (1 मेगावाट) में भी संस्थापित किया गया है।

भारतीय चिकित्सा उपकरण प्रमाणन (ICMED) 13485 प्लस योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) और भारतीय चिकित्सा उपकरण विनिर्माणकर्ता संघ (AiMeD) ने **भारतीय चिकित्सा उपकरण प्रमाणन (ICMED) 13485 प्लस योजना** की शुरुआत की है।

भारतीय चिकित्सा उपकरण प्रमाणन (ICMED) प्लस योजना के बारे में जानकारी

- ICMED 13485 PLUS, जैसा कि नई योजना का नामकरण किया गया है, चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता, सुरक्षा और सामर्थ्य के प्रमाणन को करेगी।
- ICMED 13485 Plus को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि परिभाषित उत्पाद मानकों और विशिष्टीकरण के संदर्भ के साथ उत्पादों के विटनेस परीक्षण के द्वारा गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली घटक और उत्पाद संबंधित गुणवत्ता वैधता प्रक्रियाओं को एकीकृत किया जा सके।

महत्व

- यह दुनिया में पहली योजना है जिसमें गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियां साथ में उत्पाद प्रमाणन मानकों को विनियमन जरूरतों के साथ एकीकृत किया गया है।
- यह योजना भारत में चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के लिए शुरू से अंत तक गुणवत्ता आश्वासन योजना होगी।
- यह योजना उत्पाद गुणवत्ता और सुरक्षा के आश्वासन के लिए अत्यंत जरूरी संस्थागत तंत्र को उपलब्ध कराती है।
- यह खराब मानक के चिकित्सा उत्पादों अथवा उपकरणों जो संदेहास्पद हैं एवं स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं, उनके चक्रण और प्रयोग के उन्मूलन में मदद करेगी।

पृष्ठभूमि

भारतीय चिकित्सा उपकरण प्रमाणन योजना के बारे में जानकारी

- इस योजना की शुरुआत 2016 में भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग (AIMED) ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) एवं राष्ट्रीय प्रमाणन निकायों के लिए प्रत्यायन बोर्ड (NABCB) के साथ मिलकर चिकित्सा उपकरणों के प्रमाणन के लिए किया था।

उद्देश्य

- देश में चिकित्सा उपकरणों के लिए गुणवत्ता प्रमाणन क्षेत्र में विनियमन शून्य को भरना।

इस योजना की शुरुआत प्रमाणन के दो स्तरों के साथ की गई है-

a. ICMED 9000 प्रमाणन जो ISO 9001 प्लस अतिरिक्त जरूरतें है।
b. ICMED 13485 जो ISO 13485 प्लस अतिरिक्त जरूरतें है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के बारे में जानकारी

- भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) का गठन 1997 में किया गया था।
- यह एक स्वायत्त निकाय है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग से जुड़ा है।
- QCI के अध्यक्ष की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा सरकार से उद्योग की संस्तुति से की जाती है।

QCI के प्रत्यायन बोर्ड

  - प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NABCB) और परीक्षण एवं कैलीब्रेशन प्रयोगशालाओं के लिए प्रत्यायन बोर्ड (NABL) QCI के दो प्रत्यायन बोर्ड हैं।
  - ये दो निकाय आपस में करीब से काम करते हैं जिससे सरकार और विनियामकों को यह सुनिश्चित करवाया जा सके कि प्रत्यायित अनुरूपता आकलन निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े मजबूत, विश्वसनीय, निर्णय लेने, अनुपालन और मानक निर्धारण के संदर्भ में विश्वास योग्य हैं।
- QCI में भारतीय उद्योग का प्रतिनिधित्व तीन प्रमुख उद्योग संघों- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (ASSOCHAM), भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (FICCI) द्वारा किया जाता है।

विद्युत मंत्रालय ने संप्रेषण शुल्कों में छूट के लिए RE के लिए समयरेखा को 2 वर्षों के लिए बढ़ाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में और भी है?

- हाल में, विद्युत मंत्रालय ने 30 जून 2025 तक लगने वाली परियोजनाओं के लिए सौर और पवन स्रोतों से उत्पन्न विद्युत के संप्रेषण पर अंतर-राज्यीय संप्रेषण प्रणाली (ISTS) शुल्कों की छूट को बढ़ाने के लिए एक आदेश जारी किया है।
- पूर्व में, यह 30 जून, 2023 तक ही लागू था।

इस कदम का महत्व

- यह सौर, पवन, जल द्वारा पंप किए गए भंडारण संयंत्र और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, विद्युत विनिमय में नवीकृत ऊर्जा के व्यापार, और पूरे राज्यों में नवीकृत ऊर्जा विद्युत के बाधारहित संप्रेषण के विकास को प्रोत्साहित करने में मदद देगा।
- यह विद्युत ग्रिड में अर्थात 2030 तक लगभग 450 गीगावाट नवीकृत के बड़े पैमाने पर एकीकरण की वजह से पैदा हुई ग्रिड की बाकी जरूरतों को पूरा करने के लिए जल से पंप किए गए भंडारण संयंत्र और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजनाओं को प्रोत्साहित करेगी।
- संप्रेषण शुल्कों में छूट को दो वर्षों के लिए अर्थात 30 जून 2023 तक ग्रीन टर्म अहेड बाजार (GTAM) और ग्रीन डे अहेड बाजार (GDAM) में सौर, पवन, PSP और BESS से उत्पादित/ आपूर्ति विद्युत के व्यापार के लिए अनुमति दी गई है।
- नवीकरणीय ऊर्जा के बिक्रेताओं को अपने आधिक्य विद्युत को विद्युत विनिमयों में बेचने के अवसर भी मिलेंगे अथवा उन्हें विद्युत विनिमय में बिक्रेताओं को बेचने की अग्रिम अनुमति होगी।
- यह संशोधन आदेश नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एक प्रोत्साहन होगा और भारत सरकार के लिए मौसम परिवर्तन की ओर अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में एक कदम आगे बढ़ाना होगा।

विश्व निवेश रिपोर्ट 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है

- UN व्यापार और विकास सम्मेलन (UNCTAD) द्वारा विश्व निवेश रिपोर्ट 2021 को हाल में जारी किया गया।

प्रमुख खास बातें

वैश्विक परिदृश्य

- वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश महामारी की वजह से बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और वे पूर्व वर्ष के $1.5 ट्रिलियन से गिरकर 2020 में $1 ट्रिलियन हो गए हैं।
- पूरे विश्व में कोविड-19 की वजह से लॉकडाउन से वर्तमान निवेश परियोजनाएं धीमी पड़ गई हैं और नई परियोजनाओं के पुनः आकलन के लिए बहुराष्ट्रीय उद्यमों (MNEs) के नेतृत्व में मंदी की संभावना है।

- महामारी ने वैश्विक रूप से डिजिटल अवसंरचना और सेवाओं में मांग को प्रोत्साहित किया है। इसकी वजह से ग्रीनफील्ड विदेशी प्रत्यक्ष निवेश परियोजनाओं की घोषणाओं में उच्च मूल्य प्राप्त हो रहे हैं जो ICT उद्योग को लक्षित कर रहे हैं, ये 22 प्रतिशत बढ़कर $81 अरब तक पहुँच गए हैं।

भारत और रिपोर्ट

- FDI बार्हिप्रवाह के मामले में भारत का 20 सर्वोच्च अर्थव्यवस्थाओं में 18 स्थान है, जिसमें 2020 के दौरान देश में 12 अरब डॉलर के बार्हिप्रवाह रिकॉर्ड किए गए जबकि इसकी तुलना में यह आंकड़ा 2019 में 13 अरब डॉलर था।
- रिपोर्ट ने कहा भारत में FDI 2019 के $51 अरब से बढ़कर 2020 में $64 अरब तक पहुँच गया। इस वृद्धि का प्रमुख कारण सूचना और संचार तकनीक (ICT) उद्योग में अधिग्रहण रहा जिससे देश दुनिया में पांचवां सबसे बढ़ा FDI प्राप्त करने वाला देश बन गया।
- देश का निर्यात संबंधित विनिर्माण, जो एक प्राथमिकता वाला निवेश क्षेत्र है, पुनर्वापसी करने में काफी समय लेगा, लेकिन सरकार का प्रोत्साहन मदद कर सकता है।
- भारत की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, जिसे प्राथमिकता उद्योग में विनिर्माण और निर्यातोन्मुखी निवेश को आकर्षित करने के लिए बनाया गया है, जिसमें आटोमोटिव और इलेक्ट्रानिक्स शामिल हैं, विनिर्माण में निवेश को वापस ला सकते हैं।
- 2021 में भारत से निवेश के स्थिर होने की संभावना है, जिसे यूरोपीय संघ (EU) के साथ मुक्त व्यापार समझौता (FTA) बातचीत देश द्वारा शुरू करने और अफ्रीका में मजबूत निवेश से समर्थन मिल रहा है।

UNCTAD के बारे में जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD) की स्थापना 1964 में दुनिया की अर्थव्यवस्था में विकासशील देशों के विकास हितैषी एकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी।
- **UNCTAD एक स्थाई अंतरसरकारी निकाय है जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।**

इसके द्वारा प्रकाशित कुछ रिपोर्ट निम्न हैं:

- व्यापार एवं विकास रिपोर्ट
- विश्व निवेश रिपोर्ट
- अल्प विकसित देश रिपोर्ट
- सूचना और अर्थव्यवस्था रिपोर्ट
- तकनीक और नवाचार रिपोर्ट
- वस्तु एवं विकास रिपोर्ट

ओडिशा सभी तीन मगरमच्छों की प्रजातियों वाले एकमात्र राज्य के रूप में उभरा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- ओडिशा हाल में एकमात्र राज्य के रूप में उभरा है जहां सरीसृप की तीनों प्रजातियां ताजाजल घड़ियाल, मगर और लवणजल मगरमच्छ हैं।

ये प्रजातियां हैं

a. घड़ियाल महानदी के साताकोसिया में हैं
b. मगर भिटार कनिका राष्ट्रीय पार्क में हैं
c. लवणजल मगरमच्छ

संबंधित सूचना

भारत में मगरमच्छों की प्रजातियां

a. **मगर अथवा दलदली मगरमच्छ**

आवास

- यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित है जहां पर ये ताजाजल आवास प्रकारों की संख्या में पाया जाता है जिसमें नदियां, झीलें और दलदल शामिल हैं।
- लेकिन, ये तटीय लवणजल खाड़ियों और मुहानों में भी पाए जा सकते हैं।

संरक्षण की स्थिति

- संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN सूची: कमजोर
- CITES : परिशिष्ट I
- इन्हें वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 की अनुसूची 1 में अधिसूचित किया गया है।
- यह भूटान और म्यांमार में पहले से ही लुप्त हो चुके हैं।

b. नदी के मुहाने वाले अथवा लवणजल मगरमच्छ

- इसे पृथ्वी की सबसे बड़ी जीवित मगरमच्छ प्रजाति माना जाता है।

आवास

- यह ओडिशा के भिटारकनिका राष्ट्रीय पार्क, पश्चिम बंगाल में सुंदरबन और अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में पाया जाता है।
- यह पूरे दक्षिणपूर्व एशिया और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है।

संरक्षण की स्थिति

- संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN सूची: **कम चिंता वाले**
- CITES: परिशिष्ट I (ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी की जनसंख्याओं के अतिरिक्त, जिन्हें परिशिष्ट II में शामिल किया गया है)।
- इन्हें वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 की अनुसूची 1 में अधिसूचित किया गया है।

c. घड़ियाल

- घड़ियाल, जिन्हें कभी-कभी गवियाल भी कहा जाता है, एक प्रकार के एशियाई मगरमच्छ हैं जिनकी विशेषता उनके लंबे, पतले थूथुन हैं जो एक पात्र से मिलते जुलते हैं (हिंदी में घड़ा)।

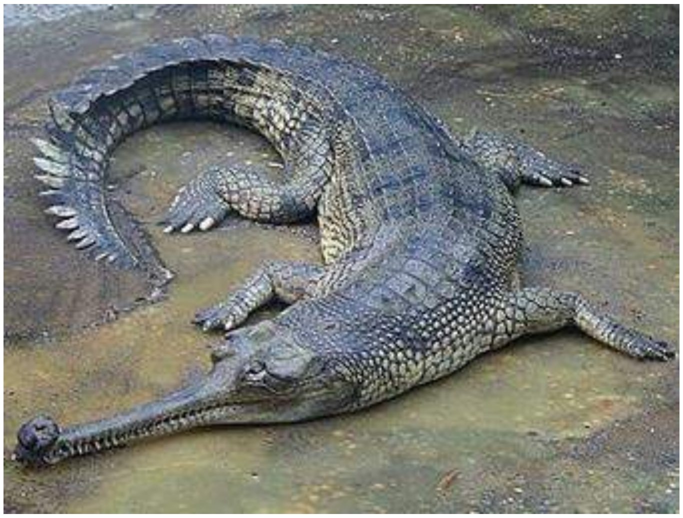

- घड़ियाल एक प्रकार के मगरमच्छ होते हैं जिसमें मगरमच्छ, एलीगेटर, केमेन इत्यादि शामिल हैं।

आवास

- घड़ियाल मुख्य रूप से हिमालियाई नदियों के ताजे जल में पाए जाते हैं।

प्राथमिक आवास

- विन्ध्य पर्वतों (मध्य प्रदेश) की उत्तरी ढलानों में चंबल नदी को घड़ियाल का प्राथमिक आवास माना जाता है।

द्वितीयक आवास

- हिमालियाई नदियां जैसे घाघरा, गंडक नदी, गिरवा नदी, रामगंगा नदी और सोन नदी घड़ियाल के द्वितीयक आवास हैं।

संरक्षण की स्थिति

- संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN सूची: **गंभीर रूप से संकटग्रस्त**
- CITES : परिशिष्ट I
- इसे वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 की अनुसूची 1 में अधिसूचित किया गया है।

मगरमच्छों को संरक्षित करने के लिए सरकारी पहल

भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना

- मगरमच्छ संरक्षण परियोजना की शुरुआत 1975 में विभिन्न राज्यों में की गई थी।
- घड़ियाल और लवणजल मगरमच्छ संरक्षण कार्यक्रम को 1975 की शुरुआत में ओडिशा में सबसे पहले क्रियान्वित किया गया था और बाद में मगर संरक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

विश्व मगरमच्छ दिवस के बारे में जानकारी

- यह दिवस 17 जून को मनाया जाता है।
- यह दिवस वैश्विक जागरूकता अभियान है जो पूरी दुनिया में संकटग्रस्त मगरमच्छों और एलीगेटरों की स्थिति को उजागर करता है।

पिग्मी सुअर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, 12 कैद में प्रजनन करने वाले पिग्मी सुअरों में से 8 को पश्चिमी असम के मानस राष्ट्रीय पार्क में छोड़ दिया गया। यह दुनिया का सबसे विरल और सबसे छोटा जंगली सुअर है।
- बाकी के चार को 25 जून को छोड़ा जाएगा।

पिग्मी सुअरों के बारे में जानकारी

- यह दुनिया का सबसे छोटा जंगली सुअर प्रजाति है।
- वे अधिकांशतः भारत में असम और पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्सों में पाए जाते हैं।
- ये जानवर अपने आवास के रूप में घने घास के मैदानों का चुनाव करते हैं।

खतरा

- कृषि, मानव आवास, मवेशियां की चराई, व्यावसायिक वानिकी और घास के मैदानों को जलाना उनके अस्तित्व के लिए कुछ खतरें हैं।

संरक्षण की स्थिति

- इन्हें IUCN लाल सूची में **संकटग्रस्त** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

सरकार की पहल

पिग्मी सुअर संरक्षण कार्यक्रम

- पिग्मी सुअर संरक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 1996 में की गई।
- यह कार्यक्रम UK के डारेल वन्यजीवन संरक्षण न्यास, असम वन विभाग, प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ के जंगली सुअऱ विशेषज्ञ समूह और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के बीच में गठबंधन है।
- इसे वर्तमान में गैर सरकारी संगठनों अरण्यक और इकोसिस्टम्स इंडिया द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।
- पुनः परिचय कार्यक्रम को 2008 में शुरू किया गया। इसमें सोनई-रुपई वन्यजीवन अभ्यारण्य (35 सुअऱ), ओरंग राष्ट्रीय पार्क (59) और बर्नाडी वन्यजीवन अभ्यारण्य (22) शामिल हैं।

विश्व के पहले अनुवांशिक रूप से संशोधित रबड़ पौधे को असम में लगाया गया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था+ विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, गुवाहाटी के बाहरी हिस्से पर एक रबड़ बोर्ड अनुसंधान फार्म में अब दुनिया का पहला अनुवांशिक रूप से संशोधित (GM) रबड़ पौधा है जो उत्तरपूर्व में मौसमी परिस्थितियों के लिए तैयार किया गया है।
- इस पौधे को केरल आधारित भारतीय रबड़ अनुसंधान संस्थान (RRII) द्वारा विकसित किया गया है।

अनूठा चरित्र

- GM रबड़ में MnSOD जीन की अतिरिक्त प्रतिकृतियां हैं, अथवा मैंगनीज वाला सुपरऑक्साइड डिस्म्यूटेस है, जिसे पौधे में डाल दिया गया है।
- इस जीन से जाड़े के दौरान गंभीर ठंड की स्थितियों से बचने की संभावना है- यह एक प्रमुख कारक है जो क्षेत्र में युवा रबड़ पौधों की वृद्धि को प्रभावित करता है।

संबंधित सूचना

भारत में रबड़ का उत्पादन

- भारत दुनिया का मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और ब्राजील के बाद पांचवां सबसे बड़ा रबड़ उत्पादक देश है।
- यह लगभग 7 लाख टन रबड़ का उत्पादन करता है, जोकि दुनिया के कुल उत्पादन का 4 प्रतिशत है।
- केरल भारत में प्राकृतिक रबड़ का अग्रणी उत्पादक है।
- अन्य रबड़ उत्पादक राज्य तमिलनाडु, कर्नाटक और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह हैं।

1947 के रबड़ कानून के बारे में जानकारी

- इसका निर्माण प्राकृतिक रबड़ को एक रणनीतिक उत्पाद के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए किया गया, जिससे रबड़ उद्योग का केंद्र के नियंत्रण के अंतर्गत विकास हो सके।
- इसने भारत में रबड़ उद्योग के नियंत्रण और समन्वयन के लिए रबड़े बोर्ड की स्थापना की है।
- यह बोर्ड, डीलर, विनिर्माणकर्ता इत्यादि जैसे रबड़ उद्योग से संबंधित महत्वपूर्ण शब्दों और परिभाषाओं की स्थापना करता है।

बढ़ते समुद्री स्तरों की वजह से लक्षद्वीप बड़े तटीय क्षय का सामना कर सकता हैः अध्ययन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, IIT- खड़गपुर के वैज्ञानिकों के एक समूह ने विज्ञान और तकनीक विभाग के अंतर्गत एक अध्ययन किया और पाया कि लक्षद्वीप के चारों ओर समुद्री स्तरों के वार्षिक तौर पर 0.4 मिमी. से 0.9 मिमी. के बीच में बढ़ने की संभावना है, जिससे कई द्वीपों में तटीय क्षय होगा और शायद छोटे द्वीप डूब जाएं।

अध्ययन की प्रमुख खास बातें

- इस अध्ययन ने अनुमान लगाया है कि चेटलट और अमिनी द्वीपों के बड़े पैमाने पर भूमि खो देने की संभावना है। अनुमान नक्शांकन ने इंगित किया कि वर्तमान तटरेखा के लगभग 60-70 प्रतिशत के अमिनी में भूमि हानि की संभावना है जबकि चेटलट में यह 70-80 प्रतिशत तक हो सकता है।
- मिनीकॉय द्वीप और राजधानी कावारत्ती भी समुद्री जल स्तर के बढ़ने से प्रभावित हो सकते हैं, और इनके वर्तमान तटरेखा के 60 प्रतिशत के लगभग भूमि हानि होने की संभावना है।

तटीय संरक्षण उपाय

दो प्रकार के तटीय संरक्षण उपाय हैं जिन्हें सरकार अपना सकती है

a. हल्के उपाय अर्थात, मैनग्रोव का सृजन, जिसे हम ज्यादा प्रभावी मानते हैं।
b. सख्त इंजीनियरिंग हल जिसमें समुद्री दीवारों का निर्माण शामिल है- यह काफी खर्चीला काम है।

लक्षद्वीप के बारे में जानकारी

- लक्षद्वीप द्वीपसमूह में अरब सागर में मूंगे और चट्टान निर्माण के 36 द्वीप शामिल हैं, जो कुल 32 वर्ग किमी. में है।
- इन द्वीपों की विशेषता निम्न ऊंचाई है, जिसमें अधिकतम ऊंचाई माध्य समुद्री स्तर से 4-6 मी. तक है और न्यूनतम ऊंचाई 1 मी. से भी कम है।

अमेरिका के साथ पैसेज अभ्यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा , स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, भारतीय नौसेना और वायु सेना ने हिंद महासागर क्षेत्र से गुजरने के दौरान अमेरिकी नौसेना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (CSG) रोनाल्ड रीगन के साथ दो दिवसीय पैसेज अभ्यास शुरू किया।

पैसेज अभ्यास के बारे में

- यह एक नौसैनिक अभ्यास है जो भारतीय नौसेना द्वारा मित्रवत विदेशी नौसेनाओं की यूनिट के साथ नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, ये तब आयोजित किया जाता है जब वे एक-दूसरे के बंदरगाहों पर या समुद्र में एक-दूसरे को पार करती हैं।

लक्ष्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्री संचालन में व्यापक रूप से एकीकृत और समन्वय करने की क्षमता का प्रदर्शन करके द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को मजबूत करना है।

प्रभाव

- यह समुद्री डकैती से लेकर हिंसक उग्रवाद तक, समुद्र में खतरों का मुकाबला करने के लिए दोनों पक्षों की क्षमता को बढ़ाएगा।

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच पहले से मौजूद मजबूत संबंधों के निर्माण के अवसर भी प्रस्तुत करेगा और दोनों देशों को एक दूसरे से सीखने की अनुमति देगा।

हाल के पैसेज अभ्यास

- जुलाई 2020 में, भारत, जापान और अमेरिका के साथ PASSEX का आयोजन करता है।
- सितंबर 2020 में, भारत रूस के साथ PASSEX का आयोजन करता है।

पीटर पैन सिंड्रोम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में मुंबई की एक विशेष अदालत ने नाबालिग का यौन शोषण करने वाले 23 वर्षीय आरोपी को जमानत दे दी है।

न्यायालय का अवलोकन

- सुनवाई के दौरान, आरोपी ने अदालत को बताया था कि वह "पीटर पैन सिंड्रोम" से पीड़ित है, जिसके बाद विशेष सरकारी अभियोजक ने तर्क दिया कि उस व्यक्ति की एक मेडिकल जांच में असामान्यता के कोई लक्षण नहीं दिखाई दिए, और यह कि बचाव पक्ष भी चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सका जिससे कि दावे का समर्थन किया जा सके।
- आरोपी के वकील ने कहा कि पीटर पैन सिंड्रोम उन लोगों को प्रभावित करता है जो बड़े होने में असमर्थ महसूस नहीं करते हैं या बड़ा होना नहीं चाहते हैं, जहां किसी व्यक्ति की मानसिक उम्र उसकी शारीरिक उम्र से अधिक है।

पीटर पैन सिंड्रोम के बारे में जानकारी

- 'पीटर पैन सिंड्रोम' शब्द पहली बार 1983 में डॉ डैन केली द्वारा लिखी गई एक किताब में आया था, जिसका शीर्षक था 'पीटर पैन सिंड्रोम: मेन हू हैव नेवर ग्रोन अप'।

1. ऐसा कहा जाता है कि जो लोग समान व्यवहार विकसित करते हैं - लापरवाह जीवन जीना, वयस्कता में चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को ढूंढना, और मूल रूप से, "कभी बड़े नहीं होना" - पीटर पैन सिंड्रोम से पीड़ित होने के लक्षण हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का दृष्टिकोण

- डब्ल्यूएचओ पीटर पैन सिंड्रोम को स्वास्थ्य विकार के रूप में मान्यता नहीं देता है; कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो किसी के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।

पीटर पैन सिंड्रोम के लक्षण

- जैसा कि पीटर पैन सिंड्रोम को आधिकारिक तौर पर एक स्वास्थ्य विकार के रूप में चिह्नित नहीं किया गया है, इसके स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्षण या विशेषताएं या उनके कारण भी नहीं हैं जिसके कारण ये होता है।
- हालांकि, 'हेल्थलाइन' के अनुसार, यह किसी की दैनिक दिनचर्या, रिश्तों, कार्य नैतिकता को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन हो सकता है।
- पीटर पैन सिंड्रोम लिंग, जाति या संस्कृति से परे किसी को भी प्रभावित कर सकता है।
- हालांकि, यह पुरुषों में अधिक आम प्रतीत होता है।

संबंधित शब्द

वेंडी सिंड्रोम

- वेंडी सिंड्रोम वेंडी डार्लिंग के बाद आता है, जो पीटर पैन के साथ दिखाई देता है लेकिन उसे एक विरोधी चरित्र के रूप में देखा जाता है।

- उसे अक्सर एक "माँ" कहा जाता है, जो एक वयस्क या अधिक परिपक्व व्यक्ति की भूमिका निभाती है।

- 'हेल्थलाइन' वेंडी सिंड्रोम से पीड़ित लोगों का वर्णन करता है जैसा कि अक्सर "निर्णय लेने, गड़बड़ी को दूर करने और एकतरफा भावनात्मक समर्थन की पेशकश" के रूप में देखा जाता है।

डेल्टा प्लस: K417N म्यूटेशन के साथ कोरोनावायरस का एक संस्करण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, भारत में डेल्टा कोरोनवायरस विषाणु के लगभग 40 मामले उत्परिवर्तन के साथ देखे गए हैं जो इसे अधिक संक्रमणीय बनाते हैं और राज्यों को परीक्षण बढ़ाने की सलाह दी गई है।

डेल्टा प्लस क्या है?

- भारत में "डेल्टा प्लस" नामक संस्करण को पहली बार 11 जून को एक पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड बुलेटिन में रिपोर्ट किया गया था।

- यह भारत में पहली बार खोजे गए डेल्टा संस्करण का एक उप-वंश है और इसने K417N नामक स्पाइक प्रोटीन उत्परिवर्तन का अधिग्रहण किया है जोकि दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पहचाने गए बीटा संस्करण में भी पाया जाता है।
- भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "उत्परिवर्तन K417N दिलचस्पी का विषय बन गया है क्योंकि यह बीटा संस्करण (B.1.351 वंश) में मौजूद है, जिसमें प्रतिरक्षा से बचने के गुण की सूचना मिली थी"।
- K417N को चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के कॉकटेल की प्रभावशीलता को कम करने के लिए जाना जाता था।

यह कहां-कहां से मिला है?

- 16 जून तक, 11 देशों - ब्रिटेन (36), कनाडा (1), भारत (8), जापान (15), नेपाल (3), पोलैंड (9), पुर्तगाल (22), रूस (1), स्विट्ज़रलैंड (18), तुर्की (1), संयुक्त राज्य अमेरिका (83) से कम से कम 197 मामले सामने आए थे।
- ब्रिटेन ने कहा कि उसके पहले 5 मामलों को 26 अप्रैल को अनुक्रमित किया गया था और वे उन व्यक्तियों के संपर्क थे, जिन्होंने नेपाल और तुर्की से यात्रा की थी या वहां से गुजरे थे।
- **ब्रिटेन और भारतीय मामलों में कोई मौत नहीं हुई।**

नए वेरिएंट T478K के बारे में जानकारी

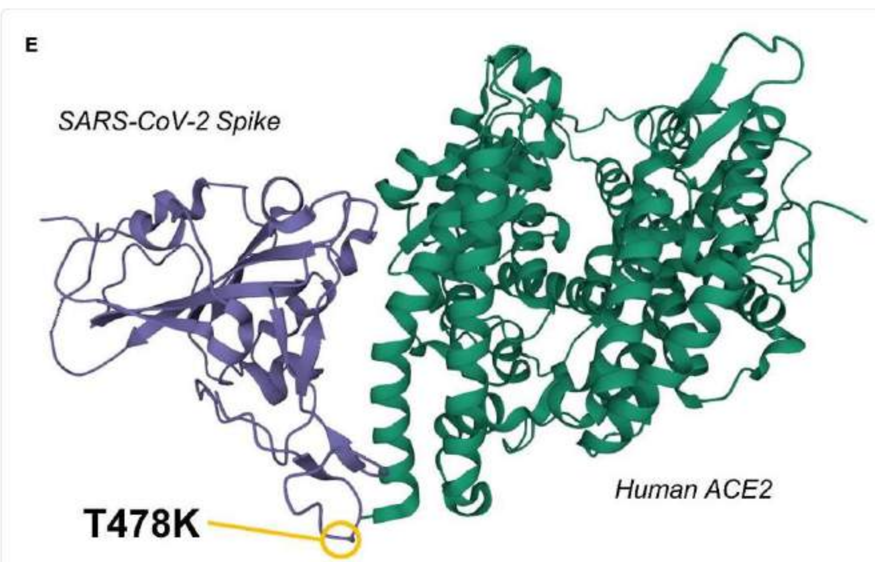

- यह ज्यादातर मेक्सिको में फैल रहा है लेकिन यूरोप में भी पाया गया है।
- दूसरे स्ट्रेन की तरह, यह स्पाइक प्रोटीन में एक उत्परिवर्तन दिखाता है।
- यह वैरिएंट पुरुषों और महिलाओं और सभी आयु वर्गों में समान रूप से फैला हुआ है।

- यह वैरिएंट मेक्सिको में सभी अनुक्रमित कोरोना वायरस के 52.8% का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अमेरिका में यह केवल 2.7% अनुक्रमित नमूनों में दिखाई देता है।

ग्रेट बैरियर रीफ के पतन की स्थिति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र की एक समिति ने सिफारिश की है कि ग्रेट बैरियर रीफ को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में "**संकटग्रस्त**" श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए।

ग्रेट बैरियर रीफ को 'संकटग्रस्त' श्रेणी में शामिल करने के कारण

- कानूनी समूहों की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 की समीक्षा के बाद से रीफ के हालात खराब हो गए हैं, पिछले साल एक समुद्री पार्क प्राधिकरण की रिपोर्ट को देखते हुए पाया गया कि इसका परिदृष्य खराब से बहुत खराब हो गया था और यह माना गया था कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन इसके स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा था।
- भीषण समुद्री गर्मी की लहरों के कारण इसे तीन प्रमुख प्रवाल विरंजन घटनाओं का भी सामना करना पड़ा है।
- दिसंबर 2020 में, प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन ने चट्टान को गंभीर स्थिति में धकेल दिया है।

संकटग्रस्त विश्व विरासत के बारे में

- 'संकटग्रस्त विश्व विरासत' सूची अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन स्थितियों के बारे में सूचित करने के लिए तैयार की गई है जो उस जगह को विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल किए जाने की विशेष खूबी को खतरे में डालती है और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है।
- **ये निम्न हैं**
  - सशस्त्र संघर्ष और युद्ध, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाएं, प्रदूषण, अवैध शिकार, अनियंत्रित शहरीकरण और अनियंत्रित पर्यटन विकास विश्व धरोहर स्थलों के लिए बड़ी समस्याएं हैं। जब किसी विरासत स्थल पर खतरा होता है जिसका विश्व विरासत मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता था, तो खतरे विशिष्ट और सिद्ध अवश्यंभावी खतरों का हवाला देते हुए, "निश्चित" या "संभावित" को सकते हैं।
- अब तक **53 विरासत स्थल हैं जिन्हें विश्व विरासत समिति ने कन्वेंशन के अनुच्छेद 11 (4) के अनुसार खतरे में विश्व विरासत सूची में शामिल करने का निर्णय लिया है।**
- **वेनिस** का **इतालवी शहर, जो पर्यटकों से भरा हुआ है, और अंग्रेजी शहर लिवरपूल का तट, जो एक प्रमुख** पुनर्विकास के **दौर से गुजर रहा है**, यूनेस्को के दर्शनीय स्थलों की सूची में शामिल हैं।

पृष्ठभूमि

- 1972 के विश्व विरासत सम्मेलन के तहत, एक विश्व विरासत स्थल - जैसा कि कन्वेंशन के अनुच्छेद 1 और 2 में परिभाषित है - को समिति द्वारा विश्व विरासत सूची में खतरे में दर्ज किया जा सकता है जब यह पता चलता है कि स्थल की स्थिति परिचालन दिशानिर्देशों में वर्णित दो मामलों में से किसी एक में मानदंड से कम से कम से मेल खाती है।

ग्रेट बैरियर रीफ के बारे में जानकारी

- यह ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट पर उल्लेखनीय विविधता और सुंदरता से परिपूर्ण स्थल है।
- इसमें 400 प्रकार के प्रवाल, मछलियों की 1500 प्रजातियां और 4,000 प्रकार के मोलस्क के साथ प्रवाल भित्तियों का विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है।
- रीफ ढांचे में "ईंटों" का निर्माण छोटे जीवों के चूने के अवशेषों से होता है जिन्हें कोरल पॉलीप्स और हाइड्रोकोरल के रूप में जाना जाता है।
- "सीमेंट" जो इन अवशेषों को एक साथ बांधता है, बड़े हिस्से में कोरलीन शैवाल और **ब्रायोजोन्स** द्वारा बनता है ।

संबंधित शब्द

प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) के बारे में जानकारी

- प्रवाल और ज़ोक्सांथेला एक सहजीवी संबंध रखते हैं, और 90% पोषक तत्व जो शैवाल द्वारा उत्पादित होते हैं, प्रवाल पोषक को स्थानांतरित कर दिए जाते हैं।
- लेकिन यह संबंध गंभीर पर्यावरणीय तनाव के कारण प्रभावित हो जाता है जिससे सहजीवी शैवाल (zooxanthellae) का नुकसान होता है।
- परिणामस्वरूप, सफेद कैल्शियम-कार्बोनेट एक्सोस्केलेटन अपने पारदर्शी ऊतक के माध्यम से दिखाई देता है जिससे कोरल ब्लीचिंग के रूप में जाना जाता है।

- शैवाल की अनुपस्थिति में मूंगे कमजोर हो जाते हैं और यदि समुद्र का तापमान हफ्तों तक ऊंचा रहता है तो वे मरने लगते हैं।
- 2016 और 2017 के रिकॉर्ड के अनुसार, ग्रेट बैरियर रीफ का आधा हिस्सा कोरल ब्लीचिंग के कारण खत्म हो गया है।

अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं: https://whc.unesco.org/en/danger/

सरकार ने दूसरी कोविड लहर के बाद रु. 6.28 लाख करोड़ के प्रोत्साहन का अनावरण किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, वित्त मंत्री ने अर्थव्यवस्था के लिए कुछ नए राहत उपायों की घोषणा की है। यह दूसरी कोविड-19 लहर के बाद पहला ऐसा पैकेज है।

खबरों में और भी है

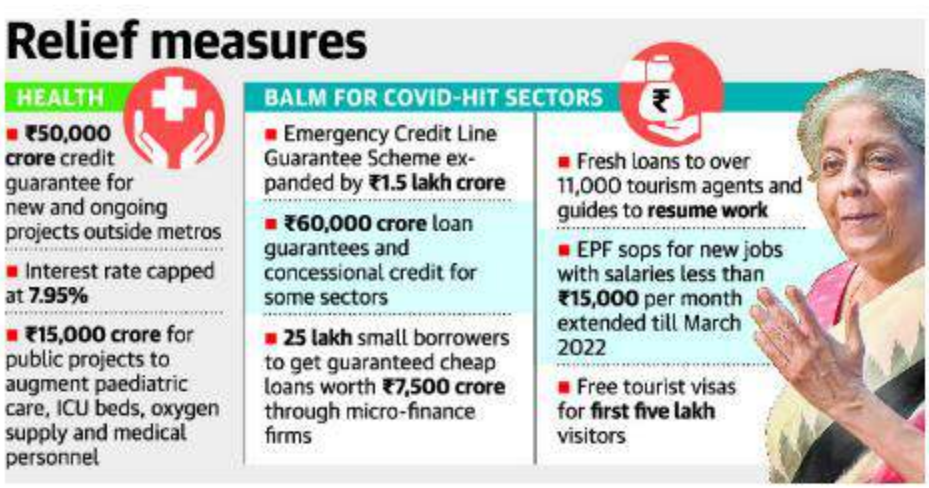

- कुल 17 उपायों जिनकी राशि रु. 6,28,993 करोड़ है, की घोषणा की गई।
- इनमें पूर्व में घोषित दो उपाय शामिल हैं अर्थात DAP और P&K खादों के लिए अतिरिक्त सब्सिडी, और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार।
- यह पैकेज मुख्य रूप से महामारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऋण गारंटियों और रियायती ऋण का विस्तार करने और स्वास्थ्य देखभाल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए निवेश पर केंद्रित है।

पैकेज का वितरण

- उन्होंने कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए रु. 1.1 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना की घोषणा की।
- इनमें से रु. 50 हजार करोड़ स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए होंगे।
- इस योजना का लक्ष्य गैरआरक्षित क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा अवसंरचना को ऊंचा उठाना है।
- उन्होंने आपातकालीन ऋण रेखा गारंटी योजना, ECLGS के लिए रु. 1.5 लाख करोड़ की घोषणा की जिसे मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के हिस्से के रूप में लागू किया गया था।
- उन्होंने सूक्ष्म वित्त संस्थानों के द्वारा छोटे उधार लेने वालों को रु. 1.25 लाख तक के ऋणों के लिए एक नई रू. 7,500 करोड़ की योजना की भी घोषणा की।

नाभिकीय सक्षम अग्नि पी मिसाइल का परीक्षण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक नई पीढ़ी की नाभिकीय सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल, अग्नि पी (प्राइम) का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

अग्नि पी (प्राइम) के बारे में जानकारी

- यह एक नई पीढ़ी की अग्नि वर्ग की मिसाइलों का उन्नत प्रकार है।
- यह एक कनिस्तरीकृत मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 1,000 से 2,000 किमी. के बीच में है।
- मिसाइल ने पाठ्यपुस्तक प्रक्षेप पथ का पालन किया, जिसमें उच्च स्तर की सटीकता के साथ अभियान के सभी उद्देश्यों को हासिल किया गया।

- मिसाइलों का अग्नि वर्ग भारत के नाभिकीय प्रक्षेपण क्षमता का आधार है जिसमें पृथ्वी लघु मारक क्षमता की बैलिस्टिक मिसाइलें, पनडुब्बी से प्रक्षेपित की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू एयरक्राफ्ट शामिल हैं।

डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट कानून (DMCA)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और कानून एवं न्याय मंत्री रविशंकर प्रसाद का ट्विटर खाता एक घंटे के लिए बंद कर दिया गया। इसका तथाकथित कारण डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट कानून (DMCA) के उल्लंघन के लिए एक नोटिस प्राप्त करना था।

डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट कानून (DMCA) के बारे में जानकारी

- डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट कानून, अथवा DMCA संयुक्त राज्य अमेरिका में 1998 में पारित किया गया था और दुनिया का इंटरनेट पर बौद्धिक संपदा को मान्यता देने वाला पहला कानून है।
- यह कानून दो संधियों के क्रियान्वयन की देखभाल करता है जिन्हें 1996 में विश्व बौद्धिक संगठन (WIPO) के सदस्य देशों द्वारा हस्ताक्षरित और माना गया था।
    a. WIPO कॉपीराइट संधि
    b. WIPO प्रदर्शन और फोनोग्राम्स संधि।
- दोनों ही संधियां सदस्य देशों और हस्ताकर्ताओं से यह दरकार करती हैं कि वे अपने अधिकारक्षेत्रों में बौद्धिक संपदा को संरक्षण प्रदान करें जिन्हें विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा सृजित किया गया हो जो इस संधि के सह-हस्ताक्षरकर्ता हैं।
- यह संधि यह दायित्व सौंपती है कि संधि पर हस्ताक्षरकर्ता कॉपीराइट वाले कार्य को संरक्षित करने के लिए प्रयोग किए गए तकनीकी उपायों के उल्लंघन को रोकें।
- यह डिजिटल विषयवस्तु को जरूरी अंतरराष्ट्रीय कानूनी संरक्षण भी उपलब्ध कराता है।

WIPO क्या है और यह किस तरह से इंटरनेट पर विषयवस्तु के संरक्षण को सुनिश्चित करता है?

- 1990 के दशक के उत्तरार्ध में इंटरनेट के तेजी से व्यावसायीकरण के साथ जो इन्टरनेट पर प्रदर्शित किए जाने वाले स्थिर विज्ञापन पैनलों के साथ शुरू हुआ, यह वेबसाइट के स्वामियों के लिए महत्वपूर्ण हो गया कि वे अपने वेबपेज पर यूजर को ज्यादा समय व्यतीत करने के लिए मजबूर करें।
- इसके लिए, सृजनकर्ताओं द्वारा ताजी विषयवस्तु सृजित की गई और इंटरनेट पर साझा की गई।

- समस्या उस समय शुरू हुई जब गैरजिम्मेदार वेबसाइटों द्वारा विषयवस्तु की नकल की जाने लगी अथवा प्रयोगकर्ता जो अपने स्वयं के द्वारा विषयवस्तु नहीं सृजित करते थे।
- इसके आगे, जब पूरी दुनिया में इंटरनेट का विस्तार हुआ, उन देशों को छोड़कर जहां विषयवस्तु का सृजन किया गया अन्य देशों ने भी वेबसाइटों द्वारा सृजित की गई विशिष्ट विषयवस्तु को कॉपी करना शुरू कर दिया।
- इसको रोकने और गैरप्राधिकृत कॉपी करने वालों को सबक सिखाने के लिए WIPO के सदस्य भी, जिसकी स्थापना 1967 में की गई थी, डिजिटल विषयवस्तु को कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा संरक्षण देने के लिए राजी हो गए।
- **वर्तमान समय तक, पूरी दुनिया में 193 देश, जिसमें भारत भी शामिल है, WIPO के सदस्य हैं।**

हिमस्खलन की वजह से चमोली आपदा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आपदा प्रबंधन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, चमोली जिले, उत्तराखंड में फरवरी 7 की अचानक आई बाढ़ बर्फ और शैल हिमस्खलन के बड़े द्रव्यमान साथ ही रौंथी गढ़ घाटी तलहटी में लटक रहे शैल के टुकड़े के गिरने की वजह से आई।
- इसके प्रभाव ने शैल, बर्फ के संयोजन को पीस कर रखा दिया जिससे **रौंथी गढ़ के नीचे की ओर और ऋषि गंगा घाटी में तेजी से प्रवाह हुआ जिससे बाढ़ आ गई।**
- **इसमें हिमनदीय झील के फटने से बाढ़** (GLOF) **का कोई प्रमाण नहीं था जैसा कि पहले सोचा जा रहा था।**

प्रभाव

- जल प्रलय ने दो पनबिजली परियोजनाओं- **ऋषिगंगा लघु पन परियोजना और राष्ट्रीय तापीय विद्युत निगम (NTPC) की तपोवन परियोजना** को को नष्ट कर दिया था। यह परियोजना उत्तरी उत्तराखंड में धौलीगंगा नदी के किनारे पर स्थित है। यह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और जल भरने की वजह से काफी मजदूर सुरंगों में फंस गए।

हिमस्खलन के बारे में जानकारी

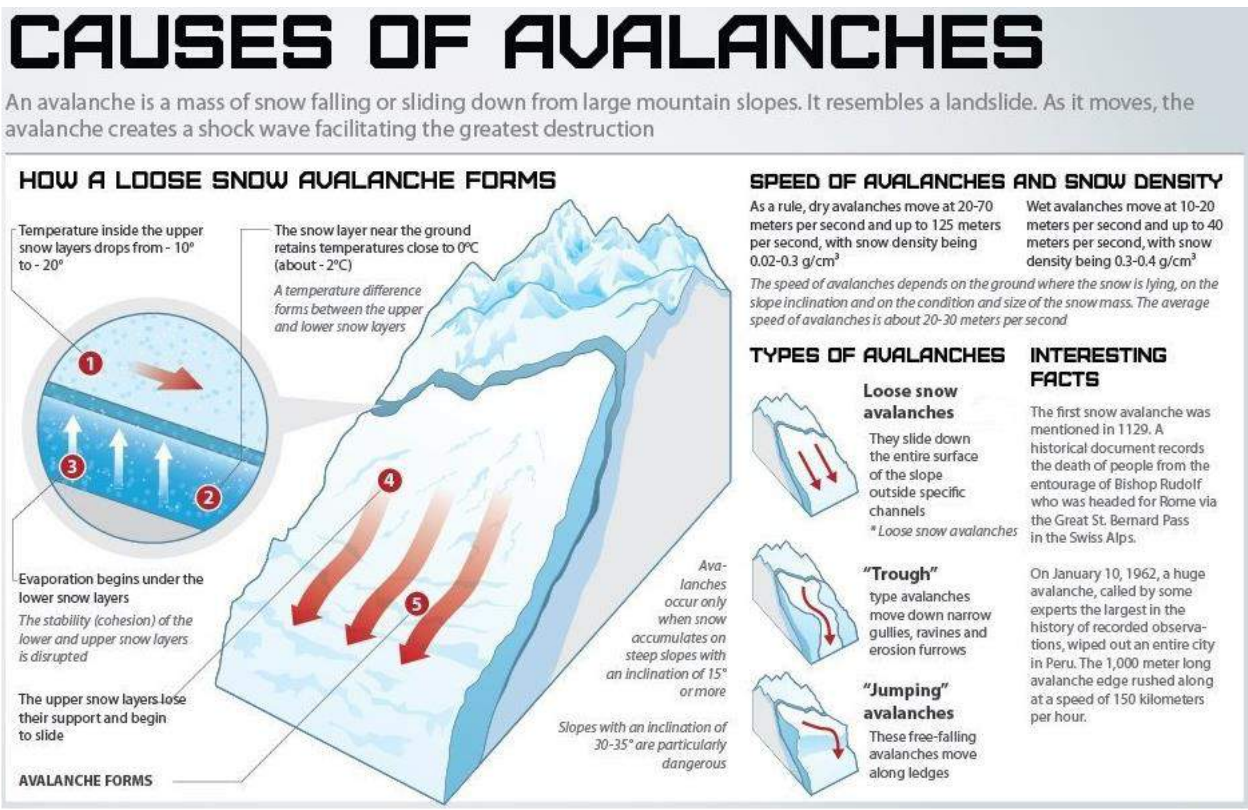

- एक हिमस्खलन (इसे बर्फ का लुढ़कना भी कहते हैं) किसी ढलान पर तेजी से बर्फ का लुढ़कना है, जैसे कि किसी पहाड़ी या पर्वत से।
- हिमस्खलन अचानक शुरू हो सकते हैं, जिसके कारक बढ़ा हुआ वर्षण अथवा जमी बर्फ का ढीला हो जाना अथवा बाह्य कारणों जैसे मानव, जानवर और भूंकप हो सकते हैं।
- प्रारंभिक तौर पर इनकी संरचना लुढ़कती हुई बर्फ और वायु है, बड़े हिमस्खलनों में बर्फ, शैलों और पेड़ों पर पकड़ बनाकर उन्हें गतिमान करने की क्षमता होती है।

ये दो सामान्य रूपों में होते हैं अथवा कुछ संयोजन निम्न हैं:

a. खंड हिमस्खलन अच्छे से बंधी हुई बर्फ से बने होते हैं, जिसमें नीचे की कमजोर बर्फ के स्तर के गिरने से यह शुरू होता है।
b. ढीले बर्फ के हिमस्खलन ढीली बर्फ के बने होते हैं।

- हिमस्खलन किसी भी पर्वत श्रृंखला में हो सकते हैं जहां स्थाई बर्फ का जमाव होता है।
- वे जाड़े अथवा बसंत में ज्यादा होते हैं, लेकिन साल के किसी भी समय हो सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में, हिमस्खलन जीवन एवं संपत्ति के लिए सबसे ज्यादा गंभीर प्राकृतिक खतरे होते हैं और इसलिए हिमस्खलन को नियंत्रित करने के लिए काफी प्रयास किये जाते हैं।

हिमनदीय झील के फटने से बाढ़ के बारे में जानकारी

- हिमनदीय झील फटने से आने वाली बाढ़ (GLOF) एक प्रकार की फटने वाली बाढ़ है जो तब आती है जब हिमनदीय झील वाले बांध टूट जाते हैं।
- GLOF के समान ही एक घटना, जहां हिमनद में जल का जमाव पिघलता अथवा हिमनद से बाहर निकल जाता है, को **जोकुलह्लौप** कहते हैं।
- बांध में हिमनद बर्फ अथवा एक टर्मिनल हिमोद हो सकता है।

- बांध टूटने का कारण क्षरण, जल दबाव का बनना, शैल अथवा भारी बर्फ का हिमस्खलन, भूकंप अथवा क्रायोसेसिज्म, बर्फ के नीचे ज्वालामुखी का फटना, अथवा किसी हिमनदीय झील में जल का जबर्दस्त विस्थापन जब बगल का हिमनद इसमें टूट कर गिर जाता है, हो सकता है।

संबंधित सूचना

<u>तपोवन विष्णुगढ़ पनबिजली संयंत्र</u>

Tapovan Vishnugad

Address	Kagbhusandi Office, Badrinath Road, Joshimath, District Chamoli, Uttarakhand-246443
Telephone	(STD Code - 01389) 222192
Fax	222435
Approved Capacity	520 MW
Installed Capacity	Under Construction
Location	Chamoli, Uttarakhand
Water Source	Dhauliganga river
Beneficiary States	Uttarakhand.
Approved Investment	Rs. 2978.5 Crore.
Unit Sizes	4X130 MW
Units Commissioned	Under Construction

- तपोवन विष्णुगढ़ पनबिजली संयंत्र एक 520 मेगावाट का नदी का भाग पनबिजली परियोजना है जिसे भारत के उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले की धौलीगंगा नदी पर निर्मित किया जा रहा है।
- इस संयंत्र के वार्षिक रूप से 2.5 गीगावाट विद्युत उत्पन्न करने की संभावना है।
- यह बिजली संयंत्र अलकनंदा नदी पर नीचे की ओर स्थित है।
- बैराज को **धौलीगंगा नदी** के आरपार निर्मित किया जा रहा है और **इसका जलग्रह क्षेत्रफल 3,100 किमी. है।**

गंगा बेसिन में हिमनदीय झीलों का मानचित्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आपदा प्रबंधन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जलशक्ति मंत्रालय ने हिमनदीय झीलों के अद्यतन मानचित्र को जारी किया है जो गंगा नदी बेसिन का हिस्सा हैं।

गंगा बेसिन में हिमनदीय झीलों के मानचित्र के बारे में जानकारी

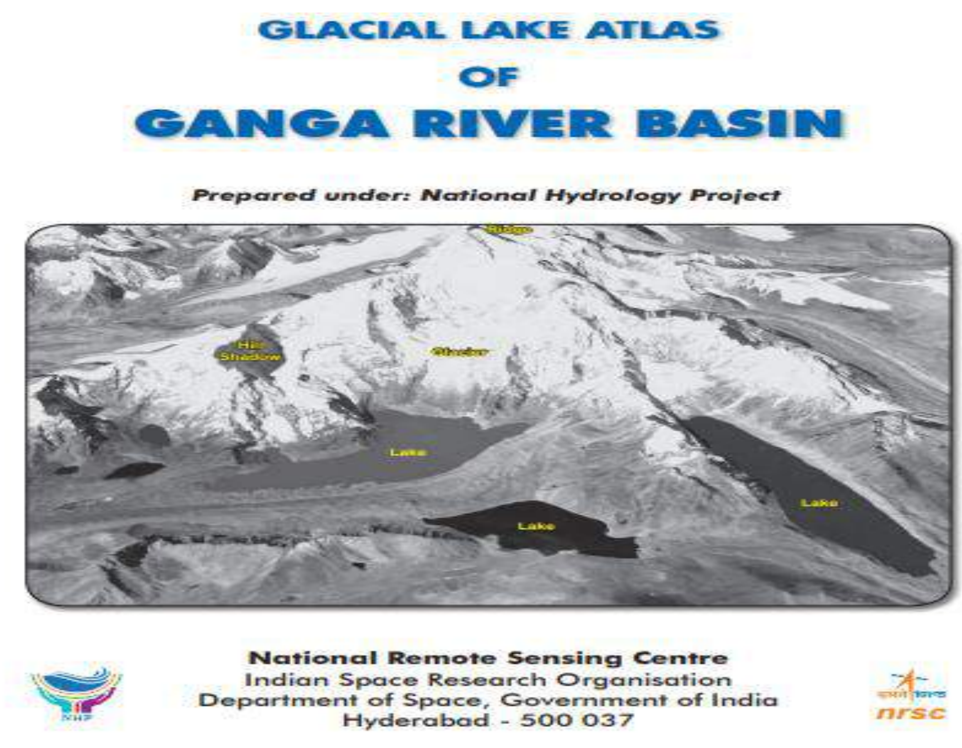

- इसे **राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (NHP)** के तहत तैयार किया गया है।

- NHP परियोजना को **जल संसाधन विभाग, नदी विकास एवं गंगा पुनर्जीवन (DoWR, RD&GR), जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। विश्व बैंक इसे वित्तीय मदद दे रही है।**

उद्देश्य

- परियोजना का उद्देश्य जल संसाधन सूचना के दायरे और पहुँच में सुधार करना और पूरे भारत में सुधरे हुए जल संसाधनों की योजना और प्रबंधन को सक्षम बनाकर संस्थागत क्षमता को मजबूत करना है।

मिशन

- इस मिशन का उद्देश्य प्रभावी और अच्छे जल विज्ञानी डाटाबेस और जल वैज्ञानिक सूचना प्रणाली (HIS) को स्थापित करना है। साथ ही स्थाई और वैज्ञानिक तौर पर आधारित उपकरणों और डिजाइन सहायकों का विकास करना है जिससे क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को प्रभावी जल संसाधन योजना और प्रबंधन में सहायता मिल सके।

प्रमुख खास बातें

- 0.25 हेक्टेयर से ज्यादा जल फैलाव क्षेत्रफल वाली हिमनदीय झीलों का नक्शांकन **रिसोर्ससेट-2 (RS-2) लिनियर इमेजिंग सेल्फ स्कैनिंग सेंसर-IV (LISS-IV) उपग्रह डाटा का प्रयोग करके किया गया।**
- यह मानचित्र गंगा नदी बेसिन के संपूर्ण जलग्रह में सभी हिमनदीय झीलों के विवरणों को उपलब्ध कराता है। यह भारतीय और अंतरसीमा क्षेत्र दोनों में ही है।
- इस मानचित्र में हिमनदीय झीलों के क्षेत्रफल के फैलाव के विवरण शामिल हैं, साथ ही 9 श्रेणियां भी शामिल हैं।
- इसके आगे, यह मानचित्र क्षेत्रफल बनाम प्रकार, ऊंचाई, क्षेत्रफल बनाम ऊंचाई और प्रकार बनाम ऊंचाई, घाटियों पर, उपघाटियों, प्रशासनिक और अंतरसीमा क्षेत्रों के संदर्भ में हिमनदीय झीलों के वितरण को प्रस्तुत करता है।
- यह मानचित्र जलविज्ञानी, ज्यामितीय, भौगोलिक, स्थलाकृतिक गुण सूचना पर विचार करते हुए विशिष्ट ID के साथ सभी हिमनदीय झीलों की समग्र सूची उपलब्ध कराता है।

मानचित्र की संभावित उपयोगिता

- यह मानचित्र गंगा नदी बेसिन के लिए समग्र एवं सुव्यवस्थित हिमनदीय झील डाटाबेस उपलब्ध कराता है।

- मौसम परिवर्तन प्रभाव विश्लेषण के संदर्भ में, मानचित्र परिवर्तन विश्लेषण करने के लिए संदर्भ आंकड़ों के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। यह ऐतिहासिक और भविष्य के समयकालों दोनों के ही संदर्भों में है।
- मानचित्र नियमित अथवा अवधिकालिक निगरानी परिवर्तनों में स्थानिक दायरे (विस्तार/संकुचन) और नई झीलों के निर्माण के लिए सही डाटाबेस भी उपलब्ध कराता है।
- इस मानचित्र का प्रयोग हिमनद सूचना के साथ संयोजन में उनके घटने और मौसम प्रभाव अध्ययनों के लिए किया जा सकता है।
- हिमनदीय झीलों पर सूचना जैसे उनके प्रकार, जलवैज्ञानिक, भूस्थलाकृतिक और संबद्ध हिमनद संभावित महत्वपूर्ण हिमनदीय झीलों की पहचान और फलस्वरूप GLOF जोखिम के लिए उपयोगी होती है।
- केंद्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मानचित्र का प्रयोग आपदा शमन योजना और संबंधित कार्यक्रमों में कर सकते हैं।
- इसका प्रयोग नये पनबिजली/बहुउद्देश्यीय परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयारी के लिए किया जा सकता है।

संबंधित सूचना

हिमनदीय झीलों के बारे में जानकारी

- हिमनदीय झीलें सामान्य तौर पर हिमनद के तलहटी में निर्मित होती हैं।
- जैसे जैसे हिमनद गतिमान और प्रवाह करते हैं, वे अपनी चारों ओर की मिट्टी और रेत का क्षरण करते हैं, जिससे भूमि पर गड्ढे और सांचे बन जाते हैं।
- हिमनद से पिघला हुआ जल गड्ढों को भर देता है जिससे झील बनती हैं।

हिमनदीय झीलों का प्रकार

Table 3: Glacial lake types and their identification keys

S.No.	Lake Type	Lake Subtype	Code	Identification Keys
1	Moraine-dammed Lake	End-moraine Dammed Lake	M(e)	Lake dammed by end (terminal) moraines
2		Lateral Moraine Dammed Lake	M(l)	Lake dammed by lateral moraine(s) not in contact with glacial ice
3		Lateral Moraine Dammed Lake (with Ice)	M(lg)	Lake dammed by lateral moraine(s) in contact with glacial ice
4		Other Moraine Dammed Lake	M(o)	Lake dammed by other moraines
5	Ice-dammed Lake	Supra-glacial Lake	I(s)	Pond or lake on the surface of a glacier
6		Glacier Ice-dammed Lake	I(d)	Lake dammed by glacier ice with no lateral moraines
7	Glacier Erosion Lake	Cirque Erosion Lake	E(c)	A small pond occupying a cirque
8		Glacier Trough Valley Erosion Lake	E(v)	Lakes formed in the glacier trough as a result of the glacier erosion process
9		Other Glacial Erosion Lake	E(o)	Bodies of water occupying depressions formed by the glacial erosion process
10	Other Glacial Lake	Other Glacial Lake	O	Lakes formed in a glaciated valley, and fed by glacial melt, but damming material not directly part of the glacial process

आगे पढ़ने के लिए:

http://nhp.mowr.gov.in/HomeNew/Glacial_Lake_Atlas_Ganga_Basin_NRSC.pdf

बरनाडी अभ्यारण्य

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, प्रकृति भारत के लिए विश्वव्यापी कोष (WWF) और असम वन विभाग के अधिकारियों ने असम के बरनाडी वन्यजीवन अभ्यारण्य में कुछ बाघों को रहते हुए पाया।

बरनाडी वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में जानकारी

- यह भूटान की सीमा पर उत्तरी असम के बक्सा और उदालगुरी जिले में स्थित है।
- अभ्यारण्य के पश्चिम और पूर्व में क्रमशः बरनाडी और नालापारा नदियों की सीमाएं हैं।

बाघ का स्थाई आवास नहीं है

- बरनाडी बाघ का स्थाई आवास नहीं भी हो सकता है, जो शायद भूटान से आए हों।

संबंधित सूचना

- हाल में, दिहिंग पटकई असम का **सातवां राष्ट्रीय पार्क** बन गया है।

दिहिंग पटकई राष्ट्रीय पार्क के बारे में जानकारी

- दिहिंग पटकई राष्ट्रीय पार्क असम के दिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में स्थित है।
- इसे 13 जून 2004 को वन्यजीवन अभ्यारण्य घोषित किया गया था।
- दिहिंग पटकई वन्यजीवन अभ्यारण्य को हाथी परियोजना के अंतर्गत दिहिंग पटकई हाथी रिज़र्व भी घोषित किया गया था।
- **निचले असम में रायमोना रिज़र्व वन राज्य का छठवां राष्ट्रीय पार्क बन गया।**

असम में अन्य पांच राष्ट्रीय पार्क

- काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, मानस राष्ट्रीय पार्क, नामेरी राष्ट्रीय पार्क, दिब्रू-साईखोवा राष्ट्रीय पार्क और ओरंग राष्ट्रीय पार्क राज्य में स्थित अन्य पांच राष्ट्रीय पार्क हैं।

ओडिशा प्रत्येक जिले में निवेश प्रोत्साहन एजेंसी का गठन करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू बिजीनेस लाइन)

खबरों में क्यों है?

- ओडिशा सरकार ने राज्य में ज्यादा आर्थिक अवसरों को उत्पन्न करने के लिए जिलास्तरीय उद्योग और निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों को गठित करने का निर्णय लिया है।
- यह एक पाइलट परियोजना है जिसे अगस्त में ओडिशा के गंजम, सुंदरगढ़ और जगतसिंहपुर में शुरू किया गया।

प्रबंधन

- इन एजेंसियों का प्रबंधन तीन पेशेवरों के अंतर्गत होगा जिसकी सीधी देखरेख विभिन्न कलेक्टरों द्वारा की जाएगी।

MSME क्षेत्र का महत्व

- ये एजेंसियां सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सुगमता की ओर समर्पित होंगी।
- ये सभी उद्यमियों और निवेशकों के लिए एक एकल बिंदु संपर्क के रूप में संचालित होंगी।
- ये एजेंसियां MSME उद्यमियों को परियोजना बनने से लेकर और क्षमता निर्माण एवं वित्त पोषण, उत्पादन के शुरू होने और बाजार जुड़ाव तक प्रोत्साहन प्रदान करेंगी।
- ये प्रचलित प्रावधानों के अनुसार सरकार से विभिन्न सहायता प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करेंगी।